

SHRI KRISHNA UNIVERSITY

CHHATARPUR, MADHYA PRADESH (INDIA)

University Campus :
National Highway, Sagar Road, Chhatarpur (M.P.) 471301

+91 6262180303, 6262180707, 6262618017

info@skuindia.com www.skuindia.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-2023

Approved By UGC & Madhya Pradesh Government

Hi-Tech

University

in Central India

SKU

CHHATARPUR, M.P.

वार्षिक प्रतिवेदन

01 जुलाई 2022 से 30 जून 2023 तक

कुलाधिपति का संदेश



मेरे प्रिय आत्मीय जन्.....

उच्च शिक्षा राष्ट्र का आधार स्तम्भ होती है। युवा राष्ट्र का सर्वस्य होता है। उनके सबल कंधों पर राष्ट्र का भविष्य निर्भर करता है। शिक्षा का जीवन स्तर जितना ऊँचा होगा, राष्ट्र उतना ही स्वावलम्बी होगा इसलिए ज्ञानार्जन ही राष्ट्र की बहुमूल्य सम्पत्ति है। ज्ञान के समान पवित्र अन्य कोई विषयवस्तु नहीं है। ज्ञान का केन्द्र अच्छी शैक्षणिक संस्थाएँ होती है शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन भी एक राष्ट्रीय दायित्व है। इन्ही पवित्र उद्देश्यों के वरण हेतु स्व.श्री बलवीर सिंह गौतम शिक्षा प्रसार एंव जन कल्याण समिति, छतरपुर द्वारा वर्ष २००८ में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। हम अपने कर्तव्य का पालन करते हुए विश्वविद्यालय को एक उज्ज्वल पथ की ओर ले जा रहे हैं। विश्वविद्यालय समुदाय और छात्रों की बेहतरी के लिए अपने सभी कार्यक्रमों को अधिक-से-अधिक प्रायोगिक स्तर तक ले जाकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आदेश के अनुसार शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और रोजगार परक पाठ्यक्रमों का संचालन करके शत् प्रतिशत सकल छात्र अनुपात के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित नाम और प्रसिद्धि स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि संस्थागत विरासत के रखरखाव के लिए इसमें शामिल सभी लोगों के अथक परिश्रम की आवश्यकता होती है। सबसे निचली सीढ़ी पर बैठे एक कर्मचारी के छोटे से योगदान ने भी विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमेशा ऊर्जावान और जिज्ञासु छात्रों और समर्पित योग्य प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय को सीखने और अनुसंधान का एक महान संस्थान बनाने के लिए अथक प्रयास किया है-। उनके अमूल्य योगदान के कारण ही यह संस्था निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम

कुलाधिपति

चेयरमैन का संदेश



प्रिय आत्मीय जन.....

विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का केन्द्र होता है। राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर समस्त देशवासियों के लिए समुचित शिक्षा का विकेन्द्रीकरण करते हुये विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। शिक्षा के प्रसंग में प्रादेशिक स्तर पर बुदेलखंड को समुन्नत बनाने के लिए मध्यप्रदेश के राजपत्र में प्रकाशानुसार दिनांक २८ जुलाई २०१८ को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय में शिक्षा का मूल प्रयोजन समाज को दिशा देना और युवाशक्ति को सकारात्मक और सृजनशील ढंग से ऊर्जान्वित करना है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है जो विद्यार्थियों के विविधतापूर्ण समूह की आवश्यकताओं को व्यापक स्तर पर पूरा करने का प्रयास करता है। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, परिष्कृत प्रयोगशाला सुविधाएं और एक उच्च एवं योग्य संस्थान ही प्रतिभाशाली छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। विगत चार वर्षों में शैक्षणिक गतिविधियों, खेलकूद, शोध, अकादमिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में भी विश्वविद्यालय ने अविस्मरणीय पहचान बनाई है।विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न परीक्षाओं के साथ- साथ कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग कर शीर्ष प्रदर्शन कर रहे है। विश्विद्यालय में संचालित नेशनल केडिट कोर (एन.सी.सी.) राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) भी अपनी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास पर केंद्रित दृष्टि से हम, एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण में योगदान करने का सफल प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम

चेयरमैन

कुलपति का संदेश



मेरे प्रिय आत्मीय जन्.....

राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६ में वंचित वर्गों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य रखा गया है। तथा समिति के उद्देश्यों के अनुसार संस्थापकों द्वारा विश्वगुरू "(योगेश्वर श्री कृष्ण") की शिक्षाओं को अपने अन्त:करण में धारण कर बुन्देलखण्ड और आस-पास के छात्र/छात्राओं को ज्ञानगंगा के अवगहन के अनवरत अवसर प्रदान करने के लिए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष २०१८ में की गयी।

लगभग तीन वर्षों के अनुभव के साथ गर्व और सम्मान से अपनी सेवा ऐसे संस्थान को समर्पित कर रहा हूँ, जो शिक्षा के क्षेत्र में सत्यनिष्ठा, रचनात्मकता और गुणवत्तापूर्ण रोजगारपरक शिक्षा को महत्व देता है। उत्कृष्ट अभ्यास-आधारित और कार्य-आधारित अनुभवात्मक शिक्षा में छात्रों को प्रशिक्षित करने की धारणा के साथ ने ज्ञान और कौशल निर्माण के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करके शिक्षा के क्षेत्र में अनंत सीमाएँ निर्धारित की हैं। यह छात्रों के लिए विश्व स्तर पर प्रासंगिक है, इस प्रकार उन्हें भविष्य के उद्यमों के लिए तैयार करता है। अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से प्रेरणादायक शिक्षा का कठोरता से अभ्यास और समर्थन कर रही है। इस आस्था के साथ मध्यप्रदेश के अत्यंत पिछड़े क्षेत्र छतरपुर जिले में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना की जो मध्यप्रदेश के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपनी नई पहचान स्थापित करेगा साथ-ही-साथ शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में नित नई ऊंचाईयों के अवसर सुलभ होगे जो वर्तमान युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

डॉ.अनिल कुमार धगट

कुलपति

कुलसचिव का संदेश



प्रिय आत्मीय जन.....

भारतीय शिक्षा प्रणाली के नैतिक, आध्यात्मिक और नैतिक सार और लोकाचार को जीवित रखते हुए अकादमिक उत्कृष्टता की खोज को महानगरीय और वैश्विक मूल्यों के साथ मिश्रित करने की आवश्यकता है। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में शिक्षा को एक परिवर्तनकारी यात्रा के रूप में देखा जाता है और मानव क्षमता की जांच,सीखने और अधिकतम करने की यात्रा है जिसका अवसर सभी को प्रदान किया जा रहा है। सच्ची शिक्षा छात्रों की आत्मा पर अपनी औपचारिक शिक्षा पूरी करने के लंबे समय बाद तक अपनी छाप छोड़ती है और सकारात्मक बदलाव लाती है, जिससे बेहतर भविष्य के लिए समग्र स्थिरता विकसित होती है।

विश्वविद्यालय के समस्त विभागों की कक्षाओं की समन्वय प्रणाली, दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली के साथ-साथ वर्चुअल क्लास रूम के साथ एक ई-लर्निंग और ई-कनेक्ट वातावरण प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय एक शांत वातावरण में स्थित है। पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों की घनिष्ठ संरचना के साथ शांति छात्रों में शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को आकार देने में मदद करती है। विश्वविद्यालय छात्रों को एक सहक्रियात्मक वातावरण प्रदान कर रहा है जिससे उन्हें अपने जीवन के उद्देश्यों को आगे में निरन्तर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

श्री विजय सिंह

कुलसचिव

Our Vision

Shri Krishna University aspires to be one of the most vibrant, dynamic, universities of India. University will actively promote and preserve moral values, ethics in higher education. Courses offered will be in accordance to socio-economic scenario of the state. University provide a transformative educational experience for students focused on deep disciplinary knowledge; problem solving; leadership, communication, and interpersonal skills; and personal health and well-being.

Four basic principles shall guide the Shri Krishna University: Our research, education and cooperation shall be characterised by a quest for high quality; our standpoints and decisions shall be based on a clear responsibility for the development of society; our work shall be guided by a global engagement that constantly reminds us of our role in the world; and an inspiring work environment is an important prerequisite.

Our Vision Will Set The Direction

- Becoming a vibrant knowledge Centre and a Centre of Excellence in teaching, research and extension activities.
- Bringing about conservation, creation advancement and dissemination of knowledge.
- Creating technologically equipped thought and action leaders in a wide range of spheres by providing value-based and high quality education.
- Generating cutting edge research and innovations and enabling empowerment through social and regional inclusion.
- Increasing global linkages by attracting international students and establishing collaborative programmes with educational institution of repute.

A Quality-Driven University

Shri Krishna University is characterised by innovative multidisciplinary research based on strong individual disciplines. All education is research based; as part of their studies, our students are put in contact with active researchers and highly advanced research. The quality of our research and education is strengthened through close contacts with the world around us.

Strong Civic Responsibility

Shri Krishna University in various disciplines are contributing to solutions of both regional and global problems. Our programme catalogue is very broad, reflecting not only the needs of students and the surrounding world but also our responsibility for lifelong learning and promoting the general level of knowledge in society. We are engaged in close cooperation with the surrounding society, work for sustainable development and are an active and appreciated provider of knowledge.

Global Engagement

Shri Krishna University is characterised by global perspectives and attracts leading researchers from around the world. All programmes offer international outlooks and student exchange opportunities. Attractive highly advanced programmes attract students from all over the world. The University is a prioritised cooperation partner in international initiatives.

Inspiring Work Environment

Shri Krishna University is characterised by a stimulating and dynamic work environment where respect for everybody's equal value is completely natural. The University is an attractive employer and the study environment provides optimal work conditions for students. The organisation is characterised by effective information provision and qualified support functions

Our Mission

The mission of the Shri Krishna University is to provide superior education and exceptional knowledge to its students, not only in terms of their intellectual growth and development, but also in terms of growth and development of their human qualities and ethical values, and inspiring their wish and inclination to be leaders, moving the boundaries of knowledge and higher education, promoting intellectual surroundings which cherishes and honors true values, respect and accepting people's differences and devotion to knowledge, development and human values.

Our Mission Statement

- **Strengthening the academic advancement with the global competitiveness.**
- **Be the most preferred choice of students, faculty and industry.**
- **Have an ethical attitude and approach, and activities characterised by equal opportunities**
- **Bringing about conservation, creation, advancement and dissemination of knowledge.**
- **Imparting need based updated curriculum.**
- **Provide congenial ambience on the campus.**
- **Provide Industry/Corporate exposure to the students.**
- **Establishing the strong research practices among faculty and students.**
- **Encouraging students for field based learning and also to address the social issues with the help of soft skills more rationally.**
- **Develop the determination to achieve a sustainable development in the areas of social justice, equity and access.**

Our Strategy sets out goals and actions that target areas of challenge while laying the foundations for on-going success into the future. Informed by analysis, reflection and broad engagement we have determined we need to consolidate and enhance our position as a world-leading University and:

- **Strengthen and enrich our core activities of Education and Research**
- **Address the changing expectations of our students**
- **be an integrated educational and research environment.**
- **Target investment in research strengths**
- **Focus on enhancing quality**
- **Continue to differentiate The Shri Krishna University on the basis of an outstanding student experience and our distinct approach to education.**

First-class education

Education at Shri Krishna University is characterised by its association with research. Students acquire up-to-date knowledge as well as the skills and capacity for independent and critical thinking.

Attaining excellence and benefiting society

Shri Krishna University's endeavour to combine academic excellence with providing benefit to society will be grounded in integrity, collegiality, quality and openness. Education and research will be developed in open dialogue and multi-faceted cooperation with the wider community.

www.skuindia.ac.in

SKU at a Glane

Shri Krishna University is to provide superior education and exceptional knowledge to its students, Our Strategy 2020 sets out goals and actions that target areas of challenge while laying the foundations for on-going success into the future. Informed by analysis, reflection and broad engagement we have determined we need to consolidate and enhance our position as a world-leading University. Established Under the provisions given in Section 4 of the Madhya Pradesh Private Universities Sthapana Avam Sanchalan Adhiniyam 2008

- **Industry Based Curriculum**
- **Our Faculty**
- **Teaching Methodology**
- **Imparting updated curriculum**
- **Vibrant Campus Student Life**
- **Strengthen of our core activities**
- **Industry Mentoring Programs**
- **Excellent Career Paths**

SKU University campus is a diverse, sociable community, where imagination thrives and ambitions are realized. The University is committed to providing a positive learning environment free from any form of discrimination, harassment and bullying, where all students are treated with respect and dignity.

- **Career Development Service**
- **Conference Services**
- **Counselling (Students)**
- **Health Centre**
- **Postal and Courier Services**
- **Procurement Unit**
- **Recruitment**
- **Student Learning Development**
- **Web Centre**



LATE SHRI BALBEER SINGH GAUTAM

Our Inspiration

Late Shri Balbeer Singh Gautam was always conscious and aware fo the education deprived Bundelkhand area and had a dread t develop an educational hub in Chhatarpur, Madhya Pradesh. Late Shri Balbeer Singh Gautam JI was MA in Political Science, MA in English and Law graduate. Immense need of higher education in Bundelkhand region gave birth to Krishan Group of Education in the year 1999 at Chhatarpur MP. For running institutions properly a society Late Shri Balbeer Singh Gautam Shiksha Prasar Evam Jankalyaan Samiti Chhatarpur (M.P.) was established in year 2008. At present Krishna Group of Education hs separate identity and well renowed name in whole central part of India. Group is also planning to establish a world class hospital in central part of Bundelkhand i.e. Chhatarpur.

The name “Krishna” is derived from its etymology signifying the “darkness” from which the perfect manifestation of the University and Divinity can be visualized. The energy of light can be absorbed into “Krishna which embodies comic consciousness. Founder members always believe in Lord Shri Krishna. They never forget that during Periods of Struggle in their life, when there was no hope from anywhere, it is name of Lord Shri Krishna which always provided moral and mental support.

www.skuindia.ac.in

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय के प्रमुख



माननीय श्री मंगू भाई पटेल
महामहिम राज्यपाल
म.प्र. शासन



श्री शिवराज सिंह चौहान
माननीय मुख्यमंत्री
म.प्र. शासन



डॉ. भरत शरण सिंह
चेयरमैन, म.प्र. निजी वि.वि.
विनियामक आयोग, भोपाल



डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम
चेयरमैन
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय अधिकारी



डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम
माननीय कुलाधिपति
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.



डॉ. अनिल कुमार धगट
द्वितीय कुलपति
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.



श्री गिरीश त्रिपाठी
उप कुलपति
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.



श्री विजय सिंह
कुलसचिव
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

www.skuindia.ac.in

वार्षिक कार्य/ गतिविधियाँ विवरणिका

1. प्रशासनिक कार्य/गतिविधियाँ

1.1 विश्वविद्यालय की स्थापना।
1.2 संस्थागत कुलपति।
1.3 विद्या परिषद्

2. अकादमिक कार्य/गतिविधियाँ

2.1 अध्ययन मंडल का गठन।
2.2 प्रवेश प्रक्रिया।
2.3 परीक्षा का आयोजन।
2.4 परीक्षाओं के लिये उड़नदस्ता का गठन।

3. विकासशील कार्य/गतिविधियाँ

3.1 विश्वविद्यालय की प्रारंभिक व्यवस्था।
3.2 विश्वविद्यालय के अधोसंरचना के निर्माण की स्थिति।
3.3 विश्वविद्यालय की वाहन व्यवस्था।
3.4 विश्वविद्यालय में आद्यतन तकनीति संसाधन एवं प्रयोग।

4. सांस्कृतिक एवं नवाचार के कार्य/गतिविधियाँ

4.1 विश्वविद्यालय में किया गया वृहद वृक्षारोपण
4.2 आत्मनिर्भर भारत की नीव है रोजगार
4.3 गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर हुआ वरिष्ठ प्राध्यापकों का सम्मान
4.4 हरियाली महोत्वस के अंतर्गत हुआ वृहद वृक्षारोण कार्यक्रम आयोजित
4.5 अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर बेवीनार का आयोजन
4.6 राज्य आनंद संस्थान की ओर से किया गया कार्यक्रम आयोजित
4.7 भोपाल में हुयी राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत में शामिल हुआ श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का छात्र आकाश गौतम
4.8 भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत द्वारा बौद्धिक सत्र का आयोजन
4.9 गौ-शाला के लिये भूमिपूजन एवं वृहद वृक्षारोपण कर मनाया चौथा स्थापना दिवस
4.10 छात्रों का हुआ केंपस प्लेसमेंट
4.11 एन.सी.सी. कैडेट अण्डर ऑफिसर अनमोल चतुर्वेदी का हुआ चयन
4.12 एस.बी.आई एवं इनोव सोर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कैम्पस प्लेसमेंट
4.13 कवियत्री रैनू शाहनवाज हुसैन ने किया काव्य पाठ
4.14 फिटनेस की डोज आधा घंटे रोज
4.15 मानव श्रृंखला के द्वारा भारत के मानचित्र का निर्माण
4.16 संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह ने किया ध्वजारोहण
4.17 स्वालंबी भारत अभियान का आयोजन
4.18 विधिक सहायता शिविर एवं वृक्षारोपण का भव्य आयोजन
4.19 हिन्दी विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन
4.20 फीमेल हाइजीन का आयोजन
4.21 राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर वेबीनार आयोजित
4.22 ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो पर वेबीनार आयोजित
4.23 कैम्पस प्लेसमेन्ट
4.24 लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला का एन.सी.सी. पर व्याख्यान
4.25 औषधीय पौधों के गुणों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
4.26 केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार को किया सम्मानित
4.27 डॉ. जे.पी.मिश्रा को म.छ.बु.विश्वविद्यालय के कुलसचिव बनने पर बधाई
4.28 भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं का भ्रमण कर वापस लौटा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक
4.29 खादी प्रदर्शनी पर भव्य आयोजन
4.30 राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

www.skuindia.ac.in

4.31 स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन
4.32 9 संस्थानों के बीच हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध
4.33 दीक्षारंभ कार्यक्रम
4.34 युवा उत्सव का शुभारंभ
4.35 युवा उत्सव के द्वितीय दिवस पर हुये कार्यक्रम
4.36 25 एम.पी.एन.सी.सी. बटालियन की भर्ती
4.37 युवा उत्सव का हुआ समापन
4.38 प्रबंधन विभाग के छात्रों का हुआ चयन
4.39 उद्यमिता विकास केंद्र के मध्य हुआ अनुबंध
4.40 राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान
4.41 छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में अहम भूमिका
4.42 सजैविको इंडिया प्रा. लि. का हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध
4.43 जवाहर नवोदय विद्यालय का दीपावली मिलन समारोह
4.44 राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न
4.45 प्रो. सक्सेना ने दान की वनस्पतिशास्त्र की पुस्तकें
4.46 सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया
4.47 मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम
4.48 राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विविध कार्यक्रम
4.49 दस दिवसीय खेल उत्सव हुआ आगाज
4.50 खेल उत्सव के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने लगाये चौके-छक्के
4.51 खेल उत्सव के तीसरे दिन विकटों एवं चौथे दिन मोहरों ने मारी बाजी
4.52 खेल उत्सव के पाँचवे दिन दिया रानी ने चकमा
4.53 खेल उत्सव के दौरान शतरंज के खिलाड़ियों ने मोहरों से दी मात
4.54 विश्वविद्यालय में मनाया गया विधिक सहायता दिवस
4.55 खेल उत्सव के दौरान लंबी ऊंची कूद लगाकर फेंके गए गोला
4.56 खेल उत्सव के दौरान संध्या ने रानी को कुंए में धकेला
4.56 खेल उत्सव के दौरान संध्या ने रानी को कुंए में धकेला
4.57 खेल उत्सव के दौरान क्रिकेट के सेमी फाइनल ने मचाई धूम
4.58 अर्पित सिंह तबला वादन में उत्कृष्ट रहे
4.59 खेल महोत्सव के समापन पर प्रतिभागियों को मैडल, ट्राफी प्रमाणपत्र एवं धनराशि से सम्मानित किया गया
4.60 महारानी लक्ष्मी बाई की स्मृति में हुई प्रतियोगिताऐं
4.61 महारानी लक्ष्मी बाई के जन्म दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम
4.62 सेडमैप के द्वारा कार्यशाला का आयोजन
4.63 वैक्सीनेशन कैम्प हुआ आयोजित
4.64 फार्मेसी संकाय की कार्यशाला का आयोजन
4.65 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया
4.66 विधि संकाय द्वारा मनाया गया संविधान दिवस
4.67 ऑल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग के कैडेट्स हुये सम्मानित
4.68 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों से कराया अवगत
4.69 जी-20 के कार्यक्रमों की जागरूकता के लिए चयनित
4.70 करियर एवं प्लेसमेंट वर्कशॉप का आयोजन
4.71 विधि विभाग द्वारा किया गया मूट कोर्ट का आयोजन
4.72 चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल पर व्याख्यान का आयोजन
4.73 डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर हुई संगोष्ठी
4.74 शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से बाल यौन शोषण पर दिया संदेश
4.75 राष्ट्रीय शिक्षानीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर कार्यशाला
4.76 कृषि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने किचन गार्डन के पौधों का किया वितरण
4.77 विश्वविद्यालय में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव दिवस
4.78 कृषि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित
4.79 एन.सी.सी. बटालियन में किया किचन गार्डन तैयार
4.80 महिला यौन उत्पीड़न पर सेमीनार का हुआ आयोजन
4.81 सुशासन समागम कार्यक्रम में शामिल हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के छात्र

www.skuindia.ac.in

4.82 राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के आयोजन का शुभारंभ

4.83 बाल वैज्ञानिकों ने दूसरे दिन मॉडल एवम् शोध पत्र प्रस्तुत किए

4.84 राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा दी जायेगी

4.85 राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

4.86 संकाय द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया

4.87 विधि विभाग द्वारा मनाया गया उपभोक्ता दिवस

4.88 सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व पर हुआ नाट्य मंचन

4.89 भारतीय सेना में रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान

4.90 कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

4.91 कृषि संकाय द्वारा किया गया फ्रेशर पार्टी का आयोजन

4.92 मैडल फॉर पैडल का आयोजन

4.93 नेहरू युवा केन्द्र छतरपुर के द्वारा स्वामी विवेकानंद की 159वीं जयंती का आयोजन

4.94 विद्यापरिषद् की बैठक का आयोजन

4.95 ईशानगर एवं मातगुंवा के विद्यार्थियों को मिली कैरियर संबंधी जानकारी

4.96 पराक्रम दिवस के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम

4.97 नशा, रोजगार और स्टार्टअप के संबंध में छात्र संवाद का आयोजन

4.98 74वें गणतंत्र दिवस पर हुआ ध्वजारोहण

4.99 बुन्देलखण्ड से पहली बार निकली नर्मदा यात्रा

4.100 प्रतिभा खोज परीक्षा का प्रथम चरण सम्पन्न

4.101 राष्ट्रीय शिक्षा नीति - युवा नीति पर हुआ युवा संवाद

4.102 कैम्पस प्लेसमेन्ट

4.103 महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम

4.104 द्वितीय चरण की राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा हूई सम्पन्न

4.105 राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई शिविर में हुआ बौद्धिक सत्र का आयोजन

4.106 राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई ने किया पौधारोपण

4.107 शीघ्र प्रारंभ होगी फायरिंग रेंज- मेजर जनरल महाजन

4.108 राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

4.109 अंकुर योजना के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण

4.110 कैम्पस प्लेसमेन्ट से 30 छात्रों का हुआ चयन

4.111 दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के 'कोना कोना शिक्षा' कार्यशाला का आयोजन

4.112 विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

4.113 दिनकर श्रीवास्तव ने जी-20 पर छात्र-छात्राओं के साथ किया संवाद

4.114 नर्सिंग एवं पैरामेडीकल के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

4.115 विधि विभाग के छात्रों द्वारा किया गया मातगुवां थाना का भ्रमण

4.116 फार्मा प्रबंधन एक रोचक विषय पर हूई संगोष्ठी

4.117 विश्वविद्यालय में हुआ पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन

4.118 ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों ने किया इम्पाला इंडस्ट्री का भ्रमण

4.119 एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान का आयोजन

4.120 विश्वविद्यालय में "जल संरक्षण" विषय पर हुई गोष्ठी

4.121 गौरैया संरक्षण विषय पर किया गया काव्यपाठ

4.122 गौरैया संरक्षण विषय पर हुआ पोस्टर प्रदर्शन एवं वीडियों मेंकिंग का आयोजन

4.123 मानविकी सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

4.124 कृषि विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण

4.125 विश्व गौरैया दिवस पर रंगोली से बनाई गई विशालकाय गौरैया

4.126 यूथ महापंचायत में आभासी माध्यम से उपस्थित रहा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय

4.127 "वित्तीय कल्याण निवेश" विषय पर हुआ व्याख्यान

4.128 फार्मेसी संकाय के छात्र-छात्राओं का औद्योगिक शैक्षणिक भ्रमण

4.129 वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

4.130 'शिक्षा की भारतीय संकल्पना' विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

4.131 विश्वविद्यालय बना आईआईटी दिल्ली वर्चुअल लैब का नोडल केन्द्र

4.132 विश्वविद्यालय का प्रथम सहायता केन्द्र लुगासी में स्थापित

4.133 मद्रास विश्वविद्यालय के रक्षा और रणनीतिक संकाय के विद्यार्थियों का भ्रमण

4.134 विश्वविद्यालय में हुआ कैम्पस प्लेसमेन्ट

4.135 राष्ट्रीय प्रतिभा खोज में चयनित अभ्यार्थियों का सम्मान

4.136 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवियों की अनूठी पहल

4.137 स्वयं सेवी छात्रों द्वारा चलाया जा रहा है दाना-पानी अभियान

4.138 'मन की बात' के 100वें ऐतिहासिक एपिसोड के सीधे प्रसारण से जुड़ा विश्वविद्यालय

4.139 विश्वविद्यालय में वित्तीय साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

4.140 प्रवेश शुल्क विनायक समिति म.प्र. के चेयरमैन का विश्वविद्यालय आगमन

4.141 विश्वविद्यालय में रोजगार मेला का आयोजन

4.142 स्वयं सेवी छात्रों द्वारा चलाया जा रहा है दाना-पानी अभियान

4.143 लीगल एड क्लीनिक को मिली जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर की मान्यता

4.144 बौद्धिक संपदा विषय पर आभाषी माध्यम से कार्यशाला का आयोजन

4.145 पर्यावरण जागरुकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

4.146 साइकिल रैली एवं वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

4.147 एकात्म अभियान प्रशिक्षण का आयोजन

4.148 एकात्म अभियान ध्यान शिविर के दौरान हुआ सहमति करार (MOU)

4.149 विश्व ऐल्बिनिज़म दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

4.150 विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

4.151 विधि विभाग में प्रवेश हेतु किया गया प्रवेश परीक्षा का आयोजन

4.152 विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट कैंपस का हुआ आयोजन

4.153 कुलाधिपति ने 1300 मेधावी छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

4.154 विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र गौतम लोकतंत्र प्रहरी के रूप में सम्मलित हुए

5. करार (एमओयू)

6. विश्वविद्यालय को विभिन्न संस्थानों से प्राप्त सम्मान।

7. विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियाँ।

8. संकाय।

9. गैलरी।



SKU
CHHATARPUR, M.P.

1. प्रशासनिक कार्य / गतिविधियाँ

1.1 विश्वविद्यालय की स्थापना

स्व. श्री बलवीर सिंह गौतम शिक्षा प्रसार एवं जनकल्याण समिति द्वारा आवेदित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना मध्यप्रदेश विधानसभा अधिनियम दिनांक 23 जुलाई 2018 को राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त के उपरांत म.प्र. शासन द्वारा दिनांक 28 जुलाई 2018 को प्रकाशित राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 421 के द्वारा स्थापना की गई। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली, मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउन्सिल, भोपाल, म.प्र., सह चिकित्सीय परिषद्, भोपाल, फार्मेसी कांउसिल ऑफ इंडिया एवं भारतीय विधिज्ञ परिषद्, नई दिल्ली के द्वारा मान्यता प्राप्त है।



भवन का फोटो



1.2 कुलपति



श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के संस्थापक कुलपति डॉ. गोविन्द सिंह के कार्यपाल पूर्ण होने के उपरांत कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया द्वारा डॉ. अनिल धगट को कुलपति नियुक्ति किया गया है उन्होंने पदभार 01 दिसंबर 2020 को ग्रहण कर लिया है। डॉ. धगट रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के चेयरमैन रह चुके हैं। उनकी इस नियुक्ति पर विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

1.3 विद्या परिषद

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विद्या परिषद में म.प्र. निजी विश्वविद्यालय द्वारा विनियामक आयोग द्वारा निम्नलिखित सदस्यों को नामांकित किया गया है-

प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर **विभागाध्यक्ष, बिजनेस मैनेजमेंट विभाग** **डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर**	**डॉ. एस.एस. संधु** **प्राध्यापक, बायोलॉजिकल साइंस** **रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर**



www.skuindia.ac.in

2. अकादमिक कार्य/ गतिविधियाँ

2.1 अध्ययन मंडल का गठन
विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के दौरान छात्र/छात्राओं के लिये प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ स्नातक/ स्नातकोत्तर/एमफिल/ पीएच.डी./ डी.एससी./ डी.लिट. पाठ्यक्रमों के निर्माण/संसोधन हेतु **64 विषयों** के अध्ययन मण्डल का गठन कर समय सीमा में बैठक आयोजित की गई।

2.2 प्रवेश प्रक्रिया
विश्वविद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रक्रिया की जा रही है।

2.3 परीक्षा का आयोजन
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में अकादमिक कलैण्डर के अनुसार सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं का संचालन किया गया एवं शासन के निर्देशानुसार ऑनलाईन प्रवेश पात्रता परीक्षा संबंधित विषय में आयोजित की गई।

2.4 परीक्षाओं के लिये उड़नदस्ता का गठन
प्रतिवेदन अवधि में परीक्षाएँ सुचारू रूप से सम्पन्न कराने एवं नकल प्रकरण पर रोक लगाने के लिऐ कुलपति महोदय के संयोजन में विश्वविद्यालयीन उड़नदस्ते का गठन किया गया।

3. विकासशील कार्य/ गतिविधियाँ

3.1 विश्वविद्यालय की प्रारंभिक व्यवस्था
विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 30 एकड़ भूमि चिन्हित करते हुए उसमें 2 लाख 10 हजार वर्गफिट का निर्माण आरंभ से ही कराया जा चुका है। इसके साथ रोड, गार्डन एवं मुख्य द्वार का निर्माण पूरा हो चुका है।

3.2 विश्वविद्यालय के अधोसंरचना के निर्माण की स्थिति
विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के पीछे तीन लाख पचास हजार वर्गफिट का भवन का कार्य पूर्ण है। आठ एकड़ भूखण्ड में स्टेडियम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

3.3 विश्वविद्यालय की वाहन व्यवस्था
विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को आवागमन हेतु शहर के सभी स्थानों से दस बसों की सुविधा उपलब्ध है, इसके अलावा स्टाफ के लिए 3 वाहनों तथा कुलपति एवं कुलसचिव के लिये 1-1 वाहन उपलब्ध है।

4. सांस्कृतिक एवं नवाचार के कार्य/गतिविधियाँ

4.1 विश्वविद्यालय में किया गया वृहद वृक्षारोपण

म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के निर्देशानुसार श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के परिसर को हरा भरा करने के लिए विभिन्न दुर्लभ प्रजातियों के लगभग दो सैकड़ा से अधिक पौधों का रोपण विश्वविद्यालय में प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण द्वारा किया गया। यह आयोजन मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल महोदय श्री मंगुभाई पटेल जी के पदभार ग्रहण की प्रथम वर्षगांठ पर किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने पीपल, नीम और बरगद वृक्ष अपने हांथो से लगाये तथा उद्बोधन में कहा कि मानव जीवन को सुखी समृद्ध एवं संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का विशेष महत्व है। वृक्षारोपण से प्रकृति का संतुलन भी बना रहता है जो मानव जीवन के लिए कल्याणकारी होता है। क्योंकि कोरोना काल ने मानव को बता दिया है कि विना आक्सीजन जीवन संभव नहीं है इसलिये लोगों को सीख लेनी चाहिए कि ऑक्सीजन कितनी आवश्यक है। एक ओर जहां पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है वहीं दूसरी ओर वृक्षारोपण कर ही हम पर्यावरण को संतुलित रख सकते हैं।

विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कदम, आम, अमरूद, पीपल के वृक्ष लगाये तथा उद्बोधन में कहा कि वृक्षारोपण करना एक धार्मिक कार्य भी है हमारे सनातन धर्म में बताया गया वृक्षों की पूजा का प्रावधान पूर्व से ही है। वृक्षारोपण से ऑक्सीजन की अधिक मात्रा में पूर्ति होती है एवं कार्बन डाइऑक्साइड के साथ साथ अन्य बहुत सारी हानिकारक गैसों को अवशोषित करते है जिससे वायु शुद्ध और तरोताजा हो जाती है। तथा उन्होंने बताया कि मैं अपने प्रत्येक जन्मदिवस पर 101 वृक्षों का रोपण करने का संकल्प लिये हूँ वैसे ही हर व्यक्ति को अपने सुअवसर पर साल में कम से कम एक बार वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए और उसकी देखभाल का जिम्मा भी सुनिश्चित करना चाहिए ताकि हमारा संकल्प मूर्त रूप ले सके तथा समय – समय पर स्वयं के द्वारा लगाये गये वृक्षों का जायजा लेना चाहिए। तथा हरियाली महोत्वस के क्रम में वृक्षारोपण का कार्य निरंतर चलता रहेगा विश्वविद्यालय की तरफ से 2100 वृक्ष रोपित करने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने आंवला, इमली, कटहल के वृक्ष लगाते हुये बताया कि आज वर्तमान जीवन में प्रदूषण का स्तर अपने सामान लेवल से कई गुना अधिक बढ़ चुका है इससे बचने का एकमात्र उपाय यही है कि अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण किया जाए। बागवानी करके भी हम पर्यावरण को संतुलित कर सकते हैं। बागवानी और वृक्षारोपण दोनों एक दूसरे के पूरक है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने अशोक, शीशम, बबूल, सागौन के वृक्ष लगाते हुये वृक्षारोपण के महत्त्व को बताय और कहा कि वृक्षारोपण से हमें भोजन के रूप में फल एवं सब्जियों की पूर्ति होती है एवं हमें बहुत सारी आयुर्वेदिक औषधियों की प्रचुर मात्रा में पूर्ति होती है जो जीवन कल्याणकारी के लिए आवश्यक होती है।

विश्वविद्यालय के समस्त स्टॉफ ने भी एक– एक वृक्ष रोपित किया तथा उसकी समस्त देख रेख की जिम्मेदारी स्वयं ने ली। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने भी आंगे बढ़–कर वृक्षों को गोद लेने की बात कहते हुये कहा कि जब तक उनका अध्यापन कार्य चलेगा तब तक गोद लिये वृक्ष की समस्त जिम्मेदारी उनकी होगी।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम एवं चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने वृक्षारोपण के लिये जमीन आवंटित कर वृक्षारोपण स्वतंत्र रूप से करने का फैंसला लिया ताकि विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान आया कोई भी व्यक्ति वृक्षारोपण कर सके। साथ ही साथ औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिये हर संभव प्रयत्न करने को विश्वविद्यालय आपके साथ होगा।

इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, वनविभाग डिप्टी रेंजर श्री रूप सिंह, बड़े बाबू सी.सी.एफ. छतरपुर आर.पी. दुबे, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह सहित समस्त प्राध्यापकगण, अशैक्षणिक स्टॉफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।





4.2 आत्मनिर्भर भारत की नीव है रोजगार

श्री ओमप्रकाश सकलेचा, माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री म.प्र. शासन शुक्रवार को छतरपुर के श्री कृष्णा विश्वविद्यालय पधारे , जहां पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजेश प्रजापति चंदला विधायक, प्रदुमन सिंह लोधी बड़ामलहरा विधायक, मलखान सिंह जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, मोनू यादव अध्यक्ष जनपद पंचायत छतरपुर, अरविंद पटैरिया महामंत्री भा.जा.पा. के साथ मणिकांत चौरसिया युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष छविलाल पटेल पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष राज गुप्ता, दिनेश अग्निहोत्री, विक्की तोमर युवा नेता एवं सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में माननीय मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा का पगड़ी तथा पुष्पहार के साथ श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल धगट द्वारा स्वागत किया गया। माननीय कुलपति ने प्रगति प्रतिवेदन इस अवसर पर उन्होनें बताया कि बुंदलेखण्ड पहले से ही कृषि, शिक्षा एवं उद्योग में पिछड़ा रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुये विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने छतरपुर जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना 2018 में की थी जिसमें विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने एवं आत्म निर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए सभी मूलभूत पाठ्यक्रमों को आरंभ किया गया। जिसमें प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर के साथ शोध कार्य वर्तमान में संचालित है।

माननीय मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद हम अपने सपने एवं उद्देश्यों की पूर्ति करते है। संस्था के छात्र जितने शिखर पर जायेगें संस्था का नाम उतना ही रोशन होगा। किस पाठ्यक्रम को करने से क्या रोजगार मिलेगा इसका स्पष्ट उल्लेख करके दृश्य पटल पर लगाना चाहिये। जिससे विद्यार्थी अपना चुनाव कर सकें। भारत की 36 सी.एस.आई.आर. लैब के साथ शासन का करार हुआ है जिसमें छात्र–छात्राओं को कार्य करने का मौका मिलेगा। कोरोना ने तीन बातें सिखाई बड़े शहरों से दूर भागना, अपने आप को सुरक्षित रखना और सादा जीवन व्यतीत करना। फूड प्रोसिसिंग यूनिट की बात करते हुये उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में इसकी अपार संभावनायें है हम आत्मनिर्भर भारत के लिए अपने जिला को अग्रणी बनायें और उन्होने विश्वविद्यालय के प्रबंधक डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम को इस उत्कृष्ट कार्य हेतु बधाईयां प्रेषित की हैं।

श्री ओमप्रकाश सकलेचा जी का एवं समस्त अतिथियों का विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट एवं कुलसचिव विजय सिंह द्वारा शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। आभार उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने किया। संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।





४. * गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर हुआ वरिष्ठ प्राध्यापकों का सम्मान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में आज गुरू पूर्णिमा के पावन पर्व पर विश्वविद्यालय के सभागार में वरिष्ठ प्राध्यापकों का सम्मान समारोह किया गया। इसके अन्तर्गत सर्वप्रथम कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय के चेयरमैन एवं भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, मुख्य अतिथि एच.एन. खरे विभागाध्यक्ष जीव विज्ञान महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत ने माँ शारदे व सनातन धर्म के पुराणों के रचयिता गुरु वेदवव्यास जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया।

इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा – कि अक्षर – अक्षर हमें सिखाते, शब्द – शब्द हमें अर्थ बताते, गुरु हमें इंशान बनाते अर्थात दुनिया में आने के बाद जो सही मार्ग पर चलना सिखाये वो गुरु है। गुरु जीवन को सही मायने में जीना सिखाता है जो जीवन जीने का उद्देश्य परमात्मा और इस दुनिया का ज्ञान बताता हो वही गुरू होता है। अब वह कोई भी हो सकता है।

माता–पिता प्रथम गुरू होते है जो प्राथमिक मार्गदर्शक की भूमिका दिखाते है। जैसे गुरू अपना हर दिन शिष्य के नाम करता है ऐसे ही हरदिन गुरू का दिन होता है। लेकिन गुरू के योगदान को याद करने के लिए सनातन धर्मो में आज का दिन मनाया जाता है। जिसे हम गुरू पूर्णिमा कहते है। शिष्य एक गीली मिट्टी की तरह होता है और गुरू उसे कुम्हार की तरह चाक पर रखकर आकार देता है। जीवन में गुरू का भगवान से ऊपर स्थान है, गुरू ही वह इंसान है जो शिष्य के जीवन में फैले अंधकार को लगन के प्रकाश से भरते है। गुरू पूर्णिमा पर सदियो से आर्शीवाद लेने की परम्परा चली आई, इस दिन लोग अपने गुरूजनों के घर पहुंच कर चरण वंदन कर आर्शीवाद लेते है कहा जाता है इसी दिन पुराणों के रचियता महर्षि वेदव्यास जी का अवतरण हुआ था। इसीलिए आज के दिन को व्यास पूर्णिमा कहते है।

कर्ता करे न कर सके, गुरु करे सो होय।
तीन लोक नौखण्ड में गुरू से बड़ा न होय।।

गुरू वह जो नि:स्वार्थी होता है तथा अपने शिष्य को संपूर्ण देता है। आज का दिन गुरू के लिए समर्पित है शिष्यो को चाहिए वो गुरू को प्रणाम कर उनके बताये सदमार्ग पर चलें। उन्होंने भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत का प्रतिनिधित्व करते हुये शिक्षकों को सम्मानित करना स्वयं के लिये बहुत गौरवशाली क्षण बताया। मुख्य अतिथि एच.एन. खरे विभागाध्यक्ष जीव विज्ञान महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में बताया कि अच्छा गुरु बनने के लिये श्री कृष्ण जैसा शिष्य एवं संदीपनी जैसा गुरु होना चाहिए।

उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कहा कि श्री कृष्ण भगवान के पास विश्वका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व उपस्थित है जिसके सृजनकर्ता स्वयं महान गुरु संदीपनी थे। उनके अनुसार समस्त भारत में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल श्रोत भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा ही है। श्री कृष्ण ने मात्र में 18 दिनों 18 पुराण, 04 दिनों में 04 वेद, 16 दिनों में 16 जटिल विद्यायें, 64 दिनों में 64 कलायें एवं 20 दिनों में संपूर्ण गीता ज्ञान प्राप्त कर लिया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी ज्ञान पर आधारित है जहां मुख्य अथवा गौण विषय के रूप में जटिल विद्यायें तथा अन्य वैकल्पिक/ कौशल विषय कलाओं के रूप में प्रख्यापित है। मूल रूप से प्राचीन गुरुकुल परंपरा में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी इसी प्रकार से बहुआयामी शिक्षा, कौशल सवंर्धन के मूल भूत स्तंभों पर आधारित है।

कार्यक्रम के मुख्य चरण में डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम के द्वारा विश्वविद्यालय के समस्त वरिष्ठ प्राध्यापकों को भारतीय परंपरा के अनुसार सम्मानित किया गया। सम्मानित प्राध्यापकों में डॉ. बी.एस.राजपूत, डॉ. दीपा कुशवाह, श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ. आनंद चौरसिया, डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. भोलानाथ उपाध्याय, डॉ. विजय चतुर्वेदी के साथ साथ अन्य सह तथा सहायक प्राध्यापक सम्मिलित थे। सभी प्राध्यापकों ने भारतीय परंपरा के अनुसार सम्मान प्राप्त कर स्वयं को बहुत गौरांवित महसूस किया।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत ने अपने वक्तव्य में बताया कि एक अच्छा गुरु समाज को अनवरत सही दिशा प्रदान करता है। गुरु का दायित्व विद्यार्थी को विश्वविद्यालय से संबंधित पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ – साथ उसे एक वेहतर नागरिक के रूप में विकसित करने का होना चाहिए। विद्यार्थियों में नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण, भारतीय संस्कार का एक विहंगम समावेश होना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक नर्सिंग विभाग श्रीमती प्रणति चतुर्वेदी एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।



4.4 हरियाली महोत्वस के अंतर्गत हुआ वृहद वृक्षारोण कार्यक्रम आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में आज हरियाली महोत्वस के अंतर्गत जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर के तत्वाधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर श्री अनिल पाठक, विश्वविद्यालय चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि व्यवहार न्यायाधीश श्री महेंद्र सिंह रावत, व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती प्रियंका चौहान, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री हेमंत कुशवाहा, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर श्री अनिल पाठक ने पीपल, नीम, बरगद, अशोक के वृक्षों को अपने हांथो से लगाते हुये वृक्षारोपण के महत्व एवं औषधीय पौधों की जानकारी दी एवं वृक्षारोपण को बढावा देने की बात कही। साथ ही साथ विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण कर स्वच्छ वातावरण, शुद्ध पर्यावरण के बारे में जानकारी देते हुए जल संरक्षण की भी बात कही।

विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेद्र सिंह गौतम ने हरियाली महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रम से संबंधित पहल के सकारात्मक रूप में एवं ईको सिस्टम के संतुलन को बनाए रखने में वृक्षों की भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से हरियाली महोत्सव मनाया जाता है।

विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी प्राध्यापक एक एक वृक्ष का रोपण कर उस वृक्ष की जिम्मेदारी स्वयं लेते है साथ ही विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी अपने अपने जन्मदिवस पर वृक्ष लगाकर उसकी सेवा का संकल्प लेते है। विदित है कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष 2000 वृक्षों का रोपण करने के लिये संकल्पित है। इसी तारतम्य में हरियाली महोत्सव के अवसर पर 200 फलदार एवं छायादार वृक्षों को रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर विधि विभाग से विभागाध्यक्ष श्री विवेक सिंह, सहायक प्राध्यापक श्री शैलेंद्र सिंह, श्री माधव शरण पाठक, श्रीमती पूनम चौरसिया, श्री चंद्रदीप सिंह सहित विधि विभाग के छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।





4.5 अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर बेवीनार का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के विधि विभाग द्वारा 17 जुलाई, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर ऑनलाइन बेवीनार का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री बृजेश पटेल, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉ. रामसिंह पटेल, सहायक प्राध्यापक श्री अवधेश त्रिवेदी, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे तथा समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, सदस्य एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित हुये। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी जी के उद्वोधन से हुआ। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की पृष्ठभूमिके संबंध में सहायक प्राध्यापक श्री अवधेश त्रिवेदी, विधि महाविद्यालय, कोरबा, छत्तीसगढ़ द्वारा व्याख्यान माला प्रस्तुत की गई। निर्धन और जरूरतमंदों की न्याय सुलभता पक्ष में व्याख्यान श्री बृजेश पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। संवैधानिक पहलुओं पर न्याय की अवधारणा का पक्ष विधि के सहायक प्राध्यापक डॉ. रामसिंह पटेल द्वारा व्याख्यान माला प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री शैलेन्द्र सिंह द्वारा, आभार सहायक प्राध्यापक श्री विवेक प्रताप सिंह द्वारा एवं संचालन सहायक प्राध्यापक श्री माधवशरण पाठक द्वारा किया गया।

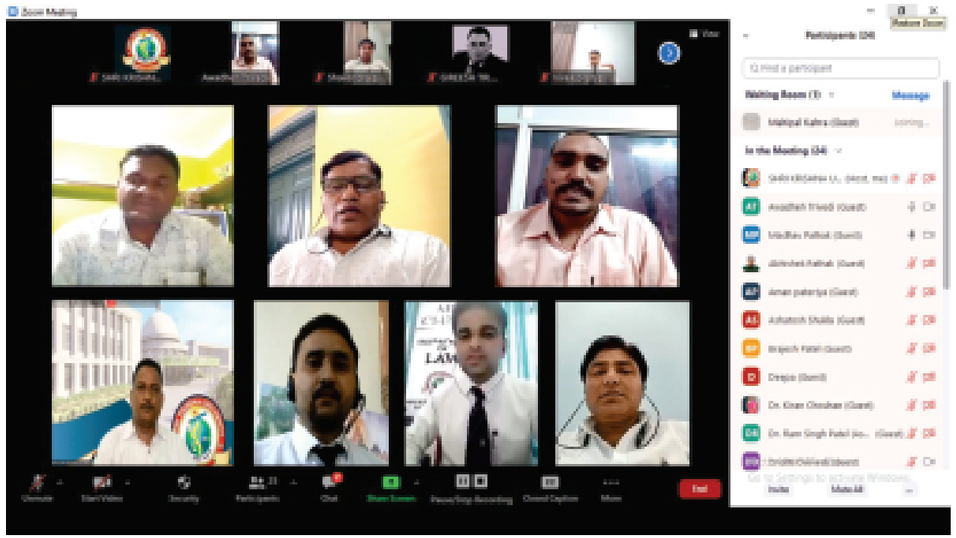

4.6 राज्य आनंद संस्थान की ओर से किया गया कार्यक्रम आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के सभागार में राज्य आनन्द संस्थान के तत्वाधान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

प्रदेश सरकार के आनंद विभाग के अनूठे कार्यक्रम अल्पविराम सत्र को संबोधित करते हुए कहा खुद से बातचीत करेंगे, खुद पर ध्यान देंगे और खुद की आवाज सुनेंगे तो जीवन की बहुत सारी समस्याएं स्वत: समाप्त हो जायेगी। सहयोगी लखन लाल असाटी ने अपने उध्वोधन में कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है अत: हमें जीवन में प्रसन्नता पूर्वक प्रत्येक कार्य को उत्साहित होकर करना चाहिए।

संस्थान पंचगनी पुणे के पूर्णकालिक सदस्य हिमांशु भारत एवं विप्लव महतों ने अपने संदेश में कुछ प्रयोगों के माध्यम से दिल का बोझ हटाने की ओर प्रेरित किया। श्रीमती आशा असाटी एवम् नीलम पाण्डेय ने खुद के जीवन के परिवर्तन की कहानी सुनाई। लखन असाटी ने बताया कि जीवन का लक्ष्य सुख और समृद्धि पूर्वक जीना है पर हमने साधनों को ही लक्ष्य मान लिया है इसलिये अपनी ऊर्जा साधनों पर खर्च कर रहे हैं। आज यदि कोई समाज सच में नैतिकपूर्ण बनने की ओर जाता है, तो वह विश्व में सभी को आकर्षित करेगा, आशा देगा।

हमारी इस विनम्र और समर्पित टीम की कोशिश है कि हम देश में हर एक के साथ मिलकर भारत को एक ऐसा सुदृढ़ नैतिक समाज बनाये जो घृणा मुक्त हो, स्वार्थ मुक्त हो, झूठ मुक्त हो, भय मुक्त हो और गरीबी मुक्त हो। साथ ही साथ सत्य युक्त हो, एकता युक्त हो, आपसी आदर व प्रेम से परिपूर्ण हो। इसके लिये हमें आज से ही, अपनी गलतियों के प्रायश्चित द्वारा अपने परिवर्तन की पहल किसी से क्षमा मांग के, कोई झूठ बोला हो तो उसे कबूल करके करना होगा।

परिवर्तन की पहल इस तरह के व्यक्तिगत परिवर्तन का बाँध खोलती है। यह जीने की एक ऐसी राह है जिस पर कोई भी चल सकता है धर्म, वर्ग, वर्ण, रंग, जाति आदि मायने रखते है। आवश्यक है तो केवल अपने को बदलने– अपनी गलतियां सुधारने की तैयारी करने की।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, आनंद विभाग छतरपुर जिला प्रमुख लखन लाल असाटी आनंद सहयोगी, परिवर्तन की पहल पंचगनी पुणे से हिमांशु भारत, विप्लव महतों, आनंदम सहयोगी श्रीमती आशा असाटी, योग गुरु श्री राम कृपाल यादव, पुलिस परामर्श केंद्र काउंसलर श्रीमती नीलम पाण्डेय, सचिव ग्राम पंचायत रामगढ़ श्री शिव नारायण पटेल, रिटायर्ड सीनियर लेब टेक्नीशियन श्री के. एन. सोमन, युवा समाज सेवी एवं आनंदम सहयोगी श्री रवि परिहार के साथ साथ विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय चतुर्वेदी ने एवं आभार व्यक्त कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त की।







४.७ भोपाल में हुयी राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत में शामिल हुआ श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का छात्र आकाश गौतम

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वय से खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और नेहरू युवा केंद्र, जन अभियान परिषद, संस्कृति विभाग के संयुक्त प्रयास से भोपाल में शहीद चंद्रशेखर आजाद की 116वीं जयंती पर मध्य प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं का राज्य के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विषयों पर अपने विचार रखने यूथ महापंचायत में प्रतिभागी के तौर पर सम्मलित होने के लिए आनलाइन पंजीकरण किया गया जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों अमरचंद श्रीवास, धर्मेंद्र राजपाल, दीपक कुशवाहा, तौफीक खान,कमलेश कुशवाहा, आकाश गौतम, राजेश, प्रियंका अहिरवार, विनीता पटेल, कातिकेय राय, आकांक्षा गोस्वामी एवं सृष्टि उपाध्याय का जिला स्तरीय चयन किया गया था इस दल का नेतृत्व एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ महेश चंद्र अहिरवार एवं कु. वर्षा यादव ने किया। इन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में से आकाश गौतम का राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत में चयन हुआ। यह आयोजन 23 व 24 जुलाई को प्रदेश की राजधानी भोपाल के रविन्द्र भवन में हुआ। इस चयनित प्रतिभागी को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर (म.प्र.) के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन और भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, वरिष्ट प्राध्यापक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस राजपूत सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।



४.८ भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत द्वारा बौद्धिक सत्र का आयोजन

आज छतरपुर शहर के श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में अपने प्रवास के दौरान भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री दयानिधि जी का आगमन हुआ। इस पावन अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव समेत विश्वविद्यालय तथा शहर के अन्य बुद्धजीवी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्वविद्यालय के सभागार में वरिष्ठ प्रचारक एवं भारतीय शिक्षण मण्डल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनायक राव कानिटकर के देवलोक गमन पर भारतीय शिक्षण मण्डल तथा विश्वविद्यालय की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके पश्चात महाकौशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री दयानिधि द्वारा विश्वविद्यालय तथा छतरपुर शहर के उपस्थित सभी बुद्धिजीवियों के समक्ष बौद्धिक सत्र प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर संगठन मंत्री दयानिधि जी ने बताया कि भारतीय शिक्षण मण्डल सदैव से प्राथमिक से उच्च शिक्षा विभाग तक भारतीय मूल्यों तथा संस्कृति को समाहित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके पश्चात उन्होंने भारतीय शिक्षण मंडल की कार्यप्रणाली पर चर्चा करते हुए कहा कि यह संगठन सभी भारतीयों की शिक्षा संबंधित सोच तथा विचारों को देश के नीति निर्धारकों के समक्ष प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। संगठन की न्यूनतम इकाई

मंडल होती है। इन मंडलों में देश केविकास, संप्रभुता के साथ – साथ अन्य महत्वपूर्ण सम–समायिक विषयों पर एक सौहाद्रपूर्ण चर्चा होती है तथा इनका सारगर्भित सारांश संगठन के द्वारा नीति निर्धारकों के संज्ञान में उपलब्ध करा दिया जाता है। उनके अनुसार विद्या वहीं है जो मुक्त करे तथा व्यक्ति के संपूर्ण विकास की ओर अग्रसित हो। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम एवं रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में सुभाष– स्वराज –सरकार विषय पर शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध छात्र छात्राऐं प्रतिभाग कर सकते है। इसमें चयनित शोध कर्ता प्रांत स्तर तक पहुँचेंगे। इनमें से कुछ उत्कृष्ट प्रतिभागी अखिल भारतीय युवा शोधकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। अंत में उन्होंने संगठन के पाँच सोपान अनुसंधान, प्रबोधन, प्रशिक्षण, प्रकाशन तथा संगठन पर भी जोर दिया।

बौद्धिक सत्र के अगले चरण में भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आवश्यक था अभी तक पूर्व से संचालित शिक्षा नीति के अनुपालन में पाठ्यक्रम का संचालन विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय में किया जा रहा था। वर्तमान परिस्थति एवं युवाओं की इच्छा अनुरूप रोजगारपरक शिक्षा मिल सके, इसके लिये पूर्व आधारित शिक्षा प्रणाली में संपूर्ण बदलाव की आवश्यकता थी जो कि भारतीय शिक्षा नीति 2020 के लागू से फली–भूत हुयी। संस्कृति से ओत प्रोत भारतीय शिक्षा नीति 2020 का वर्तमान स्वरूप वास्तव में भारतीय शिक्षण मंडल की ही देन है। शिक्षा का उद्देश्य रोजगार सृजन के अतिरिक्त राष्ट्रीय भाव से प्रेरित, तर्कपूर्ण विमर्श द्वारा शोध, लेखन तथा विवेचन करने में समर्थ बौद्धिक योद्धाओं का निर्माण करना होना चाहिए। उन्होंने बताया कि महाकौशल प्रांत के छतरपुर, टीकमगढ़ तथा अन्य क्षेत्रों में संगठन का सदस्यता अभियान जोरों पर है और शीघ्र ही संगठन की जिला कार्यकारिणी तथा विश्वविद्यालय इकाई का गठन कर दिया जाएगा।

बौद्धिक सत्र के अंत में सभी उपस्थित जनों ने ध्यान मुद्रा में शांति मंत्र का उच्चारण कर संपूर्ण विश्व के लिये सुख, शांति तथा समृद्धि का भाव प्रकट कर सत्र को समाप्त किया।





4.9 गौ-शाला के लिये भूमिपूजन एवं वृहद वृक्षारोपण कर मनाया चौथा स्थापना दिवस

बुन्देलखण्ड के अग्रणी श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में परम पूज्य श्री स्वर्गीय बलवीर सिंह गौतम के विचारों के अनुरूप, आराध्य श्री कृष्ण भगवान एवं हनुमान जी का पूजन एवं सुंदरकाण्ड पाठ की भक्तिमय गायन कर किया गया जिसमें सरंक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम,भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री दयानिधि, भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह तथा समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री दयानिधि ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय परिवार को स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं देते हुये ओम शब्द का उद्घोष करते हुये कहा ओम एक विशेष ध्वनि का शब्द है जो ब्रह्माण्ड के अंदर नियमित है। सूक्ष्म इंद्रियों द्वारा ध्यान लगाने पर उसकी अनुभूति हो सकती है। सर्वत्र व्याप्त होने के कारण ओम को ईश्वर की संज्ञा दी गयी है। जो ओम के अर्थ का जानता है वह अपने आप को जान लेता है।

उन्होंने श्रीमत् भगवत गीता में बताए कर्मयोग को सर्वश्रेष्ठ मानते हुये कहा कि हम सभी को कर्म को आसक्तिरहित होकर कर्म करना चाहिए। विश्वविद्यालय में कार्यरत प्रत्येक सदस्य को अपने कर्तव्य का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ करना चाहिए जिससे विश्वविद्यालय का उत्तरोत्तर विकास हो सके।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा प्रदान करने की दिशा में विश्वविद्यालय को कुशलता से अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। विश्वविद्यालय को शिक्षा व अनुसंधान के साथ साथ छात्र कल्याण तथा शिक्षा से इतर विभिन्न गतिविधियां संचालित करनी होंगी। जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर मैं विश्वविद्यालय में कार्यरत समस्त प्राध्यापकगण,कर्मचारीगण एवं विश्वविद्यालय परिवार का आह्वान करता हूँ कि निष्ठा, ईमानदारी और प्रमाणिकता के साथ सभी मिल जुलकर कार्य करें जिससे हम अपने विश्वविद्यालय को नित नवीन आयाम दे सकें और गुणवत्ता पूर्ण रोजगारपरक शिक्षा देकर राष्ट्र की उन्नति के लिये भावी पीढ़ी को तैयार करने में अपनी महती भूमिका का निर्वाहन कर सकें।

भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में सभी को बधाई एवं शुभकामनाऐं देते हुये कहा कि विश्वविद्यालय ने चार वर्षों से जारी अपनी विकास यात्रा में कई शानदार सफलताऐं हांसिल की है चार साल बेमिसाल अर्थात इन चार वर्षों में विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन किया है। समय की आवश्यकता के अनुसार स्मार्ट क्लासेस, वीडियो लेक्चर एवं ऑडियो लेक्चर के द्वारा ई–लाइब्रेरी बनाने की योजना को फली–भूत किया है। आंगे उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि टीम भावना से मिल जुल कर अपने – अपने उत्तरदायित्व का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा से कर के विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे, शिक्षा के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूंद एवं शोध के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाऐंगे।

उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय स्थापना वर्ष से ही लगातार शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी रहा है। विश्वविद्यालय प्रबंधन हर समय नये आयामों को जोड़ने का प्रयास करते रहते है। इस विश्वविद्यालय में वर्तमान में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कंप्यूटर, शिक्षा, पुस्तकालय, योगा, कृषि एवं सामाजिक विज्ञान, संगीत, फिल्म, फाइन आर्ट, फैशन एवं एनीमेशन, कामर्स, विज्ञान, पत्रकारिता, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान एवं विधि संकायों में प्रमाण पत्र, डिग्री एवं शोध कार्य संचालित है।

विशिष्ट अतिथि छतरपुर के वरिष्ट पत्रकार डॉ. रविंद्र अरजरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय को वैश्विक परिपेक्ष्य में प्रगति करते हुये देखना चाहते है तो शिक्षा की गुणवत्ता एवं शोध की उत्कृष्टता पर सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है। इसके लिये प्राध्यापकों को अपने छात्र छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिये समय समय पर प्रोत्साहित करते रहना चाहिए।

कुलसचिव श्री विजय सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिये स्थापना दिवस का वही महत्व है जो व्यक्तिगत जीवन में व्यक्ति के जन्मदिवस का होता है। हमारे विश्वविद्यालय में सर्वसुविधायुक्त ईकोफ्रैंडली कैम्पस, अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा सुसज्जित प्रयोगशालायें, शासन द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति, ई–लाइब्रेरी, वायफाय कैम्पस, पर्सनालिटी डवलपमेंट एवं इंग्लिश स्पॉकन के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ विद्यार्थियों के आवागमन हेतु बस सुविधायें उपलब्ध है।

गौ–शाला के लिये भूमिपूजन कर मनाया गया स्थापना दिवस –

विश्वविद्यालय के चौंथे स्थापना दिवस पर गौ–शाला के लिये भूमिपूजन किया गया, जिसमें गौ–शाला का निर्माण किया जायेगा। सनातन धर्म में गाय को माता माना जाता है और उसकी हर तरह से सेवा एवं रक्षा करना पुण्य का कार्य है। विश्वविद्यालय में निर्मित गौ–शाला में विश्वविद्यालय के प्रत्येक प्राध्यापक के द्वारा एक गाय की सेवा का उत्तरदायित्व लिया गया है जिसका निर्वाहन पूर्ण ईमानदारी से करने का संकल्प प्रत्येक प्राध्यापक द्वारा लिया गया है।

वृक्षारोपण कर मनाया गया स्थापना दिवस–

वृक्षारोपण मानव समाज का सांस्कृतिक दायित्व है मानव सभ्यता का उदय और आरंभिक आश्रय प्रकृति अर्थात वन वृक्ष ही रहे हैं। वृक्षों से प्राप्त फल–फूल आदि खाकर, वृक्षों की छाल का सदियों तक मानव वस्त्र रूप में प्रयोग करता रहा है। भोजपत्र भी विशेष वृक्षों के पत्तों से निर्मित किया जाता था। कई ग्रंथों की भोज पत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियां आज भी कही कही उपलब्ध हैं। वृक्षों की महत्वता को समझते हुये हरियाली महोत्सव के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के लगभग एक सैकड़ा से अधिक पौधों का वृक्षारोपण मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं प्राध्यापकगणों के द्वारा किया गया।





4.10 छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में एम.बी.ए अन्तिम वर्ष में अध्ययनरत दीपक अहिरवार और आदेश चौरसिया का एडवाइजर पोस्ट पर मुंबई पिन क्लिक कंपनी द्वारा ऑनलाइन साक्षात्कार द्वारा चयन किया गया है। यह कम्पनी रियल एस्टेट, प्रॉपर्टी के कार्य में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

सर्वप्रथम छात्रों ने श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में गूगल फॉर्म के द्वारा लगभग तीस छात्र- छात्राओं ने पंजीयन किया, जिसमें दो छात्रों का चयन सक्षात्कार समिति द्वारा किया गया। जिनका वार्षिक पैकेज सवा पांच लाख रूपये है छात्र-छात्राओं का कंपनी के एचआर सौमिली बनर्जी के ऑनलाइन साक्षात्कार लिया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं से अलग-अलग सवाल मार्केटिंग विधाओं के फाइनेंस विधाओं से पूछे गए जिनका उत्तर प्रतिभागियों ने सटीक दिया। साथ ही साथ एम.टेक, इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग की छात्रा शिवानी सिंह का चयन टी.सी.ई.एस. कंपनी में स्टेक्चर इंजीनियरिंग पद पर हुआ। जिनका वार्षिक पैकेज पांच लाख रूपये है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए बताया कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो प्रत्येक वर्ष, प्रत्येक क्षेत्र में केंपस प्लेसमेंट की सफल कोशिश करता है, जिससे यहां अध्ययनरत छात्र छात्राओं को जॉब ओरिएंटेड कोर्स की भी सुविधा प्राप्त हो सके।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं की बेहतरी के लिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की सुविधा है। आने वाले दिनों में भी श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में दिनांक 5 , 6 अगस्त को एसबीआई छतरपुर के द्वारा बड़ी मात्रा में ब्रांच रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव जॉब रिक्रूटमेंट होने वाली है श्री कृष्णा विश्वविद्यालय सदैव पूल केंपस प्लेसमेंट एवं ओपन केंपस प्लेसमेंट के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। उल्लेखनीय है कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय अभी तक लगभग 1000 छात्र – छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट में चयन करवा चुका है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव श्री विजय सिंह ने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाऐं दी।





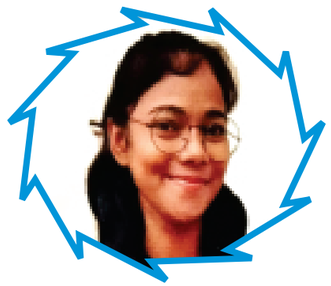

4.11 एन.सी.सी. कैडेट अण्डर ऑफिसर अनमोल चतुर्वेदी का हुआ चयन

राष्ट्रीय कैडेट कोर 7 एम.पी. गर्ल्स बटालियन द्वारा महारेजीमेंट सेंटर सागर में आयोजित कैम्प प्रतियोगिता में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के एन.सी.सी. कैडिटों ने अपना हुनर दिखाया। छतरपुर की 25 म.प्र. बटालियन एन.सी.सी. छतरपुर ने इस वर्ष कई एन.सी.सी. शिविरों का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे स्पोर्टस शूटिंग प्रतियोगिता, थल सेना कैम्प एवं इंडीपेंडेंट डे कैम्प में चयन होना आदि जैसे प्रतियोगितायें हुयी। एन.सी.सी. अधिकारी सीनियर डिवीजन श्री गौरव शर्मा एवं एन.सी.सी. अधिकारी सीनियर विंग कु. निशा राजा बुंदेला के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं एन.सी.सी. कैम्पों में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के एन.सी.सी. कैडेटों ने अपना जौहर दिखाते हुये विभिन्न एन.सी.सी. कैम्पों में हिस्सा लिया। जिसके फलस्वरूप अलग – अलग विधाओं में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट चयनित किये गये। जहाँ अण्डर ऑफिसर अनमोल चतुर्वेदी का चयन स्वतंत्रता दिवस कैम्प दिल्ली के लिये, शूटिंग प्रतियोगिता में अंडर ऑफिसर पंकज विश्वकर्मा एवं सीनियर अण्डर ऑफिसर लवली राजा बुंदेला का चयन हुआ इसके अलावा ऑप्सटिकल प्रतियोगिता में सारजेंट रवि सिंह यादव और सारजेंट भागचंद्र पटेल का चयन हुआ।

प्रतिभागियों के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि युवा देश की रीड़ की हड्डी होते है। अत: युवाओं को अपनी सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग समाज सेवा एवं देश सेवा के साथ – साथ अपने व्यक्तित्व विकास में निरंतर लगाना चाहिए। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है अत: छात्र – छात्राओं को व्यायाम एवं योग द्वारा अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए एवं लक्ष्य के प्रति तटस्था के साथ एकाग्रचित रहना चाहिए। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एक मात्र ऐसा निजी विश्वविद्यालय है जहाँ एन.सी.सी. की सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग ईकाईयां संचालित है। विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष एन.सी.सी. में छात्र-छात्राओं की भर्ती कराई जाती है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव श्री विजय सिंह ने एन.सी.सी. कैडेटों के चयन होने पर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाऐं दी।







4.12 एस.बी.आई एवं इनोव सोर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कैम्पस प्लेसमेंट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कैंपस में एस.बी.आई. एवं इनोव सोर्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा ब्रांच एग्जीक्यूटिव के लिए साक्षात्कार हुआ। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करता है जिसके तहत आज दिनांक 06 अगस्त 2022 को एस.बी.आई छतरपुर, एस.बी.आई दमोह द्वारा क्रेडिट कार्ड के लिए छात्र- छात्रों को इंटरव्यू में बुलाया गया। इस प्लेसमेंट में लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। पहले चरण में छात्र-छात्राओं के सीवी की शॉर्टलिस्टिंग की गई उसके बाद एक- एक करके इनोव सोर्स प्राइवेट लिमिटेड के ह्यूमन रिक्रूटर श्री अमनदीप श्रीवास्तव के द्वारा इंटरव्यू करवाते हुये तरह-तरह के सवाल पूंछे, जिसमें क्रेडिट कार्ड के बारे में, बैंकिंग प्रणाली भारतीय अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर सवाल किए गए। छात्र छात्राओं ने भी उत्साह पूर्वक सभी सवालों के जवाब दिए। यह इंटरव्यू दो चरणों में होंगे पहले चरण में इंटरव्यू से सिलेक्शन होने के बाद फाइनल सिलेक्शन के लिए वित्तीय चरण के इंटरव्यू कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर एवं सीनियर मैनेजर के द्वारा किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की, यह प्लेसमेंट ड्राइव श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के मेंबरों के द्वारा करवाया गया जिसमें डॉ. सुप्रिया गौतम, श्री विवेक प्रताप सिंह एवं निवेदिता एलेग्जेंडर की भूमिका रही।



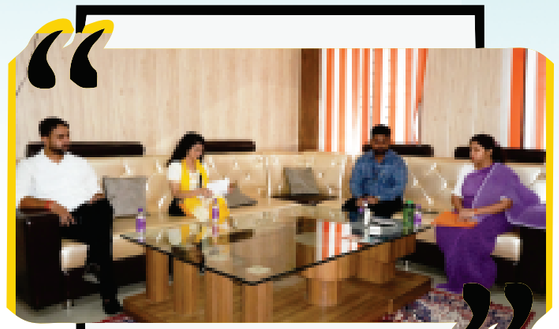

4.13 कवियत्री रैनू शाहनवाज हुसैन ने किया काव्य पाठ

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के सभागार में हरियाली महोत्सव पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें श्री शहनवाज हुसैन, राष्ट्रीय प्रवक्ता भा.ज.पा. एवं उद्योग मंत्री बिहार की धर्म पत्नी कवियत्री श्रीमती रैनु शाहनवाज हुसैन, फातिमा अवद खान, शफराज हुसैन, डॉ.विनोद सिंह प्राचार्य विश्व शांति निकेतन महाविद्यालय गोरखपुर, कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं उनके साथ आये ओम प्रकाश जी, रोहित चौधरी तथा विश्वविद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम कोविड-19 के प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुये किया गया।

विश्वविद्यालय की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुये श्री गिरीश त्रिपाठी ने तीन वर्ष की उपलब्धियां बताते हुये कहा कि यह विश्वविद्यालय अत्याधुनिक तकनीकि के साथ शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को समय-समय पर कराता रहता है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता कवियत्री श्रीमति रैनू हुसैन ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर कहा कि ग्रामीण स्तर पर विश्वविद्यालय स्थापित करना राष्ट्रीय विकास की मानसिकता का परिचायक है। विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम एवं पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने न केवल अपने पिता स्व. श्री बलवीर सिंह गौतम का सपना साकार किया अपितु विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले हजारों छात्रों और उनके अविभावकों के सपनों को भी साकार किया है। उनको करोड़ों लोग दुआयें देगें जिससे गौतम बंधु उत्तरोत्तर प्रगति करते रहेंगे। उन्होंने खजुराहो के इतिहास हेमवती एवं चंदेल राजाओं के बारे में भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आपने अपनी स्वरचित काव्य संग्रह गुण्टी, घर की औरतें और चांद जैसे, पानी प्यार जैसी समस्त किताबों को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम को भेंट किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अतिथियों को आगामी रूपरेखा के बारे में बताते हुये कहा कि विश्वविद्यालय से ग्रामीण स्तर के विद्यार्थियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जायेगा जो राष्ट्र निर्माण के लिये मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में अतिथियों द्वारा पीपल, बरगद, आम जैसे उपयोगी पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

अतिथियों को शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने आभार व्यक्त किया। संचालन उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।





४.१४ फिटनेस की डोज आधा घंटे रोज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव, फिट इंडिया फ्रीडम इंडिया रन – 2 में फिटनस की डोज आधा घंटा रोज के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा कोविड नियमों को ध्यान में रखते हुये कैम्पस में दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय माननीय कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं खुद भी दौड़े इस अवसर पर उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, शोध निदेशक डॉ. दीपा सिंह एवं समस्त स्टॉफ शामिल रहा।

डॉ. अनिल कुमार धगट माननीय कुलपति ने सभी को संबोधित करते हुये कहा कि हमें अपने राष्ट्र को स्वस्थ्य रखने के लिये जरूरी है कि प्रात: काल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सुबह की सैर करें। इससे हमारे समाज में अच्छा संदेश जायेगा और युवाओं को प्रेरणा भी मिलेगी।

श्री गिरीश त्रिपाठी माननीय उपकुलपति ने कहा कि स्वास्थ्य ही समृद्ध भारत का निर्माण कर सकता है श्री विजय सिंह कुलसचिव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि म.प्र. शासन एवं केंद्र सरकार के कार्यक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है।

डॉ. अश्वनी कुमार दुबे कार्यक्रम प्रभारी ने बताया कि स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष भर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते रहेंगे जो कोविड-19 के नियमों को ध्यान में रखते हुये होंगे।





4.15 मानव श्रृंखला के द्वारा भारत के मानचित्र का निर्माण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में आज 14 अगस्त 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में राष्ट्रीय ध्वज सम्मान समारोह मनाया गया। विदित है पूरा राष्ट्र स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मना रहा है। इस उपलक्ष्य में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय सागर रोड, छतरपुर द्वारा विश्वविद्यालय खेल परिसर में आज के दिन दोपहर 12:30 बजे से 75 वें स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। जहाँ विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला से भारत के विशाल मानचित्र का निर्माण कर हर घर तिरंगा अभियान में आम जन को सहभागी बनने का सुंदर संदेश दिया है। जब मानव श्रृंखला द्वारा भारत का मानचित्र के मध्य एक छात्रा भारत माता के रूप में खड़ी हुयीं एवं सभी छात्र – छात्राओं ने एन.एस.एस. गीत हम सब भारतीय है का सस्वर गायन किया एवं भारतीय एकता का संदेश दिया। तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत गोद ग्राम में तथा कार्यक्रम में उपस्थित आगंतुकों को 5000 से अधिक नि:शुल्क तिरंगा वितरण किया गया जिससे वह अपने घरों में तिरंगे को ससम्मान फहरा सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार केंद्रीय मंत्री भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, माननीय प्रद्युमन सिंह लोधी अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री संदीप जी.आर. जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला छतरपुर म.प्र., विशिष्ट अतिथि माननीय राजेश शुक्ला बिजावर विधायक, प्रो. टी.आर. थापक कुलपति महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर, डॉ. जे.पी.मिश्रा कुलसचिव महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर श्रीमती ज्योतिसुरेंद्र चौरसिया नगरपालिका अध्यक्ष, श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, श्रीमती अर्चना सिंह पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष छतरपुर, शहर के गणमान्य नागरिक श्री मनोज अग्रवाल, श्री जय नारायण चतुर्वेदी जी, श्री घासीराम पटेल जी, श्री वीरेंद्र असाटी जी, श्री गुरू शरण अवस्थी जी, श्री संतु अग्रवाल जी एवं इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के समस्त पत्रकार बंधु सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम चेयरमैन एवं प्रांत उपाध्यक्ष भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत, डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, डॉ. अनिल कुमार धगट कुलपति, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती, भारत माता स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना का गायन किया गया तत्पश्चात ज्योति साहू, हेमलता, खुशनाज और महिमा द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। म.प्र. गायन की प्रस्तुति अंकित चतुर्वेदी, प्रशांत जोशी, अमन एवं तौफीक खान के द्वारा की गयी।

डॉ. वीरेंद्र कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज में भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार स्वतंत्रता दिवस मना रहे है। हमारे देश को आजादी मिले 75 साल पूर्ण हो गये है यह भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय पर्व है। यह दिन सिर्फ आजादी की सालगिरह का जश्न मनाने का दिन नहीं बल्कि यह दिन इस बात पर गर्व करने का भी है कि आज हर भारतीय नागरिक को देश में पूर्ण आजादी के साथ जीवन जीने का अधिकार है भारत संविधान में हर नागरिक को समान अधिकार दिये है इन्हीं अधिकारों ने प्रत्येक भारतीय नागरिक को देश और समाज में सम्मान एवं आजादी के साथ जीने के लिये समर्थ बनाया है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है यहां विभिन्न राज्यों में विभिन्न प्रकार की भाषायें बोली जाती है उनकी अलग – अलग संस्कृति और भिन्न – भिन्न रीति रिवाज है, यही भारत में विभिन्नता में एकता का परिचायक है जो अखण्ड एवं अक्षुण्य है हम सब का यही कर्तव्य है इस एकता को कायम रखें।

माननीय प्रद्युमन सिंह लोधी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस धरती की गोद में हमने जन्म लिया वह परम पिता परमेश्वर द्वारा बनायी गयी अद्भुत रचना है जहाँ की धूल मिट्टी में खेलकर हम बड़े हुये है, जहाँ के अन्य, जल, हवा के सेवन से हमारे शरीर का पालन पोषण हुआ है, जो निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक है, स्नेहा की मधुर बयार है उसके प्रति हमारा लगाव होना स्वाभाविक ही है, जिस तरह एक पशु या पक्षी जिस स्थान पर रहता है उसके प्रति उसका प्यार बढ़ता ही जाता है वह अपने मालिक एवं निवास के लिए वफादार हो जाता है। हम तो फिर भी मनुष्य है जिस देश ने हमें जन्म दिया है वह मातृभूमि हमें अपने से प्राणों से प्यारी है अत: हमें अपने देश एवं समाज के विकास के लिये सदैव तत्पर रहकर अपने कर्तव्य का निर्वाहन करना चाहिए उन्होंने दिल दिया है जान भी देंगे गीत गाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये और सभी में जोश एवं जुनून का संचार कर दिया।

बिजावर विधायक श्री राजेश शुक्ला ने कहा कि तिरंगा तीन समान चौड़ाईयों की क्षैतिज पट्टियां है जिसमें ऊपर केसरिया रंग है जो देश के साहस को दर्शाता है, मध्य में स्वेत रंग धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संदेश देता है तो नीचे गहरा हरा रंग देश के विकास और उर्वरता को दर्शाता है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का 24 तीलियों वाला चक्र भारत की निरंतर प्रगतिशीलता को दर्शाता है। अर्थात भारतीय राष्ट्र ध्वज अपने आप में ही भारत की एकता, शांति, समृद्धि और विकास को दर्शाता हुआ दिखाई देता है। उन्होंने आंगे कहा कि स्वतंत्रा दिवस के अमृत महोत्सव का जीता जागता उदाहरण इस विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओ के द्वारा किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मानव श्रृंखला द्वारा भारत का मानचित्र बनाना है। यह विश्वविद्यालय में बिजावर विधान सभा में आता है ये हमारे लिए सौभाग्य की बात है। इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम एवं चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम का आभार व्यक्त करते हुये शुभकामनाऐं देते है कि शिक्षा के क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय अग्रणी बनें।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टी.आर. थापक ने कहा देश प्रेम से तात्पर्य है कि देश में रहने वाले जड़ चेतन सभी जीव जंतुओं, पहाड़ों नदियों आदि से प्रेम करना अर्थात देश में उपस्थित हर उस चीज से प्रेम करना जो देश के लिए हितकारी है, देश प्रेम कहलाता है। भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को अपने देश भक्ति का परिचय अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्टा से पालन करके देना चाहिए।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जे.पी.मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र प्रेम का अर्थ देश की विकास में अपनी सेवा भाव देना होता है। यही हमारे सबसे बड़ा राष्ट्र प्रेम होगा कि हम प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र का हित करें। उन्होंने विश्वविद्यालय के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुये कहा कि यह नव युवा पीढ़ी ही ऊर्जावान है जो सशक्त समाज का निर्माण करते हुये भारत को विश्व गुरू बनाने में निश्चय ही अपना योगदान देगी।

चैयरमैन डॉ.पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी युवा पीढ़ी स्वाधीनता आन्दोलन के अमर शहीदों, क्रांतिवीरों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान, इतिहास एवं नामों को भूल गई है, ऐसे समय इन महान क्रांतिकारियों, आजादी के सेनानियों को स्मरण करते हुए उनके जीवन वृतांत को उनके समर्पन को विद्यार्थियों को बताते रहना चाहिए, जिससे युवा पीढ़ी इनके जीवन से परिचित हो सके। उन्होंने कहा कि देश के आत्म सम्मान एवं स्वाभिमान का प्रतीक है तिरंगा। हमें इस आजादी के महत्व को समझना चाहिए।

कार्यक्रम अध्यक्ष जिला कलेक्टर संदीप जी.आर. ने अपने उद्बोधन में कहा कि तिरंगे के हर गुण को हम अपने व्यक्तित्व में शामिल करले तो हमारा व्यक्तिव और निखर जाएगा। सच के साथ रहकर अपने कर्तव्य का पालन करते हुये हमें प्रगति पथ पर बढ़ते रहना चाहिए। यह हमारी आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष है। आज हिन्दुस्तान का हर नागरिक स्वाधीनता के अमृत महोत्सव को बड़ी धूमधाम के साथ मना रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर प्रत्येक भारतीय के दिल में देश प्रेम और अपने देश के प्रति स्वाभिमान का संचार कर रहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत कामिनी राजपूत के द्वारा विजयी भव गीत पर नृत्य, छात्रा महिमा दीप के द्वारा बंदेमातरम् मेरी जान तिरंगा है गीत का गायन, छात्रायें रीमा वर्मा एवं रोशनी अनुरागी के द्वारा देश रंगीला, दिव्या अहिरवार द्वारा तेरी मिट्टी में मिल जावा, छात्रा मेघा तिवारी एवं अनूपा

www.skuindia.ac.in

तिवारी, छात्र निशांत वाल्मीकि द्वारा देश भक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। सभी अतिथिगणों ने छात्र – छात्राओं द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तिरंगा का हमारी चेतना पर ऐसा प्रभाव होता है कि जब कहीं अपना राष्ट्रीय ध्वज को देखते हैं तो मस्तिष्क गर्व से ऊंचा होता है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर समूचा देश आज आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है इतिहास के उन यादगार स्मरणों को आम जन मानस तक पहुंचाया जा रहा है। उच्च शिक्षा म.प्र. शासन के निर्देशानुसार अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने किया इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, नगर वासियों, अभिभावकों एवं मीडिया से आये बुद्धिजनों का हृदय तल की गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूँ।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी एवं डॉ.सुप्रिया गौतम ने किया कार्यक्रमका आभार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेंद्र सिंह गौतम ने व्यक्त किया।









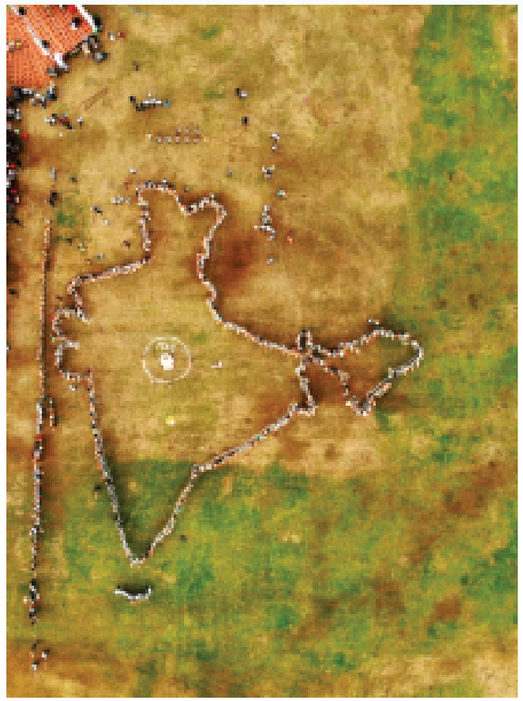

४.१६ संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह ने किया ध्वजारोहण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर ध्वजारोहण विश्वविद्यालय संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम द्वारा किया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल घगट, कुलससिचव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत सहित शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, म.प्र.गान एवं कुलगीत के बाद श्रीमती कुंती सिंह गौतम ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें प्रेषित की एवं अपने अपने कर्तव्यों के निर्वाह से अवगत कराया।

डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने संदेश में कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस आज पूरा भारतदेश आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है हमें उन महापुरूषों को भी याद करना चाहिये जो इतिहास के पन्नों में दबे है हमें आजादी बहुत ही मुश्किलों से मिली है हमारे क्रांतिकारियों को कमरे या जेल में बंद करने के बाद भी उन्हें यातनायें देते थे हमें गर्व है कि हम भारतीय है हमें अपने भारतीय होने का अनुभव करना होगा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र– छात्रायें नवाचार करें हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को सादर श्रद्धांजली अर्पित करते है जिनकी वजह से आज हम स्वतंत्र भारत में जन्म ले सके है। चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि कोरोना काल में आज जिस भव्यता के साथ यह पर्व मनाया जाना चाहिये हम नहीं मना पा रहे है। हमें वर्तमान में कोरोना से भी आजादी प्राप्त करना है। हम सभी को भारत सरकार एवं म.प्र. शासन के कोविड नियमों का पालन करना चाहिये। कोविड की तीसरी लहर और भी भयावह हो सकती है इसलिय हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। मास्क लगाना, सामाजिक दूरी बनाना, हाथ सेनीटाइज करने की आज भी आवश्यकता है। स्वतंत्र होने के साथ हमें स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करना है। देश की संपत्ति को संरक्षित करें। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने एक मंत्र दिया कि अगर अपना परिचय हमें खुद देना पड़े तो समझिऐ कि सफलता अभी थोड़ी सी दूर है थोड़ी और मेहनत करनी है अभी और आगे चलना है कदम लड़खड़ायेंगे, गिरने का डर लगेगा पर रूकना नहीं है क्योंकि अपना परिचय खुद नहीं देना है काम ऐसा करना है कि आपके काम से आपको दुनिया पहचाने। अपने कार्यो से अपनी पहचान बनानी चाहिये। कुलपति डॉ. अनिल धगट ने संदेश में कहा कि स्वतंत्र भारत में महिलाओं को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। अंतरिक्ष से लेकर शिक्षा तक महिलायें अग्रणी है। आज हमें आवश्यकता है कि विश्वविद्यालय में जो शिक्षा के वहुआयामी दृष्टिकोण अपनाये जा रहे है और नई शिक्षा नीति के माध्यम से अपने युवाओं को कौशल प्रदान कर रहे है ये ऐसे कदम है जहां जाकर हम आगे कह सकेंगे कि हमारा भारत आत्म निर्भर बनेगा। शैक्षणिक कार्य एवं शोध के माध्यम से हम यह कार्य कर सकेंगे। आपने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित की।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्कृष्ट विद्यार्थियों के अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। कु. अनन्या राजा, कु. कीर्ति राजा, कु. सेजल निगम, कु. अंजली गुप्ता, कु. अंशुल परमार के द्वारा गाया गया गीत हम भारतीय है ने सभी को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। प्रबंधन विभाग की छात्राओं रोनक सक्सेना, सम्कित जैन एवं सचि जैन को उनके इर्ण्टशिप में सराहनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हुये कार्यक्रमों में जिन छात्र छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है उनके उनको शैक्षणिक कार्यक्रम प्रभारियों के साथ अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम उपरांत सभी को मिष्ठान वितरण किया गया।

आभार एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया







4.17 स्वालंबी भारत अभियान का आयोजन

स्वावलंबी भारत अभियान के छतरपुर में दो कार्यक्रम महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में उद्यमिता सम्मान सम्मेलनों में हिस्सा लेने के बाद, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल ने प्रैस को सम्बोधित किया।लंबे समय से देश की एक प्रमुख समस्या बेरोजगारी है। स्वदेशी जागरण मंच ने कुछ अन्य संगठनों के साथ मिलकर देश को पूर्णतय: रोज़गारयुक्त बनाने का संकल्प किया है। इस गैर-सरकारी पहल का नाम है स्वावलम्बी भारत अभियान। इसी वर्ष 12 जनवरी युवा दिवस की देश के सभी प्रांत केन्द्रों पर शुरुआत हुई है।

इसके लिए हमने चार आधार भूत मन्त्र माने हैं विकेंद्रीकरण, सहकारिता, स्वरोजगार या उद्यमिता तथा स्वदेशी का आग्रह, सभी भारतीय स्वदेशी चिंतक इसका समर्थन करते आये हैं और आज भी करते हैं।

इसके लिए देश के सभी 739 ज़िलों में तीन काम किये जायेंगे। पहला है कि हर ज़िलें में रोज़गार सृजन केंद्रों की स्थापना किसी न किसी विश्वविद्यालय या बड़े महाविद्यालय के साथ मिलकर की जाएगी। दूसरा काम है कि वहां के स्थानीय अर्थ व रोजगार सृजकों का उद्यमियों के साथ संवाद, सहयोग व सहकार करके इस कार्य में लगाया जाएगा। तीसरा आग्रह का बिंदु युवा शक्ति की मानसिकता में परिवर्तन करने का रहेगा ताकि युवा नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने। इस लिए हमने 3 करोड़ कॉलेज विद्यार्थी, 1000 विश्वविद्यालय व 53000 कॉलेजों में सक्रियता का वातावरण तैयार करना है। अभी तक लगभग 1000 कार्यक्रम देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो चुके हैं। 21 अगस्त को अंतराष्ट्रीय उद्यमिता दिवस तक देश के हर ज़िलें में ऐसे कुल 4000 कार्यक्रम सम्पन्न हो जाएंगे।

इस अभियान के अंतर्गत आर्थिक समूह के छ: संगठन भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच, सहकार भारती, ग्राहक पंचायत, लघुउद्योग भारती तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आदि 14 संगठन मिलकर यह कार्य कर रहे हैं। धीरे-धीरे अन्य स्थानीय समाजिक, आर्थिक संस्थाएं भी जुड़ती दिखाई दे रही हैं। यह एक जनांदोलन बनता जा रहा है। इन सबके तालमेल का काम स्वदेशी जागरण मंच कर रहा है।

देश के प्रमुख आईटी तज्ञ और जोहो कारपोरेशन के मालिक श्रीधर वैंबू इस अभियान के प्रथम संरक्षक बने हैं। साथ ही श्री नरेन्द्र जाधव, कनेरी मठ के स्वामी तथा अमूल के सीईओ आर एस सोढ़ी का मार्गदर्शन अभियान संरक्षकों के नाते मिला। ऐसे ही इसमें हर क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व को इसमें जोड़ना है।यह सर्वविदित है कि भारत के रोजगार कृषि 42% छोटे उद्योग 28% यानी मैन्युफैक्चरिंग से और 30% सर्विस सेक्टर से आता है। इसी को ध्यान रखकर ही आगामी योजनाएं बनाई गई हैं।

हमारा निष्कर्ष है कि हमें अपनी विशेषता को आंक कर उसके आधार पर बढ़ना है। जैसे की अमेरिका की सबसे प्रमुख विशेषता इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, चीन की सस्ती मैन्युफैक्चरिंग, मध्य व पूर्वी देश की कच्चा तेल, जापान की ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक, जर्मनी की उच्चस्तरीय इंजीनियरिंग और रूस की द्वारा उच्च स्तरीय शस्त्र-अस्त्र निर्माण क्षमता है। इस अभियान की रचना करते समय माना गया है कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी है युवा शक्ति है। यद्यपि भारत के पास कृषि भूमि दुनियां में सर्वाधिक है, सस्ती जेनेरिक फार्मासूटिकल निर्माण क्षमता दुनिया की 20%, जेनेरिक दवाईयां 40% और विभिन्न वैक्सीन्स 50% है। चावल उत्पादन व दूध उत्पादन भी सर्वाधिक है, आईटी क्षेत्र भी श्रेष्ठ हैं। ये चारों क्षेत्र तो हैं, परंतु सर्वाधिक महत्वपूर्ण सम्पति तो हमारी युवाशक्ति है।

वैसे तो संख्या में यह युवा शक्ति 37 करोड (15-29 वर्ष) है। यह संख्या चीन में 27 करोड़ है और अमरीका की तो कुल आबादी ही 34 करोड़ है। गर्व की बात है कि भारत की मध्यमान आयु 29 वर्ष, चीन की 37 वर्ष, अमरीका की 40 वर्ष, यूरोप की 46 व जापान की 48 वर्ष है। इसी युवा शक्ति को हमने अपना ग्रोथ इंजिन माना है। इसी जनसांख्यिकी लाभांश को हमने अपना केंद्र बिंदु माना है। बस इसी को कुशल, स्वरोजगारी व सक्षम बनाना है, ऐसा हमारा प्रयास है।

आज़ादी के 75वे अमृतमहोत्सव पर स्वदेशी जागरण मंच सभी देशभक्त नागरिको का आह्वान करेगा कि आने वाले पांच वर्ष देश हम सब सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक संस्थान मिलजुल कर इस 'स्वावलंबी भारत अभियान' को सफल बनाने में जुटती हैं तो बेरोजगारी बीते दिनों की बात हो जाएगी और भारत पुन: बनेगा महान।





४.१८ विधिक सहायता शिविर एवं वृक्षारोपण का भव्य आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए ग्राम छिरावल में विधिक सहायता शिविर एवं वृक्षारोपण का भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राकेश दीक्षित अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि ऋषि विलथरे शासकीय अधिवक्ता, मानवेंद्र सिंह परिहार, देवेंद्र सिंह परिहार, प्रकाश बाबू पाण्डेय, अनिल द्विवेदी, तथा विश्वविद्यालय की डॉ. सुप्रिया गौतम, डॉ. निहारिका तिवारी ग्राम छिरावल के गणमान्य नागरिक चंद्रभान सिंह चंदेल, अवधेश प्रताप सिंह, अजय सिंह विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह, माधव पाठक, राजेंद्र नामदेव एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिक तथा छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। विधिक सहायता शिविर का विधिवत उद्घाटन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

मुख्य अतिथि जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश दीक्षित ने कहा कि हम समस्त ग्राम वासियों को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे। गांव के प्रत्येक नागरिक को कानून के संबंध में जानकारी होना आवश्यक है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में समस्त ग्राम वासिंयों को शुभकामनायें प्रेषित करते हुये बताया कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में गरीबी रेखा से नीचे आने वाले छात्र छात्राओं को शुल्क में छूट दी जायेगी साथ ही कोरोना काल में जिन बच्चों के माता और पिता दोनों नहीं रहे उनकों नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी। ग्राम का सर्वांगीण विकास करना हमारा कर्तव्य है। पर्यावरण को खुशहाल बनाने के लिये आपने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ऋषि विलथरे ने बताया कि विधिक सहायता के माध्यम से गांव के लोगों को आने वाली कानूनी अड़चनों तथा समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

इस अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला के कैम्पस में सभी अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विधिक सहायता केंद्र की जानकारी विस्तार से श्री माधव पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के विवाद एवं समस्याओं पर आप विश्वविद्यालय के विधिक केंद्र में आकर संपर्क कर सकते हैं। इस केंद्र द्वारा जिले के वरिष्ठ अधिवक्तओं द्वारा समन्वय स्थापित कर समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा एक मो. न. 6262618023 जारी किया गया है, जिस पर भी ग्रामवासी संपर्क स्थापित कर सकते है। अतिथियों के द्वारा कक्षा 8वीं उत्कृष्ट छात्र दीपेंद्र यादव एवं छात्रा कु. ज्योति अहिरवार को वृक्ष प्रदान कर सम्मानित किया गया। आभार श्री विवेक प्रताप सिंह विभागाध्यक्ष ने तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।





4.19 हिन्दी विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

भारतीय शिक्षण मण्डल युवा आयाम द्वारा चलाए जा रहे अभियान सुभाष–स्वराज–सरकार लेखन प्रतियोगिता के अन्तर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में शीर्षक 'आजाद हिन्द फ़ौज: महत्व एवं सरंचना' अथवा 'भारत की आज़ादी में सुभाष चंद्र बोस का योगदान' विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों के लगभग 150 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उपरोक्त में से किसी एक शीर्षक पर 90 मिनट की अवधि में लगभग 3000 शब्द सीमा में निबंध लेखन पूर्ण करने की अनिवार्यता रखी गयी।

इस लेखन प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बी.एस.राजपूत, डॉ. दीपा कुशवाह एवं श्रीमती मेघना मिश्रा, कक्ष निरीक्षक डॉ. राजेंद्र चौधरी, डॉ. महेश कुमार, डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ. जयंत कुमार, डॉ. नीना चौरसिया, डॉ. निकेत मिश्रा, श्री सचिन व्यास, श्री रामप्रसाद रजक, श्रीमती वंदना शुक्ला, श्रीमती सत्यवती चौरसिया एवं गुंजन निगम उपस्थित रहीं। इस लेखन प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ.आशीष कुमार तिवारी विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग रहे।





४.20 फीमेल हाइजीन का आयोजन..

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में फीमेल हाइजीन के अंतर्गत एक व्याखान माला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गायत्री नामदेव एवं मुख्य अतिथि–पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सीता सिंह महिला मोर्चा की महामंत्री जिला छतरपुर एवं श्रीमती पूनम श्रीवास्तव नगर मंडल अध्यक्ष रही।

सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर के किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दीपा कुशवाह ने की। इस कार्यक्रम में आंतरिक स्वच्छता से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न विभागों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा को शांत किया, जिसका संतोषजनक जबाव देते हुये डॉ. गायत्री नामदेव ने समाधान भी किया।

आद्या महिला समिति और श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के साझा प्रयास से यह कार्यक्रम सफल हुआ। इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्यक्रम से ज्ञान में वृद्धि होने के साथ साथ उप कुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा ने समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी द्वारा किया गया।





४.21 राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर वेबीनार आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल एवं प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वेबीनार का आयोजन उच्च शिक्षा को बदलना विषय पर आयोजित की गयी जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. एच.के.सिंह प्राध्यापक वाणिज्य विभाग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, मुख्य अतिथि डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार घगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे सहित विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टॉफ एवं छात्र छात्रायें ऑनलाइन शामिल रहे। मुख्य वक्ता डॉ. एच.के.सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कैसे क्रियान्वयन हो पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने आर्शीवचन में आयोजकों और प्रतिभागियों इस आशय से बधाईयां दी कि वे आगामी समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन सुचारू रूप से अपने विश्वविद्यालय में कर सकेंगे। डॉ. अनिल कुमार धगट ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली भी समृद्ध रही है जिसमें शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक विषयों का समावेश था। वर्तमान समय को ध्यान में रखते हुये शिक्षा प्रणाली में वदलाव करना शासन ने आवश्यक समझा जिसमें युवाओं को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर उनके अंदर कौशल विकसित कर आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर करना है। डॉ. सुप्रिया गौतम ने विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। श्री ऋषिकांत गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं जैसे पाठ्यक्रम, विकल्प आधारित शिक्षा प्रणाली पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।

www.skuindia.ac.in

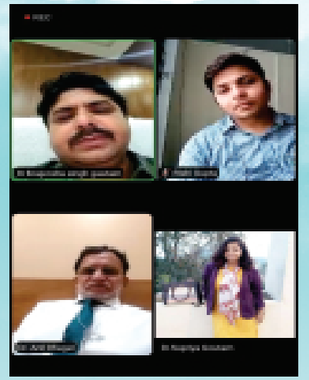

4.22 ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो पर वेबीनार आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय 25 अगस्त 2021 को वेबीनार का आयोजन हुआ जिसके थीम है ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो जिसके अंतर्गत एजेंडा निम्नलिखित है हॉलिस्टिक अप्रोच ऑफ एजुकेशन ब्रांडेड मोड ऑफ लर्निंग एंड टीचिंग मल्टी डिसीप्लिनरी एजुकेशन इस कार्यक्रम में गेस्ट स्पीकर प्रोफेसर एसके सिंह डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी से थे कार्यक्रम में हायर एजुकेशन के मुख्य बिंदुओं को बताया गया प्रोफेसर सिंह के द्वारा साथ ही साथ विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन एजुकेशन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया इस कार्यक्रम के कन्वीनर डॉ अश्विनी दुबे डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी एवं सेक्रेटरी डॉक्टर सुप्रिया गौतम असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी के द्वारा हुआ कार्यक्रम के अंत में अनेबल चांसलर डॉ बृजेंद्र सिंह गौतम के द्वारा हायर एजुकेशन का भविष्य में होने वाले ट्रांसफॉर्मेशन पर प्रकाश डाला गया जिसमें डिजिटल इंडिया एवं उसके उपयोग का महत्व बताया गया कार्यक्रम के समापन के दौरान छात्र छात्राओं को मल्टीडिसीप्लिनरी एजुकेशन एवं आगे चलकर जॉब ओरिएंटेड एजुकेशन को भी बताया गया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुप्रिया गौतम के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राएं एवं विश्वविद्यालय के सम्मानीय शिक्षक गण भी मौजूद थे।



४.२ * कैम्पस प्लेसमेन्ट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में कैम्पस प्लेसमेन्ट आयोजित किया गया जिसमें भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धक श्री अमनदीप के द्वारा बैंकिंग,वाणिज्य एवं अर्थव्यवस्था क्षेत्र से विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनके सन्तोषजनक उत्तर छात्र छात्राओं के द्वारा दिये गए। इस कैम्पस प्लेसमेन्ट में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं संकायों के लगभग 50 से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें से 5 छात्रों को चयनित किया गया।

श्री अमरदीप सिंह ने छात्रों की प्रशंसा करते हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की प्लेसमेन्ट सेल की उनके सदस्यों की हृदय से तारीफ करते हुए कहा कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। ये इसी शिक्षा का परिणाम है कि पहली बार हमें ऐसा देखने में मिल रहा है कि यहां प्लेसमेन्ट का प्रतिशत अन्य संस्थाओं से अधिक है।उन्होनें आगे कहा कि भविष्य में भी वह प्लेसमेंट के लिए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के लिए प्रस्ताव रखा।

विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्लेसमेन्ट सेल के सदस्य श्री विवेक प्रताप सिंह सहायक प्राध्यापक विधि विभाग, निवेदिता सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग ने चयनित छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं प्रदान की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



४.२४ लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला का एन.सी.सी. पर व्याख्यान

नेशनल कैडेट कोर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आज अतिथि व्याख्यान का आयोजन कोविड–19 के नियमों का पालन करते हुये सभागार में किया गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल श्री रोहित बुंदेला, विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि मानवेंद्र सिंह, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने दीप प्रज्जवलन एवं पूजा अर्चना कर व्याख्यान का शुभारंभ किया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया। आपने विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को नेशनल कैडेट कोर एवं देशभक्ति से संबंधित शिक्षा को ग्रहण करने का संदेश दिया एवं कहा कि देश सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता हमें देश सेवा के लिये सदैव तत्पर रहना चाहिये। सैनिकों के लिये यह कार्य नहीं बल्कि सेवा है हमारी भारतीय संस्कृति में कहा भी गया है कि माता और मातृभूमि स्वर्ग से बढ़कर होती है अत: हमारी मातृभूमि की रक्षा कर रहे सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिये।

लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला जिनकी पहली सेवायें सूरतगढ़ राजस्थान में हुयी। चीफ ऑफ दी आर्मी स्टॉफ ए.डी.सी., युनाइटेट नेशन मिशन में डिप्लॉमेंट के रूप में सेवायें दी तथा चीफ ऑपरेशनल ऑफीसर के साथ आपके पास दो आर्मी कमाण्डर का रिकम्डेशन है। आपने आर्मी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि आर्मी में शामिल होने के लिये विद्यार्थी अपने स्थानीय स्कूल जैसे सैनिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों में अध्यापन के साथ खेल में भाग लेकर पहुँच सकते हैं। यहाँ नेशनल कैडेट कोर का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

www.skuindia.ac.in

खेल में जीत का एहसास आर्मी के नजदीक होता है। आर्मी में सर्वांगीण विकास का वातावरण होता है जहाँ संगीत एवं कला भी सीखते हैं। हमें अपने क्षेत्र में आर्मी सेवा के संबंध में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। साथ ही आपस में चर्चा कर इस विषय को आगे बढाया जा सकता है। अधिकतम चयन अपने क्षेत्र से होने चाहिये जिससे देश भक्ति का माहौल बन सके। क्षेत्रीय स्तर पर आर्मी ट्रेनिंग एवं कोचिंग संस्थाओं को भी विकसित होना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को इस सेवा में पहुँचने का मार्ग प्रशस्त हो सके। आर्मी जॉब नहीं है बल्कि यह देश सेवा है जो अन्य पदों से हमें विशिष्ट बनाती है। आर्मी में जाने के लिये लेफ्टिनेंट कर्नल ने विस्तार से ऑनलाइन ऐप्लीकेशन पर चर्चा की। यह भी बताया की नैशनल डिफेंस एकेडमी (एन.डी.ए.) में महिलाओं के चयन का रास्ता भी अब खुल गया है। भारतीय रक्षा बलों में शामिल होने के लिये एन.डी.ए. परीक्षा प्रमुख है यह सेवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाती है जो छात्रों के लिये भारतीय सेना, वायु सेना और नौ सेना में शामिल होने का प्रवेश द्वार है। यहाँ के छात्र छात्रायें एन.डी.ए. भारतीय सेना एवं भारतीय नेवी में अपना कैरियर बना सकते हैं। इसके लिये एकाग्रचित्त एवं लक्ष्य को निर्धारित कर, कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने आर्मी सेवा के अनुभव को साझा करते हुये कहा कि मैं जहाँ हूँ, अपने आप को गौरन्वित महसूस कर रहा हूँ। जो हमारे परिवार के लिये भी गौरव की बात है।

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, मानवेंद्र सिंह जी एवं विजय सिंह ने लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। आभार कुलसचिव विजय सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उप कुलसचिव ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग 25 म.प्र. बटालियन के कैडेट, आर्मी ऑफीसर शिवेंद्र प्रताप सिंह, कु. आकांक्षा मिश्रा, एन.सी.सी. ट्रेनर गौरव शर्मा, कु. निशा बुंदेला तथा विश्वविद्यालयीन शैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहा।





4.25 औषधीय पौधों के गुणों पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय द्वारा "औषधीय पौधो के गुणों पर" एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों के बारे में संकाय के समस्त प्राध्यापकों द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गयी।

संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, ने हरश्रृंगार के पौधे के औषधीय तत्वों के बारे में प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने बताया कि यह एक पुष्प देने वाला पौधा है। जिसमें अनेक औषधीय गुण मौजूद होते है। इसे प्राजक्ता के नाम से नाम से भी जाना जाता है एवं भारत की पौराणिक और लोक कथाओं में हरश्रृंगार का पेड़ रहस्यमयी महत्व रखता है। डॉ. सिंह ने बताया कि परिजात का पेड़ केवल रात में खिलता है और सुबह होते ही इसके सारे फूल झड़ जाते है। इस वजह से परिजात को रात की रानी भी कहा जाता है। उन्होने बताया कि इसके वानस्पतिक नाम का अर्थ दुख का वृक्ष है। हरश्रृंगार की कठोर छाल होती है जो परतदार और दिखने में भूरें रंग की होती है । हरसिंगार के पत्ते और छाल का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। साइटिका रोग, बुखार, खांसी एवं कब्ज आदि जैसी बीमारियों के इलाज में हरश्रृंगार को सबसे अधिक उपयोगी माना जाता है। पत्तियों से तैयार पेस्ट बुखार, हाईब्लड प्रेशर और डायबिटीज में उपयोगी है। डॉ. सिंह ने सर्पगन्धा के बारे में यह जानकरी दी। उन्होने बताया कि यह कफ और गठिया वात को शान्त करता है। पित्त को बढ़ाता है और भोजन में रुचि पैदा करता है। सर्पगंधा घाव को भरता है और पेट के कीड़े को नष्ट करता है। यह अनेक प्रकार चूहे, साँप, छिपकली आदि पशुओं के विष जाने वाले जहर का एक प्रकार जो धीरे–धीरे असर करता है और उसको खत्म करता है। वात के कारण होने वाले रोग दर्द बुखार आदि को समाप्त करता है। इसकी जड़ अत्यंत तीखी तथा कड़वी हल्की होती है जिसका चूर्ण बनाकर खाने के लिए उपयोग किया जाता है।

संकाय के शिवराज सिंह, सहायक प्राध्यापक ने आंवला एवं नीम के औषधीय गुणों से रूबरू कराया। श्री सिंह ने बताया कि आंवला का फल बीज फूल पत्ते छाल और जड़ें औषधीय रूप से उपयोगी होते है। इसके फल में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जिसके सेवन से मूत्र संबंधी समस्याओं एनीमिया पीलिया और अपच में भी लाभकारी होता है। इसके फलों से तैयार किण्वित खमीर शराब का उपयोग पीलिया अपच और खांसी में किया जाता है। आंवले के बीजों का उपयोग आंखों की समस्या में किया जाता है एवं नाक से खून बहने को रोकने के लिए इसके बीजों को घी में तलकर पीसने के बाद माथे पर लेप के रूप लगाया जाता है। लू से बचाओ के लिए इसके फलों और पत्तों को कुचल कर बनाया गया पेस्ट पाँच दिनों के लिए दिन में तीन बार दिया जाता है। रतौंधी को ठीक करने के लिए दालों के साथ उबालकर प्रतिदिन दो महीने तक भोजन के रूप में लिया जाता है। ल्यूकोरिया को ठीक करने के लिए इसके सूखे बीजों को कुचलकर बनाया गया चूर्ण सप्ताह में दो बार लिया जाता है। सूखी त्वचा पर लोशन के रूप में आंवला मुंगफली नींबू का रस और गुलाब की पंखुड़ियों से बना पेस्ट लगाया जाता है।

संकाय के शिवम नायक, सहायक प्राध्यापक ने तुलसी के औषधीय प्रयोग में बारे में बताया। श्री नायक ने बताया कि तुलसी सिर दर्द से आराम दिलाती है अगर आप भी अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं तो तुलसी के तेल की एक दो बूंदे नाक में डालें। इस तेल को नाक में डालने से पुराने सिर दर्द और सिर से जुड़े अन्य रोगों में आराम मिलता है। इसके अलावा तुलसी रतौंधी में लाभकारी है तुलसी का रस, साइनसाइटिस या पीनसरोग में लाभदायक, कान के दर्द और सूजन में लाभदायक, दांत दर्द से आराम, गले से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्ते के फायदे बुखार दिल से जुड़ी बीमारियां पेट दर्द मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण आदि में बहुत फायदेमंद हैं। तुलसी पीलिया में लाभदायक होती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार के नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे सर्दी जुकाम और अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। 20 ग्राम तुलसी बीज चूर्ण में 40 ग्राम मिश्री मिलाकर पीस कर रख लें। सर्दियों में इस मिश्रण की 1 ग्राम मात्रा का कुछ दिन सेवन करने से शारीरिक कमजोरी दूर होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और वात एवं कफ से जुड़े रोगों से मुक्ति मिलती है।

संकाय के अंशुल प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक नीम के औषधीय गुणों के बारे में प्रकाश डाला। श्री सिंह ने बताया कि नीम के पत्ते कीटनाशक होते हैं इसलिए इनका उपयोग अनाज में या कपड़ों के बीच भी रखते सकते हैं। नीम के पत्ते से डेंगू मलेरिया से बचाव उसके तेल का दिया जलाने से मच्छर भाग जाते हैं और डेंगू मलेरिया से बचाव में मदद मिलती है। इसके पत्तों के साथ बेर के पत्तों को पानी में उबालें और फिर ठंडा कर इससे बाल धुलने से बालों का गिरना बंद हो जाता है। इससे बाल काले और मजबूत भी हो जाते हैं। फोड़ा फुंसी में भी लाभकारी होता है। इसके तेल में थोड़ी मात्रा में कपूर मिलाकर फोड़ा फुंसी में इस्तेमाल करने से राहत मिलती है।

इसके सामान्य औषधीय उपयोग भी कुछ इस प्रकार है –

+ नीम की 20 पत्तियों एक कप पानी में मिलाकर पीने से हैजा ठीक होता है।
+ नीम की छाल जलाकर जो भस्म निकले उसे तुलसी के रस के साथ लगाने से त्वजा के दाग व चर्म रोग ठीक होते हैं।
+ नीम के काढ़े में धनिया और सौंठ का चूर्ण मिलाकर पीने से मलेरिया ज्वर में जल्दी लाभ होता है।
+ नीम की पत्तियां चबाने से रक्त साफ होता है और त्वचा चमकदार होती है। नीम पाउडर में दो गुना मात्रा में सेंधा नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया में लाभ होता है और मुंह की दुर्गंध ठीक होती है।





www.skuindia.ac.in

4.26 केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार को किया सम्मानित

डॉ. वीरेंद्र कुमार सामाजिक न्याय और अधिकारिता केंद्रीय मंत्री एवं टीकमगढ़ लोकसभा सांसद का महाराजा छत्रसाल की नगरी छतरपुर की जन आर्शीवाद यात्रा के दौरान श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलसचिव विजय सिंह ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर विश्वविद्यालय में सम्मानित किया।

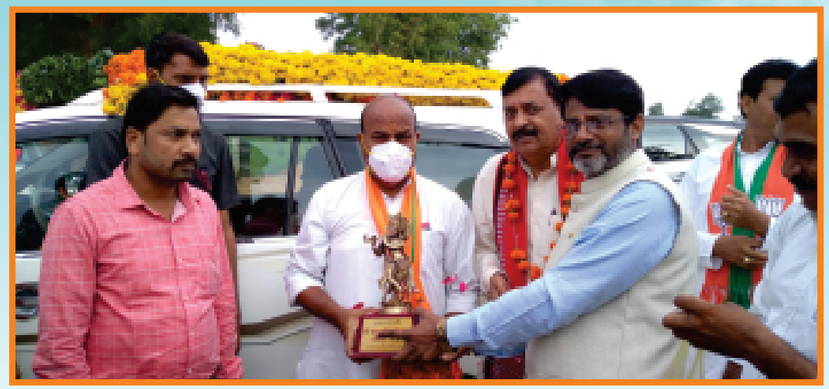

4.27 डॉ. जे.पी.मिश्रा को म.छ.बु.विश्वविद्यालय के कुलसचिव बनने पर बधाई

म.प्र. शासन ने म.छ.बु.वि. में डॉ. जे.पी.मिश्रा प्रोफेसर शासकीय महाराजा महाविद्यालय छतरपुर को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया है उनकी इस नियुक्ति पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलसचिव श्री विजय सिंह ने महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय परिवार ने बधाईयां प्रेषित की।



४.२८ भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं का भ्रमण कर वापस लौटा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का स्वयंसेवक

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के 116 वीं जयंती पर यूथ महापंचायत का शुभारंभ किया गया। इसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के छात्र आकाश गौतम, अमरचंद्र श्रीवास, तौफीक खान, प्रियंका अहिरवार, दीपक कुशवाहा, धर्मेंद्र राजपाल, कमलेश कुशवाहा, राजेश, विनीता पटेल, कार्तिकेय राय, आकांक्षा गोस्वामी एवं सृष्टि उपाध्याय ने प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता में किया गया था। इनमें से केवल आकाश गौतम का चयन "मां तुझे प्रणाम" योजना में चयन हुआ जिसके अंतर्गत वे जो छतरपुर जिले का पानी और मिट्टी लेकर भारतीय अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गये। आकाश गौतम ने अपने अनुभव में बताया है कि उन्होंने 23 व 24 जुलाई को भोपाल में राज्य स्तरीय युथ महापंचायत में सहभागिता की गई थी जिसके आधार पर मेरा चयन " मां तुझे प्रणाम " योजना में किया गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक को भारत की सीमा हुसैनी वाला बाग बॉर्डर, अटारी बॉर्डर, जलियांवाला बाग आदि जाकर शहीद सैनिकों को सादर नमन किया एवं साथ लाई हुई अपने क्षेत्र की माटी व जल को अर्पण किया। इसके पश्चात जब स्वयं सेवक "मां तुझे प्रणाम" अनुभव यात्रा से वापस आया तो विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, अधिकारी, कर्मचारियों तथा सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने पुष्प मालाओं से हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया तथा कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ बी.एस.राजपूत, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा.महेश अहिरवार ने स्वयं सेवक को प्रमाण पत्र एवं सील्ड देकर सम्मानित किया। आकाश गौतम को सम्मान में तिरंगा झंडा मिला उस तिरंगे झंडे को सम्मान के साथ कुलसचिव को प्रदान किया गया। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन और भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, वरिष्ट प्राध्यापक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी एस राजपूत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ महेशचंद्र अहिरवार और कुमारी वर्षा यादव सहित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों एवं राष्ट्रीय सेवायोजना के सभी स्वयंसेवकों ने बच्चा का एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।



4.29 खादी प्रदर्शनी पर भव्य आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 01 अक्टूबर को हुआ खादी प्रदर्शनी, यह प्रदर्शनी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कोविड–19 नियमों को ध्यान में रखते हुये मनायी गयी। जिसका उद्देश्य था "वोकल फॉर लोकल"। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री दुर्गा प्रसाद आर्य जो कि वर्तमान में मध्य प्रदेश गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष है उनके द्वारा हुआ साथ ही साथ विशिष्ट अतिथि में एस.बी.आई. बैंक छतरपुर के चीफ मैनेजर श्री हिमेंद्र सिसोदिया, जगजीत कुमार मित्तल चीफ मैनेजर सेल्स एंड बिजनेस डेवलेपमेंट रीजनल बैंक ऑफिस छतरपुर, एन.के. भावे ब्रांच मैनेजर कैश एडमिनिस्ट्रेशन सेल एस.बी.आई छतरपुर, नविता सिंह इंटीरियर एण्ड फैशन डिजाइनर नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एण्ड डिजाईन छतरपुर, श्री बृजेंद्र कुमार गुप्ता प्रेक्टेशनर चार्टेड अकाउंटेंट बृजेंद्र गुप्ता एण्ड कंपनी छतरपुर, माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य वोकल फॉर लोकल था जिसमें छात्रों को उद्यिता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। जिसमें गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि दुर्गा प्रसाद आर्य ने गांधी के विचारों को अपनाने का सलाह दिया और यह भी बताया कि आजादी की वर्दी खादी ही थी गांधी जी ने खादी को बढ़ावा देने के लिये विदेशी वस्त्र का त्याग करने को कहा देश वासियों से उन्होंने खादी पर प्रकाश डालते हुये यह कहा कि खादी स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है चर्म रोग के समाधान में डॉक्टर भी खादी वस्त्र पहनने का सुझाव देते है। खादी के महत्व पर दुर्गा प्रसाद जी ने बताया कि खादी का वर्चस्व देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में फैलना चाहिए। क्योंकि यह हमें स्वाबलम्बन होने में मदद करता है।

साथ ही साथ आर्य जी ने कहा कि 'आजादी से पहले गांधी जी ने देश के लोगों को रोजगार मुहैया करवाने के लिए खादी की मुहिम चलाई थी। इससे काफी युवा प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि जब देश आजाद हुआ और पाकिस्तान बना था उस समय देश की हालत अच्छी नहीं थी। न तो खेतीबाड़ी अच्छी थी और न ही सरकारी नौकरियां थी। ऐसे में खादी ही देश के लोगों के लिए सहारा बनी थी। आजादी के बाद सरकार ने खादी को अपने अधीन ले लिया। बाकायदा खादी कमीशन बन गया था। साथ ही खादी ने अपना काम शुरू कर दिया था। प्रत्येक गांव में खादी सेंटर खोले गए थे। इससे काफी लोगों को रोजगार मिल गया। अन्य ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट भी खादी के अधीन आ गए थे। इस दौरान लोगों से खरीदकर वे सामान को शोरूम तक लाते थे।

जगजीत कुमार मित्तल ने अपने उद्बोधन में छात्रों को स्टार्ट अप शुरू करने के लिए एस.बी.आई. बैंक द्वारा लोन व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुये यह बताया कि कैसे वह अपने विजनेस प्लान से एस.बी.आई. बैंक द्वारा लोन प्राप्त कर सकते है साथ ही साथ उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि अब लोन की प्रक्रिया सरल हो गयी है। अब आसान किस्तों पर बैंक छात्रों लोन मुहिया कराती है। जिसमें आत्म निर्भर भारत के तहत छात्रों को उनके पैरों पर खड़ा होने के लिये प्रेरित करती है। उन्होंने लघु उद्योग को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न लोन व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को प्रेरित किया कि वे खुद के वस्तुओं का निर्माण करें और अपने व्यवसाय को आगे बढाने के लिये पूंजी के लिये एस.बी.आई के विभिन्न ब्रांच में संपर्क करें ताकि उन्हें लोन आसानी से प्राप्त हो सके।

नविता सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्रों को अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए विभिन्न कोर्स को चुनने को कहा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्र सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर ही नही अपितु विभिन्न क्षेत्रों जैसे फैशन डिजाइनिंग, इंटीरियर डैकोरेटर, फूड विजनेस जैसे क्षेत्रों में भी अपना नाम कमा सकते हैं और अपना उज्जवल भविष्य भी बना सकते है। नविता सिंह ने साथ ही साथ यह भी कहा कि छात्र अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक विधा को अपने तक ही सीमित न रखें अपितु इसको अपने व्यवसाय के रूप में आंगे बढाये छतरपुर जैसे जगह में जब छात्र फैशन जैसी विधा के बारे में सोचते हैं तो उनके पास बहुत कम विकल्प होते है ऐसे में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छात्रों के लिये अपने आप में एक सुनहरा अवसर लाया है जिसमें छात्र अपने शहर में ही रचनात्मक एवं कलात्मक विधा के रूप में अपना सकते है एवं अपने पेशा भी बना सकते है।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि छात्रों को पी.पी. मॉडल के तहत अपने रचनात्मक विजनेस प्लान को आगे लाना चाहिए और अपने भविष्य को और सुरक्षित करना चाहिए। कुलाधिपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय में इनोवेशन को बढावा दिया जाऐगा और छात्र छात्रायें अपने रचनात्मक विजनेस प्लान को बढ़ चढ़ कर आगे लाये और उनके विजनेस प्लान को पेटेंट कराने में विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से सहयोग करेगा। छात्रों को उद्यिता के बारे में प्रकाश डालते हुये यह कहा छात्र अपने देश में अपने हुनर के द्वारा अपने भविष्य को उज्जवल कर सकते है और विश्वविद्यालय का सहयोग हमेशा उनके साथ है।

इस अवसर पर प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमें मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स विभाग द्वारा अपने लोकल ब्रांड द हाउस ऑफ पिटारा को दर्शाया गया इस प्रदर्शनी में खादी के विभिन्न प्रकार के वस्तु जैसे महिलाओं के वस्त्र धोती, कुर्ता, शॉल, डुपट्टा, साड़ियों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति को उजागर करना था एवं भविष्य में अपने पेशे को फैशन डिजाईनिंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में आगे ले जा सकते है। प्रदर्शनी की तारीफ सभी अतिथियों ने की और यह भी कहा कि आने वाले समय में छात्र छात्रायें इस प्रकार की प्रदर्शनी से अपने मैनेजमेंट स्किल एवं इन्ट्रोप्रिनियोरसिप स्किल को भी बढ़ावा दे सकते हैं।

समस्त अतिथियों का सम्मान कुलाधिपति महोदय द्वारा शॉल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ. सुप्रिया गौतम एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती अल्का निगम ने किया। खादी प्रदर्शनी सहायक प्राध्यापक कु. हर्षिका तिवारी एवं सहायक प्राध्यापक श्री पंकज गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीमती रेनू झां ने किया एवं आभार सहायक प्राध्यापक प्रबंधन विभाग डॉ. सुप्रिया गौतम ने व्यक्त किया। इसअवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।









www.skuindia.ac.in

4.30 राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, डॉ. दीपा कुशवाह एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक अग्रवाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आलोक पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में बताया कि 2 अक्टूबर के दिन का भारत के इतिहास में एक खास महत्व है। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की तरह 2 अक्टूबर को भी राष्ट्रीय पर्व का दर्जा हासिल है। यह दिन देश की दो महान विभूतियों के जन्मदिन के तौर पर इतिहास के पन्नों में दर्ज है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी 2 अक्टूबर 1869 को पैदा हुए और उनके कार्यों और विचारों ने आजाद भारत को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाई। राजनीति विज्ञान विभाग के सह- प्राध्यापक डॉ. विजय चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को हुआ। उनकी सादगी और विनम्रता के लोग कायल थे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजपूत ने अपने उद्बोधन में बताया कि गांधीजी का देश की आजादी में योगदान किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलकर ब्रिटिश शासन को मजबूर कर दिया कि भारत की स्वायत्ता का सम्मान करते हुए उसे आजादी दे। उन्होंने न सिर्फ भारत की आजादी में अहम भूमिका निभाई बल्कि कई देशों में वे प्रेरणा का स्रोत बनें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विजय सिंह ने कहा कि देश में हर साल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के तौर पर मनाया जाता है इसके साथ ही भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिवस भी 02 अक्टूबर को मनाते हैं। देश को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद कराने में अहम भूमिका निभाने वाले गांधी जी महान राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक रहे। सत्य और अहिंसा के सिद्धांत उनकी ताकत थे। बापू के जीवन की छाप आज हमारे खान-पान, रहन-सहन, भाषा शैली, भाव विचार में साफ देखी जा सकती है। गांधी सहिष्णुता, त्याग, संयम और सादगी की शानदार मिशाल थे।

जन्मदिवस पर हुए आयोजन में उपकुलसचिव परीक्षा श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. तोरण साहू, श्री शिवेंद्र सिंह परमार, श्री दीपेंद्र सिंह परमार, श्रीमती सत्यवती चौरसिया श्रीमती रेनू झां, एवं श्री दिलीप चौरसिया के अतिरिक्त समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष कुमार तिवारी सह- प्राध्यापक हिन्दी विभाग ने एवं आभार डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने व्यक्त किया।





4.31 स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म दिवस धूमधाम एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, मैराथन दौड़ एवं संगोष्ठी आदि प्रमुख हैं। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान वजन, रक्तचाप, रक्त समूह, डायबिटीज आदि की जाँच की गई। टीम में नर्सिंग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.प्रणति चतुर्वेदी, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह बुंदेला, नीलेश अनुरागी, राममिलन विश्वकर्मा, जीतेंद्र कुशवाहा, श्रीमती समा नाज एवं नर्सिंग विभाग के वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार, कुमारी वर्षा यादव, रामअवतार एवं नीतू अहिरवार का स्वास्थ्य परीक्षण किया। तत्श्चात स्वयं सेवकों में आकाश गौतम सहित जितेंद्र कुमार, रिंकू, लवराजा, संदीप, नीरज, हीरालाल, राजेंद्र, विजय प्रिंस, प्रीति, आरजू, कमलेश कुशवाहा, सुरेश चंद्र मिश्रा, जितेंद्र राजपूत, संध्या सहाय, प्रीति, राहुल ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय सांसद एवं सामाजिक न्याय विभाग के केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार के निर्देश पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी के अधिकतम छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, पी.आर.ओ. एवं सह-प्राध्यापक डॉ.आलोक अग्रवाल सहित श्री विवेक प्रताप सिंह बुंदेला एवं समस्त प्राध्यापकों ने स्वयंसेवकों को बहुत-बहुत बधाइयाँ एवं शुभकामनाएं दी।





4.32 9 संस्थानों के बीच हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध

रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन (आर.एफ.आर.एफ.) नागपुर, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर सहित नौ शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस समारोह के माध्यम से आरएफआरएफ ने अपने अकादमिक भागीदारों के साथ तालमेल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ पुष्पेंद्र सिंह गौतम विशेष रूप से मौजूद रहे।

समारोह की शुरुआत कार्यक्रम संयोजक प्रो.कर्मवीर आर्य, एबीवी–आईआईआईटीएम के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद पूजा श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना की। एबीवी–आईआईआईटीएम के विभिन्न प्रोफेसरो ने मेहमानों का स्वागत किया। उसके बाद भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय महामंत्री डॉ. उमाशंकर पचौरी ने समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने आरएफआरएफ, इसके सदस्यों और अकादमिक भागीदारों का परिचय कराया। उन्होंने अनुसंधान समुदाय, समाज और राष्ट्र के लिए इस तरह की अकादमिक बातचीत और भागीदारी के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद आरएफआरएफ और नौ शैक्षणिक संस्थानों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रो. भरत शरण सिंह ने जोर देकर कहा कि "शिक्षण" समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्य के साथ एक महान दायित्व है। उन्होंने विकास, नैतिकता, नैतिक मूल्यों और ज्ञान वाले राष्ट्र के रूप में भारत के महत्व को बताया। भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर ने तालमेल के ऐतिहासिक और रासायनिक महत्व के बारे में बताया। उनके अनुसार तालमेल का सही अर्थ "ऊर्जा को गुणा किए बिना प्रभाव का गुणन" है। आरएफआरएफ मुख्यत: "अनुसंधान" पर जोर देता है और यह मानता है कि अनुसंधान किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने की नींव है। उन्होंने "सीक्रेट ऑफ़ वर्क" पुस्तक का हवाला दिया और कहा कि "पूजा के रूप में काम" सफलता की गारंटी देता है। उन्होंने इस एमओयू के माध्यम से तालमेल उत्पादन के विभिन्न चरणों– (1) कार्यप्रणाली, (2) अनुसंधान परियोजनाएं, और (3) आरएफआरएफ उपग्रह केंद्र की शुरुआत की। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आरएफआरएफ का उद्देश्य पारस्परिक लाभ के लिए अपने अकादमिक भागीदारों के साथ मिलकर काम करना है और उसके लिए तालमेल बनाना है। उसके बाद एबीवी– आईआईआईटीएम के निदेशक प्रो. राजेंद्र साहू ने सभी को ₹ज्ञानऱ के महत्व से अवगत कराया और यह बताया कि विश्व में किसी भी देश को उनके ज्ञान की स्थिति से पहचाना जाता है। ज्ञान की प्राप्ति से सुख और संतोष मिलता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अकादमिक पेशेवरों के लिए "अनुसंधान" अपरिहार्य है। अनुसंधान केवल परिवेश का अवलोकन नहीं करता है, यह स्वयं का भी विश्लेषण करता है। आरएफआरएफ मुख्यत: "अनुसंधान" पर जोर देता है और यह मानता है कि अनुसंधान किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने की नींव है। उन्होंने "सीक्रेट ऑफ़ वर्क" पुस्तक का हवाला दिया और कहा कि ₹पूजा के रूप में कामऱ सफलता की गारंटी देता है। उन्होंने इस एमओयू के माध्यम से तालमेल उत्पादन के विभिन्न चरणों– (1) कार्यप्रणाली, (2) अनुसंधान परियोजनाएं, और (3) आरएफआरएफ उपग्रह केंद्र की शुरुआत की। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से आरएफआरएफ का उद्देश्य पारस्परिक लाभ के लिए अपने अकादमिक भागीदारों के साथ मिलकर काम करना है और उसके लिए तालमेल बनाना है। उसके बाद निदेशक प्रो. राजेंद्र साहू ने सभी को "ज्ञान" के महत्व से अवगत कराया और यह बताया कि विश्व में किसी भी देश को उनके ज्ञान की स्थिति से पहचाना जाता है। ज्ञान की प्राप्ति से सुख और संतोष मिलता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अकादमिक पेशेवरों के लिए "अनुसंधान" अपरिहार्य है। अनुसंधान केवल परिवेश का अवलोकन नहीं करता है, यह स्वयं का भी विश्लेषण भी करता है। यहां तक कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) भी सहयोगी अनुसंधान पर केंद्रित है, क्योंकि ज्ञान दूसरों के साथ साझा करने पर बढ़ता है।

एमओयू समारोह का समापन एबीवी–आईआईआईटीएम ग्वालियर के प्रो. प्रमोद कुमार सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) भी सहयोगी अनुसंधान पर केंद्रित है, क्योंकि ज्ञान दूसरों के साथ साझा करने पर बढ़ता है। कार्यक्रम में नौ शैक्षणिक संस्थानों के आरएफआरएफ प्रमुख और कुलपति और रजिस्ट्रार शामिल थे। संचालन के दौरान प्रो. कर्मवीर आर्य ने ऋग वेद के मंत्र के माध्यम से एमओयू की महत्ता पर प्रकाश डालने के बाद नौ शैक्षणिक संस्थानों के अधिकृत अधिकारियों को मंच पर एमओयू के लिए आमंत्रित किया। जिसमे भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर , भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय महामंत्री डॉ. उमाशंकर पचौरी, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर के निदेशक प्रो. राजेंद्र साहू , श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के अध्यक्ष डॉ पुष्पेंद्र सिंह गौतम, एकेएस विश्वविद्यालय सतना कुलपति श्री अनंत सोनी, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति डॉ सुरेंद्र सिंह,आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ. एसएस भाकर, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर के कुलसचिव प्रो अरविंद सिंह सजवान, पीके विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ जितेंद्र मिश्रा, राजा मान सिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति प्रो साहित्य कुमार नाहर, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर, श्री पंकज नाफड़े, डॉ शिवकुमार शर्मा, डॉ सुरेश गोहे (दिल्ली), डॉ कमलेश, श्री पीयूष तांबे, श्री नवनीत पचौरी, श्री दीप तोमर, डॉ अशोक सिंह चौहान, डॉ वीपीएस जादौन, डॉ एसएस तोमर, डॉ रघुवंशी, मेजर जनरल सुरेश चंद्र जैन, श्री मिलिंद खोट (नागपुर), डॉ राजेश सिंह तोमर, डा रंजीत तोमर, डा दौलत सिंह , नवनीत पचौरी मौजूद थे।







4.33 दीक्षारंभ कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्तमान सत्र में दीक्षारंभ विद्यार्थी उत्प्रेरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले नवागांतुक छात्र–छात्राऐं एवं पूर्व विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत एवं समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोविड नियमों को पूर्णत: ध्यान में रखते हुये अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर एवं पूजा अर्चना के साथ आरंभ हुआ तत्पश्चात विश्वविद्यालय की छात्राऐं प्रांशी व्यास, गीता साहू, योगिता राजा एवं दीक्षा यादव द्वारा सरस्वती वंदना एवं कुलगीत की प्रस्तुति की गई, जिसका निर्देशन संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री मृत्युंजय नायक द्वारा किया गया । स्वागत भाषण के बाद वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बी.एस. राजपूत ने दीक्षारंभ पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि दीक्षारंभ का केन्द्र बिन्दु विद्यार्थी होता है, गुरू बिना ज्ञान संभव नहीं है, ऐसा हमारे ग्रंथों में उल्लेख है। शिक्षा से व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है, परंपरागत ज्ञान से अधिक विकास नहीं कर सकते हमें प्राध्यापक के सानिध्य में रहकर उचित विषयों का चयन करके पाठ्यक्रम संबंधी पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करना चाहिए, क्योंकि पुस्तकें ही ज्ञान दायनी होती हैं। विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी छात्र–छात्राऐं नई शिक्षानीति से संबंधित विषयों एवं पाठ्यक्रम की जानकारी संबंधित विषयों के प्राध्यापकों से प्राप्त करें एवं विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करते हुये अपनी कक्षाओं में उपस्थित रहें। रिक्त समय पुस्तकालय में जाकर पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करें। कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने नवागंतुक छात्र–छात्राओं का स्वागत करते कहा कि छात्र का आचरण उसके अनुशासन में झलकता है, छात्र की विनम्रता ही ज्ञान के रास्ते खोलती है। सभी छात्र–छात्राऐं अनुशासित होकर अपने गुरूजनों का सम्मान करते हुये,

www.skuindia.ac.in

उनसे उचित ज्ञानार्जन करके अपने व्यक्तित्व का विकास करें। विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति करना एवं बालक के सर्वांगीण एवं उत्कृष्ट विकास से है। अत: छात्र–छात्राऐं गंभीरता से अपने विषयों का चयन करें जो उनके लिए रूचिकर एवं रोजगारपरक होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय का वीडियो दिखाया गया जिसके माध्यम से प्रबंधन विभाग, प्रशासनिक विभाग, वित्त विभाग, शोध केन्द्र, स्थापना विभाग, प्रवेश विभाग, परामर्श कक्ष एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापकों का परिचय बताया गया।

कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह द्वारा किया गया।





4.34 युवा उत्सव का शुभारंभ

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में युवा उत्सव का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव परीक्षा विभाग एवं कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मेघना मिश्रा एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने दीपप्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना के साथ पुष्प अर्पित कर किया। तत्पश्चात कुलसचिव श्री सिंह ने कार्यक्रम के शुभारंभ में अपने उद्बोधन में युवा उत्सव के महत्व से छात्र – छात्राओं को अवगत कराया एवं छात्र – छात्राओं के मनोबल को बढ़ाने की दृष्टि से उन्हें उत्साहित किया। उपकुलसचिव श्रीमती मिश्रा ने अपने उद्बोधन में छात्र छात्राओं को ऐसे कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विद्यार्थियो के सर्वांगीण विकास में शैक्षणिक पाठयक्रम के साथ– साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आवश्यक है। तत्पश्चात कार्यक्रम सह– संयोजक श्री परशुराम अवस्थी ने युवा उत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त विधाओ पर उनके अंतर्गत आने वाली प्रतियोगिताओ की विस्तृत जानकारी दी।

युवा उत्सव में प्रथम दिन ललित कला एवं वक्तृत कला का आयोजन किया गया जिसमें ललित कला विधा के अंतर्गत स्पॉट पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, रंगोली, कार्टूनिंग, कोलॉज मैकिंग एवं पोस्टर मैकिंग के साथ – साथ वक्तृत कला के अंतर्गत भाषण, वाद– विवाद एवं प्रश्न मंच प्रतियोगितायें सम्मिलित है। ललित कला कार्यक्रम आयोजक श्रीमती भक्ति अग्रवाल, सदस्य श्रीमती सत्यवती चौरसिया, कु. अनुप्रिया नामदेव, कु. प्रियंका शिवहरे एवं वक्तृत कला आयोजक डॉ. आशीष कुमार तिवारी सदस्य डॉ. निकेत मिश्रा, श्री विशाल सिंह परिहार मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

विभिन्न विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमश: 'कोलॉज प्रतियोगिता' में प्रकाश अहिरवार, आयुष सचान, कुलदीप तिवारी 'पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता' में इशिता अग्रवाल, रामेंद्र रावत, संजना भास्कर 'पेंटिंग प्रतियोगिता' में आयुष विश्वकर्मा, भूपेंद्र राज, रितु राज अहिरवार 'कार्टूनिंग प्रतियोगिता' में सुप्रिया बुंदेला 'रंगोली प्रतियोगिता' में भूपेंद्र अहिरवार, नैन्सी राजन, दिग्विजय सिंह 'भाषण प्रतियोगिता' में तौफीक खान, आकाश गोतम, सुशील कुमार 'वाद – विवाद प्रतियोगिता' में पक्ष ताफीक खान, सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कृष्णकांत पटेल, विपक्ष आकाश गौतम, जयंत सेन, ज्योति साहू 'प्रश्न–मंच प्रतियोगिता' में टीम ए– से कमलेश रजक, धर्मेंद्र पटेल, कृष्णकांत पटेल टीम बी – से शंकर सिंह यादव, हरदयाल अहिरवार, रामगोपाल अहिरवार टीम सी – से एकता सचान, ज्योति साहू, निकिता सचान ने स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं सह–प्राध्यापक एवं पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल ने प्रतिभागियों को बहुत–बहुत बधाईयाँ एवं शुभकामनाऐं दीं।





4.35 युवा उत्सव के द्वितीय दिवस पर हुये कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में युवा उत्सव के द्वितीय दिवस पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव परीक्षा विभाग एवं कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ. नीना चौरसिया एवं कार्यक्रम सह–संयोजक श्री परशुराम अवस्थी ने दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना के साथ पुष्प अर्पित कर किया।

युवा उत्सव में दूसरे दिन कला प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत एकांकी, मूक अभिनय, हास्य नाटिका एवं मिमिक्री मंच प्रतियोगितायें सम्मिलित है। कला प्रदर्शन के कार्यक्रम आयोजक डॉ. नीना चौरसिया, सदस्य श्री आदित्य लखेरा, कु. खुशबू चौहान, श्रीमती मयूरी सिंह, कु. वर्षा यादव एवं श्री हिमांशु मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एकांकी प्रतियोगिता में विधि विभाग के छात्र संस्कृति साहू, स्नेहा साहू, सत्यम उपाध्याय, अजय पटेल, शुभ गुप्ता, कपिल लखेरे, आरिफ मंसूरी एवं दीपक तिवारी रहे। हास्य नाटिका प्रतियोगिता में हिमांशी तिवारी, धर्मेंद्र राजपाल, महेंद्र साहू, आयुष सचान, आयुष सेन रहे। मूक अभिनय प्रतियोगिता में जयंत सेन, धर्मेंद्र राजपाल, निकिता सचान, एकता सचान, तौफीक खान रहे एवं मिमिक्री प्रतियोगिता में नरेंद्र अहिरवार शामिल रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं सह–प्राध्यापक एवं पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल ने प्रतिभागियों को बहुत–बहुत बधाईयाँ एवं शुभकामनाऐं दीं।



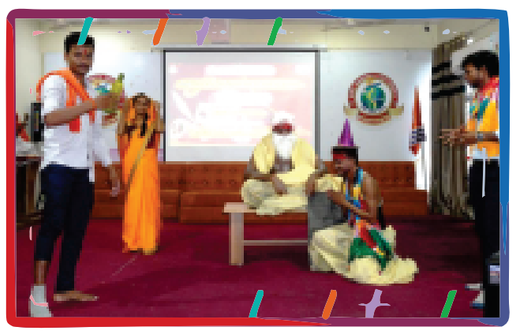

4.36 25 एम.पी.एन.सी.सी. बटालियन की भर्ती

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में संचालित 25 एम.पी.एन.सी.सी. बटालियन के सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग में वर्तमान सत्र के राष्ट्रीय कैडेट कोर का चयन किया गया जिसमें विभिन्न संकायों के प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।

25 एम.पी.एन.सी.सी. बटालियन से आये लेफ्टिनेंट कर्नल, आर.के.गोयल, नायब सूबेदार परविंदर सिंह, हवलदार ओंकार सिंह, हवलदार जतिन्दर पाल सिंह ने एन.सी.सी. नियमों को ध्यान में रखते हुये छात्र छात्राओं का भौतिक परीक्षण किया जिसमें विद्यार्थियों की लम्बाई, ऊंची कूंद, लम्बी कूंद आदि गतिविधयों को देखा गया जिसमें सैकड़ों छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिनमें से स्वीकृत संख्या में महिला विंग में 18 तथा पुरूष विंग में *9 कैडेट का चयन किया गया। चयन के दौरान विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी लेफ्टिनेंट शिवेंद्र सिंह परमार, महिला एन.सी.सी. अधिकारी कु. आकांक्षा मिश्रा, ट्रेनर गौरव शर्मा एवं कु. निशा बुंदेला आदि उपस्थित रहे।

एन.सी.सी. में चयनित सभी कैडेट को चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत सहित समस्त स्टॉफ ने शुभकामनाऐं प्रेषित की।





4.37 युवा उत्सव का हुआ समापन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में युवा उत्सव के तृतीय दिवस पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव परीक्षा विभाग एवं कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी एवं कार्यक्रम सह–संयोजक श्री परशुराम अवस्थी ने दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना के साथ पुष्प अर्पित कर किया।

युवा उत्सव में समापन दिवस पर गायन, वादन एवं नृत्य विधा का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत एकल गायन सुगम, एकल गायन शास्त्रीय, एकल गायन पाश्चात्य, समूह गायन भारतीय, समूह गायन पाश्चात्य, एकल नृत्य शास्त्रीय, समूह नृत्य एवं परकुशन एवं नॉनपरकुशन प्रतियोगितायें सम्मिलित है। गायन, वादन एवं नृत्य कला की कार्यक्रम आयोजक डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, सदस्य शमा नाज, कु. अंजली मिश्रा एवं श्रीमती भुमानी बाई अहिरवार मुख्य रूप से उपस्थित रही।

एकल गायन सुगम में अंजली उपाध्याय, एकल गायन पाश्चात्य में सुप्रिया बुंदेला, समूह गायन भारतीय में अंजली उपाध्याय, प्रियांशी व्यास, सूरज चौबे, अंकित चतुर्वेदी, सुभी मिश्रा, आलिया यास्मीन, समूह गायन पाश्चात्य में संस्कृति साहू, अचिंत्या श्रीवास्तव, प्रकाश तिवारी, सैयद हसन, प्रिंस, हारमोनियम वादन में अनुपम तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं सह–प्राध्यापक एवं पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल ने प्रतिभागियों को बहुत–बहुत बधाईयाँ एवं शुभकामनाऐं दीं।





4.38 प्रबंधन विभाग के छात्रों का हुआ चयन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में प्रबंधन विभाग के तीन विद्यार्थीयों समकित जैन, तृप्ति चौरसिया, रौनक सक्सेना एम.बी.ए. तृतीय सेमेस्टर का मनी प्लांट इनवेस्टमेंट एडवाइजरी, इन्दौर म.प्र. में बिजनेस डेबल्पमेंट एक्ज्यूकेटिव पद पर हुआ चयन। यह प्लेसमेंट तीन राउंड में हुआ जिसमें प्रथम राउंड में सी.वी. शार्ट लिस्टिंग, द्वितीय राउंड में टेक्निकल सेशन एवं तृतीय राउंड में पर्सनल इंटरव्यू कंपनी के सीनियर एच.आर. द्वारा लिया गया। चयनित छात्रों का तीन लाख वार्षिक पैकेज मिला है। छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर ऑनलाइन कैम्पस ड्राइव में हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है कि छात्रों को रोजगार परक उच्च शिक्षा मिले एवं उनका सर्वांगीण विकास हो। छात्र छात्राओं के उत्साह वर्धन हेतु विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं प्रदान की एवं अन्य छात्र छात्राओं को इनसे प्रेरणा लेकर अपने भविष्य को रोजगार युक्त बनाकर सुरक्षित करने के लिये जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि आने वाला समय टेक्नोलॉजी का है एवं छात्र छात्रायें अपने आप को समय के हिसाब से अपग्रेड करें जिसमें उन्होंने टेक्निकल स्किल, प्रोफेसनल स्किल और कम्यूनिकेशन स्किल पर ज्यादा जोर दिया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिलाया कि बुंदेलखण्ड के विद्यार्थियों को वैश्विक पटल पर जल्द से जल्द अपना नाम दर्ज करायेंगे। साथ ही साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिये आने वाले समय में पेड इंटरनशिप बिजनेस इंक्यूबेसन सेल एवं इनोवेशन सेल का भी गठन होगा जिसमें छात्र अपने हुनर को निखार सकेंगे।

विश्वविद्यालय का ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल निरंतर रूप से छात्र छात्राओं के इंटरनशिप ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट के लिये समय समय पर रोजगार परक कार्यशाला एवं प्लेसमेंट ड्राइव करवाता रहता है। विश्वविद्यालय भविष्य में भी अपने नवागंतुक छात्र छात्राओं के लिये ऐसी पूल कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन करता रहेगा। और उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ. सुप्रिया गौतम, श्रीमती अल्का निगम एवं श्री विवेक प्रताप सिंह ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है एवं भविष्य में छात्रों को पलेसमेंट ड्राइव में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की प्रेरणा भी दी।







4.39 उद्यमिता विकास केंद्र के मध्य हुआ अनुबंध

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में जिला समन्वयक सैडमेप, जिला प्रशिक्षण केंद्र छतरपुर द्वारा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को उद्यमिता से जोड़ने हेतु उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तदुपरांत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एवं उद्यमिता विकास केंद्र के मध्य इस हेतु अनुबंध किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं जिला समन्वयक सैडमेप के एम.के.श्रीवास द्वारा दीपप्रज्जवलित उपरांत पुष्प अर्पित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने अपने उद्बोधन मे उपस्थित छात्र – छात्राओं को उद्यमिता विकास केंद्र (सैडमेप) की जानकारी से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सैडमेप के द्वारा सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को सैडमेप के द्वारा हो रहे प्रशिक्षणों एवं उनके फायदों की जानकारी से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में ही सैडमेप के द्वारा प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा जिससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ – साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण भी प्राप्त होते रहेंगे। अध्ययन के साथ – साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण मिलने से कोई भी विद्यार्थी बेरोजगार नही रहेगा। वहीं जिला समन्वयक सैडमेप के श्री श्रीवास ने अपने उद्बोधन में उपस्थित मान्यवरों को बताया कि वह छात्रों की सुविधानुसार ही पाठ्यक्रम तैयार करायेंगे। जिसका प्रशिक्षण विश्वविद्यालय परिसर में ही दिया जायेगा। ऑनलाइन माध्यम से भी 15 दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण घर बैठकर किया जा सकता है। जिसके उपरांत उद्यमिता द्वारा सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि मलेशिया विश्वविद्यालय उद्यमिता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आप "पारस बनाने में हमारा सहयोग करिये मैं आपको सोना" बनाकर दूंगा। जो भी छात्र विश्वविद्यालय से अध्ययन करके जायेगा उसे बेरोजगारी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विश्वविद्यालय में एक नवाचार प्रकोष्ट का गठन किया जायेगा जिसका विधिवत संचालन गठित कमेटी के द्वारा होगा। उपकुलपति श्री त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में उद्यमिता की परिभाषा को बहुत ही सटीक तरीके से परिभाषित कर कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वयं उद्यमिता का उदाहरण है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलसचिव श्री विजय सिंह, वरिष्ट प्राध्यापक डॉ. बी.एस.राजपूत, प्राचार्य फार्मेसी विभाग डॉ. आनंद चौरसिया, डॉ. निहारिका तिवारी, श्री विवेक प्रताप सिंह, श्रीमती रेनू झां, श्रीमती सत्यवती चौरसिया सहित समस्त प्राध्यापकगण, पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल एवं छात्र – छात्रायें उपस्थित रहे।





4.40 राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम के संरक्षण, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट के मार्गदर्शन, उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव श्री विजय सिंह के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों द्वारा भारत स्वच्छता अभियान (क्लीन इंडिया कैंपेन) के तहत रेलवे स्टेशन परिसर छतरपुर, विश्वविद्यालय परिसर एवं सटई रोड स्थित ग्रीन एवेन्यू कॉलोनी में साफ–सफाई के दौरान प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा किया गया। रेलवे स्टेशन परिसर छतरपुर के दोनों प्लेट फार्म में अनेक प्रकार की गन्दगी को साफ करने के उपरान्त सभी स्वयंसेवकों ने वाहन पार्किंग, झाड़ियों, जलपान स्थल एवं रेलवे पटरी आदि की साफ–सफाई का कार्य बड़े हर्ष उल्लास के साथ पूरा किया। साफ–सफाई अीभयान को देखकर स्टेशन मास्टर एवं वहॉ उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने स्वंय सेवकों का सादर अभिवादन किया। तत्पश्चात् सटई रोड पर स्थित ग्रीन एवेन्यू कॉलोनी एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिसर में भी क्लीन इंडिया कैंपेन के तहत सभी स्वयंसेवकों द्वारा साफ–सफाई का कार्य पूर्ण किया गया। स्वयंसेवकों को उत्साहित करने एवं उनका मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. गौतम, उपकुलपति श्री त्रिपाठी, शोध निर्देशक डॉ. दीपा कुशवाह एवं पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल ने कदम कदम से मिलाकर स्वच्छता अभियान में अपना सहयोग प्रदान किया। जिसमें कुलाधिपति डॉ. गौतम ने उपस्थित स्वयंसेवकों एवं छात्र–छात्राओं को समझाईश दी कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता है हमें लग्न एवं मेहनत से अपने कार्य को पूर्ण करना चाहिए।

भारत स्वच्छता अभियान के इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश चंद्र अहिरवार एवं सुश्री वर्षा यादव ने बताया कि वर्तमान समय में भारत सरकार द्वारा यह अभियान चालाया जा रहा है। जिसके तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा भिन्न भिन्न स्थानों पर जाकर प्लास्टिक मुक्त भारत हेतु अनेक प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। एन.एस.एस. के वरिष्ठ स्वयं सेवक आकाश गौतम, मनीष मिश्रा, तौफीक खान और कमलेश ने बताया है कि प्लास्टिक एक नॉन डिग्रीडेबल कचरा है जो मिट्टी को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाता है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में संदीप, कमलेश प्रजापति, सचिन साहू, अजय साहू, सुरेन्द्र अहिरवार, अरविंद साहू, महेंद्र, दिग्विजय, राजेश, भावना अहिरवार, विवेक अहिरवार, कमलेश रजक, धर्मेन्द्र राज पाल, सुनील, कष्ण कान्त, हिमांशी, अंजली गिरी, कमलेश कुशवाहा आदि उपस्थित रहे। डॉ. बी.एस.राजपूत, डॉ. आशीष कुमार तिवारी, श्री शिवेंद्र सिंह परमार, श्रीमती रेनू झां एवं पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल सहित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी।





4.41 छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में अहम भूमिका

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के प्रबंधन संकाय के सहायक प्राध्यापकों में सुदर्शन बबेले एवं सचिन चौरसिया ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया। श्री बबेले एवं श्री चौरसिया ने कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के दौरे में ग्राम पंचायत पेन्ड्रा व टेढ़ी पतुनियाँ ब्लॉक मझगवाँ जिला सतना में पार्टिसिपेटरी रूलर अप्रेजल टेक्नालॉजी के माध्यम से ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण विकास के लिये प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण के दौरान श्री बबेले ने ग्रामीण आधारभूत संरचना की सुद्रढ़ता के लिये आर्थिक आधार पर ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण ई-कामर्स संबंधी, देश व्यापी संस्था के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के समापन पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भरत मिश्रा, प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत सिंह, ग्रामीण प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र प्रसाद पाण्डे सहित इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रख्यात प्राध्यापक श्री के.एन.भट्ट उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहभागिता निभाने पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ. दीपा कुशवाह, पी.आर.ओ. एवं सह-प्राध्यापक डॉ. आलोक अग्रवाल ने प्रसंशा एवं सराहना व्यक्त की।





4.42 सजैविको इंडिया प्रा. लि. का हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के साथ सजैविको इंडिया प्रा.लि. का महत्वपूर्ण अनुबंध विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। आयोजन में सजैविको के वरिष्ठ अधिकारी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, पी.आर.ओ. एवं सह-प्राध्यापक डॉ. आलोक अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आयोजन का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। सर्वप्रथम उपकुलपति श्री त्रिपाठी ने अपने उदबोदन में उपस्थित अतिथियों की जानकारी से अवगत कराया। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने अपने वकतव्य में बताया कि यह अनुबंध पशुपालन एवं डेयरी, कला एवं शिल्प, कृषि तथा फार्मेसी छात्रों के लिये उपयोगी साबित होगा। इस अनुबंध के तहत विश्वविद्यालय के छात्र संबंधित पशुफार्मो में भ्रमण कर सकेगें। तथा पशुधन संबंधी ज्ञान को धरातल स्तर पर ग्रहण करेंगे। इस अनुबंध में पारस्परिक सहयोग के द्वारा संगोष्ठी तथा पशु अनुसंधान के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम संचालित करना भी सममिलत है। सजैविको विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प से संबंधित छात्रों को गाय के गोबर से बनी विभिन्न वसतुओं जैसे गोबर गणेश, दीपावली के दिये, स्मारिका इत्यादि निर्मित करने का प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रेनू झां एवं आभार विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया। इस दौरान डॉ. आकाश सिंह, डॉ. आनन्द चौरसिया, डॉ. दीपा कुशवाह, श्रीमती अल्का निगम, अंशुल प्रताप सिंह, राहुल दीक्षित, शिवराज सिंह, अंजली मिश्रा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।



www.skuindia.ac.in

4.43 जवाहर नवोदय विद्यालय का दीपावली मिलन समारोह

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में जवाहर नवोदय विद्यालय, नौगांव का दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पूर्व छात्रों ने सहभागिता की। जिसमें देश–विदेश से पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं उपस्थित नवोदयन एल्युमनि छात्रों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीपप्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना कर किया गया। तत्पश्चात् ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से जुड़े हुये सभी छात्र – छात्राओं का संक्षिप्त परिचय हुआ। जिसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय की एल्युमनि ऐसोसियेशन का निर्माण हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष जय प्रकाश तिवारी, उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर दुबे एवं सुधीर विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष धीरेंद्र भारती, सचिव गोकरन साहू, उपसचिव रंजीत सिंह एवं सदस्य धीरज साहू, अरविंद्र तिवारी, रमाकांत मिश्रा, डॉ. ऊषा तिवारी, रामजानकी तिवारी, अखलेश जैन, सुधा कटियार को नियुक्त किया गया। समारोह में अमित साहू, सैयद हबीब, इरफान खान, डॉ. शिल्पी गुप्ता, महेश असाटी, साधना त्रिपाठी सहित छात्र– छात्रायें उपस्थित रहे।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के दिन मैं बहुत प्रसन्न हूँ। कि मुझे अपने जवाहर नवोदय विद्यालय के सहपाठियों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। मेरे मन में बहुत पहले से ऐसे भाव – विचार उत्पन्न हो रहे थे, कि जवाहर नवोदय विद्यालय के लिये एक ऐसे ऐसोसियेशन का गठन किया जाये। जिसके माध्यम से वर्तमान में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र– छात्राओं के बेहतर भविष्य का निर्माण हो सके। छात्र – छात्रायें जब जवाहर नवोदय विद्यालय से अध्ययन कार्य पूर्ण करके रोजगार हेतु देश–विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत होंगे। तब इस ऐसोसियेशन के गठन से शिक्षक और शिक्षार्थियों के साथ – साथ शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच सामंजस स्थापित हो सकेगा। कार्यक्रम उपरांत सह–भोज की व्यवस्था की गयी जिसमें छात्र– छात्राओं की यादें तरो ताजा हो गयी।

कार्यक्रम का संचालन श्री मनोज नामदेव एवं आभार श्री जय प्रकाश तिवारी ने व्यक्त किया। जवाहर नवोदय विद्यालय की एल्युमनि के अवसर पर चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह, शोध निदेशक डॉ. दीपा कुशवाह, पी.आर.ओ. एवं सह–प्राध्यापक डॉ. आलोक अग्रवाल एवं डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाऐं दी।





4.44 राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक विश्वविद्यालय के सभा कक्ष में सम्पन्न हुयी। कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्री पियूष भट्ट, निर्देशक आकाशवाणी छतरपुर श्री शम्भू दयाल अहिरवार, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी पुरूष इकाई डॉ. महेश अहिरवार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई कु. वर्षा यादव, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष तिवारी एवं पत्रकारिता विभाग से सहायक प्राध्यापक श्री दिलीप चौरसिया उपस्थित रहे।

सलाहकार समिति में विचारणीय बिन्दु नियमित गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु सुझाव, गोद ग्राम में प्रस्तावित गतिविधियों तथा दिवसीय शिविर, प्रस्तावित 7 दिवसीय विशेष शिविर हेतु स्थल चयन, जैविक कृषि की लोकप्रियता हेतु सुझाव, अभिमुखीकरण कार्यक्रम हेतु विषय विशेषताओं का निर्धारण पर चर्चा की गयी। माननीय श्री पियूष भट्ट संयुक्त कलेक्टर छतरपुर ने 01 नवंबर को मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाए इसका सुझाव दिया। निदेशक आकाशवाणी द्वारा आश्वस्त किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वर्ष में आयोजित की जाने वाली प्रत्येक नियमित एवं शिविर सम्बंधि गतिविधियों की रिकार्डिंग आयोजन स्थल पर पहुंच की जायेगी और उनका प्रसारण आकाशवाणी केंद्र से किया जायेगा। ऐसे विद्यार्थी जो किसी विशिष्ट कार्य में महारत रखते है उनका भी साक्षात्कार भी प्रसारित किया जायेगा।

बैठक में विश्वविद्यालय उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी द्वारा सुझाव रखा गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना कि नियमित गतिविधि हेतु वार्षिक कलेंडर तैयार किया जाए जिसमें स्वास्थ्य, जागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम संपादित किये जाऐं इसके लिये निकटस्थ ग्राम छिरावल को अभिगृहीत कर उसकी समस्याओं का निराकरण किया जाऐ अभिगृहीत ग्राम में जैविक कृषि प्रचार प्रचार हेतु अधिकृत संस्थाओं को आमंत्रित कर ग्राम वासियों को जानकारी दी जाऐ।

सलाहकार समिति की बैठक कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर डॉ. बी. एस. परमार के निर्देशानुसार सम्पन्न की गयी।

आभार डॉ. महेश चन्द्र अहिरवार कार्यक्रम अधिकारी ने व्यक्त किया।







4.45 प्रो. सक्सेना ने दान की वनस्पतिशास्त्र की पुस्तकें



पुस्तकें प्रत्येक छात्र के जीवन में कल्पना की दुनिया से परिचित कराने, बाहरी दुनिया का ज्ञान प्रदान करने, उनके पढ़ने, लिखने और बोलने के कौशल में सुधार करने के साथ स्मृति और बुद्धिमत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पुस्तकों का अध्ययन हेतु वाचनालय में दान करना एक श्रेष्ठ धर्म की तरह है।

डॉ. ए.पी. सक्सेना पूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, जवाहर लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांदा सम्बद्ध बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी उ.प्र के द्वारा लगभग सैकड़ों पुस्तकें एवं शोध पत्रिकाऐं उपहार स्वरूप केंद्रीय वाचनालय, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय को दान की। इन पुस्तकों के अध्ययन से विज्ञान संकाय के छात्र छात्रायें लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. सक्सेना को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनको सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, मुख्य ग्रन्थपाल डॉ. तोरण साहू, सहायक प्राध्यापक श्री शिवेंद्र सिंह परमार, सहायक ग्रंथपाल कु. स्वाति अरजरिया, सहायक ग्रंथपाल श्री रोहित कुशवाहा, सहायक कम्प्यूटर ऑपरेटर संगीता निगम एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने आभार व्यक्त किया।

4.46 सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया

आज दिनांक 31 अक्टूबर 2022 को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती पर उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत ने समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ दिलाई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के शुभ अवसर पर अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें भारत स्वच्छता अभियान के तहत साफ– सफाई एवं मैराथन दौड़ आदि का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम सुबह 7.00 बजे बाबू राम स्टेडियम छतरपुर में नेहरू युवा केन्द्र द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसको जिलाधिकारी संदीप जी. आर. एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात् राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार के संरक्षण में उपस्थित हो कर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकों द्वारा मेला प्रांगण में जाकर नगर पालिका अध्यक्ष के साथ मिलकर प्लास्टिक एवं कूड़ा– कचड़े का साफ– सफाई का कार्य किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवकों में आकाश गौतम, कमलेश कुशवाहा, राजपाल, महेंद्र साहू, अरविंद्र साहू, सचिन साहू एवं अंजलि गिरी सहित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के रा.से.यो. के लगभग 70 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट एवं पी.आर.ओ. डॉ. आलोक कुमार अग्रवाल ने सभी स्वयंसेवकों को बधाइयाँ एवं शुभकामनाऐं दी।





4.47 मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना एवं मध्य प्रदेश गान का गायन कर किया।

छात्र छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता की। कार्यक्रमों में भाषण, वादविवाद, गायन एवं निबंध प्रतियोगिता आदि प्रमुख हैं। भाषण प्रतियोगिता में स्वाति बुन्देला, अनमोल चतुर्वेदी सहित विभिन्न विद्यार्थियों ने अपना व्याख्यान किया। भाषण के दौरान सहायक प्राध्यापक माधवशरण पाठक ने मध्य प्रदेश की गाथा पर अपना बहुत ही खूबसूरत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत ने अपने वक्तव्य में उपस्थित श्रोताओं को मध्य प्रदेश की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेंद्र सिंह गौतम ने बहुत ही गहरी जानकारी उपस्थित महानुभावों को दी। आपने बताया कि सबसे पहले मध्य प्रदेश की राजधानी नौगांव जिला छतरपुर को एक दिन के लिये बनाया गया था। उसके बाद अगले ही दिन नौगांव को राजधानी से बदलकर नई राजधानी बनाई गई। साथ ही बताया कि हमारा प्रदेश पिछडा नही है जहाँ पर वर को वधू एवं वधू को वर चुनने का पूण अधिकार प्राप्त है उसको पिछडा कहा जाना उचित नही होगा। हम खूबसूरत मध्य प्रदेश के निवासी है ऐसा प्रदेश जहाँ किसी भी तरह की कमी नहीं है। पूरे विश्व में मध्य प्रदेश के पन्ना का नाम हीरा के लिए विख्यात है। वहीं रतलाम को स स स स के नाम से भी जाना जाता है। जहाँ पर सोना, सेंट, साडी एवं सेव अपनी छठा को बिखेरते हैं।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रेनू झॉ ने किया। इस अवसर पर डॉ. आनन्द चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.एल.पी.सिंह, डॉ.राजेंद्र चौधरी, डॉ.आकाश सिंह, दीपेन्द्र सिंह सहित समस्त प्राध्यापक, पी.आर.ओ. एवं सह–प्राध्यापक डॉ.आलोक अग्रवाल एवं छात्र छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.48 राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विविध कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–1 एवं इकाई–2 द्वारा सरदार वल्लंभ भाई पटेल की जयंती दिनांक 31/10/2021 को बाबूलाल स्टेडियम छतरपुर में नेहरू युवा केन्द्र छतरपुर के सौजन्य से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेशचंद्र अहिरवार (पुरूष इकाई–1) एवं सुश्री वर्षा यादव (महिला इकाई –2) के साथ लगभग दो दर्जन से अधिक राष्ट्री य सेवा योजना के स्वईयं सेवकों ने भाग लिया। मैराथन दौड़ का शुभारंभ डॉ. जे.पी. मिश्रा कुलसचिव, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विशिवविद्यालय, छतरपुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्याखलय के अधिकारीगण एवं नेहरू युवा केन्द्र के जिला उपनिदेशक श्री अरविंद सिंह यादव के अतिरिक्तअन्यि महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं स्व्यंसेवी संस्थायओं के स्वयं सेवकों की सहभागिता रही। मैराथन दौड़ के पश्चारत उपस्थित प्रतिभागियों ने राष्ट्री य एकता एवं अखंडता की शपथ ली। इसी क्रम में दिनांक 01/11/2021 को मध्यप्रदेश स्थावपना दिवस के कार्यक्रम में भी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें माननीय कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा एवं नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक श्री अरविंद सिंह यादव के अतिरिक्ति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी तथा कुलसचिव ने सहभागिता सुनिश्चित की।

इस दो दिवसीय आयोजन से निश्चित ही लोगों में देश की एकता और अखंडता के प्रति विश्वादस जागृत हुआ, जो अनुकरणीय है। कार्यक्रम के सफल संचालन पर कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वरयं सेवकों को शुभकामना देते हुये भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों के लिए प्रोत्साहित किया।







4.49 दस दिवसीय खेल उत्सव हुआ आगाज

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित दस दिवसीय स्व.श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के प्रथम दिवस क्रिकेट का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह जी गौतम की अध्यक्षता एवम् मुख्य अतिथि श्री डी.पी.द्विवेदी सेवानिवृत संयुक्त कलेक्टर, विशिष्ट अतिथि श्री राहुल सिलाड़िया अनुविभागीय दंडाधिकारी बिजावर, श्री अभिनव मधुर शर्मा तहसीलदार छतरपुर एवं सुश्री रचना सिंह वन विभाग छतरपुर के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम ज्ञान की देवी मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं द्वीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत एवम् विश्वविद्यालय कुल गीत का गायन कर किया गया।

अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री डी.पी द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा मानसिक विकास को गति प्रदान करती है ठीक वैसे ही खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास में गति प्रदान करता है। जैसा कि अरस्तू ने कहा है कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिस्क का विकास होता है। माननीय कुलाधिपति श्री गौतम ने कहा कि खेल शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ छात्र जीवन का विशेष अंग है। विद्यार्थियो के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद का भी विशेष महत्व है।

वक्तव्य पश्चात खेल उत्सव का प्रारम्भ अतिथियों ने फीता काटकर खिलाड़ियों के परिचय उपरान्त उनका मनोबल बढाकर किया। क्रिकेट खेल के प्रथम दिवस पर दो पालियों में पृथक–पृथक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि संकाय बनाम फार्मेसी संकाय एवम् विज्ञान व शिक्षा संकाय बनाम एस.के.यू. टीम के मध्य खेल हुआ। कृषि संकाय टीम के कप्तान शिवेश वर्मा, फार्मेसी संकाय टीम के आलोक अवस्थी, एस.के.यू टीम के कप्तान विजय सिंह एवं शिक्षा व विज्ञान संकाय टीम के कप्तान हेमन्त नामदेव ने अपने साथियों का उत्साहवर्धन किया। सभी खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल से उपस्थित सभी खेल प्रेमियों को आकर्षित किया। प्रथम पाली में फार्मेसी संकाय टीम ने कृषि संकाय टीम को शिकस्त दी। वहीं दूसरी पाली में विज्ञान व शिक्षा संकाय टीम ने एस.के.यू. टीम को शिकस्त देकर विजयी होने का खिताब हासिल किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, डॉ.दीपा कुशवाह, श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.आनन्द चौरसिया, डॉ.एल.पी.सिंह, डॉ.आशीष तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।





4.50 खेल उत्सव के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने लगाये चौके-छक्के

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित दस दिवसीय स्व.श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के द्वितीय दिवस क्रिकेट का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं श्री मति मेघना मिश्रा के कर कमलों द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया गया।

खेल उत्सव का प्रारम्भ अतिथियों ने फीता काटकर खिलाड़ियों के परिचय उपरान्त उनका उत्साहवर्धन कर किया। क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि क्रिकेट खेल के द्वितीय दिवस दो पालियों में पृथक–पृथक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमें विधि संकाय बनाम फार्मेसी संकाय एवम् पैरामेडीकल संकाय बनाम कम्प्यूटर विज्ञान संकाय टीम के मध्य क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। विधि संकाय टीम कप्तान काशीराम अहिरवार, फार्मेसी संकाय टीम कप्तान पुष्पेंद्र राजपूत, पैरामेडिकल संकाय टीम कप्तान रोशन मोहम्मद एवं कम्प्यूटर विज्ञान संकाय टीम कप्तान अश्वनी सिंह परिहार ने अपने साथियों का मनोबल बढाकर उत्साहवर्धन किया। सभी खिलाड़ियों ने अपना खेल कौशल दिखाने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी। खिलाड़ियों ने चौके पर चौका और छक्के पर छक्का लगाकर उपस्थित सभी खेल प्रेमियों का आकर्षण खेल के प्रति बनाये रखा। प्रथम पाली में फार्मेसी संकाय टीम को विधि संकाय टीम ने शिकस्त दी। वहीं दूसरी पाली में पैरामेडिकल संकाय टीम को कम्प्यूटर विज्ञान संकाय टीम ने शिकस्त देकर विजयी होने का खिताब हासिल कर अपनी टीम के खिलाड़ियों को शुभकामनाऐं दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, डॉ.दीपा कुशवाह, डॉ.आनन्द चौरसिया, डॉ.एल.पी.सिंह, डॉ.आशीष तिवारी, डॉ.आलोक पाण्डेय, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।







4.51 खेल उत्सव के तीसरे दिन विकटों एवं चौथे दिन मोहरों ने मारी बाजी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित दस दिवसीय स्व.श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के तृतीय एवं चतुर्थ दिवस क्रिकेट का आयोजन किया गया। वहीं चतुर्थ दिवस क्रिकेट के साथ – साथ चैस, कैरम एवं खो – खो प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं श्री मति मेघना मिश्रा के कर कमलों द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया गया।

खेल उत्सव का प्रारम्भ अतिथियों ने खिलाड़ियों के परिचय उपरान्त उनका उत्साहवर्धन कर किया। क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि क्रिकेट खेल के तृतीय दिवस दो पालियों में पृथक – पृथक क्रिकेट मैच एवं चतुर्थ दिवस एक पाली में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमें तृतीय दिवस पहला मैच फार्मेसी संकाय विरूद्ध इंजीनियरिंग संकाय एवं दूसरा मैच मैनेजमेंट संकाय विरूद्ध विज्ञान व शिक्षा संकाय के बीच खेला गया। फार्मेसी संकाय टीम कप्तान आलोक अवस्थी, इंजीनियरिंग संकाय की टीम कप्तान गुलाब रब्बानी , मैनेजमेंट संकाय टीम कप्तान संजय चंदेल एवं विज्ञान व शिक्षा संकाय टीम कप्तान हेमन्त नामदेव ने अपने खिलाड़ी साथियों को साहस एवं फूर्ती से खेलने के लिए उत्साहित कर मनोबल बढ़ाया। तृतीय दिवस की टीमों ने विकटों की बौंछार को देखते हुए अपना साहस एवं पराक्रम कम न करके चौकें – छक्कों की लड़ी लगा दी। और देखते ही देखते विकटों के साथ – साथ रनों की बौछार होते ही उपस्थिति खेल प्रेमियों ने तालियों गड़गड़ाहट के साथ खेल मैदान में नयी चेतना जगा दी। प्रथम पारी में फार्मेसी संकाय टीम ने इंजीनियरिंग संकाय टीम को शिकस्त देते हुए परचम फहराया। वहीं द्वितीय पाली में मैनेंजमेंट संकाय टीम ने विज्ञान व शिक्षा संकाय टीम को करारी शिकस्त देकर अपना विजयी होने का खिताब रचा। खेल उत्सव के चतुर्थ दिवस बालिका क्रिकेट टीमों के मध्य मुकाबला हुआ। जिसमें देवी अहिल्या बाई टीम की कप्तान करिश्मा राजपूत एवं रानी दुर्गावती टीम की कप्तान खुशबू श्रीवास्तव ने अपनी खिलड़ी साथियों के साथ पूर्ण रूप से सहयोग देकर मुकाबला किया। बालिका क्रिकेट मुकाबले में देवी अहिल्या बाई टीम को रानी दुर्गावती टीम ने शिकस्त दी।

खेल उत्सव के चतुर्थ दिवस क्रिकेट के अलावा चैस, शतरंज, कैरम एवं खो – खो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खो – खो प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मीबाई टीम की कप्तान अंजू राजपूत एवं रानी दुर्गावती टीम की कप्तान रागिनी यादव रहीं। रानी दुर्गावती टीम ने रानी लक्ष्मीबाई टीम को शिकस्त दी। खो – खो टीम समन्वयक डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने अपने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। शतरंज में बालक एवं बालिकाओं ने अपने – अपने मोहरों को तेजी से आगे बढ़ाया जिन खिलाड़ियों ने अपने मोहरों को आगे बढ़ाया उनमें निर्मल पटेल, ज्ञानेन्द्र सोनी, राहुल अहिरवार, विपिन गुप्ता, सुरेन्द्र साहू, जीतेन्द्र सिंह चौहान, राज चौरसिया, धीरज अग्रवाल, नेहा प्रजापति, सनिधी शेखर, ज्योति साहू एवं भावना प्रजापति रहीं।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, डॉ.दीपा कुशवाह, डॉ.आनन्द चौरसिया, डॉ. आकाश सिंह, विवेक प्रसाद सिंह, शिवेन्द्र सिंह, डॉ.आशीष तिवारी, डॉ. निहारिका तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।







4.52 खेल उत्सव के पाँचवे दिन दिया रानी ने चकमा

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित स्व.श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के पंचम दिवस क्रिकेट, कैरम एवं कबडडी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि श्री विपिन अवस्थी व कुलसचिव श्री विजय सिंह के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया।

खेल उत्सव के प्रारम्भ में अतिथियों ने खिलाड़ियों के परिचय उपरान्त उनकी सहभागिता के लिए उत्साहवर्धन कर किया। क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि क्रिकेट खेल के पंचम दिवस दो पालियों में पृथक – पृथक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमें पहला मैच कृषि संकाय विरूद्ध विधि संकाय एवं दूसरा मैच मानविकी संकाय विरूद्ध कम्प्यूटर विज्ञान संकाय के बीच खेला गया। कृषि संकाय टीम कप्तान काशीराम, मानविकी संकाय टीम कप्तान यशवेन्द्र सिंह एवं कम्प्यूटर विज्ञान संकाय टीम कप्तान अश्वनी सिंह ने अपने खिलाड़ी साथियों को साहस एवं फूर्ती से खेलने के लिए उत्साहित कर मनोबल बढ़ाया। प्रथम पारी में कृषि संकाय टीम ने विधि संकाय टीम को शिकस्त दी वहीं द्वितीय पाली में मानविकी संकाय टीम को कम्प्यूटर विज्ञान संकाय टीम ने करारी शिकस्त दी।

खो – खो प्रतियोगिता में फार्मेसी संकाय टीम की कप्तान पवन अनुरागी एवं एनएसएस विभाग टीम की कप्तान रोनी रजक ने अपने साथियों को चतुरबुद्धि के साथ मैदान में अपना पराक्रम दिखाने की सलाह दी। खो – खो प्रतियोगिता में फार्मेसी संकाय टीम ने एनएसएस विभाग टीम को शिकस्त देकर परचम फहराया। वहीं कैरम प्रतियोगिता में रानी खिलाड़ियों को चकमा देती हुई नजर आयी। रानी को पकड़ना खिलाड़ियों को आसान नहीं रहा।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, डॉ. आकाश सिंह, विवेक सिंह, शिवेन्द्र सिंह, डॉ.आशीष तिवारी, डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ. आलोक पाण्डेय, श्रीमती भक्ति अग्रवाल, श्रीमती खुशबू चौहानख्, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।







4.53 खेल उत्सव के दौरान शतरंज के खिलाड़ियों ने मोहरों से दी मात

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित स्व.श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के दौरान शतरंज एवं 100मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया अध्यक्ष नगर पालिका छतरपुर, डॉ.राजेश त्रिपाठी, श्रीमती लताराजे, श्री जयप्रकाश सिंह व कुलसचिव श्री विजय सिंह के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया।

खेल उत्सव के प्रारम्भ में अतिथियों ने खिलाड़ियों के परिचय उपरान्त उनकी प्रतिभा की सराहना की। क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि शतरंज एवं 100मीटर दौड़ प्रतियोगिता में बालक–बालिकाओं द्वारा बखूबी प्रदर्शन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता की समन्वयक श्रीमती भक्ति अग्रवाल ने खिलाडियों के आपस में मात देने की कोशिश को दिमागी चातुरता एवं चतुरबुद्धि का उपयोग करना बताया। शतरंज के सेमी फाइनल में बालिका टीम से नेहा प्रजापति एवं सनिधि शेखर ने अपने प्रतिद्विवंदी को मोहरों के द्वारा घेर कर मात दी। वहीं बालक टीम से जितेन्द्र सिंह चौहान एवं ज्ञानेन्द्र सोनी ने अपने प्रतिद्विवंदी को मात देकर अपना नाम जीत में दर्ज कराया। 100मीटर दौड़ में बालिकाओं में ज्योति साहू प्रथम, रक्षा पटेल द्वितीय एवं वैशाली कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालकों में राहुल सिंह चंदेल प्रथम, निशांत बाल्मीक द्वितीय एवं राहुल अहिरवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका क्रिकेट टीम रानी लक्ष्मी बाई की कप्तान लवली बुन्देला एवं रानी दुर्गावती टीम कप्तान खुशबू श्रीवास ने अपने साथियों को चतुरबुद्धि के साथ मैदान में अपना पराक्रम दिखाने की सलाह दी। रानी लक्ष्मी बाई टीम ने रानी दुर्गावती टीम को करारी शिकस्त दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान डॉ.नीना चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा, श्री विवेक प्रताप सिंह, शिवेन्द्र सिंह, श्रीमती रेनू झॉ, शमा नाज, अंजली मिश्रा, पूनम चौरसिया, धीरज चौबे, कुलदीप खरे, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।









4.54 विश्वविद्यालय में मनाया गया विधिक सहायता दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में विधिक सहायता दिवस के अवसर पर जिला विधिक प्राधिकरण छतरपुर के द्वारा विधिक सहायता दिवस का आयोजन जिला न्यायालय में 02:00 बजे से 04:00 बजे के मध्य कराया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के विधि छात्रों की सहभागिता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव माननीय अनिल पाठक द्वारा आदेशित किया गया था। आदेश के अनुक्रम में विश्वविद्यालय से विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक माधव श्रण पाठक, पूनम चौरसिया एवं 33 विधि छात्र विधिक सेवा प्राधिकरण हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुये।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय ओमप्रकाश सिंह रघुवंशी, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, विशिष्ट अतिथि श्री अखिलेश मिश्रा, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार पाठक, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश दीक्षित, न्यायाधीश अधिवक्तागण, अध्यापकगण एवं विधि छात्र मुख्य रूप से उपस्थित हुये। कार्यक्रम में अतिथि गणों द्वारा विधिक सेवा को जन–जन तक पहुंचाने के सम्बंध में विषय रखे गये तथा विधिक सेवा के प्रमुख पहलुओं पर न्यायाधीश गणों एवं विधि छात्र– छात्राओं द्वारा उद्बोधन प्रस्तुत किया गया।





4.55 खेल उत्सव के दौरान लंबी ऊंची कूद लगाकर फेंके गए गोला

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित स्व.श्री बलवीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के दौरान शतरंज, गोला फेंक (बालक/बालिका), लंबी कूद (बालक/बालिका) एवं ऊंची कूद (बालक/बालिका) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि श्री आशुतोष अरजरिया, श्री आदित्य सक्सेना व कुलसचिव श्री विजय सिंह के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया।

खेल उत्सव के प्रारम्भ में अतिथियों ने खिलाड़ियों के परिचय उपरान्त उनका प्रोत्साहन बढ़ाया। क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि शतरंज, गोला फेंक (बालक/बालिका), लंबी कूद (बालक/बालिका) एवं ऊंची कूद (बालक/बालिका) प्रतियोगिता में प्रतियोगियों द्वारा साहसपूर्ण प्रदर्शन किया गया। शतरंज के फाइनल में बालिका टीम से नेहा प्रजापति एवं सनिधि शेखर के मध्य एक–दूसरे को मात देने की होड़ लगी रही। जिसमें आखिरी दौर में नेहा ने मोहरों के द्वारा घेर कर सनिधि को मात दे दी। वहीं बालक टीम से जितेन्द्र सिंह चौहान एवं ज्ञानेन्द्र सोनी के बीच मुकाबले में ज्ञानेन्द्र सोनी ने अपना नाम प्रथम स्थान, जितेन्द्र सिंह ने द्वितीय एवं धीरज अग्रवाल ने तृतीय स्थान पर जीत में दर्ज की। क्रिकेट का पहला मैंच कृषि संकाय टीम और इंजीनियरिंग संकाय टीम के बीच खेला गया जिसमें कृषि संकाय टीम ने शिकस्त दी। वहीं दूसरा मैंच मैनेजमेंट संकाय और एसकेयू के बीच हुआ जिसमें मैनेजमेंट ने शिकस्त दी। बालिका प्रतियोगिता में गोला फेंक में पूजा पटेल प्रथम, आरती पटेल द्वितीय एवं अनीता कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूंद में पूजा पटेल प्रथम, अनीता कुशवाहा द्वितीय एवं शान्ती अहिरवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊँची कूंद में शान्ती अहिरवार ने प्रथम, खुशबू श्रीवास ने द्वितीय एवं प्रांजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बालक प्रतियोगिताओं में गोला फेंक में राहुल सिंह प्रथम, अश्वनी कांत रावत द्वितीय एवं राजेन्द्र पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊँची कूंद में राहुल सिंह प्रथम, राजेन्द्र पटेल द्वितीय एवं राहुल अहिरवार तृतीय स्थान पर रहे। लम्बी कूंद में राहुल सिंह प्रथम, रवि श्रीवास द्वितीय एवं राहुल अहिरवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में डॉ.दीपा कुशवाह, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, डॉ.नीना चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.आकाश सिंह, श्री विवेक प्रताप सिंह, श्री शिवेन्द्र सिंह, माधवशरण पाठक, श्री दिगंत द्विवेदी, श्री विशाल सिंह, श्री शिवम नायक, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।





4.56 खेल उत्सव के दौरान संध्या ने रानी को कुंए में धकेला

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित स्व.श्री बलवीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के दौरान कैरम एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि श्री संजू त्रिपाठी पत्रकार, श्री मनीष खरे पत्रकार, श्री विजय सिंह कुलसचिव एवं श्री राजेश विश्वकर्मा मैनेजर के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया।

क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि कैरम एवं क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतियोगियों द्वारा साहसपूर्ण प्रदर्शन किया गया। कैरम प्रतियोगिता की समन्वयक अनुप्रिया नामदेव, सुमेधा राय, खुशबू सिंह एवं सुरूचि असाठी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता के दौरान संध्या वर्मा ने कैरम बोर्ड पर दौड़ रही रानी को कुंए में धकेल कर प्रथम स्थान का ताज अपने सिर ले लिया। वहीं द्वितीय स्थान दिव्या कुशवाहा एवं तृतीय स्थान नैनसी राठौर के हाथ लगा। क्रिकेट का पहला मैंच कृषि संकाय टीम और फार्मेसी संकाय टीम के बीच खेला गया। जिसमें कृषि संकाय टीम ने शिकस्त दी। वहीं दूसरा मैंच पैरामेडिकल संकाय और कला संकाय के बीच हुआ जिसमें कला संकाय ने शिकस्त दी। कृषि संकाय कप्तान राज सिंह चंदेल, कला संकाय कप्तान यशवेन्द्र सिंह, फार्मेसी संकाय कप्तान पुष्पेन्द्र राजपूत एवं पैरामेडिकल संकाय कप्तान रोशन मोहम्मद ने अपने खिलाड़ी साथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, डॉ.आनन्द चौरसिया, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, डॉ.नीना चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.आकाश सिंह, डॉ.विजय चतुर्वेदी, डॉ.आशीष तिवारी, श्री विवेक प्रताप सिंह, श्री सचिन व्यास, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यकर्त्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

www.skuindia.ac.in





4.57 खेल उत्सव के दौरान क्रिकेट के सेमी फाइनल ने मचाई धूम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में आयोजित स्व.श्री बलवीर सिंह गौतम स्मृति खेल उत्सव के दौरान क्रिकेट के सेमी फाइनल का आयोजन हुआ। आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि श्री दीपेन्द्र सिंह बुन्देला जी, श्री मानवेन्द्र सिंह परिहार जी, श्री अशोक मिश्रा जी(अधिवक्ता), श्री अमित बाजपेयी जी (जनपद उपाध्यक्ष गौरिहार), श्री अमित गोस्वामी जी (जिला उपाध्यक्ष, भाजपा), श्री अनिल द्विवेदी जी (अधिवक्ता), श्री अरविन्द्र पटैरिया जी (जिला महामंत्री, भाजपा), श्री पुष्पेन्द्र अवस्थी (जनपद उपाध्यक्ष, राजनगर), श्री राकेश पटेल (पिछड़ा वर्ग के उपमहामंत्री), श्री सुरेन्द्र त्रिपाठी जी (अधिवक्ता), श्री राजेन्द्र नामदेव, श्री विजय सिंह कुलसचिव के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती, श्री कृष्णा एवम् स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया।

क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमी फाइनल में प्रतियोगियों द्वारा साहसपूर्ण प्रदर्शन किया गया। क्रिकेट का पहला मैंच कृषि संकाय टीम और फार्मेसी संकाय टीम के बीच खेला गया। जिसमें कृषि संकाय टीम ने शिकस्त दी। वहीं दूसरा मैंच मैनेजमेंट संकाय और कप्यूटर विज्ञान संकाय के बीच हुआ जिसमें कप्यूटर विज्ञान संकाय ने शिकस्त दी। कृषि संकाय कप्तान राज सिंह चंदेल, कम्प्यूटर विज्ञान संकाय अश्वनी सिंह परिहार, फार्मेसी संकाय कप्तान आलोक अवस्थी एवं मैनेजमेंट संकाय कप्तान संजय सिंह चंदेल ने अपने खिलाड़ी साथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, डॉ. एल.पी. सिंह, डॉ.आनन्द चौरसिया, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, डॉ.नीना चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.आकाश सिंह, डॉ.शिवविजय, डॉ. राजेन्द्र चौधरी, डॉ.आशीष तिवारी, श्री कमलेश कुमार, श्री पंकज गुप्ता, श्री विवेक प्रताप सिंह, श्री सचिन व्यास, अनुप्रिया नामदेव, सुमेधा राय, सुरूचि असाटी, सचिन चौरसिया, जनसंपर्क अधिकारी डॉ.आलोक अग्रवाल सहित प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यकर्त्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।





4.58 अर्पित सिंह तबला वादन में उत्कृष्ट रहे

स्वरांज्जली संगीत शिक्षण संस्थान एवं ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज कानपुर द्वारा आयोजित श्रद्धेया डॉ. गीता मिश्र, स्मृति संगीत प्रतियोगिता में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के बी.एड. छात्र अर्पित सिंह ने वादन तबला प्रतियोगिता में सहभागिता कर उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये द्वितीय स्थान प्राप्त किया है विश्वविद्यालय परिवार के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टॉफ अर्पित सिंह की अनंत सफलताओं से पूर्ण दीर्घ जीवन की कामना करते हुये ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आप सदा सन्मार्ग पर चलकर राष्ट्र सेवा परायण बनें।



4.59 खेल महोत्सव के समापन पर प्रतिभागियों को मैडल, ट्राफी प्रमाणपत्र एवं धनराशि से सम्मानित किया गया

स्वर्गीय बलबीर सिंह गौतम जी की स्मृति में आयोजित दस दिवसीय खेल युवा उत्सव का समापन हुआ। आज समापन दिवस पर कृषि संकाय एवं कम्प्यूटर एपलीकेशन संकाय की टीम के मध्य बड़ा ही रोमांचक फाइनल क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें कृषि संकाय ने जीत हासिल की। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री प्रधुम्न सिंह लोधी बड़ामलहरा विधायक केंद्रीय मंत्री, जिलाअध्यक्ष श्री मलखान सिंह, श्री राकेश पाठक नौगांव जनपद अध्यक्ष, श्री पुष्पेन्द्र सिंह (गुड्डू भैया), श्रीमती अर्चना सिंह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, श्री बॉबी राजा किसान मोर्चा अध्यक्ष, अवधेश यादव जिलाध्यक्ष भाजपा पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ, इ. प्रदीप जैन, पत्रकार बन्धू, विश्वविद्यालय की संरक्षिका श्रीमती कुन्ती सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया। छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत का का गायन किया गया। अतिथि देवों भव की परंपरागत संस्कृति का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ.पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने

पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। स्वागत भाषण में अतिथियों का परिचय देते हुए चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कहा सभी गणमान्य अतिथिगणों ने हमारे निवेदन पर यहाँ आकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया उसके लिए हम तहे दिल से उनका शुक्रिया अदा करते हुये विश्वविद्यालय की बिगत वर्षो की उपलब्धियों, विभिन्न्विभाग्गों के छात्र छात्राओं के प्लेसमेंट एवं शिक्षा में नवाचार से भी अतिथियों को अवगत कराया। जिला अध्यक्ष श्री मलखान सिंह ने अपने उध्बोधन में कहा कि खेल–कूद मात्र मनोरंजन या प्रतियोगिता ही नहीं अपितु आपसी सद्भाव, जुड़ाव एवं उत्सव की प्रफुल्लता को प्रकट करने का भी माध्यम है। बड़ा मलहरा विधायक श्री प्रधुम्न लोधी जी ने अपने उध्बोधन में कहा–कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल कूद की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं विश्वविद्यालय में समय–समय पर ऐसी गतिविधियां करवाई जाती हैं जिससे बच्चे न केवल आनंद उठाते है बल्कि उनका इन प्रतियोगिताओं से सर्वांगीण विकास भी होता है। विश्वविद्यालय के प्रबंधन की प्रशंसा करते हुये कहा कि छतरपुर में विश्वविद्यालय स्थापित करके उन्होने जो शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास किया है उन्के इस सराहनीय प्रयास से छतरपुर जिले का नाम प्रदेश्एवं देश के पटल पर अंकित हो गया है यह विश्वविद्यालय भी देश के पटल पर अपना नाम रोशन करे ऐसी हम शुभकामनाये प्रेसित करते है। दस दिवसीय खेल उत्सव के अन्तर्गत क्रिकेट, 300 मी, 200 मी की छात्र/छात्राओं की पृथक पृथक दौड़, कबडडी, खो–खो, ऊंची कूद जैसे आउट डोर गेम तथा शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस इनडोर गेम आदि विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करवाई गई। इन सभी प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय में संचालित सभी संकायों, विभागों के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग ही नही लिया बल्कि अपनी खेल प्रतिभा का परिचय भी दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप मैडल, ट्राफी एवं प्रमाणपत्र ,एवं सम्मान स्वरूप धनराशि देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि जिन सपनों को लेकर कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम एवं चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने विश्वविद्यालय का निर्माण किया यहाँ आकर हमें इसका बोध होता है। छात्र छात्राओं ने पढ़ाई के अलावा खेल कूद प्रतियोगिता में उम्दा प्रदर्शन कर चार चांद लगा दिए। ऐसे कार्यक्रम न केवल बच्चों का मनोरंजन करते हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। छतरपुर में विश्वविद्यालय स्थापित करके उन्होने एक असम्भव कार्य को सम्भव किया है श्री पुष्पेन्द्र सिंह (गुडू भैया) ने अपने उदबोधन में कहा कि विद्रयार्थियों के सर्वगाणी विकास में खेल कूद, सांस्क्रतिक कार्यक्रम अति आवश्यक होते है ऐसे कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय समय समय पर करता रहता है इसके लिये श्री कृष्णा विश्वविद्यालय स्वस्थ मजबूत विदयार्थि निर्माण के लिये सदैव तत्पर रहता है। नौगांव जनपद अध्यक्ष श्री राकेश पाठक ने इस सफल आयोजन का श्रेय छात्र छात्राओं के उत्साहवर्द्धन के साथ सम्बंधित विभागों के शिक्षकों एवं उनकी अनुशासित टीम को दिया। उन्होंने कहा कि कुलाधिपति डॉ ब्रजेन्द्र सिंह गौतम के अथक प्रयास से यह शिक्षा का मंदिर तैयार हो सका है और उन्होने अपने इस कार्य से यह सिदध्कर दिया कि हम अपनी सोच अच्छी रखें तो समाज एवं देश में अपना नाम रोशन कर सकते है। उनके परिश्रम की वजह से यह उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। विश्वविद्यालय में आए हुए अभिभावक अपने लड़के लड़कियों को खिलाड़ियों के रूप में देखकर अति प्रसन्न हुए। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम ने प्रतिभागी छात्र छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। सभी अतिथियों ,गणमान्य नागरिकों ने खेल कूद प्रतियोगिता कार्यक्रम की भूरी–भूरी प्रशंसा की। विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम जी ने सभी विद्यार्थियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि समय–समय पर इस तरह के आयोजन विश्वविद्यालय में होते रहने चाहिए जिससे बच्चों का शारीरिक,मानसिक व बौद्धिक विकास हो सके। आज के इस कार्यक्रम में सप्ताहिक समाचार पत्र रातमत, छतरपुर संस्करण का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ.वी.एस–राजपूत एवं समस्त प्राध्यापकगण,कर्मचारीगण एवं सभी संकायों के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ.प्रणति चतुर्वेदी ने एवं आभार विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने किया।







4.60 महारानी लक्ष्मी बाई की स्मृति में हुई प्रतियोगिताऐं

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के संयुक्त तत्वाधान में महारानी लक्ष्मी बाई की जयंती के उपलक्ष्य में निबंध, प्रश्नमंच एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम एवं चेयरमेन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह जी गौतम के मार्गदर्शन में किया गया।

आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की शोध निदेशक डॉ. दीपा की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि कु. सिंपी चौरसिया, कु. कविता राज, डॉ. नीना चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा एवं श्री हिमांशु मिश्रा के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया गया। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का सु–मधुर गायन योग्यता राजा परमार, दीक्षा यादव एवं अनुष्का उपाध्याय ने किया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कु. कविता राज ने अपने उद्बोधन में नारी शक्ति की गाथा से उपस्थित छात्राओं के मन में हलचल मचा दी। उन्होंने कहा की "फूल नहीं चिंगारी है हम भारत की नारी हैं" हमें निर्भर नहीं निडर बनना है। साथ ही कहा कि महिला ही महिला की दुश्मन रही है पर हमें इस बात को निर्थक साबित करना होगा। विश्वविद्यालय की छात्रा विजया राजे तिवारी ने भाषण प्रतियोगिता के दौरान कहा कि "महिलायें हैं देश की तरक्की का आधार, उनके प्रति बदलों अपने विचार"। सरस्वती लोधी ने कहा कि "महिला शक्ति का परचम दिखाना है महिलाओं को आगे बढ़ाना हैं"।

निबंध लेखन प्रतियोगिता का शीर्षक महारानी लक्ष्मी बाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर छात्राओं ने लेखन किया जिसमें कु. महिमा अनुरागी प्रथम, कु. विजया राजे तिवारी द्वितीय एवं कु. शोभा अहिरवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नमंच प्रतियोगिता का शीर्षक महारानी लक्ष्मी बाई से संबंधित रहा जिसमें अलग – अलग संकाय की टीमों ने अपना वर्चस्व दिखाया। जिसमें टीम अ की कु. आकांक्षा सिंह, कु. आंशी गुप्ता, कु. दीप्ति जैन, वर्षा नगायच ने प्रथम, टीम स की कु. रागिनी जोशी, कु. अंशिका सक्सेना, कु. कामरून मिश्रा, कु. प्राची मिश्रा, कु. तानिया सिसोदिया ने द्वितीय एवं टीम ब की कु. एकता सचान, कु. निकिता सचान, कु. वर्षा साहू, कु. अचित्या श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता का शीर्षक "बुन्देलखण्ड की महिलाओं का शिक्षा में योगदान" रहा। जिसमें कु. विजया राजे तिवारी प्रथम, कु. सरस्वती लोधी द्वितीय एवं कु. काजल शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने किया। वहीं डॉ. नीना चौरसिया ने आभार व्यक्त किया। डॉ. चौरसिया ने अपने आभार में कहा कि "आत्मनिर्भरता और ताकत हमें अपने आप में रखना हैं। हमें अपनी शक्त् को पहचानने की आवश्यकता हैं। यदि हम बिना किसी सहयोग के आगे बढ़ जाये तो वह महान है और यदि सहयोग मिलने के बाद भी आगे न बढ़ पायें तो वह कमजोर हैं। कार्यक्रम में श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव, डॉ. निहारिका तिवारी, श्रीमती नेहा यादव, अनुप्रिया नामदेव, सुमेधा राय, श्रीमती रेनू झा, श्रीमती खुशबू चौहान, श्रीमती भक्ति अग्रवाल, श्रीमती सत्यवती चौरसिया, श्रीमती भवानी बाई अहिरवार, प्रतिक्षा तिवारी सहित प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित रही।





4.61 महारानी लक्ष्मी बाई के जन्म दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में महारानी लक्ष्मी बाई की जन्म दिवस धूमधाम से विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह जी गौतम एवं चेयरमेन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह जी गौतम के मार्गदर्शन में मनाया गया। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय की सत्तर छात्राओं ने महारानी लक्ष्मी बाई के रूप को बखूबी तरीके से धारण कर विश्वविद्यालय परिक्षेत्र में एक साथ महारानी लक्ष्मी बाई की वेशभूषा को दिखाकर उपस्थित जनमानस का मनमोह लिया।

आयोजन का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की उप कुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा एवं शोध निदेशक डॉ. दीपा कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वन्दना कर किया गया। तत्पश्चात् महारानी लक्ष्मी बाई के रूप में उपस्थित छात्राओं द्वारा "खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी" के नारों से सदन को गूंजो से भर दिया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने महारानी लक्ष्मी बाई के साहस एवं बुलंदियों की जानकारी देकर छात्राओं में जोश एवं खून में उबाल पैदा कर दिया। वहीं छात्राओं ने अपने–अपने वक्तव्य में नारी शक्ति की गाथा से उपस्थित अतिथियों के मन में हलचल मचा दी। किसी ने कहा कि "फूल नहीं चिंगारी है हम भारत की नारी हैं" तो किसी ने कहा कि हमें निर्भर नहीं निडर बनना है। हमें "महिला शक्ति का परचम दिखाना है, महिलाओं को आगे बढ़ाना हैं"। हम महारानी लक्ष्मी बाई तो नही बन सकते पर उन जैसा बनकर दिखाना है। यही हमारा नारा है यहीं दिखाकर जाना है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के उपरान्त महारानी लक्ष्मी बाई के रूप में तैयार सत्तर छात्राओं के अलावा एनएसएस की तेतीस छात्राओं ने छतरपुर में हो रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के महारानी लक्ष्मी बाई जन्म दिवस वाले कार्यक्रम में अपना प्रतिनिधित्व किया। जहां पर 17 नवम्बर को हुई प्रतियोगिताओं में स्थान पाई छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

"इसी अवसर पर एनसीसी बटालियन छतरपुर द्वारा छतरपुर से भोपाल साईकिल यात्रा का स्वागत एवं साईकिल से जा रहे कैडिटों का उत्साह वर्धन करते हुये उनका मनोबल विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगणों एवं एनसीसी बटालियन द्वारा बढ़ाया गया।"

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी एवं आभार डॉ. नीना चौरसिया ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. निहारिका तिवारी, श्रीमती नेहा यादव, अनुप्रिया नामदेव, श्रीमती पूनम चौरसिया, वर्षा यादव, श्रीमती रेनू झा, अंजली मिश्रा, श्रीमती समा नाज, श्रीमती वंदना शुक्ला सहित प्राध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित रही।









4.62 सेडमैप के द्वारा कार्यशाला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में उद्यमिता विकास केन्द्र "सेडमैप", छतरपुर के तत्वाधान में एक दिवसीय नवाचार जागरूकता शिविर की कार्यशाला का आयोजन जिला समन्वयक श्री एम.के.श्रीवास की उपस्थिति में राष्ट्रीय उद्यमिता पखवाड़े के उपलक्ष्य में किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को श्री श्रीवास ने बताया कि सेडमैप रोजगार सृजन और रोजगार संवर्धन को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण करवाता है। जिसमें एक दिवसीय अवसरनेस प्रोग्राम, तीन दिवसीय इन्टर प्यूनरशिप एण्ड मोटीवेशन प्रोग्राम तथा छह सप्ताह का स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम उपलब्ध है। प्राध्यापकगण छात्रों की नवाचार में रूचि बढ़ाने से लेकर प्रतिपालक की भूमिका का निर्वहन करते हुये छात्रों को सफल उद्यमी तथा रोजगार प्रदाता की भूमिका में ला सकते हैं। प्राथमिक तौर पर छात्र अपनी वित्तीय आवश्यकता को स्वंयपूर्ण करें। जबकि उनके नवाचार को विकसित करने के लिए वित्तीय मदद का संस्था हर संभव प्रयास करेगी।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय की उप कुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, डॉ. नीना चौरसिया, डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ.आकाश सिंह, डॉ.आशीष तिवारी, श्री दीपेन्द्र सिंह, श्रीमती रेनू झा, श्रीमती भक्ति अग्रवाल, श्री सुदर्शन बबेले सहित प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।



4.63 वैक्सीनेशन कैम्प हुआ आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के कुलसचिव श्री विजय सिंह के निवेदन पर वैक्सीनेशन कार्यक्रम के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र चौका जिला छतरपुर की वैक्सीनेशन टीम सचिव छेदीलाल अहिरवार, गंगेले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सिंह, आशा कार्यकर्ता संगीता सिंह, आशा कार्यकर्ता अनीता अहिरवार ने विश्वविद्यालय आकर भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार के कोविड गाइडलाइन के तहत छात्र छात्राओं एवं कर्मचारियों का वैक्सीनेशन किया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने विश्वविद्यालयीन छात्र छात्राओं एवं जनमानस से अपील की है कि जिनका अभी तक वैक्सीनेशन नहीं हुआ है वो वैक्सीनेशन केंद्र में जाकर प्रथम या द्वितीय डोज जो भी हो जरूर लगवायें इससे न केवल समाज अपितु जब तक कोविड का कोई सकारात्मक उपचार नहीं मिलता तब तक वैक्सीनेशन ही एक बचाव है। कैम्प प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने बताया कि इस कैम्प में 51 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया।





4.64 फार्मेसी संकाय की कार्यशाला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के फार्मेसी विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनो ही तरह से किया गया। कार्यशाला का विषय फार्मेसी में ब्लेंडेड लर्निंग का प्रभाव (Impact of Blanded Learning in Pharmacy) रहा। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री जे.के.एल. प्रसाद, श्री फारुख एवं विशिष्ठ अतिथि श्री गिरीश त्रिपाठी उप कुलपति, डॉ. आनंद चौरसिया, प्राचार्य फार्मेसी विभाग, डॉ. बी.एस.राजपूत परीक्षा नियंत्रक, डॉ. आलोक अग्रवाल पी.आर.ओ. ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण उपरान्त किया।

एडी इंस्ट्रूमेंट (ADINSTRUMENTS) नई दिल्ली के श्री प्रसाद द्वारा एलटी सोफ्टवेयर का प्रदर्शन किया गया। श्री प्रसाद ने सोफ्टवेयर से सम्बंधित जानकारी को लिखित एवं प्रायोगिक दोनों प्रकार से बताया। उन्होनें बताया कि इस सोफ्टवेयर के द्वारा हम नई पद्धति से मानव एवं जानवरों का इलाज सुगमता से कर सकते हैं। इस पद्धति के द्वारा हमारे समय व राशि की बचत होगी एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा।

कार्यशाला का संचालन कु. अनुप्रिया नामदेव एवं आभार व्यक्त श्री दीपेन्द्र सिंह विभागाध्यक्ष फार्मेसी विभाग ने किया। कार्यशाला में अभिषेक पाठक, राममिलन विश्वकर्मा, नीलेश अनुरागी, जितेन्द्र कुशवाहा, हिमांशी सोनी, प्रियंका अहिरवार, सौरभ खरे, चतुर कुशवाहा, राहुल अहिरवार, महेश पटेल के अतिरिक्त समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.65 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आज दिनांक 25/11/2021 को महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. प्रकोष्ठ द्वारा नेहरू युवा केन्द्र के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देशभक्ति तथा राष्ट्र निर्माण थीम पर "सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास" विषय पर विकासखण्ड स्त्ररीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे श्री कृष्णा विश्वविद्यलय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक तौफिक खान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया इस प्रतियोगिता मे राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ महेश अहिरवार की अहम भमिका रही है। विश्वविद्यलय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने द्वितीय स्थान पर आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक को बधाई दी और सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों शुभकामनाए देते हुए भविष्य मे होने वाले कार्यक्रमो के लिए प्रोत्साहित किया।



4.66 विधि संकाय द्वारा मनाया गया संविधान दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के विधि विभाग द्वारा संविधान दिवस का आयोजन किया गया। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की परम्परा है। संविधान दिवस को मनाने के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट ने विधि संकाय के सदस्यों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

संविधान दिवस का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एड. रमेश पटेल प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रान्त एवं विशिष्ट अतिथि एड. राजेन्द्र गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ.एल.पी.सिंह प्राचार्य विधि विभाग, डॉ. बी.एस.राजपूत परीक्षा नियंत्रक, डॉ. आलोक अग्रवाल पी.आर.ओ. ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं श्री विवेक प्रताप सिंह सहायक प्राध्यापक विधि संकाय ने संविधान प्रस्तावना का वाचन कर उपस्थित समुदाय को शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि एड. रमेश पटेल ने अपने वक्तव्य में संविधान एवं विधि से संबंधित विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। उन्होने अधिवक्ताओं की कार्यशैली एवं उनके कर्त्तव्यों के निर्वहन की जानकारी विद्यार्थियों को दी। अंत में बेटियों के लिए दो लाईनों में कहा कि परमात्मा अपने बंदे से कहता है कि किसी पराई बेटी की बिदाई में आंसू बहाकर तो देख, तेरी बेटी का दामन खुशियों से न भर दूँ तो कहना। वहीं विधि संकाय के छात्र दीपक तिवारी ने बताया कि डॉ.हरीसिंह गौर की पहल पर महिलाओं को भी वकालत करने के लिए बराबरी का दर्जा देने को लेकर संविधान में स्थान दिया गया।

इस अवसर पर मंच संचालन श्री माधव शरण पाठक एवं आभार व्यक्त श्री शैलेन्द्र सिंह विधि विभाग ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी कुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.विजय चतुर्वेदी, श्री चंद्रदीप सिंह, पूनम चौरसिया, दीप्ति सेठ, श्री आशाराम त्रिपाठी जिलाध्यक्ष, श्री महेश दीक्षित, श्री मृदुलकांत त्रिपाठी, श्री अभिषेक खरे के अतिरिक्त समस्त प्राध्यापकगण एवं कु.स्वाति बुन्देला, कु.चंचल कुशवाहा, आकाश सहित छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.67 ऑल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग के कैडेट्स हुये सम्मानित

आजादी के अमृतमहोत्सव के अंतर्गत एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव एवं डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन कर किया। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना अंशुल राजा परमार एवं कीर्ति राजा बुंदेला ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि एन.सी.सी. वाले छात्र छात्राओं को देश भक्ति एवं आर्मी में जाने का मार्ग प्रशस्त होता है। एन.सी.सी. सीनियर डिवीजन महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए एवं जूनियर डिवीजन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियो के लिये है। जो विद्यार्थी एन.सी.सी. में भर्ती होते हे कैडेट कहलाते है। श्री विजय सिंह कुलसचिव ने अपने सम्बोधन में कहा कि एन.सी.सी. के बहुत लाभ है यह देश के नव युवकों को अनुशासित कर्तव्यनिष्ठ और शरीर से योग्य बनाता है। डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने कहा कि सीनियर डिवीजन एक कैडेट को ड्रिल, शस्त्र संचालन, व्यू रचना, आत्मरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा और नागरिकता का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत कीर्ति एवं अंशुल के द्वारा देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया गया। बुंदेलखण्ड का प्रमुख लोकनृत्य बधाई की प्रस्तुति ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया यह नृत्य योग्यता राजा परमार, दीक्षा यादव, रचना अहिरवार, अनन्या राजा, हर्षवर्धन सिंह, राजदीप सिंह परमार, गजराज प्रजापति एवं संतोष पटेल के द्वारा प्रस्तुत किया गया। देशभक्ति समूह गान संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री सिमरनजीत सिंह के निर्देशन में शशांक सिंह परमार, कुलदीप विश्वकर्मा, राजदीप सिंह परमार तथा देश प्रेम से ओतप्रोत कविता गजराज प्रजापति, छाया प्रजापति एवं दीपेश राजा परमार ने प्रस्तुत की वहीं ओजस्वी भाषण स्वाती बुंदेला ने प्रस्तुत किया। 11 राजस्थान बटालियन एन.सी.सी. अजमेर द्वारा एक सप्ताह का ऑल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग एम्सपीडिडिशन अजमेर ट्रेक 2021 आयोजित किया गया था जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट मानसी सिंह, स्वाती बुंदेला, लवली राजा, अंशुल परमार, मेघा कुशवाहा, रोशनी साहू, प्रसन्नता यादव, सीमा राजपूत, रश्मी पटेल एवं अनन्या राजा सामिल हुये थे को अतिथियों द्वारा प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सह. प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं विभिन्न विभागों के छात्र छात्रायें और एन.सी.सी. कैडेट उपस्थित रहे। आभार महिला ट्रेनर निशा राजा बुंदेला ने किया।





4.68 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों से कराया अवगत

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित दिशा निर्देशों, कार्यों और फायदों की आवश्यक जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की सामाजिक गतिविधियों का विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना पुरूष एवं महिला इकाई के द्वारा किये गए कार्यों का विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट ने स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, एवं विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीएस राजपूत (वरिष्ठ प्राध्यापक) ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि उपकुलपति श्री त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में एनएनएस के चिन्ह के बारे में बताया कि यह कोणार्क के सूर्य मंदिर के रथ के पहिए से लिया गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना के बैज में कोणार्क व्हील आठ बार होता है जो दिन के चौबीस घण्टों का संकेत देता है। इसे पहनने वाले को राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार रहने की याद दिलाना होता है। बैज में लाल रंग स्वंय सेवकों द्वारा प्रदर्शित ऊर्जा और भावना को दर्शाता है नीला रंग उस ब्रम्हाण्ड को दर्शाता है जिसमें NSS एक छोटा सा हिस्सा है। कुलसचिव श्री सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष साप्ताहिक कार्यक्रम शिविर के द्वारा सम्पूर्ण भारत वर्ष में किया जाता है। जिसमें शिविर के प्रतिदिन की दिनचर्या के बारे में बताया। वहीं परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजपूत ने एनएसएस की नियमित गतिविधि के माध्यम से प्रत्येक स्वयं सेवक एक व्यक्ति को भी साक्षर कर दें तो यह समाज सेवा होगी। उन्होंने बताया कि NSS के किसी भी कार्यक्रम में स्वागत के समय पुष्प एवं पुष्पमालाओं का उपयोग नहीं करते हैं। इसके स्थान पर NSS के बैज लगाकर स्वागत किया जाता है। "मैं नहीं, लेकिन तुम" के अर्थ को बहुखूबी तरीके से उपस्थित विद्यार्थियों को समझाया। शिविर और एनएसएस के ताली बजाने के तरीके को सिखाया।

कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार व्यक्त कु. वर्षा यादव कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई ने किया। इस अवसर पर श्री ओमकार तिवारी, श्रीमती पूनम चौरसिया, श्रीमती वंदना शुक्ला, श्रीमती रेनू झा, श्रीमती सत्यवती चौरसिया, कु. अनुप्रिया नामदेव, कु. प्रिंसी पाठक, कुं. नीतू अहिरवार, कु. प्रतीक्षा तिवारी के अतिरिक्त समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.69 जी-20 के कार्यक्रमों की जागरूकता के लिए चयनित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर का नाम जी–20 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों की जागरूकता के लिए सम्मिलित किया गया है। इस वर्ष भारत को जी–20 की अध्यक्षता करने का मौका मिला है। इस कार्यक्रम को विदेश मंत्रालय एवं विकासशील अनुसंधान और सूचना प्रणाली ने जागरूकता के लिए भारत के 75 विश्वविद्यालयों को संयोजन की कमान सौंपी है। उन 75 विश्वविद्यालयों में से एक विश्वविद्यालय छतरपुर मध्य प्रदेश का श्री कृष्णा विश्वविद्यालय है। भारत के 75 विश्वविद्यालयों मे से श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का होना एक उत्कृष्टता का उदाहरण है। जो अपने कार्य के प्रति हमेशा से सजग एवं कार्यशैली के लिए विख्यात रहा है। ऐसे विश्वविद्यालय को जी–20 कार्यक्रम की जागरूकता विभिन्न क्षेत्रों प्रसारित करने पर अभूतपूर्व प्रसन्नता हो रही है।

भारत को औपचारिक तौर पर आज जी–20 की अध्यक्षता मिल गई है। भारत अगले एक साल के लिए इस ताकतवर समूह का नेतृत्व करेगा। अगले एक साल में 50 से ज्यादा जगहों पर जी–20 के अलग–अलग कार्यक्रम होंगे। भारत सरकार ने इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। भारत की जी–20 की अध्यक्षता दुनिया में एकता की भावना को बढ़ावा देने का काम करेगी। जी–20 के लिए हमारी थीम "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है"। ये सिर्फ एक नारा ही नही है अपितु मानवीय परिस्थितियों में उन बदलावों को ध्यान में रखता है, जिनकी सराहना करने में हम विफल रहे हैं। भारत में जर्मनी के राजदूत पी एकरमैन ने कहा, 'भारत को जी–20 की अध्यक्षता से काफी उम्मीदें हैं। मुझे यकीन है कि भारत एक उपयोगी अध्यक्षता का प्रबंधन करेगा। हमें विश्वास है कि भारत अच्छे दृष्टिकोण के साथ सामने आएगा और विश्वास है कि एक बार शिखर सम्मेलन होने पर हम अच्छा देखेंगे।' वहीं भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा कि इस समय जी–20 की अध्यक्षता करने के लिए भारत बिल्कुल सही देश है, क्योंकि भारत एक ऐसा देश है, जो इस कठिन समय में सभी देशों को एक साथ ला सकता है। खासकर जब दुनिया बड़ी समस्याओं का सामना कर रही है।

इस उपलब्धता के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट, उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह का सभी ने तहेदिल से स्वागत किया।

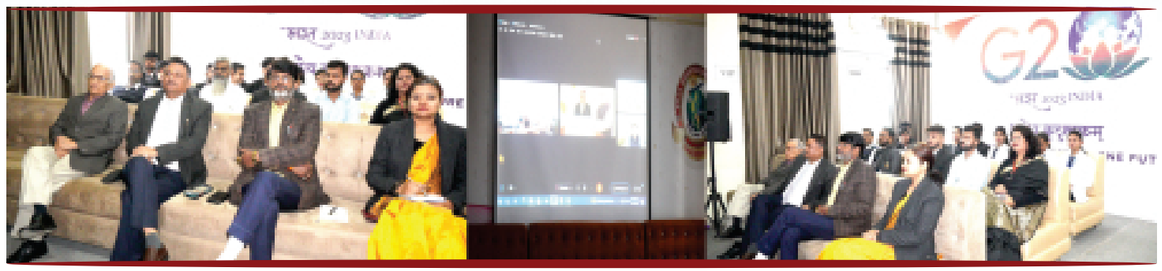

4.70 करियर एवं प्लेसमेंट वर्कशॉप का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में करियर एवं प्लेसमेंट एसिस्टेंस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें वाधवानी एजुकेशन सोसायटी, भोपाल के प्रमुख श्री ललित कुमार वाधवानी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। जिनके द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को करियर एवं रोजगार प्राप्त करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया। जिसे उपस्थित विद्यार्थियों ने अत्यधिक सराहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लगभग 145 विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं आयोजन को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट ने विद्यार्थियों के हितार्थ बताया।

आयोजन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री ललित कुमार वाधवानी एवं विशिष्ट अतिथि श्री मति हेमलता, कु. निशा साहू एवं डॉ. विजय चतुर्वेदी ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

आयोजन से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का मंचन किया गया जिसमें उपस्थित विद्यार्थियों द्वारा सही जवाब देने पर उनको संस्था द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अविश्वरणीय अवसर पर वाधवानी एजुकेशन सोसायटी की ओर से कुलसचिव श्री विजय सिंह जी को स्मृति चिन्ह एवं श्री ललित कुमार वाधवानी जी द्वारा लिखित पुस्तक "जीवन: क्या, क्यों और कैसे" को भेंट किया गया।

इस अवसर पर मंच संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी एवं श्री ओमकार तिवारी ने आभार व्यक्त किया। आयोजन में डॉ. नीना चौरसिया, श्रीमती रेनू झा, कु. अजंली मिश्रा, अकिंता मिश्रा, गुंजन निगम, श्री नीलेश अनुरागी, श्री राममिलन, श्री अजय शर्मा के अतिरिक्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

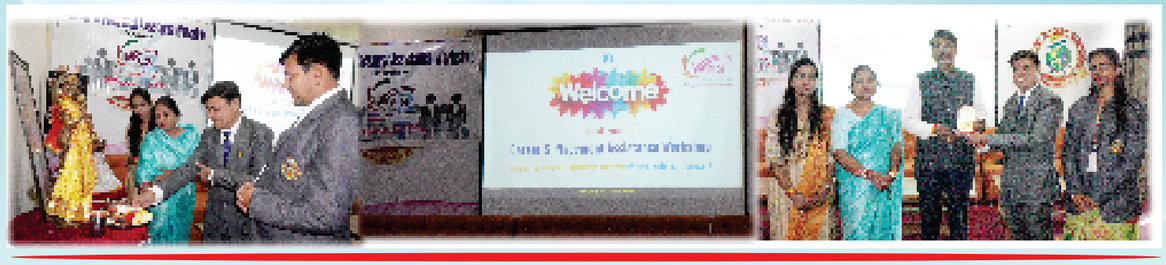

4.71 विधि विभाग द्वारा किया गया मूट कोर्ट का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग के तत्वावधान में अधिवक्ता दिवस के उपलक्ष्य में मूट कोर्ट रूम में कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का शुभारम्भ भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं संविधान निर्मात्री सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ।

कार्यशाला में अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में विधि विभाग के डीन डॉ. एल. पी. सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुबेर सिंह उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्वागत भाषण विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह, आभार व्यक्त विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक शैलेन्द्र सिंह एवं संचालन विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक ने किया। कार्यशाला में 'अवयस्क द्वारा किये गये करार प्रारम्भत: शून्य होते है' के विषय पर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मूट कोर्ट में विधि विभाग के छात्र–छात्राओं की चार टीमें (A) विजया राजे तिवारी– कमरून निशा, (B) सत्यम– सुभाष, (C) नेहा– स्नेहा, (D) लीला– शांति द्वारा सहभागिता अपीलीय न्यायालय में प्रस्तुत की गई। मूट कोर्ट टीमों को अतिथि गणों द्वारा मूट कोर्ट प्रस्तुति पश्चात् प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये। कार्यशाला में विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक चन्द्रदीप सिंह, रवि विश्वकर्मा सहित विधि विभाग के छात्र–छात्राऐं मौजूद रहे।

विधि विभाग द्वारा अधिवक्ता दिवस पर मूट कोर्ट रूम में कार्यशाला के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट, उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने शुभकामनाऐं दी।





4.72 चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल पर व्याख्यान का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनिमायक आयोग के सदस्य एवं चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल के प्रमुख डॉ. सचिन तिवारी जी ने श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर पहुंचकर चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल सैकड़ों छात्र छात्राओं को सम्बोधित किया। विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक भवन में माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, समस्त प्राध्यापक एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।

डॉ. सचिन तिवारी जी ने चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल पर होने वाले भोपाल में नवनिर्मित रविन्द्रनाथ टैगोर भवन की विस्तृत जानकारी देते हुये अपने व्याख्यान में कहा कि फिल्म समाज का आईना है। कतिपय पुरानी फिल्मों में सामाजिक विघटन को दिखाया जाता है जो भारतीय संस्कृति के अनुकूल नहीं है। समाज में घटित घटनाओं का चित्रण कथानक एवं अभिनय के माध्यम से फिल्मों में दिखाया जाता है। इसके पहले भारतीय चित्र साधना का चित्र भारती फिल्म फेस्टिबल इंदौर, दिल्ली और गुजरात में आयोजित हो चुका है। आगामी फरवरी 2022 में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के इस फिल्मोत्सव का यह चौथा संस्करण होगा। भोपाल में होने जा रहे तीन दिवसीय समारोह में देश भर के प्रख्यात फिल्मकार और कलाकार जुटेंगे, फिल्म का प्रत्येक संस्करण सामाजिक और राष्ट्रीय प्रासंगिकता के विषयों पर प्रविष्टियां आमंत्रित करता है। यह वर्ष भारत की स्वतंत्रता को याद करने के लिये "भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष्ह और 'स्वाधीन भारत के 75 वर्ष्ह समेत दस विषयों पर प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं, जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने भी भागीदारी सुनिश्चित की है।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि चित्र भारती फिल्म फेस्टिबल ने भारतीय परम्परा, सांस्कृतिक मूल्यों, लोककला, स्वच्छता को कैम्पस, एनीमेशन एवं शॉर्ट फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया है। विश्वविद्यालय चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि चित्र भारती फिल्म फेस्टिबल नवयुवकों को फिल्म में कैरियर बनाने के तमाम अवसर प्रदान करता है जिनमें म्यूजिक कम्पोजर, ऐक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटर एवं विज्ञापन के क्षेत्र में अपार संभावनाऐं है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. सचिन तिवारी जी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. वृजेंद्र सिंह गौतम ने सम्मानित किया तथा आभार कुलसिचव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुवे उपकुलसचिव ने किया।



4.73 डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर हुई संगोष्ठी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. बी. एस. राजपूत, डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. एल. पी. सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात् डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पार्पण कर श्रृद्धांजलि दी। संगोष्ठी आयोजन का मार्गदर्शन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम एवं चेयनमेन डॉ. पुष्येन्द्र सिंह गौतम ने किया।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी. एस. राजपूत ने अपने वक्तव्य में बताया कि जातिभेद एक सामाजिक बुराई पहले रही है। जिसे आज भी कही न कही लोगों के द्वारा महत्व दिया जाता है। डॉ. अम्बेडकर साहब के द्वारा अश्पृश्ता के अंत को मौलिक अधिकारों के रूप में जगह दी गई है। जिसे पूरी तरह से स्वीकार कर लेना ही संविधान के प्रति तथा अम्बेडकर साहब के प्रति सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। आने वाले समय में योग्यता ही आधार बनेगी, न की जाति। यह बात अम्बेडकर के विचारों की दूरदर्शिता का परिणाम है जोकि पूर्ण होता दिख रहा है। साथ ही उनके विचारों भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है लेकिन राजनैतिक दलों द्वारा धर्म को आधार बनाकर माहौल खराब किया जा रहा हैं जो कि संविधान के अनुकूल नहीं है। तत्पश्चात् डॉ. आनन्द चौरसिया द्वारा उनके जीवन, शिक्षा तथा उनके सामाजिक विचारों पर प्रकाश डाला। डॉ. आशीष तिवारी ने बताया कि बी.आर. अम्बेडकर ने अपना पूरा जीवन समाज के सबसे दलित, शोषित, वंचित तबके के उत्थान के लिए संघर्ष में गुजारा। जिसका परिणाम आज का समाज बेहतर जीवन व्यतीत कर रहा है। डॉ.विजय चतुर्वेदी द्वारा संविधान की आत्मा संवैधानिक उपचार जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है उसे विस्तार से लोगो के समक्ष प्रस्तुत किया। श्रीमती भुवानीबाई द्वारा अम्बेडकर साहेब के संघर्षों तथा प्रारूप समिति के रूप में उनकी भूमिका को अभिव्यक्त किया। और बताया कि इसका परिणाम है कि आज हमारा देश लोकतांत्रिक मूल्यों की कद्र करते हुये निरंतर प्रगति पर अग्रसर है।

संगोष्ठी के आयोजन का संचालन डॉ. विजय चतुर्वेदी ने एवं आभार डॉ. नीना चौरसिया ने व्यक्त किया। आयोजन के दौरान डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, श्री अभिषेक पाठक, श्री प्रशांत अवस्थी, श्री सचिन चौरसिया, श्री दिलीप चौरसिया, कुमारी सुरूचि असाटी, कुमारी. अनुप्रिया नामदेव, श्रीमती सोनाली चंदेल, श्रीमती भक्ति अग्रवाल, श्री राममिलन विश्वकर्मा, कुमारी हिमांशी सोनी के अतिरिक्त प्राध्यापकगण एवं सूजन खान, सान्या मिश्रा, खुशी मटेले, मुस्कान गुप्ता, संदीप कुमार, गजराज प्रजापति, काजल यादव, आकाश गौतम सहित अन्य छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.74 शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से बाल यौन शोषण पर दिया संदेश

भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत के संरक्षण एवं संबर्धन के लिये समर्पित कथक नृत्यांगना संचिता लाहोटी ने कर्नाटक से आकर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में कृष्ण आराधना, बाल यौन शोषण नृत्य चित्रण एवं तराना की प्रस्तुति नृत्य के माध्यम से दी। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन से अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि पंकज रिछारिया, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, समस्त स्टॉफ एवं छात्र – छात्रायें उपस्थित रहे।

संचिता लाहोटी ने शास्त्रीय नृत्य कत्थक के माध्यम से पूरे भारत, दुबई, इण्डोनेशिया, अमेरिका, चेकोस्लोवाकिया तथा नेपाल देशों में बेटी बचाओ, बाल यौन शोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चित्रण कर समाज को जागरूक किया। आपकी प्रारंभिक शिक्षा कलकत्ता एवं उच्च शिक्षा कलकत्ता तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में हुयी। आपने वर्ल्ड कल्चर फैस्टिबल, कटक महोत्सव इण्डियन क्लासिकल डांस एवं म्यूजिक फैस्टिबल खजुराहो, आर्ट ऑफ लिविंग, गोवाहाटी, बांसुरी डांस फैस्टिबल में अपनी प्रस्तुति दे चुकी है वहीं आपको राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा नृत्य मयूरी, नृत्य भारती, नृत्य ज्योति, गोदावरी अकादमी, नृत्य शिरोमणी 2021 से नवाजा गया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि पंकज रिछारिया, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, ई. एस. डब्ल्यू प्रबंधन निदेशक श्रीमती वंदना दुबे ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने किया।





4.75 राष्ट्रीय शिक्षानीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर कार्यशाला

भारतीय शिक्षा मण्डल महाकौशल प्रांत एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के संयुक्त तत्वधान में राष्ट्रीय शिक्षानीति में शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08 दिसंबर 2021 को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता माननीय श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी, अखिल भारतीय संगठन मंत्री भारतीय शिक्षा मण्डल, विशिष्ट अतिथि माननीय डॉ. भरत शरण सिंह अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय विनिमायक आयोग भोपाल, प्रो. टी. आर. थापक कुलपति महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, डॉ. अनिल धगट कुलपति, डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम कुलाधिपति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय सहित स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एम्बेसडर डॉ. नंदिता पाठक, कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजा अर्चन के साथ हुआ। अतिथि देवो भव: की परंपरा का निर्वाहन करते हुये माननीय श्री मुकुल कानिटकर जी का पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया एवं सम्मान स्वरूप शौर्य का प्रतीक तलवार एवं शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह से चैयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने सम्मान किया। डॉ. भरत शरण सिंह, डॉ. टी.आर. थापक, डॉ. अनिल कुमार धगट, डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम जी का शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस व्याख्यान कार्यक्रम में माननीय श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी के कर कमलों द्वारा डॉ. अश्वनी कुमार दुबे द्वारा लिखित पुस्तक "टूल्स एण्ड टेक्निक इन बायोलॉजी" पुस्तक का विमोचन किया गया एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित लघु फिल्म "पहल", गांव खुशहाल देश खुशहाल के पोस्टर का विमोचन माननीय अतिथिगणों द्वारा किया गया। संगठन गीत, कुलगीत के उपरांत स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय का परिचय चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र गौतम ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और ज्ञान वही है जो मुक्त करे अर्थात अन्य ज्ञान कारीगरी मात्र है। नई शिक्षानीति में शिक्षकों की अहम भूमिका है जिसका निर्वाहन प्रत्येक शिक्षक को करना होगी। पांच वर्ष की कठिन तपस्या और कई विद्वानों के विचारों के मंथन के फलस्वरूप यह नीति क्रियान्वयन में आई। यह लोकतांत्रकि ढंग से तैयार की गई प्रथम शिक्षानीति है इससे पूर्व की शिक्षानीति अंग्रेजी पद्धति पर आधारित थी । गुरूकुल में हमारी शिक्षा समाज पोषित थी जिसमें शिष्यों के द्वारा अपनी आमदनी का दसवां हिस्सा अपने गुरूकुल को भेंट करते थे जिससे गुरूकुल सुचारू रूप से संचालित होते थे। यदि यही परंपरा आज प्रचलित कर दी जाये तो हमारे संस्थाओं को कहीं से भी अनुदान लेने की आवश्यकता नही पड़ेगी।

नीति सरकार की नहीं राष्ट्र की होती है 66 पृष्ठों की नवीन शिक्षानीति भविष्य में मील का पत्थर साबित होगी जिसका प्रत्येक पृष्ठ प्रत्येक व्यक्ति को यह आभाष कराता है कि यह उनके विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण नीति है। भारतीय शिक्षा मंडल की ओर से उन्नीस बिन्दु नीति आयोग को सौंपे गये थे जिसको इसमें शामिल किया गया है। आपने यह भी कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक को चाणक्य की तरह और विद्यार्थी को एकलव्य की तरह होना चाहिए क्योंकि नीति शब्दों में नहीं आचरण में लाई जाती है जो सही दिशा में ले जाती है। इसका अनुसरण करते हुये हम भारत को विश्व गुरू बना सकते हैं। शिक्षा को ग्रहण करने के लिए विद्यार्थियों में श्रृद्धा का होना अतिआवश्यक है और श्रृद्धा हृदय में तब तक उत्पन्न नहीं होगी जब तक हम ब्रह्मचर्य का पालन न करें। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए ब्रह्मचर्य अर्थात इंद्रियों का नियंत्रण करना जिसमें वर्तमान समय में मोबाइल का उपयोग सीमित करना शामिल है। मोबाइल ने आज के समय में विद्यार्थियों को दिग्भ्रमित कर दिया है। शिक्षक, शिक्षक होता है वह प्रत्येक शिष्य के जीवन निर्माण की आधारशिला होता है इसलिए उनका सम्मान होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. भरत शरण सिंह ने नई शिक्षानीति एवं इसमें शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमारे शिक्षकों को शैक्षणिक संस्थानों में इसके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए आपने स्वच्छता पर भी प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत को स्वच्छ रखने के लिए भारत की जनसंख्या ही पर्याप्त है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने कहा कि शिक्षा समाज का दर्पण होता है शिक्षा से विद्यार्थियों में संस्कार एवं स्वलंबन की भावना जाग्रत होती है। नई शिक्षानीति आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रांत संगठन मंत्री दयानिधि उर्मलिया द्वारा कल्याण मंत्र लिया गया एवं राष्ट्रगीत श्री सिमरनजीत सिंह के निर्देशन में नर्सिंग, एजूकेशन, फार्मेसी एवं स्टेनों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसको सामूहिक रूप से गाया गया। आभार डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम कुलाधिपति ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम उपरांत समस्त अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में बोधि वृक्ष श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी, रूद्राक्ष वृक्ष डॉ. भरत शरण सिंह जी एवं शमी वृक्ष श्री दयानिधि जी द्वारा रोपित किया गया।







www.skuindia.ac.in

4.76 कृषि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने किचन गार्डन के पौधों का किया वितरण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के कृषि विज्ञान संकाय के छात्र– छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय के कृषि प्रक्षेत्र में विभिन्न हॉर्टीकल्चर पौधे जैसे– टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं बैगन आदि की नर्सरी किचन गार्डन को बढावा एवं उसके लाभ को ध्यान में रखते हुये तैयार की गयी। सर्वप्रथम विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह की उपस्थिति में बी.एस.सी. कृषि के छात्र – छात्राओं ने पौध वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके तहत शहर की ग्रीन ऐवन्यु कॉलोनी में छात्र– छात्राओं ने टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं बैगन आदि के पौधे प्रत्येक घर में अपने अपने परिचय एवं किचिन गार्डनिंग की उपयोगिता के साथ वितरित किये। प्रो. ए.पी. सक्सेना पूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, जवाहर लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांदा ने किचन गार्डनिंग की महत्वता को समझाया एवं छात्रों को मसरूम की खेती के बारे में बताया तथा मसरूम के बीज उपहार स्वरूप दिये। ग्रीन ऐवन्यु के प्रतिष्ठित नागरिक श्री पंकज रिछारिया सहित समस्त ग्रीन ऐवन्यु कॉलोनी के निवासियों ने छात्र छात्राओं की इस पहल को सराहा एवं प्रशंसा की।

उक्त कार्य में कृषि विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, विभागाध्यक्ष शिवराज सिंह सहित समस्त प्राध्यापक, समस्त छात्र – छात्रायें कृषि विज्ञान संकाय उपस्थित रहे। डॉ. आकाश सिंह ने समस्त छात्र छात्राओं के साथ कॉलोनी के निवासियों को पौध वितरण के दौरान किचन गार्डनिंग के महत्व को बताते हुये कहा कि किचिन गार्डनिंग के माध्यम सब्जियां आसानी से स्वच्छ एवं ताजा प्राप्त हो सकेंगी। यह स्वास्थ्य के दृष्टि कोण से उत्कृष्ट है ही परन्तु इसके साथ साथ हमें घर के आस–पास हरा भरा सौंदर्यपूर्ण वातावरण प्राप्त होता है।







4.77 विश्वविद्यालय में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में भारतीय भाषा उत्सव दिवस मनाया गया। यह उत्सव प्रत्येक वर्ष 11 दिसम्बर को महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनाया जाता है। इस वर्ष भारतीय भाषा उत्सव दिवस का विषय "मेरी भाषा, मेरा हस्ताक्षर" पर आधारित रहा। उत्सव दिवस निर्धारित विषय पर मनाने के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

भारतीय भाषा उत्सव दिवस का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं विशिष्ट अतिथि उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

भारतीय भाषा उत्सव दिवस पर "मेरी भाषा, मेरा हस्ताक्षर" विषय पर भाषण प्रतियोगिता, शास्त्रीय संगीत, जातीय परिधान, भारतीय भाषा पर आधारित प्रदर्शनी सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय के विद्यर्थियों ने अपने प्रदर्शन को बखूबी तरीके से प्रदर्शित कर उपस्थित समुदाय का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में कमी नही छोड़ी।

प्रतियोगिताओं में विभिन्न संकाय के 192 विद्यार्थियों ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतियोगियों को विश्वविद्यालय की तरफ से स्मृति चिन्ह द्वारा पुरूष्कृत एवं अन्य को सांत्वना पुरूष्कार से पुरूष्कृत किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती रेनू झा के निर्देशन में किया गया। जिसमें मंच संचालन एवं आभार व्यक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण निष्ठा से किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ.विजय चतुर्वेदी, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, डॉ. आशीष तिवारी, श्री चंद्रदीप सिंह, श्रीमती भक्ति अग्रवाल, पूनम चौरसिया, दीप्ति सेठ, श्रीमती सत्यवती चौरसिया सहित समस्त प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.78 कृषि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के कृषि विज्ञान संकाय के बी.एससी. – (ऑनर्स) के विद्यार्थियों ने शैक्षिणक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांव जो कि जबलपुर कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध है का एक दिवसीय शैक्षिणक भ्रमण किया। शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में जा रहे विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल धगट ने वार्ता के दौरान कुछ सुझाव के साथ अपने ज्ञान को बढ़ाने एवं ऐसे शैक्षणिक भ्रमण करते रहने के लिये जागरूक किया। वहीं कुलसचिव श्री विजय सिंह ने विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित जानकारी एवं विकास का आकार प्रायोगिक कार्य करके ही प्राप्त होना बताया। तत्पश्चात् डॉ. धगट एवं श्री सिंह ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती एवं कृषि से संबंधित सभी विधाओं की जानकारी से अवगत कराया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र नौगांव के प्रमुख डॉ. राजीव कुमार वरिष्ट वैज्ञानिक ने अपने वक्तव्य से भ्रमण कर पहुंचे विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। वहीं संस्था के उद्यान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. कमलेश अहिरवार ने विद्यार्थियों को कृषि से

www.skuindia.ac.in

संबंधित विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। साथ ही डॉ. अहिरवार ने अपने द्वारा किये गये कृषि संबंधित प्रायोगिक कार्यो से छात्रों को रूबरू कराया। उन्होंने आम, कटहल, टमाटर, मिर्च, बैंगन इत्यादि समस्त सब्जियों, फलदार वृक्षों में कटिंग एवं बटिंग, नयी पौध तैयार करने की समस्त विधियों की जानकारी प्रायोगिक रूप से करके दिखाई।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ विभागाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, श्री अंशुल प्रताप सिंह, श्री शिवराज सिंह, श्री शिवम नायक, श्री राहुल दीक्षित, श्री संतोष पटेल सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।





4.79 एन.सी.सी. बटालियन में किया किचन गार्डन तैयार

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के कृषि विज्ञान संकाय के छात्रों द्वारा 25 एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन में लगभग 100 विभिन्न हॉर्टीकल्चर पौधे जैसे– टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं बैगन आदि की नर्सरी किचन गार्डन के रूप में रोपित किये गये। ये पौधे बटालियन के कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान, लेफ्टिनेंट कर्नल आर. के. गोयत सहित समस्त अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, सहायक प्राध्यापक शिवराज सिंह, शिवम नायक, अंशुल सिंह, विश्वविद्यालय एन सी सी अधिकारी गौरव शर्मा, विद्यार्थी रोहित सिंह यादव, शिवम मिश्रा, सूरज चौहान, सतीश सोनकिया, हिमांशु असाटी, रोहित पटेल द्वारा पौधे रोपे गये। इस कार्य के लिये बटालियन कर्नल, लेफ्टिनेंट कर्नल ने छात्रों का मनोबल बढ़ाया। छात्रों ने विश्वविद्यालय के कृषि परिक्षेत्र में लगाये गये सब्जियां जैसे मूली, चुकन्दर इत्यादि उपहार स्वरूप भेंट की, उन्होंने बताया कि अब हमें किचिन गार्डनिंग के माध्यम सब्जियां आसानी से स्वच्छ एवं ताजा प्राप्त हो सकेंगी। यह स्वास्थ्य के दृष्टि कोण से उत्कृष्ट है ही परन्तु इसके साथ साथ हमारी बटालियान के आस–पास हरा भरा सौंदर्यपूर्ण वातावरण होगा।

इस कार्य के लिये विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे कृषि विज्ञान संकाय के छात्र – छात्राओं को बधाईयां प्रेषित किया।



4.80 महिला यौन उत्पीड़न पर सेमीनार का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं से छेड़छाड़ एवं यौन उत्पीड़न विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई– दिल्ली के निर्देशानुसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे सहित समस्त प्राध्यापक एवं छात्र – छात्रायें उपस्थित रहीं।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने इस अवसर पर कहा कि हमें सभ्य समाज के निर्माण के लिये अनुशासित एवं संवेदनशील रहने की आवश्यकता है। शैक्षणिक संस्थाऐं एवं जहाँ पर हम कार्य करते है वहाँ पर पारिवारिक व्यवहार, सकारात्मक माहौल उत्पन्न करता है। उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि जब हमारे आत्म सम्मान को ठैस पहुंचती है या कोई ठेस पहुंचाने का प्रयास करता है हमारे अंदर चिड़चिड़ापन आ जाता है तो हम असहज महसूस करने लगते है अच्छे सम्बंध अच्छे जीवन का परिचायक होता है परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत ने अपने जीवन के शैक्षणिक अनुभव को सांझा करते हुये बताया कि छात्र– छात्राओं में अनुशासन की भावना जीवन पर्यंत होना चाहिए जो एक अच्छे समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये आवश्यक है। प्राध्यापक प्राणी शास्त्र एवं उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय– समय पर विश्वविद्यालय को इस तरह के आयोजन हेतु निर्देशित किया जाता है जिसको विश्वविद्यालय में प्रभावी तरीके से आयोजित किये जाते है। आपने बताया कि छात्र छात्राओं के साथ कोई किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटती है तो उसे अपने परिवार के सदस्य माता पिता या भाई– बहन को बताना चाहिए जिससे सकारात्मक कदम उठाये जा सकें। ऐसे कार्यक्रमों से एक वेहतर समाज के लिये दिशा मिलती है। श्रीमती रेनु झां सहायक प्राध्यापक ने प्रिजेंटेशन के माध्यम से महिला यौन उत्पीड़न पर विस्तार से बताया आपने कार्यस्थल तथा शैक्षणिक संस्थानों में यौन उत्पीड़न को रोकने के लिये या इससे बचने के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिये। यौन उत्पीड़न को रोकने के लिये विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उठाये जा रहे आवश्यक कदमों के बारे में भी छात्र – छात्राओं को अवगत कराया। आभार प्रदर्शन डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने किया।





4.81 सुशासन समागम कार्यक्रम में शामिल हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के छात्र

दिनांक 13/12/2022 को भोपाल में आयोजित होने वाले एकदिवसीय सुशासन समागम कार्यक्रम में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एनएसएस के छात्र तौफीक खान तथा रजनीश पांडे ने कार्यक्रम में सहभागिता की जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं को समाज सेवा करने के लिए उद्वबोधित किया तथा समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को सराहना की और G20 के बारे में समझाया इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के संपूर्ण 52 जिलों से नेहरू युवा केंद्र ,राष्ट्रीय सेवा योजना, गांधी फैलोशिप ,जनसंपर्क समिति आदि अनेक संस्थाओं से लगभग 1200 समाजसेवीयो ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस उपलब्धि हेतु विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं कुलपति डॉ. अनिल धगट, उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने छात्रों को शुभकामनाऐं देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



4.82 राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के आयोजन का शुभारंभ

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में 30 वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बाल वैज्ञानिकों में से मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि को मनोनयित किया जाना बहुत बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम का शुभारंभ बाल वैज्ञानिकों से राजवर्धन गौतम बाल अध्यक्ष, साक्षी शर्मा बाल मुख्य अतिथि एवं सौम्य मौर्य बाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों के साथ विश्वविद्यालय कुलाधिपति बृजेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. एन. के. तिवारी सैम विश्वविद्यालय रायसेन, कुलपति डॉ. अनिल धगट, डॉ. संध्या वर्मा सचिव, कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ. प्रवीण तामोट एवं श्री के. के. तिवारी शिक्षा विभाग ने माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण उपरांत दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना कर किया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के राज्य स्तरीय आयोजन में मध्यप्रदेश के 250 बाल वैज्ञानिकों ने आयोजन प्रथम दिवस उत्सुकता के साथ अपनी–अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम स्वयंसेवी संस्था सांइस सेंटर ग्वालियर के मार्गदर्शन में भारत सरकार की राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के सहयोग से किया जा रहा है। इस संस्था का नाम इंडियन साइंस कांग्रेस की तर्ज पर नेशनल चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस रखा गया। जो वर्ष 1990 से कार्यरत है। इस संस्था का शुभारंभ मात्र पन्द्रह बाल वैज्ञानिकों के सहयोग से हुआ था। मध्यप्रदेश से प्रारंभ हुयी यह गतिविधि आज पूरे भारत में होती है तथा राष्ट्रीय आयोजनों में एशियन मुल्कों के बच्चे भी भागीदारी करते है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि बाल वैज्ञानिकों ने अपने–अपने विचार रखकर सभी को प्रफुल्लित किया। वही विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. गौतम ने बताया कि विषम परिस्थितियों में किसी की खोज की जा सकती है। पर विषम परिस्थितियों में वैज्ञानिक बनना ही उपलब्धि है। वैज्ञानिक रूपी खोज के समय प्रयोग करते समय आत्मविश्वास होना आवश्यक है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में आयोजित होने वाले कार्यक्रम वैज्ञानिक शोध पर आधारित होते हैं जिसे बच्चे अपने क्षेत्र की समस्याओं को चुनकर, समस्याओं से संबंधित जानकारी को एकत्रित कर उसका विश्लेषण करके अपना शोध प्रस्तुत करते हैं। कुलपति डॉ. तिवारी ने बताया की हमारे वेदों में विज्ञान का पूर्ण समावेश है। हमारे हर धार्मिक कार्य में विज्ञान छिपा हुआ है। हमारे ऋषिमुनी बहुत

बड़े विज्ञानी थे वह विज्ञान को बहुत अच्छे से जानते थे। डॉ. तामोट ने कहा की बाल विज्ञान कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाओं के अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाओं में बाल वैज्ञानिक अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने आप को नहीं बदलेंगे तो हमारा रहना मुश्किल है पर्यावरण की बातें सिर्फ सम्मेलनों तक ही सीमित रह जायेंगी। इस आयोजन के दौरान *0 परियोजनों को चयनित कर राष्ट्रीय स्तर पर भेजा जायेगा। कुलपति डॉ. धगट ने अपने वक्तव्य में कहा की बाल विज्ञान जैसे संगठनों को विकसित करना चाहिए। नवाचार के माध्यम से नये–नये अविष्कार हों इसके लिये बाल विज्ञान केन्द्र ने यह वीडा उठाया है।

30 वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस – 2022 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संध्या वर्मा सचिव साइंस सेंटर ग्वालियर ने किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के जिलों के बाल वैज्ञनिकों सहित वहां के शिक्षकों के साथ विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।





4.83 बाल वैज्ञानिकों ने दूसरे दिन मॉडल एवम् शोध पत्र प्रस्तुत किए

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर एवं स्वयं सेवी संस्था साइंस सेंटर ग्वालियर मध्यप्रदेश के संयुक्त सत्वाधान में भारत सरकार की राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल के सहयोग से राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस–2022 राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन छतरपुर में पहली बार श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। *0वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस की थीम –स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन 17 दिसम्बर को आयोजित किया गया जिसमें रैली, ध्वाजारोहण, पोस्टर प्रजेन्टेशन, एक्टीविटी कार्नर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज आयोजन के दूसरे दिन बाल वैज्ञानिकों द्वारा बनाएं गए मॉडल प्रस्तुत किये गये। यह कार्यक्रम 10 से 17 आयु वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विश्व का अनोखा व प्रभावी कार्यक्रम है। छतरपुर के श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में इस समय बाल वैज्ञानिकों का महाकुंभ है, जिसमें बाल वैज्ञानिक एक स्थानीय समस्या पर मंथन करते हैं, उसे जानने व समझने का प्रयास करते हैं फिर समाधान निकालते हैं। 207 बाल वैज्ञानिकों ने अपने द्वारा निर्मित वैज्ञानिक मॉडलों, शोध पत्र एवम् पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रोजेक्ट को प्रस्तुत कर उनका मौखिक प्रस्तुतिकरण (ओरल प्रिजेंटेशन) किया। बाल वैज्ञानिकों ने शोध पत्र के माध्यम से विज्ञान, खगोल शास्त्र संबंधी जानकारी प्रदान की। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के छात्रों ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बनाए हुए ऐसे मॉडल को प्रस्तुत किया जिसके द्वारा वस्तुओं में मिलावट की पहचान की जा सकें। इस प्रयोग के माध्यम से खाद्य पदार्थों की मिलावट को कैसे पहचाने एवं कैसे दूर करें इसकी जानकारी प्रदान की इसके अतिरिक्त श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के छात्रों ने सौलर सिस्टम, मार्डन कृषि तकनीक, फायर अलार्म, रैन अलार्म एवं पवन चक्की के वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किये। छतरपुर के बाल वैज्ञानिक राजवर्धन सिंह गौतम ने हाइड्रोपोनिक्स (बिना मिट्टी के कृषि) के ऊपर अपना मॉडल एवं शोधपत्र प्रस्तुत किया। मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से आये बाल वैज्ञानिकों के द्वारा एक्वावेक्यूम क्लीनर, ऑटोमेटिड कार, डुअल एनर्जी यूटीलाइजेशन, मंदिर में चढ़ाये गये पुष्पों का प्रयोग इत्र बनाने में कैसे करें एवं व्यर्थ पुष्पों का खाद के रूप में प्रयोग किस प्रकार करें, पराली से डिस्पोजल कैसे बनायें एवं उपवास पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में विज्ञान संकाय के प्राध्यापक डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ. निकेत मिश्रा, डॉ. गौरव निगम, श्री योगेश द्विवेदी, श्रीमती नेहा यादव, कु. अल्का त्रिपाठी एवं प्रियंका शिवहरे उपस्थित रहीं। इस

निकेत मिश्रा, डॉ. गौरव निगम, श्री योगेश द्विवेदी, श्रीमती नेहा यादव, कु. अल्का त्रिपाठी एवं प्रियंका शिवहरे उपस्थित रहीं। इस कार्य्रकम में मध्य प्रदेश के भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, विदिशा, सागर आदि 47 जिलों से लगभग 200 विद्यालयों के 325 छात्र–छात्राओं एवं मध्यप्रदेश के सभी जिलों के जिला समन्वयक ने पंजीकरण किया था। 325 विद्यार्थियों में से 207 विद्यार्थियों को चयनित करके बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभाग करने का अवसर 30वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में हुआ। प्रस्तुत शोध पत्रों में से चयनित 30 शोध पत्र का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 27 जनवरी से 31 जनवरी तक अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश के विभिन्नजिलों से आये बाल वैज्ञानिकों ने नृत्य, भाषण, नाटक के साथ–साथ एक मैजिक शो का आयोजन भी छात्रों द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस – 2022 का समापन कल

तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस – 2022 का समापन 19 दिसम्बर 2022 को स्थानीय विधायक माननीय श्री राजेश शुक्ला द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन हेतु प्रमाण पत्र एवं शील्ड से सम्मानित किया जायेगा।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के जिलों के बाल वैज्ञानिकों सहित वहां के शिक्षकों के साथ छतरपुर के शिक्षा विभाग से सहायक संचालक श्री के.के. तिवारी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण के अतिरिक्त श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ. दीपा सिंह कुशवाह, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. आशीष तिवारी, सह–प्राध्यापक, डॉ. तोरण साहू, डॉ. विजय कुमार, श्रीमती वंदना शुक्ला, डॉ. नीना चौरसिया, श्रीमती रेनू झा, श्री शिवराज सिंह, श्री सचिन कुमार व्यास एवं कार्यक्रम समन्वयक श्री शिवेन्द्र सिंह परमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।





4.84 राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा दी जायेगी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर एवं स्वयं सेवी संस्था साइंस सेंटर ग्वालियर मध्यप्रदेश के संयुक्त सत्वाधान में भारत सरकार की राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल के सहयोग से राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस–2022 राज्यस्तरीय 30वें कार्यक्रम का आयोजन बच्चों के छिपी वैज्ञानिक प्रतिभा के प्रदर्शन का एक बेहतर मंच है। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में आयोजित इस जिला स्तरीय आयोजन में बाल वैज्ञानिको ने जो अपने प्रोजेक्ट्स बनाये उनमे मौलिकता, नवाचार और समाज की बेहतरी की चिन्ता भी दिखी। आज समापन दिवस पर पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, डॉ. एन.के. तिवारी कुलगुरू, सेम विश्वविद्यालय रायसेन, श्री हेमंत वर्मा अध्यक्ष, साइंस सेंटर एवं डॉ. प्रवीण तामोट राज्य अकामिक समन्वयक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम ने बाल वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए ने कहा कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है अत: नित नवीन विचार किसी के भी मन मस्तिष्क में कहीं से भी आ सकता है जो सामाजिक बदलाव का कारण बन सकता है। हम विज्ञान को अपने विचार और अपनी चिन्तन प्रक्रिया में जैसे और जितना साधते हैं चीज़ों को देखने और समझने की हमारी दृष्टि भी उतनी ही साफ़ और तेज़ हो जाती है। पर यह सिर्फ़ एक पहलू है, अगर चीज़ों को खुद समझने और समझा लेने तक ही पहुंचकर हम रुक जाते हैं, हमें बच्चों को विज्ञानवाद नहीं तर्कपरकता , संवेदनशीलता और भावनाओं की गहराई देनी होगी। तभी हम भविष्य के एक बेहतर समाज बनाने के अपने दायित्व को भी निभा पायेंगे। डॉ. संध्या वर्मा इस कार्यक्रम की सूत्रधार रहीं उन्होंने कहा कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। मैं विश्वविद्यालय के प्रबंधन एवं विश्वविद्यालय परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। जिन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बबोधन में कहा कि सभी बाल वैज्ञानिकों और उनके गुरुजनों को बहुत बहुत बधाई एवं आदरणीय निर्णायक मण्डल को हृदय की गहराइयों से आभार कि उन्होंने प्रतिभाओं को पहचान कर अच्छा निर्णय दिया। यही बाल वैज्ञानिक विज्ञान के क्षेत्र में नये अन्वेषण करके न केवल अपने परिवार का ही बल्कि देश का नाम भी रोशन करेंगे। इन बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा से प्रभावित होकर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की कोर कमेटी ने निर्णय लिया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभागिता करने वाले मध्यप्रदेश के सभी जिलों के विद्यार्थियों को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी। जिससे इन बाल वैज्ञानिकों के कर्मयोग में हम भी सहयोग कर सकें।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस– 2022 में विज्ञान रत्न सम्मान डॉ. शेखर सारभाई एवं डॉ. सुनील दुबे को प्रदान किया गया। डॉ. एम.पी. त्रिपाठी को विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उनकी स्मृति में उनके परिवार को सम्मान पत्र प्रदान किया। इन्हीं की स्मृति में इस वर्ष से प्रारंभ किया जाना वाला डॉ. एम.पी. त्रिपाठी स्मृति सम्मान श्री घनश्याम श्रीवास्तव को प्रदान किया गया। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस– 2022 में मध्यप्रदेश के 47 जिलों प्रतिभाग करने वाले सभी बाल वैज्ञानिकों को मैडल, प्रमाण–पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की ओर समस्त जिला समन्व्यक को शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

डॉ. एन.के. तिवारी कुलगुरू, सेम ग्लोबल विश्वविद्यालय, रायसेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस बच्चों में विज्ञान व अपने क्षेत्र के आसपास की समस्याओं को समझ कर उनके निदान की खोज का एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से बच्चे अपनी जिज्ञासा एवं मौलिक विचार, समाधान व भविष्य की परिकल्पनाओ को साकार करने की परियोजनाएं प्रस्तुत करते हैं। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं चैयरमेन का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस–2022 में अपना सहयोग प्रदान किया। माननीय चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम की घोषणा की प्रशंसा करते हुये कहा कि आज के समय में कुछ ही ऐसे व्यक्ति हैं जो शिक्षा को व्यवसाय न समझ कर दान समझते हैं इसी दानवीरता का उत्कृष्ट उदाहरण श्री कृष्णा विश्वविद्यालय है। यहां पर बिताये हमारे ये तीन दिवस इस वर्ष के स्वर्णिम दिन हैं। यहां पर प्रस्तुत किए गये सभी शोधपत्र गुणवत्तापूर्ण रहे हैं

राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए निम्न 30 बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया जिनमें वरिष्ठ बाल वैज्ञानिक – लक्ष्य राज सिंह – भोपाल, शिव शर्मा – ग्वालियर, रिचा पटेल – रीवा, योगेन्द्र सिंह – आगर मालवा, हर्षित सिंह – ग्वालियर, राजश्री परमार – देवास, सुदीप समझदार – पन्ना, दिलराज पटेल – सिंगरौली, शिखा पटेल – कटनी, प्रीति पटेल – नरसिंहपुर, आरव पांडे – छिंदवाड़ा, महक गुप्ता – आगर मालवा, अजय साहू – उमरिया, तनिष्क ढोले – भोपाल, सृष्टि राकेश – देवास, रितक कुर्मी – सागर, शिवांक विश्वकर्मा – सतना, राज कुशवाह – सतना, आकांक्षा वर्मन – कटनी, रोशनी पटेल – शहडोल, वेदांती तिवारी – बुरहानपुर एवं कनिष्ठ बाल वैज्ञानिक – विशाल पटवा – खरगौन, पाखी वर्मा – रीवा, आर्यव खरे – पन्ना, आरूष मित्तल – सिंगरौली, केशव वांकी – हरदा, गिरीराज अंक – भोपाल, साक्षी शर्मा – श्योपुर, काव्या सेंगर ग्वालियर एवं जयदीप पांडे – रायसेन हैं।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस–2022 की समन्वयक द्वारा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के इस कार्यक्रम के समन्वयक श्री शिवेन्द्र सिंह परमार एवं समस्त समितियों के समन्वयक डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. महेश अहिरवार, डॉ. आकाश सिंह, श्री शिवराज सिंह एवं रेनू झा को प्रमाण–पत्र एवं स्मृति चिन्ह के द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन राज्य समन्वयक डॉ. संध्या वर्मा ने किया और आभार छतरपुर जिला संयोजक बी.के. गुप्ता ने व्यक्त किया।

www.skuindia.ac.in





4.85 राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सामान्य असंचारी रोगों के रोकथाम व नियंत्रण संबधी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक "स्वास्थ्य परीक्षण शिविर" का आयोजन किया गया है। इस शिविर में डॉ. सुधांशु मिश्रा एवं उनकी टीम ने लगभग 180 स्वयंसेवकों का स्वस्थ्य परीक्षण किया। जैसे रक्त परीक्षण तथा रक्त चाप आदि रोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं स्वस्थ्य रहने के कई उपाय बताए। इस परीक्षण में नर्सिंग विभाग से डॉ. दीपेश सिंह , डॉ. रश्मि चौरसिया डॉ. प्रांति चतुर्वेदी, एवं पूजा पटेल की अहम भूमिका रही। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलसचिव विजय सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार एवं वर्षा यादव ने भी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी एवं प्रोत्सहित किया। इसके अतिरिक्त उपकुलपति गिरिश त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत तथा उपकुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार दुबे ने शुभकामनाएं दी एवं प्रश्न्नता व्यक्त की।



4.86 संकाय द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया

श्री कृष्णा विश्वविघालय के कृषि संकाय द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस के उपलक्ष्य में सेमीनार, प्रोजेक्ट मॉडल, रंगोली प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया इस कार्यक्रम में कृषि संकाय के छात्र छात्राओ ने बढ़ चढ कर हिस्सा लिया।

सभागार में आयोजित सेमिनार में माननीय कुलाधिपति डॉ बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उदबोधन में कृषि महत्वता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि जमीन से जुडा व्यक्ति संघर्षशील होता है देश की सवा सौ करोड से अधिक जनता को भोजन देने वाला किसान ही होता है जो सबके पेट की भूख को मिटाता है। भारत कृषि प्रधान देश रहा है जो हमारे लिए गौरव की बात है। डॉ अश्वनी कुमार दुबे विज्ञान संकायअध्यक्ष ने इस अवसर पर रोटी की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेत में बीज डालने से लेकर थाली तक रोटी को पहुंचाने में किसानों को बहुत मेहनत करनी पडती है इसलिए हमें रोटी का सम्मान करना चाहिए तथा भोजन को बर्बाद होने से बचाने का प्रयास करना चाहिए डॉ आकाश सिंह कृषि विज्ञान संकायअध्यक्ष ने ग्रीन हाउस प्रभाव पर विस्तार से जानकारी दी एवं विश्वविघालय में ग्रीन हाउस बनाने का प्रस्ताव दिया इस अवसर पर कृषि संकाय की छात्रा खुशी पाठक रूचि यादव, रोशनी पटेल शुभम मिश्रा ने अपनी कविताओं के माध्यम से किसानों की स्थिति पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगताओं में प्रोजेक्ट में प्रथम इलेक्ट्रिक फार्मिग में मोहित कुशवाहा द्वितीय इंटीग्रेडिट फार्मिग सिस्टम में रितु सिंह तृतीय में किचिन गार्डन में पंकज पटेल एवं डिप इरीगेशन में शुभि पटेल ने अपना स्थान बनाया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम निशा जोशी द्वितीय प्रिया ओझा एवं तृतीय स्थान चंचल सेंगर ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम संजना भास्क्र द्वितीय संस्कृति चौरसिया एंव तृतीय स्थान सनिधि खरे ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम आस्था राजे द्वितीय अनुभव असाटी एवं तृतीय स्थान संस्कृति चौरसिया ने प्राप्त किया

कृषि संकाय के द्वारा माननीय कुलाधिपति डॉ बृजेन्द्र सिंह गौतम का पौधा उपहार स्वरूप देकर सम्मानित डॉ आकाश सिंह शिवम नायक आशीष खरे संतोष पटेल अंशुल प्रताप सिंह राहुल दीक्षित शिवराज सिंह सहित सभी सदस्यों ने किया

आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ अश्वनी कुमार दुबे ने किया।









4.87 विधि विभाग द्वारा मनाया गया उपभोक्ता दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के विधि विभाग द्वारा आज दिनांक– 24 दिसबंर को उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर के तत्वाधान में विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर के सचिव श्री अनिल पाठक, कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलसचिव श्री विजय सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, विभागाध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक चंद्रदीप सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात विधि विभाग के तृतीय सेमेस्टर की छात्रा स्वाती बुंदेला द्वारा विधिक सहायता के कानूनी प्रावधानों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में उपभोक्ता संबंधी प्रावधानों की प्रस्तुति सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक द्वारा दी गयी। जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल द्वारा जिला विधिक सहायता प्राधिकरण द्वारा प्रदाय की जाने वाली सेवाओं का विस्तार से विषय रखा गया। मुख्य वक्ता के रूप में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के सचिव अनिल पाठक द्वारा विधिक सहायता के माध्यम से सिविल, आपराधिक तथा महिलाओं संबंधी अपराधों के संबंध में विस्तार पूर्वक आलेख प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग सहायक प्राध्यापक शैलेंद्र सिंह द्वारा एवं आभार विभागाध्यक्ष विधि विभाग विवेक प्रताप सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शैक्षणिक स्टॉफ, विधि विभाग छात्र छात्राऐं एवं सामान्य जन उपस्थित रहे।





4.88 सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व पर हुआ नाट्य मंचन

सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती वर्ष के अंतर्गत वर्ष 2021–22 पराक्रम वर्ष के रूप में पूरे भारत में मनाया जा रहा है। आज श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में कला मानविकी कला संकाय द्वारा एक नाटक का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी. एस. राजपूत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम माननीय अतिथियों के द्वारा ज्ञान की देवी माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया।

सुभाष चन्द्र बोस के द्वारा देश को स्वतंत्र कराने के लिए आज़ाद हिंद फौज का गठन किया गया। नवयुवाओं को जागरूक करते हुए 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा' का नारा दिया गया। नेता जी के जीवन संघर्ष की गाथा का अभिनय के द्वारा सजीव चित्रण किया गया। जिसमें अभिनय के माध्यम से पात्रों ने नेता जी के राष्ट्रप्रेम, देशहित में किये गए उनके सराहनीय योगदान, त्याग, समर्पण को बखूबी ढंग से व्यक्त किया है। सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों ने अभिनय की प्रशंसा करतल ध्वनि से की।

इस कार्यक्रम के समन्वयक विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग डॉ. आशीष कुमार तिवारी एवं संयोजक सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र डॉ. नीना चौरसिया रही।

नाटक में अभिनय करने वाले छात्र–छात्राऐं अनमोल, कमलेश, नरेन्द्र, अजयराज, दिग्विजय, रवि, महेंद्र, राहुल, रामरतन, तौफिक खान, रागनि, ऋतु, मानसी, योग्यता, राधिका और तस्लीम थे।

इस कार्यक्रम में विश्विद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।





4.89 भारतीय सेना में रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान

भारत देश के सभी नागरिकों को सैनिक शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। ऐसा संयुक्त कथन था 25 एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन छतरपुर के कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान तथा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम का। अवसर था श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भारतीय सेना में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित व्याख्यान का।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्जवलन कर आरंभ हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की परंपरा के अनुसार समस्त अतिथियों का स्वागत सम्मान हुआ। इस अवसर पर कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान के साथ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, सूबेदार मेजर कुलवंत सिंह, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज की। कर्नल विनय प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

अपने व्याख्यान के दौरान कर्नल चौहान ने कहा कि हमारे देश की सुरक्षा के लिये घातक तत्व आंतरिक एवं वाह्य दोनों प्रकार के होते हैं। दोनों प्रकार के खतरों से देश को सुरक्षित रखने में सेना का महत्वपूर्ण योगदान होता है। सेना देश के बॉर्डर पर दुश्मनों से सामना करती है वहीं आंतरिक प्राकृतिक आपदाओं तथा अन्य संकटों से देश को बचाने का कार्य करती है। इसीलिए भारतीय सेना में जगह पाना एक व्यक्ति के लिये गर्व एवं सम्मान की बात है। उन्होंने अपने व्याख्यान में भारतीय सेना में शामिल होने के लिए आवश्यक सभी प्रकार की परीक्षाओं के बारे में अवगत कराया। अपने प्रजेंटेशन में उन्होंने सिल–सिलेवार बताया कि उपरोक्त परीक्षाओं के फॉर्म किन– किन वेबसाईटों के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा वर्ष भर में किन किन माह में इन परीक्षाओं का संचालन होता है। उन्होंने इन परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें इस पर भी बड़े विस्तार से समझाया। कर्नल चौहान के अनुसार एन.सी.सी. के सी.प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना और भी अधिक आसान हो जाता है। कई सेना परीक्षाओं में तो एन.सी.सी. उपरांत स्पेशल एंट्री का प्रावधान भी है। उन्होंने भारतीय सेना में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न सेक्टरों की विस्तृत चर्चा भी की।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि भारत कारगिल युद्ध के साक्ष्य कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान ने विश्वविद्यालय के सभागार में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रबंधन शीघ्र ही भारतीय सेना प्रमुख को आधिकारिक निवेदन प्रेषित करेगा कि भारतीय सेना के वे सदस्य जो किसी भी कार्यवश शहीद हुये हों उनके बच्चों को

विश्वविद्यालय नि:शुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करेगा। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा कि विश्वविद्यालय का कोई भी शैक्षणिक, अशैक्षणिक कर्मचारी यदि टैरिटोरियल आर्मी ऑफीसर के रूप में देश सेवा करना चाहेगा तो विश्वविद्यालय उस अंतराल तक विश्वविद्यालय की तरफ से देर सम्पूर्ण वेतन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को भी सैनिक शिक्षा अनिवार्य कर देनी चाहिए इसके दो फायदे हैं पहला नागरिकों में अनुशासन एवं देश भक्ति की भावना जागृत होगी, दूसरा आकस्मिक युद्धों में विकल्प के तौर पर दूसरी पंक्ति के सैनिकों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने कर्नल चौहान से निवेदन किया कि उनकी तीन पीढ़ियों से सेवारत परिवार के उनके समकालीन राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित नियुक्ति पत्र की प्रतियां विश्वविद्यालय को प्रदान कर दी जाऐं जिससे यह स्मृति पत्र सभी विद्यार्थियों में देश प्रेम तथा भारतीय सेना में भर्ती होने की प्रेरणा भर सकें।

कार्यक्रम कें अंत में कर्नल चौहान को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ऐशान्या खरे के द्वारा किया गया। इस व्याख्यान के अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टॉफ सहित सभी छात्र छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.90 कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन दिनाँक 29/12/22 किया गया। जिसमें प्रबंधन विभाग व कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन विभाग के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। कैंपस प्लेसमेंट के लिये आये बजाज केपीटल इंस्योरेंश लिमिटेड श्री संजय पाठक (जोनल मैनेजर) एवं श्री अतुल मित्तल (रीजनल एच.आर.) द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभा से प्रभावित होकर उनका चयन किया गया। साक्षात्कार में विभिन्न विभागों के लगभग 150 विद्यार्थियों ने पंजीयन किया जिसमें लगभग 30 विद्यार्थियो का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियो को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद सिंह गौतम, उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय सिंह जी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम के समन्वयक कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतीक्षा तिवारी एवम् सुदर्शन बबेले रहे।





4.91 कृषि संकाय द्वारा किया गया फ्रेशर पार्टी का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में आज कृषि संकाय द्वारा फ्रेशर पार्टी 2021-22 का आयोजन किया गया कार्यक्रम मुख्य अतिथि कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, विभागाध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, सहायक प्राध्यापक श्री शिवम नायक, श्री अंशुल सिंह, श्री आकाश खरे, श्री राहुल दीक्षित, संतोष पटेल सहित समस्त प्राध्यापक एवं कृषि संकाय के समस्त छात्र- छात्रायें उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीपप्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम आयोजन मण्डल में सतीश सोनाकिया, शशांक सिंह, शुभम मिश्रा, आरती अहिरवार, अंशिका चतुर्वेदी , अनन्या राजा, सीमा राजपूत की भूमिका रही। साथ ही साथ कार्यक्रम का संचालन आंशिक चतुर्वेदी, आरती अहिरवार, अभय गिरी एवं शुभम मिश्रा ने वाखुवी किया। इसी क्रम में स्पीच सनिधि खरे ने एकल नृत्य- पिंकी मंडल, सीमा राजपूत ने, सांस्कृतिक नृत्य शशि अहिरवार ने समूह नृत्य - निशा ,सोनम , सुभायना ने नृत्य - शिवेश वर्मा - सेजल निगम, सीमा राजपूत, शशि अहिरवार, निशा जोशी, संजना भास्कर, सनिधि खरे, आशीष तिवारी, नीरज नायक ने कॉमेडी- आशुतोष दीक्षितने एवं गायन- आस्था, अभय गिरि ने प्रस्तुत किया।

साथ ही साथ बोलिंडियर्स के रूप में - प्रशांत तिवारी, गौरभ सोनकिया, कृष्णा पाठक, गौरव परमार, अशोक कुशवाहा, जतिन यादव, यश, मोनू राठौर उपस्थित रहे। गिफ्ट वितरण अनन्या राजा, सतीश सोनकिया, शुभम मिश्रा के द्वारा समस्त स्टॉफ को किये गये। लंच पैकिंग में भाग्यश्री वर्मा, महिमा पटेल, तुलसा, राज परमार, प्रशांत तिवारी, सपना पाठक की भूमिका रही। एवं फूड मैनेजमेंट सतीश सोनकिया ,प्रशांत तिवारी,अमन, सिंह घोष,शशांक सिंह,गौरव सोनकिया, शिवेश वर्मा के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में मिस्टर फ्रेशर आशीष तिवारी और मिस फ्रेशर सनिधि खरे को बनाया गया।









4.92 मैडल फॉर पैडल का आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के सर्वगींण विकास हेतु श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के प्रांगण में आज साइकिल रेस मैडल फॉर पैडल का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कर्मठ, लगनशील एवं घुमंतु जाति के प्रांत प्रमुख श्रीमान भालचंद्र नातू जी एवं विशिष्ट अतिथि थाना यातायात प्रभारी श्रीमती माधवी अग्निहोत्री, सूबेदार यातायात पुलिस श्री गलेन्द्र नागेश जी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे के चित्र पर माल्यापर्ण कर एवं दीप प्रज्जवलन करके किया गया। स्वागत भाषण कुलसचिव, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान भालचंद्र नातू जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल सर्वागीण विकास में प्रमुख होते हैं। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों का आयोजन समय-समय पर शिक्षण संस्थाओं में होते रहना चाहिए। विश्वविद्यालय के विशाल प्रांगण को देखते हुये कहा इस विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के पाठ्यक्रम के साथ खेल के भी विशेष अवसर हैं जिनमें छात्र-छात्राओं को यहां के प्राध्यापकों द्वारा अवसर प्रदान किया जाता है। विशिष्ट अतिथि श्रीमती माधवी अग्निहोत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल पाठ्यक्रम का एक विशेष हिस्सा होता है जिससे छात्रों का शारीरिक विकास होता है। अतिथि श्री गलेन्द्र नागेश ने कहा कि महान दार्शनिक अरस्तु ने कहा है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क रहता है। खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए।

साइकिल रेस प्रतियोगिता का प्रारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने हरी झंडी दिखाकर किया। साइकिल रेस के लिए छात्रों के 6 समूह बनाये गये जिसमें 6-6 छात्र रहे। प्रत्येक समूह से प्रथम स्थान प्राप्त करके क्रमश: जयंत सेन, मनोज अहिरवार, राजिक खान, उमेश, दीपक सिंह एवं रामजी सिंह फाइनल रेस में पहुंचे। साइकिल रेस में छात्राओं के चार समूह बनाये गये जिसमें प्रत्येक समूह में 5-5 छात्राऐं रहीं इसमें क्रमश: प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राऐं प्रिंसी व्यास, सपना विश्वकर्मा, कीर्तिराज बुंदेला, रश्मी मिश्रा एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राऐं सोफिया बानो, ऋतु अनुरागी, दीक्षा यादव और सपना भास्कर रहीं। फाइनल रेस में छात्रों में प्रथम स्थान राजक खान द्वितीय स्थान जयंत सेन तथा तृतीय स्थान मनोज अहिरवार ने प्राप्त किया एवं छात्राओं के फाइनल रेस में प्रथम स्थान रश्मी मिश्रा द्वितीय स्थान सपना कुशवाहा और तृतीय स्थान दीक्षा यादव ने प्राप्त किया। साइकिल रेस में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया एवं कार्यक्रम के अतिथियों को विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कुंलसचिव श्री विजय सिंह ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. निहारिका तिवारी सह-संयोजक डॉ. नीना चौरसिया, समन्वयक डॉ. आशीष कुमार तिवारी एवं कार्यक्रम की आयोजन समिति में डॉ. दिनेश मिश्रा, श्री शिवेन्द्र सिंह, श्री सचिन व्यास, श्री मोहित कुमार, श्री गौरव शर्मा, श्री कुलदीप खरे एवं श्री अभिषेक पाठक रहे। इस कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष तिवारी एवं आभार गणित विभागाध्यक्ष डॉ. निहारिका तिवारी द्वारा किया गया।





4.93 नेहरू युवा केन्द्र छतरपुर के द्वारा स्वामी विवेकानंद की 159वीं जयंती का आयोजन

बुंदेलखण्ड के प्रतिष्ठित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में 26वॉं राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एवं नेहरू युवा केन्द्र छतरपुर (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालयय, भारत सरकार) के द्धारा स्वामी विवेकानंद की 159वीं जयंती का आयोजन किया गया। इस दौरान युवा शपथ दिलाने के साथ-साथ व्याख्यान सत्र आयोजित हुआ। तदुपरान्त माननीय प्रधानमंत्री जी के ऑनलाईन व्याख्यान माला को प्रोजेक्टर के माध्यम से सभागार में प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ.ब्रजेन्द्र सिंह गौतम कुलाधिपति, अध्यक्षता श्री सी.के.शर्मा प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर एवं विशिष्ट अतिथि श्री अरविन्द सिंह यादव उपनिदेशक नेहरू युवा केन्द्र छतरपुर, श्री दीपक मिश्रा नेशनल जूडो प्लेयर, श्री एन.एस.परिहार, डॉ.जी.डी.सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ.जी.डी.सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज का दिन उर्जा देने वाला है। एक महात्मा ने स्वामी जी से कहा था कि रूको नही मुडकर देखों और मुकाबला करो। वहीं श्री सी.के.शर्मा ने कहा कि विवेकानंद जी एक बार पढते थे और उनको एक ही बार मे याद हो जाता था। वह प्रतिदिन सुबह से ध्यान करते थे। हमें रोगी नागरिक नही निरोगी बनना है।

विश्वविद्यालय द्धारा प्रात: कालीन समय में सूर्य नमस्कार, योगाभ्यास तथा स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.ब्रजेन्द्र सिंह गौतम ने सूर्य नमस्कार की मुद्राओं के महत्व को समझाते हुये बताया कि हमें स्वस्थ रहने के लिये सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या में शामिल करना निरोगी काया को पाना है। चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने अपने वक्तव्य में स्वामी विवेकानंद जी की जीवनी एवं उनके आदर्शो की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। वहीं उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने योग के महत्व एवं योग की विभिन्न क्रियाओं जैसे अंग संचालन, अनुलोम-विलोम, प्रणायाम आदि पर विस्तृत व्याख्यान किया। युवा दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों का भरपूर जोश देखने लायक रहा। छात्रों ने कहा कि वह स्वामी विवेकानंद के जीवन को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहते हैं।

इस अवसर पर मंच संचालन डॉ.प्रणति चतुर्वेदी द्वारा किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ.बी.एस.राजपूत परीक्षा नियंत्रक, डॉ.एल.के.सिंह प्राचार्य विधि विभाग, डॉ.आनंद चौरसिया प्राचार्य फार्मेसी विभाग, डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. नीना चौरसिया, श्रीमती भक्ति अग्रवाल, अनुप्रिया नामदेव, सचिन चौरसिया, कमलेश अहिरवार, पंकज गुप्ता, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. आशीष तिवारी, श्री दीपेंद्र सिंह बुंदेला, अनामिका चौरसिया, श्री गौरव शर्मा सहित अन्य प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।







4.94 विद्यापरिषद् की बैठक का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वकविद्यालय के कुलपति डॉ.अनिल धगट की अध्येक्षता में विद्यापरिषद् की 10वीं बैठक सम्पणन्नि हुई। बैठक का आरम्भक मध्यिप्रदेश निजी विशि्वद्यालय विनियामक आयोग द्वारा नामांकित परिषद् के सदस्यई महाराजा छत्रसाल विशवयविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एच.एन. खरे एवं डॉ. वी.पी. सिंह गौर के सामान्यि परिचय तथा अभिवादन के साथ हुआ । बैठक में विद्यापरिषद् के पदाधिकारियों में विश्वविद्यालय कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वा गत एवं परिचय के पश्चादत् सभा की कार्यवाही प्रारम्भय की गई। बैठक में कुलसचिव द्वारा बिन्दुवार विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों से संबंधित प्रस्तापव प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुत बिन्दुधओं पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तोवों में राष्ट्री य शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में होने वाली आगामी परीक्षाओं की अंकसूचियों के प्रारूप का अनुमोदन प्रदान किया। विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी पी.एचण्डीण् विनियम 2022 तथा विश्वाविद्यालय के पी.एचण् डीण् अध्या देश का विस्तृीत तुलनात्मंक अध्यचयन किया गया। पी.एचण्डीण् विनियम 2022 मूलतरू नई राष्ट्रीयय शिक्षा नीति पर आधारित है तथा यूजीसी ने नए पी.एचण्डीण् विनियम के माध्यिम से राष्ट्री2य शिक्षा नीति पर आधारित शिक्षा से उत्तीयर्ण छात्रों को पी.एचण्डीण् में प्रवेश प्रदान करने के लिए नए मापदण्डों को समाहित करने का प्रयास किया है। विस्तृत अध्य.यन पश्चीात् विश्वंविद्यालय के अध्योदेशों में आपेक्षित संशोधनों पर चर्चा की गई। इसी क्रम में विश्वचविद्यालय में संचालित समस्तव पाठ्यक्रमों की उपाधियों तथा प्रमाण.पत्रों के प्रारूपों को अंतिम रूप प्रदान किया।

विश्वयविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निरीक्षणए नैक द्वारा मूल्यांसकन एवं प्रत्या यन कराने के लिये आवश्यक रूपरेखा तैयार की गई। विश्वकविद्यालय में शिक्षा के स्तंर को बढ़ाने तथा रोजगारपरक शिक्षा उपलब्धे कराने के लिये विश्ववविद्यालय में कौशल युक्त प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस की नियुक्तियों के लिये की जाने वाली आवश्येक कार्यवाही के बारे में महत्वकपूर्ण संवाद हुआ। प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस के माध्येम से कॉरपोरेट तथा अन्य महत्वयपूर्ण विधाओं में पारंगत बुद्धिजीवियों के ज्ञान का लाभ सीधे .सीधे तौर पर विश्वपविद्यालय के छात्रों को प्राप्तत होगा। सभा के अंतिम चरण में सभी प्रस्तोवों के परिपालन में आपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित की गई। अंत में अध्य क्ष महोदय के अध्यीक्षीय उद्बोधन तथा धन्यपवाद ज्ञापन उपरान्तह बैठक का समापन हुआ।





4.95 ईशानगर एवं मातगुंवा के विद्यार्थियों को मिली कैरियर संबंधी जानकारी

समग्र शिक्षा अभियान, लोक शिक्षण संचालनालय, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सम्पूर्ण प्रदेश में चलाये जा रहे कैरियर चयन कार्यक्रम के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में ईशानगर एवं मातगुंवा विद्यालयों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में शैक्षिणक भ्रमण के दौरान कैरियर संबंधी जानकारियों से अवगत कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों को अपने कैरियर चुनने के तरीकों को विस्तृत चर्चा एवं विश्वविद्यालय के शैक्षिणक विभागों की जानकारी के द्वारा मार्गदर्शित किया गया। इस दौरान दोनो जगह के लगभग 200 विद्यर्थियों ने कैरियर संबंधी जानकारी का लाभ लिया। डॉ.आनन्द चौरसिया ने फार्मेसी पाठ्यक्रमों से संबंधित जानकारी को लैब भ्रमण के साथ समझाया। नर्सिंग पाठ्यक्रमों की जानकारी एवं उसके फायदे की चर्चा डॉ.प्रणति चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को दी। भक्ति अग्रवाल एवं सोनाली चंदेल ने विद्याथियों को पेंटिंग, ब्यूटीशिन, फैशन डिजाईनिंग, इंटीरियर डिजाईनिंग आदि को प्रायोगिक रूप से समझाकर पाठ्यक्रमों की जानकारी से अवगत कराया जिससे विद्यार्थी अपने कैरियर को आसानी से चुन सकें। आईटी से संबंधित पाठ्यक्रमों के बारे में छत्रसाल राठौर एवं प्रशांत ने समझाया। साथ ही विविध पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राध्यापकगणों द्वारा विद्यार्थियों को दी गई। विद्यार्थियों की विविध तरह की जिज्ञासाओं का समाधान, उनके द्वारा रोजगार संबंधी पूछे गए सवालों का निदान विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा बखूबी तरीके से किया गया। उन्हे कैरियर चुनने के आवश्यक तरीकों सहित बताया गया कि जिस क्षेत्र में रूचि हो उसी लक्ष्य को निर्धारित कर अपनी तैयारी करना चाहिये।

उपस्थित विद्यार्थियों को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, पी.आर.ओ. डॉ. आलोक अग्रवाल ने उनके कैरियर संबंधी उज्जवल भविष्य की बधाईयाँ एवं सराहना व्यक्त की।

इस दौरान शा.उ.मा.विद्यालय ईशानगर से प्राचार्य श्री जे.पी.चौरसिया, नरेश कुशवाहा, गौरव तिवारी, शा.उ.मा.विद्यालय मातगुंवा से प्राचार्य, स्पर्श सक्सेना एवं विश्वविद्यालय से दीपेन्द्र सिंह, राममिलन विश्वकर्मा, नीलेश अनुरागी, जितेन्द्र कुशवाहा, सौरभ खरे, श्रीमती वर्षा, मेघा शुक्ला, चतुर कुशवाहा सहित प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।









4.96 पराक्रम दिवस के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में पराक्रम दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पर्वतारोहियों की अहम भूमिका रही। पर्वतारोहियों में लखनऊ निवासी श्री महेन्द्र प्रताप, जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं गोविन्दा नंद जी उपस्थित रहे। इनके साथ विश्वविद्यालय चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, श्री दयानिधि जी प्रांत संगठन मंत्री भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत, श्री लखन लाल असाटी आनंद विभाग म.प्र. की सहभागिता रही।

अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त सर्वप्रथम विश्वविद्यालय चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने उपस्थित अतिथियों के परिचय से अवगत कराया। उन्होने बताया कि आज पराक्रम दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आये हुए अतिथियों ने वर्ष 2018 में पर्वतारोहण एवं विश्व भ्रमण के लिये पैदल यात्रा प्रारम्भ की थी। यात्रा के समय विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था। उसके बाद भी इनका मनोबल कम नही हुआ। इन्होने भारत भ्रमण के साथ ही बहुत कुछ विश्व भ्रमण भी कर लिया है। यह अपना नाम गिनीज बुक, लिम्का बुक एवं स्टार बुक इत्यादि में दर्ज करा चुके हैं। इनका उद्देश्य बेटी बचाओं बेटी पढाओ, नशा मुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा, पौधरोपण आदि को प्रचारित करना है।

वहीं पर्वतारोही श्री गोविन्दा नंद जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि वह सर्वप्रथम 1995 में इस यात्रा से जुडे थे। उन्होने बहुत कठिनाईयों का सामना किया है। वह कहते हैं कि कष्ट उसी को होते हैं जो कुछ कर दिखाने की चाहत रखते हैं। इस कार्य को करने की प्रेरणा उन्हे अपने गुरू श्री अवध बिहारी लाल जी से मिली। वह स्वयं 2018 में फिर से विश्व भ्रमण के लिये निकले। और अपने गौरवशाली इतिहास को दोहराते गये। जबभी हमें पर्वतारोहण के लिये जाना होता है तब पहले प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होता है बिना प्रशिक्षण के इसकी अनुमति नही मिलती है। और इसके लिये काफी समय तक अपना नम्बर आने का इंतजार भी करना पडता है। पर्वतारोहण का आखिरी पडाव जहां झंडा फहराया जाता है उसके लिये चार बेस कैंप होते है जिनको पार करना होता है। जो भी मेरी तरह से पर्वताराही बनना चाहते हैं उनको सबसे पहले प्रकृति को समझना आवश्यक है।

श्री दयानिधि जी ने पराक्रम दिवस की जानकारी से सबको अवगत कराया साथ ही बताया कि आज का दिन साहस और पराक्रम से भरा हुआ है। यदि हमने अपने मन में कीर्ति एवं साहस स्थापित कर लिया है तो हम भी पर्वतारोही बन सकते है। हमारे कण कण में संवेदना जीवित है। हमारा एक एक क्षण स्वर्णिम काल है हमें अपने आप को शक्तिमान बनाये रखने के लिए ऊर्जावान बनाये रखना आवश्यक है।

जितेन्द्र प्रताप ने अपने वक्तव्य में कहा कि पर्यावरण, स्वच्छता, बेटी बचाओ बेटी पढाओ आदि को प्रचारित करना हमारा मुख्य ध्येय है। मैनें भ्रमण के दौरान कई बार जंगली जानवरों का सामना किया। परन्तु अपने अटल विश्वास से हार नही मानी। हमारा भारत देश ऐसा है जहां ऋषि मुनियों ने जन्म लिया है यह विश्व मं कहीं भी नही है। हमें पर्यावरण को सुरक्षित रखकर अपने देश के जानवरों को जीवित रखना अनिवार्य है कहीं ऐसा न हो कि हमे इनको जानने के लिए संग्रहालय जाना पड़े। मैं जैसे ही विश्वविद्यालय के प्रागण में आया वैसे ही मुझे आभाष हुआ कि यहां पर देवी देवताओं का वास है।

मध्यप्रदेश शासन आनंद विभाग के श्री लाखन लाल जी ने पराक्रम दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हमें किसका भय है। क्या हमें हिंसक पशुओं, प्राकृतिक आपदा अथवा मानव से भय है। जिसमें कहा गया कि हमें सबसे अधिक भय मानव जाति से ही है। हम कीमत और मूल्य कि वैल्यू नहीं कर पा रहे है। हम समझना और सीखना को ही शिक्षा कह रहे है। क्या शिक्षित होना और स्किल दोनों ही पर्याप्त है। क्यों न हम जो भी करें उसका मानव के साथ व्यवहार अच्छा बनाये और प्रकृति को सजोकर रखे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों का साल श्रीफल से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।





4.97 नशा, रोजगार और स्टार्टअप के संबंध में छात्र संवाद का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में नशा, रोजगार और स्टार्टअप के संबंध में छात्र संवाद का आयोजन माननीय केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, श्री विनय पटैरिया, श्री अनुराग वर्मा सांसद प्रतिनिधि टीकमगढ़, श्री धीरेन्द्र नायक सांसद प्रतिनिधि छतरपुर एवं श्री संजू बरसैंया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ जगत जननी मॉ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण कर दीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त सर्वप्रथम विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने उपस्थित मुख्य अतिथि का परिचय एवं कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु से संबंधित जानकारी से अवगत कराया। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नशा, रोजगार और स्टार्टअप पर अपने विचार व्यक्त किये। जिसमें सर्वप्रथम छात्र आशीष मिश्रा ने स्टार्टअप के अंतर्गत बताया कि उसके साथियों द्वारा विश्वविद्यालय के सहयोग से आर्गनिक सब्जी टोकरी नामक एक एप प्रारम्भ किया गया है जिसके द्वारा ऑर्गेनिक सब्जी कम मूल्य में उपभोक्ता को मुहईया कराई जाती है। जिसका उत्पादन अभी विश्वविद्यालय के फॉर्मिंग हाउस से प्रारम्भ किया गया है।

वहीं छात्र आयुष विश्वकर्मा ने बताया कि यदि हमारे पास स्किल है तो हम स्वयं स्टार्टअप कर सकते हैं। इसके लिए हमारे पास पैसे होना ही जरूरी नही है। छात्र आकाश गौतम ने कहा कि युवाओं को सफल और उद्यमी बनाना हमारे प्रधानमंत्री का मुख्य ध्येय है उसी के अंतर्गत मैं अपने साथियों के साथ मिलकर विधि से संबंधित एक नया स्टार्टअप प्रारंभ कर रहा हूं जिसमें सभी प्रकार के प्रकरणों की जानकारी, अधिवक्ताओं की जानकारी एवं प्रकरणों से संबंधित पूर्ण जानकारी व्यक्ति घर बैठकर ही प्राप्त हो जायेगी। छात्रा ललिता ने नशा मुक्ति पर अपने विचार व्यक्त किये और कहां कि जन–जन का हो यही संदेश, नशा मुक्त हो हमारा देश। छात्र दीपक तिवारी ने नशा मुक्ति पर कहा कि नशा वही है जो व्यक्ति को धीरे– धीरे खोखला कर देता है। यदि हमें नशा करना ही है तो क्यों न हम किताबों का, देश के विकास का, आगे बढ़ने का इत्यादि तरीके का नशा करें। साथ बुंदेली कविता के द्वारा नशा को बड़े ही अच्छे तरीके से व्यक्त करते हुए कहा कि नशा नाश की जर है, मुरा–मुरा के खाये और पुरखन की जायदाद को सब बोतल में आ जाये।

माननीय मुख्य अतिथि डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थियों द्वारा नशा, रोजगार और स्टार्टअप को लेकर जो अपने विचार व्यक्त किये वह अति उत्तम हैं। आज का युवा कल देश का भाग्य निर्माता बनने वाला है। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा जो ऑर्गेनिक खेती का कार्य किया जा रहा है उसके लिए मेरे पास शब्दों की अभिव्यक्ति करना कम है। जब कोई हृदय से किसी विधा को आगे लाता है तो वह सराहनीय होता है। आज का युवा स्टार्टअप को लेकर काफी आगे बढ़ रहा है। देशा का विकास तभी होगा जब हम युवा को नशा से दूर करके आगे बढ़ने कि राह दिखायेंगे। इसके लिए भारत सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कई योजनाएं चलाई जा रही है। साथ ही योग के माध्यम, समाज के माध्यम एवं धर्म गुरूओं के द्वारा सामाजिक न्याय मंत्रालय इस ओर कार्य कर रहा है। युवा हमारे देश का भविष्य हैं हमारे समाज का पूरा ताना बाना उन्हीं पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि 98000 से अधिक स्कूल कॉलेजों में एक साथ नशा विरोधी अभियान की शपथ दिलायी गई

जिसमें लगभग एक करोड़, 66 लाख से भी अधिक विद्यार्थियों में इसकी शपथ ली। भारत में कुल 372 जिलों को चिन्हित किया गया है जहां नशा की अधिकता है और 500 से भी अधिक समाजसेवी संगठन इस मुहिम से लड़ने के लिए कार्य कर रहे है। जब हम बाल विवाह, सतिप्रथा जैसी कुरितियों को समाप्त कर सकते है तो नशा को क्यों नहीं। मूक बधिर के ईलाज के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा पूरा खर्चा वहन किया जाता है जो कि प्रत्येक रोगी पर लगभग 6.50 लाख रूपये का आता है। आज स्टार्टअप के अंतर्गत स्मार्ट फोन बनाने में भारत दुनिया में दूसरे स्थान आ गया है। वहीं स्टील में चौथे से दूसरे एवं ऑटो में तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाये हुए है। भारत में 84 हजार से ज्यादा स्टार्टअप प्रारंभ हो चुके हैं। जिसमें लगभग 70 हजार करोड़ रूपये की सामग्री का निर्यात भारत कर रहा है।

माननीय ने कहा कि जब विश्व में चेचक, पोलियों की महामारी फैली हुई थी। तब भारत को टीका सबसे आखिरी में प्राप्त हुआ था। जबकि आज भारत इतना विकसित, आत्मस्वाभिमानी, समृद्ध, आत्मनिर्भर हो गया है कि कोविड जैसी महामारी का टीका सबसे पहले भारत में ही बनना व लगाया जाना प्रारंभ हुआ। विश्वविद्यालय द्वारा जो स्टार्टअप के कार्यक्रम कराये जा रहे है वह प्रधानमंत्री जी के उद्देश्य को पूरा करने में सहयोग निभा रहा है उसके लिए मैं तहेदिल से इस विश्वविद्यालय का आभारी हूँ।

कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय 2018 से स्वरोजगार उद्यमिता एवं स्टार्टअप के अंतर्गत कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा सभी जगह एक जनसुविधा केन्द्र शीघ्र ही खोले जाने की तैयारी चल रहीं है। जिसके द्वारा शिक्षा, शासन की योजना इत्यादि की जानकारी सभी को मुहैया कराई जायेगी। विश्वविद्यालय द्वारा चलायी जा रही गौशालाओं से प्राप्त गोबर के द्वारा दिये, गणेश इत्यादि का निर्माण स्टार्टअप के अंतर्गत किया जा रहा है जिसमें लगभग 500 ग्रामीण महिलाओं को रोजगार मिला है आगे आने वाले समय में गोबर के द्वारा निर्मित ट्राफी का निर्माण कर पेश किया जाने वाला है। खेतों की पराली के माध्यम से डिस्पोजल प्लेट एंव चम्मच का निर्माण विश्वविद्यालय के स्टार्टअप के अंतर्गत किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।





4.98 74वें गणतंत्र दिवस पर हुआ ध्वजारोहण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में 74वें गणतंत्र दिवस एवं बसंत पंचमी पर्व का आयोजन हर्षोल्लास से मनाया गया। आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती, भारत माता, स्व.श्री बलवीर सिंह गौतम एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण करके हुआ। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात् राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सस्वर गायन किया गया। एन.सी.सी. प्रभारी श्री गौरव शर्मा के संयोजन एवं नेतृत्व में परेड एवं ध्वज को सलामी दी गयी।

ध्वजारोहण के उपरान्त विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने संबोधन में भारतमाता के वीर जवानों एवं सपूतों जिन्होने स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान दिया, उनकी गाथाओं का वर्णन करके ओतप्रोत कर दिया। उन्होने अपने संदेश में कहा कि हमारे गणतंत्र में युवाओं का योगदान हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है और रहेगा। विभिन्न प्रकार की अनेकों चुनौतियों के बीच हमारा राष्ट्र उत्तरोत्तर विश्व पटल पर आगे बढ़ रहा है। हमारे देश में अनेक समस्यायें है समस्याओं के निदान के लिये हमारे देश की कार्य प्रणाली में नीति आयोग के माध्यम से हम अपनी प्राथमिकता तय करते है और उनका निदान करने का प्रयास करते हैं। हमें विश्वास है कि हमारा देश शीघ्र ही विश्वगुरू बनकर अपना परचम फहरायेगा।

विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस एवं बसंत पंचमी पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गयी। जिसमें छात्र–छात्राओं द्वारा देश भक्ति गीत, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं पर आधारित नाटक आदि कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया और करतल ध्वनि से प्रांगण गूंज उठा। कार्यक्रम की समाप्ति पर मुख्य अतिथि सम्मानीय श्रीमती कुंती सिंह गौतम ने छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए उनको पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।





4.99 बुन्देलखण्ड से पहली बार निकली नर्मदा यात्रा

नर्मदा जयंती के अवसर पर बुन्देलखण्ड के ओरछा से जबलपुर के लिए निकली नर्मदा यात्रा का पहली बार निकलना बुन्देलखण्ड वासियों के लिए सौभाग्य की बात है। नर्मदा यात्रा के संबंध में विगत वर्षों में ध्यानयोगी परम पूज्य गुरूदेव श्री श्री 1008 उत्तम स्वामी जी महाराज (महामंडलेश्वर) के सानिध्य में 3500 किमी. की यात्रा 6माह में लगभग 250 लोगो के साथ पूर्ण की जा चुकी है। इसी तारतम्य में श्री तपन भौमिक भाजपा नेता एवं पूर्व अध्यक्ष म.प्र.पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में मॉ नर्मदा जयंती पर नर्मदा यात्रा बड़ी धूमधाम से ओरछा से जबलपुर के लिए रवाना हूई। यात्रा का स्वागत वंदन कई स्थानों पर किया गया। छतरपुर में यात्रा का स्वागत वंदन श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय प्रांगण में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने किया। यात्रा में मुख्य रूप से श्री परमानंद नदोहा, श्री अर्जुन पंडित, संत महात्माओं सहित सैकड़ों की तादात में भक्तगण उपस्थित रहे।

नर्मदा यात्रा का शुभारम्भ ओरछा में विधिवत् पूजन कर किया गया। वहीं जबलपुर में नर्मदा घाट पर आरती उपरान्त यात्रा को पूर्ण रूप दिया गया। नर्मदा यात्रा का मुख्य उद्देश्य नर्मदा नदी के महत्व को जन–जन तक पहुँचाना है। पूरे विश्व में ऐसी कोई भी नदी नहीं है जिसकी परिक्रमा की जाती हो। सारा संसार इनकी निर्मलता और ओजस्विता व मांगलिक भाव के कारण आदर करता है व श्रद्धा से पूजन करता है। बड़ी श्रद्धा से पैदल चलते हुए मॉ नर्मदा की परिक्रमा करते हैं। नर्मदा जी की परिक्रमा कुछ लोग 108 दिनों में भी पूरी करते हैं। मॉ नर्मदा की इसी ख्याति के कारण यह विश्व की एक ऐसी नदी है जिसकी विधिवत् परिक्रमा की जाती है।

भारत में मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित अमरकण्टक के पठार पर माँ नर्मदा का उद्गम एक कुण्ड में है। अपने उद्गम स्थल से 140 किमी. तक बह चुकने के बाद मानों नर्मदा का मूड़ बदलता है और वह पश्चिम दिशा का प्रवाह छोड़कर दक्षिण की ओर मुड़ जाती है। दक्षिण दिशा में चलते–चलते नर्मदा को मानों फिर याद आ जाता है। कि वह तो पशिचम दिशा में जाने के लिए घर से निकली थीं। अत: वह वापस उत्तर दिशा में मुड़कर मण्डला नगर को घेरते हुए एक कुण्डली बनाती हैं। इसके बाद नर्मदा मोटे तौर पर उत्तर की ओर बहती है। जबलपुर में ही भेंडाघाट में नर्मदा का दूसरा प्रसिद्ध प्रपात धुंआधार पड़ता है जहां माँ नर्मदा अत्यन्त वेग से 15मी. नीचे छलांग मारकर मानों नृत्य करने लगती हैं। धुंआधार प्रपात के आगे थोड़ी दूरी पर ही विश्व प्रसिद्ध संगमरमर की चट्टानों के गलियारे से होकर बहती हुई यह नदी प्राकृतिक सौंदर्य की अनुपम छटा बिखेरती है। जिन्हें हम नमामि देवी नर्मदे के नाम से जानते हैं। यही कारण है कि सिर्फ माँ नर्मदे की परिक्रमा ही पूरे विश्व की नदियों में से की जाती है।





4.100 प्रतिभा खोज परीक्षा का प्रथम चरण सम्पन्न

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के प्रथम चरण का आयोजन विश्वविद्यालय प्रांगण में दिनांक *1 जनवरी 202* को वृहद स्तर पर सम्पन्न हुआ। जिसमें 1028 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की। परीक्षा का समय दोपहर 12.30 से 2.30 रखा गया था जिसमें सामान्य ज्ञान पर आधारित 120 प्रश्नों की श्रृंखला में हिन्दी, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, खेल, सामाजिक विज्ञान, तर्कशक्ति एवं समसमायिकी से संबंधित प्रश्नों को रखा गया। विद्यार्थियों में इतना अधिक उत्साह देखने को मिला कि उन्होने परीक्षा में उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सुबह 10बजे से ही विश्वविद्यालय प्रांगण में आना प्रारम्भ कर दिया। उम्मीद से अधिक विद्यार्थियों की संख्या को देखकर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के चेहरे खुशी से प्रफुल्लित होते हुए देखे गए। प्रथम चरण की संख्या को देखते हुए द्वितीय चरण की परीक्षा की तैयारियॉ तत्काल प्रभाव से प्रारम्भ कर दी गई। विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आवागमन सुविधा प्रदान की गयी। छतरपुर के अलावा नौगांव, बिजावर एवं अन्य ब्लॉकों के विद्यार्थियों के लिए भी विश्वविद्यालय की बस सुविधा उपलब्ध करायी गयी। जिससे विद्यार्थियों को आवागमन में असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय प्रांगण में की गयी।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के प्रथम चरण के समापन उपरान्त विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा विश्वविद्यालय के संकायों का भ्रमण कराया गया। कैरियर काउसिंलिंग से संबंधित अपने–अपने प्रश्नों का उत्तर पाकर विद्यार्थी प्रफुल्लित हुये। उन्हे ऐसा महसूस हुआ कि बारहवीं के बाद की उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए अब उन्हें कहीं भटकना नही पड़ेगा। विश्वविद्यालय की एक ही छत के नीचे उन्हे हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध रहेगी जिससे समय और धन दोनो बर्बाद होने से बच जायेंगे। परीक्षा में आने वाले समस्त विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण–पत्र तुरन्त प्रदान किए गए। साथ ही उनको सूचित किया गया कि 13 फरवरी को द्वितीय चरण की परीक्षा उपरान्त एक साथ दोनों चरणों का परीक्षाफल घोषित किया जायेगा।

परीक्षाफल में स्थान पाये विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा 13 फरवरी के बाद निर्धारित समय पर पुरस्कृत किया जायेगा। परीक्षा उपरान्त पैरामेडीकल एवं नर्सिंग विभाग द्वारा परीक्षार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.101 राष्ट्रीय शिक्षा नीति - युवा नीति पर हुआ युवा संवाद

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – युवा नीति पर एक दिवसीय कार्यशाला (युवा संवाद) का आयोजन 4 फरवरी 2023 को संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद माननीय श्री वी. डी. शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव, बड़ामलहरा विधायक एवं अध्यक्ष राज्य नागरिक आपूर्ति निगम माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह, बिजावर विधायक माननीय श्री राजेश शुक्ला, चंदला विधायक माननीय श्री राजेश प्रजापति, श्री शेलेन्द्र बरूआ अध्यक्ष मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम, श्री दयानिधि जी प्रांत संगठन मंत्री भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत, श्री जयप्रकाश जी एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण कर दीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ हुआ। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत आसमान में तिरंगा रूपी गुब्बारों को अतिथियो के द्वारा उड़ाकर कार्यक्रम का आगाज किया गया। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त सर्वप्रथम विश्वविद्यालय चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय एवं अतिथियों के परिचय से अवगत कराया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा अपने मन में ठान ले तो उसके लिए कुछ भी असम्भव नहीं रह जाता हैं। किसी वस्तु या सफलता की चाहत बहुत छोटी चीज हैं पर उसकी पाने की जिद्द और लगन के आगे मुसीबतें भी बौनी पड़ जाती हैं। आज दुनिया के प्रत्येक कोने में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। रोज़गार के हर क्षेत्र में युवा पीढ़ी ने विश्वभर में भारत की साख बनाई हैं, आशा है वे भविष्य में नये नये क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करेंगे। इस युवा संवाद द्वारा युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा को जगाए उनकी जिज्ञासा को शान्त करें उनकी कौशलता को विकसित करें। हमारी इसी युवा सोच ने ही शिक्षा के क्षेत्र मे समुज्ज्वल ज्ञान से सुसज्जित एक ऐसी शिक्षण संस्थान को निर्मित करने की प्रेरणा दी, जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाए उनके लिए मील का पत्थर साबित हो इसी संकल्पना के साथ हम दोनों भाइयों ने श्री कृष्णा विशिवद्यालय की नींव रखी हमारा यही उद्देश्य रहा है कि विशिवद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ कर गुणवत्तापूर्ण रोजगारपरक शिक्षा छात्र–छात्राओं को प्रदान की जाए एवं विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाए।यह सार्वभौमिक सत्य है कि विकास की प्रक्रिया शांति और स्थिरता के साथ गति पकड़ती है। आज विश्विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों, सेमिनारों,वैविनारों, विचार गोष्ठियों, आर्ट गैलरी के साथ साथ एन.सी.सी, एन.एस.एस,स्पोटर्स सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेंट द्वारा मेधावी छात्र–छात्राओं को उपाधि प्राप्ति के साथ ही रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस ईश्वर के नाम पर विश्वविद्यालय का नामकरण किया गया अर्थात श्री कृष्ण जो स्वयं ही शिक्षा के प्रथम गुरू हैं जिन्होंने कर्म का पाठ पढ़ाया। अपने जीवन में विभिन्न संकटों का सामना करते हुए भी वह कभी कर्मक्षेत्र में भयभीत नहीं हुए और निडर भाव से जीवन यापन करने की प्रेरणा दी। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम एवं चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने बुंदेलखण्ड जैसे पिछड़े क्षेत्र में युवाओं को शिक्षित करने का जो दुर्लभ कार्य किया उसकी हम हृदय तल की गहराई से प्रशंसा करते हैं। युवाओं से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारे देश की कुल आबादी का 65 प्रतिशत युवा है जो 35 वर्ष से कम आयु के है। हमारा भारत देश युवाओं का देश है। युवा ही देश की विरासत को आगे बढ़ाने में और राष्ट्र को नित नवीन उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों को हासिल करने में सहयोग देते है। लेकिन अगर यही युवा भ्रष्ट हो तो उस देश का भाग्य अंधेरे में ही होगा। ऐसा राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता है। इसलिए हमारे लिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम युवा संवाद के माध्यम से उनका यथोचित मार्गदर्शन करें। युवाओं की निरंकुश शक्ति को मापते हुए उन्हें सही दिशा देना बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करना एवं सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि करने के साथ–साथ मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा प्रदान कर अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति युवाओं को जागृत करना है। प्राचीन शिक्षा नीति में बदलाव करके नई शिक्षा नीति को लागू किया जिसमें मूल्यांकन का माध्यम क्रेडिट पद्धति है। विद्यार्थी किसी राज्य की एक संस्था में अध्ययन करते हुए अन्य राज्य की संस्थाओं से अपनी रूचि अनुसार अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकता है। इस नई शिक्षा नीति में शोधपरक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों पर विशेष बल दिया गया है। छतरपुर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने कौशल विकास के पाठ्यक्रम एवं रोजगार उपलब्ध कराने में अपना योगदान दिया है। जो बुंदेलखण्ड क्षेत्र के युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद माननीय श्री वी. डी. शर्मा ने कहा कि युवा किसी भी समाज का विशेष हिस्सा होता है जिसकी भागीदारी के बिना कोई भी समाज अधूरा है। एक समाज को प्रगतिशील और गतिशील बनाने के लिए युवाओं को इसका एक अनिवार्य हिस्सा बनना चाहिए। युवा ही हमारे समुदाय, समाज और देश का चेहरा होता हैं। युवा समाज में परिवर्तन के दूत हैं उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं। उनके लिए अतीत से सबक लेना, वर्तमान में सतर्क रहना और बेहतर भविष्य देखने की आशा के साथ जीना ज़रूरी है – एक भविष्य जो आने वाली पीढ़ी के लिए उज्ज्वल और अधिक आशाजनक होगा। उन्होंने युवाओं के शास्वत मार्गदर्शक विवेकानंद और प्रेरणा स्त्रोत सुभाष चंद्र बोस को बताते हुए कहा है कि उन दोंनो वीर युवाओं ने भारतीय युवाओं का आह्वान किया और उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और स्वाभिमान को जागृत करने का पुण्य कार्य किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों के करकमलों से विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम जी द्वारा लिखित पुस्तक "राष्ट्रीय शिक्षा नीति : एक समग्र अध्ययन", माननीय उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी द्वारा लिखित पुस्तक "Human Rights Education" एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक प्रयोजनमूलक एवं कार्यालयी हिन्दी का विमोचन एवं डॉ. धीरेन्द्र शुक्ला, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्चशिक्षा विभाग द्वारा लिखित पुस्तक "नई शिक्षा नई उड़ान" (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020) एवं प्रो. (डॉ.) विश्वास चौहान जी, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा लिखित पुस्तक "स्वाधीनता और स्वतंत्रता" का अवलोकन किया गया।

विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के समापन पर आभार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. गौतम ने कहा युवा देश की दशा और दिशा दोनों का निर्माता है। युवा का उल्टा वायु होता है। जिस प्रकार वायु के अभाव में हम जी नहीं सकते वैसे ही युवा के अभाव में अच्छे समाज की परिकल्पना नहीं कर सकते हैं। युवा शक्ति राष्ट्र का प्राण तत्व है। वही उनकी गति है, स्फूर्ति है, चेतना है। युवा ही देश की वर्तमान है। राष्ट्र का ज्ञान है। युवाओं की प्रतिभा, पौरुष, तप, त्याग और गरिमा राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है। युवा वर्ग का पथ, संकल्प और सिद्धियाँ राष्ट्रीय पराक्रम और प्रताप के प्रतीक हैं। आज के युवा संवाद में माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने युवाओं को संवाद के माध्यम से ऊर्जा प्रदान की उन्हें जीवन में व्यक्तित्व विकास के लिए आत्मनिर्भर बनने के लिए सूत्र बताए जो सराहनीय है। इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, छतरपुर जिले के शासकीय अशासकीय महाविद्यालयों से आए हुए सभी प्राध्यापकगण, पत्रकार बंधुओं, विद्यार्थियों, नगर से आए हुए सभी गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों तथा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलपति, उपकुलपति, कुलसचिव, सभी विभागों के प्राध्यापकगण और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने किया।









4.102 कैम्पस प्लेसमेन्ट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज भोपाल के सहयोग से कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज भोपाल के संचालक श्री जडी पाटिल, मानव संसाधन प्रमुख के.पी पाटिल एवं श्री शिवम कुमार सम्मिलित हुए। जिनके द्वारा सम्मिलित अभ्यार्थियों से व्यक्तित्व, कौशल विकास और उनकी रूचि से संबंधित प्रश्नों से उनके ज्ञान को परखा गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सम्प्रेषण शैली व प्रतिभा से प्रभावित होकर विभिन्न विभागों के पंजीकृत 188 विद्यार्थियों में से उत्कृष्ट 60 विद्यार्थियो का चयन किया गया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का प्लेसमेन्ट सेल अपनी गतिमान स्थिति में हैं। इस सेल का उद्देष्य विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को लाभांवित करना है। प्लेसमेंट एक चालू रोजगार संबंध स्थापित करने के लिए चयनित व्यक्ति और नियोक्ता को जोड़ने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। इस चरण में कर्मचारी को वे गतिविधियाँ दी जाती हैं जिन्हें उसे करने की आवश्यकता होती है और उसे उसके कर्तव्यों के बारे में बताया जाता है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल छात्रों को उद्योग मानकों के बारे में पढ़ाते हैं और उन्हें अधिक रोजगार योग्य बनाते हैं। अभी तक विश्वविद्यालय में हुए प्लेसमेंट से लगभग 2000 विद्यार्थी लाभान्वित होकर विभिन्न कम्पनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके है।

चयनित विद्यार्थियो को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव श्री विजय सिंह ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम के समन्वयक कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतीक्षा तिवारी एवं सुदर्शन बबेले रहे।





4.103 महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में विज्ञान संकाय द्वारा महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत "विज्ञान में महिलाओं का योगदान" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण कर दीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त सर्वप्रथम डॉ.निहारिका तिवारी ने उपस्थित अतिथियों के परिचय अवगत कराया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्रीमती नातू ने बताया कि आज जीवन के हर उत्पादक क्षेत्र से लेकर विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की सशक्त भागीदारी है। आज अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर रसायन, भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, जीव विज्ञान, चिकित्सा, नैनो तकनीक, परमाणु अनुसंधान, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान, गणित, इंजीनियरिंग और कृषि विज्ञान जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भारतीय महिला वैज्ञानिक अपनी छाप छोड़ रही हैं। अपनी सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते महिलाओं के लिए विज्ञान की दुनिया में मुकाम हासिल करना कभी आसान नहीं रहा है। कुछ दशक पहले महिलाओं के लिए यह स्थिति आज के मुकाबले कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन, बीसवीं सदी के उस दौर में भी कुछ महिलाओं ने चुनौतियों को पीछे छोड़कर विज्ञान का दामन थामा और ऐसी लकीर खींच दी, जिसे आज भी दुनिया याद करती है। ऐसे में, उन महिला वैज्ञानिकों का स्मरण आवश्यक है। ऐसी महिलाओं में कादम्बिनी गांगुली, भारत की पहली डॉक्टर रही, उन्होंने कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में चिकित्साविज्ञान का अध्ययन किया। ई.के.जानकी अम्माल वनस्पतिशास्त्री और साइटोलॉजिस्ट रही। अन्ना मणि ने मौसम विज्ञान और भौतिकी के क्षेत्र में और डॉ. असीमा चटर्जी ने कार्बनिक रसायन और फाइटोमेडिसिन, डॉ.दर्शन रंगनाथन ने जैव रसायन अर्थात् बायो–केमिस्ट्री क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दिया। जिनका कृतित्व और व्यक्तित्व भावी पीढ़ियों के लिए एक मिसाल व प्रेरणा है। भारत विश्व गुरू था, विश्व गुरू है और विश्व गुरू रहेगा।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती परिहार ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसा कोई भी काम नहीं है जो महिलायें नही कर सकतीं, कौन कहता है कि महिलायें पीछे हैं। उन्होने महिला सशक्तिकरण के लिए कहा कि तू सहेगी तो दुनिया बोलेगी और तू बोलेगी तो दुनिया सुनेगी। यदि अपराध करना गुनाह है तो अपराध सहना भी गुनाह है। यदि हम गलत देखते या सुनते हैं तो उसका विरोध भी करना चाहिए। साथ ही महिला के लिए कहा – कोमल है कमजोर नही तू, शक्ति का नाम ही नारी है, जग को जीवन देने वाली, मौत भी तुझसे हारी है।

वहीं डॉ. नीना चौरसिया ने कहा कि महिला और पुरुष दोनों मिलकर कार्य करेंगे तभी महिला सशक्तिकरण संभव है सशक्त होना सिर्फ पढ़ा लिखा होना ही नहीं है बल्कि अपने कार्यो के प्रति तटस्थ होना आवश्यक हैं। श्रीमती रेनू झॉ ने बताया कि हम अपनी सुरक्षा किस से मांग रहे हैं। ईश्वर ने सबको एक जैसा बनाया है शरीर पर लगी हुई चोट तो ठीक हो जाती है पर जुबान की चोट ठीक नहीं होती। नवीन सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के 1,044 सदस्यों में से केवल 89 महिलाएँ हैं जो कुल मात्र का 9% है। वर्ष 2015 में उनके प्रतिनिधित्व में और अधिक कमी देखी गई जिसमें 864 सदस्यों में मात्र 6% महिला वैज्ञानिक सदस्य शामिल थी। वर्तमान में हर क्षेत्र में महिलायें अग्रणी हैं।

विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पोस्टर का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती भाग्य श्री नातू एवं विशिष्ट अतिथि श्री मती शशि सिंह परिहार प्रोजेक्ट ऑफीसर (ICDS), श्रीमती आरती चौरसिया संचालक आरती बुटिक, डॉ.दीपा कुशवाह, डॉ.नीना चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा, श्रीमती रेनू झा एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ.निहारिका तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की विज्ञान संकाय छात्रा कु. नैनसी राजन द्वितीय वर्ष एवं कु. पूजा कुशवाहा प्रथम वर्ष ने किया। वहीं आभार पर्यावरण विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. निकेत मिश्रा ने व्यक्त किया।





4.104 द्वितीय चरण की राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा हुई सम्पन्न

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के द्वितीय चरण का आयोजन विश्वविद्यालय प्रांगण में दिनांक 14 फरवरी 2023 को हुआ। जिसमें अत्यधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की। परीक्षा के समय प्रथम चरण को यथावत् दोपहर 12.30 से 2.30 रखा गया। परीक्षा में उपस्थित परीक्षार्थियों से कक्षा दसवीं पर आधारित प्रश्नों में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी के अतिरिक्त सामान्य अध्ययन के अन्तर्गत अंकगणित, विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, कम्प्यूटर, भारत एवं विश्व के इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था तथा राजनीति के प्रश्न बहुविकल्पी रूप में पूछे गए। विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में उत्साहित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए समय पूर्व ही विश्वविद्यालय प्रांगण में आना प्रारम्भ कर दिया। विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा छतरपुर के अलावा नौगांव, बिजावर, महाराजपुर एवं अन्य ब्लॉकों के विद्यार्थियों के लिए भी विश्वविद्यालय की बस सुविधा उपलब्ध करायी गयी। जिससे विद्यार्थियों को आवागमन में असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। परीक्षा उपरान्त विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय प्रांगण में की गयी।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के द्वितीय चरण के समापन उपरान्त विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित संकायों जैसे फार्मेसी लैब, कृषि संकाय, पुस्तकालय, ओडिटरियम, कम्प्यूटर लैब, मूट कोर्ट, नर्सिंग लैब, संगीत विभाग, ललितकला विभाग आदि के भ्रमण के साथ ही कैरियर काउसिंलिंग से संबंधित प्रश्नों को निराकृत किया गया। कैरियर काउसिंलिंग के बाद विद्यार्थियों को ऐसा महसूस हुआ कि बारहवीं के बाद की उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए उन्हें दूर नहीं जाना पड़ेगा। परीक्षा उपरान्त पैरामेडीकल एवं नर्सिंग विभाग द्वारा परीक्षार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षा में आने वाले समस्त विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण–पत्र परीक्षा के दौरान ही प्रदान किए गए। साथ ही उनको सूचित किया गया कि माह फरवरी के आखिरी सप्ताह में दोनों चरणों का परीक्षाफल घोषित किया जायेगा। परीक्षाफल में स्थान पाये छतरपुर जिले की आठों ब्लाकों के विद्यार्थियों को आठ–आठ प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में नगद राशि, शील्ड एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किये जायेगें। इसके साथ ही चौथे से दसवें स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार के द्वारा निर्धारित दिनांक एवं समय पर विश्वविद्यालय प्रागंण में पुरस्कृत किया जायेगा।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.105 राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई शिविर में हुआ बौद्धिक सत्र का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय एवं चतुर्थ दिवस स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान किया गया। जिसमें तृतीय दिवस स्वयं सेवकों ने ग्राम गौरैया में शिविर स्थल के आस पास परिसर में साफ–सफाई, पेड़ों की गुड़ाई और गड्ढों को समतल करने का काम बड़ी तल्लीनता से किया। परिसर को प्रदूषण रहित करने के लिए कूड़ा करकट को खाद बनाने के लिए गीले और सूखे कचरे को अलग–अलग किया। वहीं चतुर्थ दिवस स्वयं सेवकों द्वारा तालाब गहरीकरण का कार्य किया गया। जिसमें स्वयं सेवकों ने तालाब गहरीकरण से निकली बालू और मिट्टी को तालाब को जाने वाली रास्ता के समतलीकरण करने में उपयोग किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने विशेष शिविर में पहुंचकर निरीक्षण किया तथा परिसर में लगे हुए पेड़ पौधों के बारे में जानकारी देते हुए उनके उपयोग के बारे में बताया कि किस प्रकार से इन पौधों से औषधि का निर्माण कर सकते हैं। जिसमें कि गुड़हल लाल चंदन, पीला चंदन, आंवला, गुलमोहर, जंगल जलेबी, रुद्राक्ष, समीपत्ति इत्यादि पेड़ों की छाल से निर्मित जड़ी बूटियां और औषधियाँ हमारी कई बीमारियों को दूर कर हमें निरोग बनाती है। डायबिटीज को कम करने के लिए कोक्टस इग्नस की पत्तियों का सेवन किया जाता है। साथ ही पेड़ों की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किस प्रकार पेड़ पौधे हमारे वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं। शिविर में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र में तृतीय एवं चतुर्थ दिवस मुख्य अतिथि श्रीमती प्राची सिंह चंदेल परियोजना अधिकारी, श्री अनुराग सिंह सुमन न्यायिक दंडाधिकारी, श्री हेमंत कुशवाहा जिला विधिक अधिकारी, श्रीमती उर्मिला अधिवक्ता, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती तारा अहिरवार, डॉ. बी.एस राजपूत परीक्षा नियन्त्रक, डॉ. दीपा कुशवाह प्राध्यापक, श्रीमती दीक्षा चौहान सहित राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव, पुरुष इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश चंद्र अहिरवार, स्वयं सेवक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.106 राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई ने किया पौधारोपण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पंचम दिवस स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम गौरैया में शिविर स्थल के आस पास एवं ग्राम में पौधारोपण किया गया। ग्राम को प्रदूषण रहित करने के लिए पौधारोपण का कार्य विस्तृत रूप से स्वयं सेवकों एवं ग्रामीणों ने मिलकर किया। स्वंय सेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि ग्राम में लगे हुए पौधों से औषधि का निर्माण कर सकते हैं। औषधियाँ हमारी कई बीमारियों को दूर कर हमें निरोगी बनाती है। पेड़ पौधे हमारे वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं। हमें पौधों की देखभाल मिलकर करना चाहिए जिससे लगाये गये पौधे जीवित बने रहें। पौधारोपण के पश्चात् शिविर में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र के पंचम दिवस मुख्य अतिथि श्रीमती आरती जाटव फील्ड काउसंलर मानसिक स्वास्थ्य एवं श्री शिवचरण कडस्कर प्रोफेशनल काउंसलर सहित राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव, पुरुष इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश चंद्र अहिरवार, स्वयं सेवकों में मेघा, दीप्ति, संजना, उमा, खुशबू, अनुष्का, योजना, दीक्षा, निकिता, एकता, शिवानी, हेमलता, भावना, रजनी, प्रतिक्षा, रीमा, ममता, वर्षा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.107 शीघ्र प्रारंभ होगी फायरिंग रेंज- मेजर जनरल महाजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर 25 म.प्र. बटालियन छतरपुर के कैडेटों द्वारा जहाँ मेजर जनरल ऐ.के. महाजन अतिरिक्त महानिदेशक मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एन.सी.सी. भोपाल ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली वहीं अवरोध प्रशिक्षण स्थल का उद्घाटन किया।

मेजर जनरल ऐ.के. महाजन ने एन.सी.सी. कैडेट का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की भावना के साथ एनसीसी का मुख्य उद्देश्य युवाओ में एक धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, अनुशासन, भाईचारा, साहस की भावना और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों का विकास करना है। छात्रों को अनुशासित और निडर बनाने के लिए एन.सी.सी. का प्रारम्भ किया गया था। युवा सामाजिक सेवाओं से पीछे न हटे और उनके अंदर किसी भी प्रकार की स्वार्थ भावना ना हो इस बात का भी एन.सी.सी. में बहुत ध्यान रखा जाता है। देश के विकास के लिए उस देश का अनुशासित होना बहुत आवश्यक है। देश की हर पीढ़ी को अनुशासन का पालन करना चाहिए। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट अनमोल चतुर्वेदी ने स्वंतंत्रता दिवस की परेड में दिल्ली में प्रतिभाग करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

25 म.प्र. बटालियन के कर्नल श्री वी.के.एस. चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा एनसीसी राष्ट्रीय कैडेट कोर भारत सरकार के अंतर्गत आता है। यह एक युवा विकास आंदोलन है। इसमें राष्ट्र निर्माण के असीम संभावनाएं हैं, एनसीसी देश के युवाओं में देश प्रति अपने कर्तव्य, पतिबद्धता, समर्पण, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की भावना के साथ उनका सर्वांगीण विकास करता है। ताकि वे सक्षम नेता और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप समाज के पथप्रदर्शक बनें और अपने अच्छे काम को जारी रखें, जिससे कि आने वाली पीढ़ियां आपके गुण और जोश का अनुसरण करे। एनसीसी कैंप वास्तव में हमारे देश की एक छोटी सी दुनिया है, जिसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के कैडेटों का प्रतिनिधित्व है। यह हमारी विविध संस्कृतियों और परंपराओं की विविधता लेकिन एकता का एक अच्छा उदाहरण है।

इस दौरान 25 म.प्र. बटालियन के कर्नल श्री वी.के.एस. चौहान, सूबेदार मेजर श्री कुलवन्त सिंह और समस्त पी.आई. स्टॉफ, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, एन.सी.सी. अधिकारी डिवीजन श्री गौरव शर्मा, एन.सी.सी अधिकारी सीनियर विंग कु. निशा राजा बुन्देला, केडिट पंकज विश्वकर्मा अनन्या राजा बुन्देला, खुशी राजा परमार, दीक्षा देवी सहित समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।





4.108 राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें एवं समापन दिवस पर स्वयंसेवकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वयं सेवकों ने ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय विद्यार्थियों के साथ किया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान रक्त समूह, शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण निशा चौरसिया, अमर सिंह, अनु राजपूत, शिवानी राय, स्वदेश तिवारी द्वारा किया गया। शिविर का समापन स्वयं सेविका मेघा तिवारी द्वारा भारत के तिरंगा को कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव को सौंपते हुए किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की संरक्षिका श्रीमति कुंती देवी, कुलपति डॉ. अनिल धगड, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी एस राजपूत, उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा, सरपंच श्रीमति तारा अहिरवार, सचिव शहनाज बानो, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव, डॉ. महेश चंद्र अहिरवार सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान स्वयं सेविकाओं ने ग्रामीण बच्चो के साथ मिलकर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जिसमे बुंदेलखंड बधाई और देशभक्ति गीत प्रसंशनीय रहे। स्वयं सेविकाओं द्वारा सात दिवसीय शिविर के दौरान विभिन्न अच्छे कार्य करने पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्वयं सेविकाओं में मेघा, अनुष्का, भावना, निकिता, एकता, विनीता, योजना, रोशनी, हेमलता, वर्षा, शिवानी, रीमा, संजना, आकांक्षा, खुशबू, नेहा, उमा, आंसी, दीप्ति, ममता, दिव्या, महिमा, रिसालत, रजनी, प्रतीक्षा, अंजना, मनीषा, फूलबती, सोनिया, सपना, शेलिना, सनिधि के साथ स्वयंसेवक कमलेश, धर्मेंद्र, आकाश, तौफीक, उमेश सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.109 अंकुर योजना के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण।

पर्यावरण को संतुलित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा मिलकर लोगों को वृक्षारोपण के प्रति प्रोत्साहित करने के लिये कई योजनाओं को चलाया जा रहा है जिसमें मध्यप्रदेश अंकुर योजना प्रमुख है। इस वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में कुलसचिव एवं प्रध्यापकगणों द्वारा वृहद मात्रा में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें कचनार, अर्जुन, पीपल, तुलसी, नीम, आंवला आदि सम्मिलित है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने वृक्षों की महत्वता को बताते हुए कहा कि मनुष्य को सांस लेने के लिये ऑक्सीजन गैस की आवश्यकता होती है और पेड़ ही ऐसे प्राकृतिक स्त्रोत है जो हमें ऑक्सीजन प्रदान करते है। सरकार के द्वारा शुरू की गई अंकुर योजना का उद्देश्य राज्य में हरियाली बढ़ाना और प्रकृति में आए असंतुलन को रोकना है।

विश्वविद्यालय के चैयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र गौतम ने कहा कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभी प्रध्यापकगण एवं विधार्थीगण सरकार द्वारा चलाए जा रहे अंकुर योजना में सहभागिता देते हुए अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण करेंगे। विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि आयुर्वेद मे अधिकतर औषाधि का निर्माण करने के लिये जड़ी बूटियों और पेड़ पौधों का ही इस्तेमाल किया जाता है। पेड़ के पत्ते, इसके तने इसकी जड़ सभी कुछ न कुछ रूप में उपयोगी होते हैं, जैसे मूली, गाजर, शकरकंद की जड़े ही खाने में काम आती हैं। नीम और बबूल के पेड़ का प्रयोग दातुन बनाकर दांतों को स्वस्थ्य रखने के लिये किया जाता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने कहा कि पेड़ आध्यत्मिक दृष्टि से ही नही बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से हमारे लिये बहुत उपयोगी होते है। पेड़ों की कमी की वजह से हमारा पर्यावरण निरंतर प्रदूषित हो रहा है, अत: हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।





4.110 कैम्पस प्लेसमेन्ट से 30 छात्रों का हुआ चयन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज भोपाल के सहयोग से कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन 09/02/202* को किया गया था। जिसमें प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज भोपाल के संचालक श्री जे.डी. पाटिल मानव संसाधन प्रमुख के.पी. पाटिल एवं श्री शिव कुमार सम्मिलित हुए। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ट्रेनिंग प्लेसमेन्ट द्वारा यह जानकारी दी गई कि केम्पस प्लेसमेन्ट में प्रगति एग्रो इंडस्ट्रीज द्वारा आज चयनित अभ्यर्थियों को उदयपुर एवं भोपाल शहर के लिये नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। नियुक्ति पत्र प्राप्त करते ही अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। भोपाल के लिये चयनित अभ्यर्थी– कीर्ति बुन्देला, नरेश शिवहरे, गजेन्द्र राजपूत, आशीष सिंह, नीलमनी बुन्देला, अमित कुमार चौरसिया, वंदना पटेल, कीर्ति दीक्षित, सोनाली सोनी, अवध किशोर पटेल, मान्सी गोस्वामी, रोहित पटेल, मोहित कुशवाहा, रोशनी साहू एवं उदयपुर के लिये चयनित अभ्यर्थी– विकास रैकवार, विजय अहिरवार, प्रभात सिंह, अभिषेक राजपूत, पंकज पटेल, मनोज कुमार अहिरवार, दीपक पाठक, रोहित सिंह यादव, रावसाहब ठाकुर, आशीष कुमार सोनी, दीपक राजपूत, नाजरीम बानो, शिवकुमार अनुरागी, हिमांशु असाटी, बृजेश वर्मा है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि जिस तरह आप सभी ने अनुशासन में रहकर अपना अध्ययन कार्य पूर्ण किया। ठीक वैसे ही अपने कार्यस्थल पर शानदार कार्य करके, प्रशंसा बटोरेगें और निश्चित ही नये मुकाम को हासिल करेंगे।

विश्वविद्यालय के चैयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने विधार्थी की प्रशंसा करते हूए कहा कि अपकी कड़ी मेहनत निश्चित रूप से आपके काम आई इसी तरह आप आत्मविश्वास के साथ स्वंय पर विश्वास रखें और मेहनत करें तो निश्चित ही आप अपने कार्यक्षेत्र में सबको प्रभावित कर सकेगें। विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने सभी चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि सफलता निरंतर प्रयास करने से प्राप्त होती है। अत: आप सभी उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सदैव कड़ी मेहनत करते रहे क्योंकि

"ये तो बस शुरूआत है, तुम्हें आगे बढ़ते जाना है।
हासिल करने है लक्ष्य कई, तुमको इतिहास रचना है।"

विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाऐं देते हुये कहा कि मैं आप सभी की उपलब्धि की कामना करता हूं। और अपेक्षा करता हूं कि आप अपने काम का अच्छे से अच्छे ढंग से करेंगे तो अवश्य ही कार्यक्षेत्र में अधिक से अधिक लाभ उठाएगें आपकी उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। प्लेसमेन्ट सैल के समन्वयक सदस्य कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतिक्षा तिवारी एवं सुदर्शन बबैले के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी प्रध्यापकगणों ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाऐं दी।



4.111 दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के 'कोना कोना शिक्षा' कार्यशाला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (NISM) मुम्बई द्वारा दिनांक 24 व 25 फरवरी 2023 को 'कोना कोना शिक्षा' व्याख्यान माला के अंतर्गत युवाओं को वित्तीय जागरूकता और नवीन विचारों की खोज में शिक्षित करने हेतु एक अंत:विषय आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विषय विशेषज्ञ प्रवीण जैन (NISM) के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को विभिन्न प्रकार की वित्तीय शिक्षा आधारित जानकारी से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री प्रवीण जैन, डॉ.बी.एस.राजपूत, डॉ.आनन्द चौरसिया, डॉ.दीपा कुशवाह, डॉ.एल.पी.सिंह, डॉ.आलोक अग्रवाल द्वारा जगत जननी मॉ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण उपरान्त दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथि का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त सर्वप्रथम विश्वविद्यालय फार्मेसी विभाग प्राचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. आनन्द चौरसिया ने उपस्थित मुख्य अतिथि का परिचय एवं कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु से संबंधित जानकारी से अवगत कराया।

श्री जैन ने वित्तीय शिक्षा, वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता, बचत और निवेश आदि पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि हमें कब, कहॉ, कैसे और किस रूप में पैसे लगाना चाहिए। शेयर बाजार में अपने धन को किस प्रकार से निवेश करते हैं। पैसे निवेश करने से पहले हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है, जिससे हमें आर्थिक हानि का सामना ना करना पड़े। उम्र, बाजार की स्थिति एवं आवश्यकतानुसार निवेश करना लाभप्रद होता है। व्याख्यान माला के उपरान्त उपस्थित युवाओं एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (NISM) मुम्बई द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होकर व्याख्यान माला से प्राप्त जानकारी के आधार पर परीक्षा दी। परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थियों को राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (NISM) मुम्बई द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किए जाऐंगे।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ.निहारिका तिवारी, डॉ.राजेन्द्र चौधरी, दीपेन्द्र सिंह बुन्देला सहित प्राध्यापकों ने कार्यशाला को युवाओं के हितार्थ बताया। कार्यशाला के दौरान मंच संचालन कु.अनुप्रिया नामदेव सहायक प्राध्यापक एवं आभार दीपेन्द्र सिंह सहायक प्राध्यापक ने व्यक्त किया।





4.112 विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय "वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान" है। आयोजित प्रतियोगिताओं में पोस्टर, भाषण एवं पेंटिंग को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय पर आधारित रखा गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन उपरान्त किया गया। तत्पश्चात् सर्वप्रथम बीएससी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पूजा कुशवाहा ने फर्टिलाइजेशन पर बताया कि यह कॉम्पलेक्स सीरीज है इसका हम कैसे प्रायोगिक लैब में प्रयोग एवं ट्रांसप्लान्ट करते हैं। यह एक प्रकार की जेनेटिक समस्या है। बीएससी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अर्चना राजपूत ने बताया कि किस तरह से बाजरा हमारे जीवन में उपयोगी है। बाजरा का प्राचीनकाल से ही उपयोग रहा है इसका उपयोग मानव शरीर में शुगर को ठीक करने के साथ-साथ अन्य कई बिमारियों को ठीक करने के लिए किया जाता है। बीएससी द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अर्पित त्रिपाठी ने विज्ञान और तकनीकी के बारे में बताया कि विज्ञान हमारे कैसे दैनिक जीवन में भी उपयोगी है और हर कार्य एवं वस्तु कैसे विज्ञान से जुड़ी हुई है। हम जो भी कार्य करते हैं किसी ना किसी तरीके से ही करते हैं जो विज्ञान और तकनीकी से संबंध रखता है।

विज्ञान संकाय के भौतिक विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती नेहा यादव ने चंद पंक्तियों के द्वारा बताया कि "चांद सूरज साक्षी तारागढ़, पनपा नहीं असत्य, सदा सत्य की जय होती है, यही है वैज्ञानिक तथ्य।" सहायक प्राध्यापक आकांक्षा त्रिपाठी ने विज्ञान के बारे में बताते हुए कहा कि "विज्ञान हमारे जीवन का आधार, विज्ञान ने किए हर कल्पना साकार, विज्ञान ने की है हर मुश्किल आसान, विज्ञान ने संसार को दिया एक नया अवतार।" इसी के साथ वनस्पति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक भागवती चौरसिया ने विज्ञान दिवस क्यों मनाते हैं इसकी जानकारी से सभी को अवगत कराकर रमन प्रभाव को समझाया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरव स्वरूप निगम एवं आभार डॉ. निकेत मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया। इस दौरान विज्ञान संकाय से डॉ. निहारिका तिवारी, शिवेंद्र सिंह परमार, योगेश द्विवेदी सहित प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाऐं दी।





4.113 दिनकर श्रीवास्तव ने जी-20 पर छात्र-छात्राओं के साथ किया संवाद

विदेश मंत्रालय भारत सरकार, विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली व श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट व्याख्यान माला का आयोजन 17 फरवरी 2023 को आभासी तथा भौतिक दोनो माध्यमों से विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथिदेवो भव: की परंपरा का निर्वाहन करते हुए विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए सॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल धगट ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत भाषण के माध्यम से परिचय कराया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय उपकुलपति एवं कार्यक्रम समन्वयक गिरीश त्रिपाठी ने आज के कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट श्रृंखला के अंतर्गत छात्र-छात्राओं में जी-20 की जागरूकता फैलाने के उददेश्य से इस व्याख्यान माला का आयोजन किया गया है।

आज के व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता भूतपूर्व भारतीय राजदूत श्री दिनकर श्रीवास्तव जी ने जी-20 के गठन और उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि G20 ग्रुप का गठन सन् 1999 के दशक के अंत के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल कर वैश्विक स्थिरता को सुरक्षित करना है। यह विश्व के 20 प्रमुख देशों का संगठन है, जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जिसका प्रतिनिधित्व यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय केंद्रीय बैंक द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि भारत इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है जो गौरव की बात है भारत की संस्कृति और सभ्यता प्राचीन है जिसमें भारत की आशा, सद्भाव और शांति सन्निहित है ₹एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" और प्राचीन संस्कृत लोकाचार में सम्मिलित है 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना। जो सभी जीवन के मूल्य की पुष्टि करता है उन्होने व्याख्यान माला के दौरान विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ जी-20 पर संवाद किया।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, इंन्दौर के प्राध्यापक एवं जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट स्टेरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. कन्हैया आहूजा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आर्थिक मोर्चे पर मुश्किल हालात से गुजरते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था ऐतिहासिक आंकड़े के पार पहुंची। पर्यावरण स्वच्छता को जी-20 से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम सब को जागरूक रहना चाहिए। पर्यावरण और जलवायु स्थिरता इसमें भूमि की उर्वरता बहाल करने, तटीय क्षेत्रों के साथ नीली अर्थव्यवस्था और जैव विविधता को बढ़ावा देने, जंगल की आग और समुद्री कचरे की समस्या से निपटने जैसी पर्यावरण चुनौतियों के मुद्दे पर बताया कि सदस्य देशों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रभावी प्रस्तुतियां दीं और तकनीकी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। वन्य जीवों और जैव विविधता के संरक्षण के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने की योजना पर यह संगठन बल देता है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा अपशिष्ट पदार्थों को फिर से उपयोगी बनाने के कार्य की ईपीआर फ्रेमवर्क के सदस्य देशों ने सराहना की।

विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. पुष्पेंन्द्र सिंह गौतम ने अपने सम्बोधन मे कहा कि जी-20 अध्यक्षता के रूप में भारत के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए एक महान अवसर है क्योंकि आज भारत को जानने और समझने के लिए दुनिया में एक अभूतपूर्व जिज्ञासा है। आज भारत को नई रोशनी में पढ़ा जा रहा है। हमारी वर्तमान सफलताओं के आकलन से भारत पुन: विश्वगुरू बनने के मार्ग पर अग्रसर है। जिसमें बड़े पैमाने पर युवाओं की भागीदारी महत्व रखती है क्योकि युवा आने वाले समय में भारत का नेतृत्व करेंगे।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा ने अपने उद्धबोधन मे कहा कि भारत सबसे अधिक युवाओं वाला देश है यहां 65 करोड़ युवा है। यह हमारे लिए ऐतिहासिक क्ष्ाण एवं सम्मान के साथ-साथ बडी जिम्मेदारी भी है क्योकि यह अवसर हमारी आजादी के अमृत काल में आया है। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. डी. पी. शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण एवं विद्यार्थियों के लिए यह प्रशंसा का विषय है कि उनके विश्वविद्यालय को जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट श्रृंखला में

www.skuindia.ac.in

जोड़ा गया। वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र अरजरिया ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जी–20 की अध्यक्षता में पहली बार ऐसा हुआ कि समाज के अंतिम छोर को भी जोड़ने का प्रयास किया गया। आने वाले समय में भारत दुनिया के कई लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए नए कीर्तिमान गढ़ेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा वरिष्ठ नेता राकेश पाठक ने अपने अध्यक्षीय उद्धबोधन में कहा कि भारत के 75 विश्वविद्यालय को जी–20 कनेक्ट प्रोग्राम में जोड़ा गया जिसमे मध्यप्रदेश के 4 विश्वविद्यालय में बुंदेलखण्ड क्षेत्र मे स्थापित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का नाम सम्मिलित है। यह बुंदेलखण्ड के लिए गौरव की बात है। इसका श्रेय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को जाता है।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियो को अतिथियों के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह द्वारा एवं संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी एवं श्रीमती रेनू झा द्वारा किया गया।

व्याख्यान माला में मुख्य वक्ता के रूप में भूतपूर्व भारतीय राजदूत दिनकर श्रीवास्तव, यूनिवर्सिटी कनेक्ट स्टेरिंग कमेटी के सदस्य प्रो. कन्हैया आहूजा, अली सैय्यद सलाहकार, डॉ. जी. पी. मिश्रा कुलसचिव महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, डॉ. डी. पी. शुक्ला प्राध्यापक महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, श्री राकेश पाठक भाजपा वरिष्ठ नेता एवं श्री मानवेन्द्र सिंह परिहार समाज सेवी, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उप कुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।









4.114 नर्सिंग एवं पैरामेडीकल के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल विभाग के छात्र–छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र–छात्राओं को नौगांव के टीबी अस्पताल एवं धुबेला के महाराजा छत्रसाल पुरातात्विक संग्रहालय ले जाया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह द्वारा भ्रमण पर जा रहे छात्र–छात्राओं की बसों को चौबे तिराहा, छतरपुर पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शैक्षणिक भ्रमण में विश्वविद्यालय के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल विभाग के 110 छात्र–छात्राएं एवं विभागीय प्राध्यापक शामिल रहे। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में मरीजों की स्थिति, वहां की कार्यशैली एवं मरीजों के ईलाज करने के तरीकों से छात्र–छात्राओं को अवगत करवाना था। भ्रमण के दौरान बच्चों ने कतार बद्ध तरीके से अनुशासन में रहकर अस्पताल की प्रयोगशालाओं में किए जाने वाले परीक्षणों को अस्पताल प्रबंधन के पूर्ण सहयोग द्वारा बारीकी से समझा गया। साथ ही परीक्षणों के दौरान आने वाली समस्याओं एवं उपयोग की जाने वाली सामग्री से अस्पताल प्रबंधन द्वारा अवगत कराया गया। वहीं डॉ. जय नारायण अग्रवाल ने टीबी रोग के बारे में छात्र–छात्राओं को विस्तार से समझाया एवं उनकी समस्याओं का समाधान भी किया। छात्र–छात्राओं द्वारा बनाए गए गेट वेल सून कार्ड एवं पुष्प मरीजों को देकर उनके जल्द ही स्वस्थ होने की कामना की। नौगांव टीबी अस्पताल भ्रमण के पश्चात् छात्र–छात्राओं ने महाराजा छत्रसाल पुरातात्विक संग्रहालय धुबेला का भ्रमण किया। जहां छात्र–छात्राओं ने बुंदेलखंड से जुड़े इतिहास को जानकर अपने ज्ञान को विकसित किया। संरक्षक के तौर पर पैरामेडिकल विभाग के प्राध्यापक अजय शर्मा, अंकिता मिश्रा एवं नर्सिंग विभाग से डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, शमा नाज, वर्षा बरहोलिया, निशी चौरसिया, मेघा शुक्ला एवं साहिबा फरहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्रीड़ा अधिकारी गौरव शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।





www.skuindia.ac.in

4.115 विधि विभाग के छात्रों द्वारा किया गया मातगुवां थाना का भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग के छात्र–छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र–छात्राओं को थाने की प्रारम्भिक अन्वेषण एवं गिरफ्तारी की विधिक कार्यवाहियों की प्रत्यक्ष जानकारी को अवगत कराने हेतु मातगुवां थाना का भ्रमण कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह द्वारा विश्वविद्यालय प्रांगण में बस को हरी झण्डी दिखाकर थाना मातगुवां रवाना किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए थाना पहुँचकर थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस कर्मियों से थाने में होने वाली समस्त कार्यवाहियों की विधि छात्र–छात्राओं द्वारा जानकारी प्राप्त की गई। हेड कॉस्टेबल श्री रावत द्वारा छात्र–छात्राओं को प्रथम सूचना रिपोर्ट के संबंध में तथा कॉस्टेबल कुलदीप द्वारा थाने की विभिन्न शाखाओं जैसे – कम्प्यूटर कक्ष, विवेचक कक्ष, थाना प्रभारी कक्ष, वायरलेस कक्ष, पुरूष एवं महिला बंदी गृह आदि की जानकारी एवं उनके कार्यकलापों के संबंध में बताया गया। वहीं कॉस्टेबल पंकज यादव द्वारा जब्ती पत्रक, अपराध विवरण फॉर्म, मेडिकल, फिंगर प्रिंट आदि के संबंध में छात्र–छात्राओं को विस्तार पूर्वक व्यवहारिक एवं विधिक पक्ष से अवगत कराया गया। छात्र–छात्राओं के द्वारा पूछे गये प्रश्नों का निराकरण हेड कॉस्टेबल एवं कॉस्टेबल द्वारा सहजता पूर्वक किया गया। विधि क्षेत्र में छात्र–छात्राओं में कौशल विकास हो, इसके उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। थाना भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से विधि विभाग के संकायाध्यक्ष डॉ. एल. पी. सिंह, विश्वविद्यालय के प्रबंधक कुबेर सिंह, विधि विभाग के विभागाध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापिका डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक, सहायक प्राध्यापिका श्रीमति पूनम चौरसिया, सहायक प्राध्यापिका दीप्ती सेठ एवं रविकांत विश्वकर्मा सहित एलएलबी, बीए एलएलबी एवं एलएलएम के छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।









4.116 फार्मा प्रबंधन एक रोचक विषय पर हूई संगोष्ठी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में मार्डन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, इन्दौर के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को फार्मा मैनेजमेंट एवं उससे संबंधित पहलूओं की जानकारी से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी, कुलसचिव विजय सिंह, डॉ.आनन्द चौरसिया द्वारा जगत जननी मॉ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण उपरान्त दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त सर्वप्रथम विश्वविद्यालय फार्मेसी विभाग प्राचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. आनन्द चौरसिया ने उपस्थित मुख्य अतिथि का परिचय एवं कार्यक्रम संबंधित जानकारी से अवगत कराया।

डॉ. द्विवेदी ने फार्मा प्रबंधन का औषधि रखरखाव, दवा प्रबंधन एवं शोध से संबंधित पहलूओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि दवा प्रबंधन के माध्यम से फार्मेसी उच्च शिक्षा के नए आयामों को हम कैसे प्राप्त कर सकते हैं। फार्मा सेक्टर पहले से लगातार ग्रोथ करने वाला रहा है, वर्तमान परिस्थितियों में इसकी ग्रोथ की रफ़्तार तेज है। फार्मा प्रबंधन के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। कोरोना महामारी के बाद फार्मा इंडस्ट्री में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। अन्य क्षेत्रों की तरह फार्मा सेक्टर भी खुद को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर लगातार बढ़ने के कारण फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट का कोर्स काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह कोर्स करियर ग्रोथ के लिए संजीवनी बूटी का काम करेगा। फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट एक एमबीए कोर्स है। मेडिसिन के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र इसे काफी पसंद कर रहे हैं। इस कोर्स के दौरान फार्मा कॉन्सेप्ट्स के साथ प्रबंधन यानि मैनेजमेंट भी पढ़ाया जाता है। इसमें हेल्थ और केमिकल साइंस के साथ मेडिसिन के उपयोग और उसकी सुरक्षा के बारे में बताया जाता है। कोर्स के दौरान मेडिसिन डेवलपमेंट, रिसर्च, फार्मा एडमिनिस्ट्रेशन और नर्सिंग की जानकारी दी जाती है। छात्रों को एंटरप्राइज मैनेजमेंट, एडवांस बिज़नेस कॉन्सेप्टस और फार्मा मैनेजमेंट पढ़ाए जाते हैं। कोर्स करने के बाद उम्मीदवार फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री में मैनेजर, सरकारी विभागों, रिसर्च इंस्टीट्यूट्स, यूनिवर्सिटीज, फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री, मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में नौकरी पा सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा, डॉ.निहारिका तिवारी, डॉ.राजेन्द्र चौधरी, दीपेन्द्र सिंह बुन्देला सहित प्राध्यापकों ने संगोष्ठी को फार्मेसी विद्यार्थियों के हितार्थ बताया। संगोष्ठी के दौरान मंच संचालन कु.अनुप्रिया नामदेव सहायक प्राध्यापक एवं आभार अभिषेक पाठक सहायक प्राध्यापक ने व्यक्त किया।





4.117 विश्वविद्यालय में हुआ पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह (एल्युमनी मीट) का आयोजन किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र अपने बहुमूल्य समय में से कुछ पल निकालकर उपस्थित हुए। एल्युमनी मीट अर्थात् पूर्व छात्र मिलन समारोह एक बहुत ही सुहावना अवसर होता है। एल्युमनी मीट में सब नौजवान मिलकर पुरानी यादों में खो जाते हैं। एल्युमिनी मीट उस समय सबसे अधिक प्रभावशाली हो जाती है जब इस मिलन के पीछे सकारात्मक विचारों से सभी पूर्व छात्र अपना योगदान देते हैं।

समारोह का शुभारम्भ सरस्वती पूजन, पुष्पार्पण व दीपप्रज्जवलन उपरान्त सरस्वती वंदना एवं विश्वविद्यालय के कुल गीत गायन कर किया गया। समारोह के दौरान ही एल्युमनी कमेटी का गठन विश्वविद्यालय के निर्णायक मण्डल के सदस्यों द्वारा लॉटरी पद्धति के आधार पर किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए अंकुर मिश्रा(होटल व्यवसाय), उपाध्यक्ष श्रृद्धा त्रिपाठी(अधिवक्ता), सचिव राजीव राय(बीमा अभिकर्ता), सह-सचिव रूपा ताम्रकार(अध्यक्ष,निजी योग संस्थान),कोषाध्यक्ष संदीप कुमार(अधिवक्ता) एवं सदस्य के रूप में सज्जन द्विवेदी(अधिवक्ता),मधु राजपूत(अधिवक्ता) को मनोनीत किया गया।

स्वागत भाषण में सभी पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए परीक्षा नियन्त्रक डॉ. बी.एस. राजपूत ने कहा कि एल्युमनी मीट अर्थात् पूर्व छात्रों का पुन: मिलन के आयोजन का उद्देश्य पुराने पलों और पुराने रिश्तों का जश्न मनाने के साथ-साथ नए रिश्तों का अध्याय शुरू करने से है। यह वो अवसर है जब सभी पुराने छात्र अपने विश्वविद्यालय में एकत्र होकर पुरानी यादें ताज़ा करते हैं और पूर्व छात्रों के लिए फिर से अपने विश्वविद्यालय परिसर में वापस आकर नए छात्रों के साथ बातचीत करना रोमांचित क्षण है। आप सभी छात्रों को संबोधित करने का सुखद अवसर पाकर मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ। आज का दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें कई स्नातक छात्रों के साथ लंबे समय बाद मिलने का अवसर प्रदान करता है और उन्हें एक-दूसरे से मिलने का अवसर तो प्रदान करता ही है बल्कि अपनी यादों को सांझा करने के लिए भी एक सशक्त माध्यम बनता है। इससे पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय के परिसर में हुए परिवर्तनों और घटनाक्रमों में हुए बदलावों को भी देखने का अवसर मिलता है।

पूर्व छात्र समारोह में आए विधार्थियों ने विश्वविद्यालय में बिताए अपने सुखद पलों का अनुभव व्यक्त किया तथा अपने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय, कुलपति महोदय, कुलसचिव महोदय एवं प्राध्यापकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि छतरपुर में शिक्षा का इतना अच्छा संस्थान निर्मित कर हम सभी के लिए अच्छी शिक्षा ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त किया। रूपा ताम्रकार ने कहा कि यहाँ से योगा में स्नातक उपाधि प्राप्त करने के पश्चात स्वंय का एक योग केन्द्र खोला जिसमें समय-समय पर यहाँ के प्राध्यापकों से सहयोग प्राप्त होता रहता है। सज्जन द्विवेदी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय से एल एल एम करने के पश्चात में एक सफल वकील के रूप में अपना जीवन यापन कर रहा हूँ। विधिविभाग के समस्त प्राध्यापको का अध्ययन के समय बड़ा सहयोग प्राप्त हुआ। माही, राजीव, संदीप पाठक, श्रद्धा त्रिपाठी और अंकुर मिश्रा ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हमने अच्छा अनुशासित शैक्षिक वातावरण प्राप्त कर ज्ञानार्जन किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस सत्र में विश्वविद्यालय प्रारम्भ हुआ जिन विद्यार्थियो ने प्रवेश लिया उन विद्यार्थियो को देखकर अपार प्रसन्नता हो रही है। उससे अधिक प्रसन्नता की बात यह है कि यहां से शिक्षा पूर्ण करने के बाद कई विधार्थियों ने नौकरी प्राप्त की, कुछ ने अपना स्वरोजगार स्थापित किया। जो विधार्थी रोजगार प्राप्त नही कर पाये उन्हें असफलता से निराश होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि यह मंथन जरूरी है कि हम असफल क्यों हुए। आप सभी पुन: प्रयास करें हमें आशा ही नही बल्कि पूर्ण विश्वास है कि बड़ी सफलता अपका इंतजार कर रही है। प्रत्येक छात्र समाज जीवन के विविध पहलुओं पर सृजनात्मक व विकासात्मक कार्य में संलग्न हो, विश्वविद्यालय ऐसी अपेक्षा रखता है। अंत में मैं समाज में आप सबके द्वारा निभाई गई कई भूमिकाओं की प्रशंसा करना चाहूँगा। आप में से कई समाज में प्रभाव के प्रमुख पदों पर हैं। मैं समाज के विकास के लिए इस प्रतिष्ठित संस्था में आपके द्वारा बिताए गत वर्षों में किए गये आपके प्रयासों की सराहना करना चाहूंगा। अंत में मैं आपकी सहभागिता के लिए और साथ ही विश्वविद्यालय के प्रति आपके समर्पण भाव के लिए आप सभी को साधुवाद देता हूं और आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

कुलसचिव विजय सिंह ने कहा कि यहां उपस्थित आप सभी पूर्व विधार्थियों को इस पुनर्मिलन की व्यवस्था पसंद आई होगी। आप सबको इस अद्भुत दिन और यादगार क्षणों की हार्दिक शुभकामनाऐं आगे उन्होनें कहा कुछ समय पहले हमारा विश्वविद्यालय एक छोटा और संघर्षरत् संगठन था और अगर आज हम इसके बारे में बात करते हैं तो हमारे स्नातक छात्र दुनिया भर में अपने विकास, शिक्षा, ज्ञान और उनके प्रदर्शन के कारण व्यापक रूप से फैले हुए है जो हर जगह अपना-अलग मुकाम बनाए हैं। आप में से बहुत सारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन अभी भी मेरे मन में ज्यों का त्यों बसा हुआ है।

उपकुलसचिव मेघना मिश्रा ने इस समारोह में आए पूर्व छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम ऐसी आशा रखते है कि आप अपने कार्यक्षेत्र में अपने विश्वविद्यालय का नाम अवश्य रोशन करेगें। हमारा विश्वविद्यालय अब बुन्देलखण्ड के महान संस्थानों में से एक बन गया है। हमारे संस्थान में सभी प्रमुख आवश्यकताएं जैसे कि विशाल परिसर, समस्त विकास, अनुभवी संकाय, समर्पित छात्र, आवश्यक वित्तीय संसाधन आदि के लिए अनुकूल वातावरण है। आप में से कई समाज में प्रभाव के प्रमुख पदों पर हैं। मैं समाज के विकास के लिए इस प्रतिष्ठित संस्था में आपके द्वारा बिताए गत वर्षों में किए गये आपके प्रयासों की सराहना करना चाहूंगी।

इस समारोह के समन्वय श्री धीरेन्द्र भारती के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुमेधा राय ने किया।









4.118 ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों ने किया इम्पाला इंडस्ट्री का भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल व इंजीनियरिंग संकाय द्वारा इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों को इंपाला इंडस्ट्री का भ्रमण कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह एवं इंजीनियरिंग विभाग की विभागाध्यक्ष मेघना मिश्रा द्वारा विश्वविद्यालय प्रागंण से बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इंडस्ट्री भ्रमण में इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों को इम्पाला इंडस्ट्री में इंडस्ट्री की गतिविधियों से अवगत कराया गया। जहाँ कंपनी सीईओ संदीप जैन ने विद्यार्थियों से रूबरू होकर इंडस्ट्री के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कि इंडस्ट्री में मुख्यत: चार विभाग हैं जिसमें अनुसंधान और विकास विभाग, मैन्यूफैक्चरिंग विभाग, असेम्बलिंग विभाग एवं उत्पादन विभाग कार्यरत् हैं। सभी विभागों के कार्य निर्धारित हैं जो आवश्यकतानुसार अपना-अपना कार्य करते हैं। साथ ही बताया कि इंडस्ट्री में ई-रिक्शा, ई-बाईक में जिस बैटरी का उपयोग किया जाता है उसकी बैटरी के चार्जर का निर्माण किया जाता है। विद्यार्थियों ने बनाए जा रहे चार्जरों के निर्माण को देखा व समझा। इस प्रकार के व्यवहारिक ज्ञान को पाकर विद्यार्थियों के मन में स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करने की योजना जागृत हुई। इस दौरान इंजीनियरिंग विभाग के 83 विद्यार्थियों ने इंडस्ट्री की गतिविधियों की जानकारी को बखूबी तरीके से हासिल किया। इंडस्ट्रियल भ्रमण में इंजीनियरिंग संकाय एवं ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के नीतेश मिश्रा, कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतीक्षा तिवारी, कु. वर्षा यादव एवं सुदर्शन बबेले उपस्थित रहे।

इंडस्ट्री भ्रमण को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव विजय सिंह ने विद्यार्थियों को स्वरोजगार प्रारम्भ करने के लिए लाभदायक बताया।





4.119 एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास (पर्सनालिटी डेवलपमेंट) पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्यक्तित्व विकास व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री शिवम तिवारी ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को बताया कि पर्सनालिटी डेवलपमेंट का मतलब अपने व्यक्तित्व को उभारना अर्थात् व्यक्तित्व का विकास करना होता है। पर्सनालिटी डेवलपमेंट में हमें अपने पर्सनल बिहेवियर, ऐटिटूड, प्रस्तुति का तरीका, लोगों से बात करने का तरीका और ऐसी ही बहुत सी चीज़ों को बेहतर बनाना होता है। हमारी जीवन-शैली और ज़िन्दगी के प्रति सोच बदल जाती है और हम लाइफ में कमियों के बजाए पॉजिटिव चीजों की तरफ ज्यादा ध्यान देने लगते हैं। जिसके वजह से हम ज्यादा खुश रहते हैं और खुशी हमारे जीवन में तनाव को ऐसे ही कम कर देती है। हर इंसान की अपनी एक पर्सनालिटी होती है। हम हर दिन किसी न किसी से मिलते जुलते रहते हैं किसी से मिलकर हमें काफी अच्छा लगता है तो किसी से मिलकर ऐसा कुछ भी नहीं लगता कि उसे दोबारा याद किया जाए। लेकिन कुछ लोगों की बातें उनका व्यवहार कई ऐसी चीजें होती हैं जो हमें याद रखने पर मजबूर कर देती हैं। इसकी वजह उनकी पर्सनालिटी है। आज के समय में अच्छी पर्सनालिटी होना बेहद जरूरी है चाहे किसी भी क्षेत्र में चाहे हम जॉब में हो, बिजनेस में हो या स्टूडेंट्स हों।

उन्होने आगे बताया कि हमारे अंदर आत्म जागरूकता होना बेहद जरूरी है, दूसरों के प्रति जजमेंटल बनने से अच्छा है कि खुद की जागरूकता पर काम करें। खुद को समझने की कोशिश करें, अपनी क्षमता को पहचाने और हो सके तो खुद की क्षमता को बढ़ाने की कोशिश करें। बिहेवियर और प्रेजेंटेशन स्किल को बेहतर बनाना, आपका बिहेवियर आपकी पर्सनालिटी डेवलपमेंट का बेहद जरूरी पार्ट होता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में बेहद जरूरी है अगर आप फिट रहेंगे तो आपकी पॉजिटिविटी आपको मोटिवेट करेगी। कामयाबी की राह में आपकी पर्सनालिटी अहम भूमिका निभाती है। हम किसी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं तो हमारे बोलने का तरीका, हमारा बिहेवियर हर चीज को देखा जाता है। इसके आधार पर ही हमें नौकरी दी जाती है।

पर्सनालिटी डेवलपमेंट हमारी ज़िन्दगी जीने के तरीके को बेहतर बनाता है। हमारी जीवन-शैली और ज़िन्दगी के प्रति सोच बदल जाती है और हम लाइफ में कमियों के बजाये पॉजिटिव चीजों की तरफ ज्यादा ध्यान देने लगते हैं। जिसकी वजह से हम ज्यादा खुश रहते हैं और खुशी हमारे जीवन में तनाव को ऐसे ही कम कर देती है। अगर हम भी नकारात्मक रवैया रखते हैं, तो हम लाइफ के हर काम में परेशान ही होंगे। जबकि वह इंसान जिसके अंदर सकारात्मक रवैया होता है उसे हर मुश्किल में कहीं न कहीं उस मुश्किल से बाहर निकलने का उपाय दिखता है। इससे हमारा काम कभी रुकता नहीं और हम लाइफ में हमेशा आगे बढ़ते हैं। विद्यार्थियों ने इंटरव्यू के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में सुना और उनका समाधान समझा।

व्यक्तित्व विकास व्याख्यान में श्री तिवारी द्वारा दी गई जानकारी को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने विद्यार्थियों के लाभार्थ होना बताया। व्याख्यान का आयोजन कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतिक्षा तिवारी एवं श्री सुदर्शन बबेले के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।





4.120 विश्वविद्यालय में "जल संरक्षण" विषय पर हुई गोष्ठी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में जल संरक्षण पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का आरम्भ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवम् दीपप्रज्जवलन कर किया गया है। सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के चेयरमैन महोदय डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में बुन्देलखंड के जल पुरुष डॉ. संजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा 'जल जीवन का अमृत' है। हमें वर्तमान व भावी पीढ़ियों के लिये जल संरक्षण की आवश्यकता है। आगामी दशकों में यह विश्व के कई क्षेत्रों में एक गंभीर अभाव की स्थिति में चला जायेगा। प्राचीन काल में जल को एक अनमोल संपदा के रूप में देखा और समझा जाता था। वास्तव में हर प्राचीन संस्कृति पानी को पवित्र संसाधन के रूप में देखती थी।

वर्तमान परिवेश में तापमान हो या वातावरण का संतुलन सभी बिगड़ रहा हैं। उन्होने कहा कि 2030 तक जल में अपार कमी होने वाली है। कावेरी, गंगा जैसी नदी का जल स्तर कम हो गया है। केन और यमुना जैसी नदियां अपने अस्तित्व को तलाश रही है। जीवन के लिये हवा और पानी दोनों महत्वपूर्ण घटक हैं। पर्यायवरण असंतुलन से आद्रता कम हो रही है। बुंदेलखंड में जहां लगभग 120 दिन बरसात होती थी वहां अब इस वर्ष लगभग 26

दिन हुई है। जल को आवश्यकतानुसार उपयोग करना चाहिए। अब खेती में 80 % की जगह 50% प्रयोग ही करना पड़ेगा। संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री परशुराम अवस्थी ने अपने गीत के माध्यम से अपनी बात रखी।

जल जीवन का आधार इसे करो न बेकार।
जीवन में करो सुधार जल से है संसार।।

मुख्य अतिथि सुश्री कैरोलिन सी.ओ. व्ही.सी.ए. ने कहा जल संरक्षण आवश्यक हैं। भारत में जल संरक्षण का एक बेहतरीन इतिहास है। यहाँ जल संरक्षण की एक मूल्यवान पारंपरिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा रही है उदाहरण स्वरूप नदी, तालाब, कुँआ इत्यादि देश के अलग–अलग हिस्सों में इनमें से अलग–अलग तरीकों को अपनाया गया जो वहाँ के जलवायु के उपयुक्त है। उन्होनें वर्षा मापन के लिये टोपण नामक यंत्र की विस्तार से चर्चा की।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने कहा कि भविष्य में जल की कमी की समस्या को सुलझाने के लिये जल संरक्षण ही जल बचाना है। भारत और दुनिया के दूसरे देशों जल की भारी कमी है जिसकी वजह से आम लोगों को पीने और खाना बनाने के साथ ही रोजमर्रा के कार्यों को पूरा करने के लिये जरूरी पानी के लिये लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि दूसरी ओर, पर्याप्त जल के क्षेत्रों में अपने दैनिक जरुरतों से ज्यादा पानी लोग बर्बाद कर रहें हैं। हम सभी को जल के महत्व और भविष्य में जल की कमी से संबंधित समस्याओं को समझना चाहिये। हमें अपने जीवन में उपयोगी जल को बर्बाद और प्रदूषित नहीं करना चाहिये तथा लोगों के बीच जल संरक्षण अति आवश्यक है। उन्होनें बताया कि विगत 10 वर्षों से जल संरक्षण पर कार्य कर रहे हैं। जब हमने विश्वविद्यालय की स्थापना की तब उस समय जल संरक्षण के लिये पन्ना एवं सटई रोड से गुजरने वाले नाले पर तीन स्टाप डैम विश्वविद्यालय परिसर में बनाए। उन्होनें जल संरक्षण से संबंधित पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय में प्रारम्भ करने की घोषणा की एवं जल संरक्षण के अन्तर्गत विधार्थियों के लिये रोजगार हेतु परमार्थ समाजसेवी संस्थान से अनुबंध करने की घोषणा की।

उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिये जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी होता है क्योंकि बिना जल के जीवन संभव नहीं है। पूरे ब्रह्माण्ड में एक अपवाद के रुप में धरती पर जीवन चक्र को जारी रखने में जल मदद करता है क्योंकि धरती इकलौता अकेला ऐसा ग्रह है जहाँ पानी और जीवन मौजूद है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बुन्देली बाल कलाकरों द्वारा मोनिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ.प्रणति चतुर्वेदी ने और आभार उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री कैरोलिन सी.ओ. व्ही.सी.ए., श्री टोबेस, टेक्नीकल हेड, डब्लयू.एच.एच. एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय सिंह, परमार्थ समाजसेवी संस्थान, संस्था प्रमुख, सुश्री निवेदिता जी, कंट्री डायरेक्टर, डब्लयू.एच.एच. इंडिया, श्री संजीव जी सीनियर प्रोजेक्ट कोऑडिनेटर, डब्लयू.एच.एच. इंडिया, सुश्री अपर्णा जी, प्रोजेक्ट कोऑडिनेटर, डब्लयू.एच.एच.इंडिया, श्रीमती शिवानी सिंह, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति एवं श्री विजय सिंह कुलसचिव उपस्थित रहे। व्याख्यान माला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने की। विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.121 गौरैया संरक्षण विषय पर किया गया काव्यपाठ

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में गौरैया संरक्षण विषय पर एक काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय उपकुलसचिव श्री विजय सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्ष उपकुलपति श्री गिरिश त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि परीक्षा नियन्त्रक डॉ. बी. एस. राजपूत, फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ. आनंद चौरसिया रहे। कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. बी. एस. राजपूत को सम्बोधित करते हुए कहा कि विगत कई वर्षों से दुनियाभर में गौरैया पक्षी की संख्या में बेहद तेजी से कमी आ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरी दुनिया भर में इस पक्षी के संरक्षण के प्रति सभी को जागरूक करने की आवश्यकता है। आज की परिस्थितियों को देखते हुए इसकी संख्या लगातार घटती जा रही है। हम सब का यह कर्तव्य बनता है कि हम इसका संरक्षण करें। अपनी काव्य रचानाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने गौरैया पक्षी की चहचाहट को जीवंत कर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने कहा हमारी आधुनिक जीवन शैली गौरैया को सामान्य रूप से रहने के लिये बाधा बन गयी है। पेडों की अन्धाधुंध कटाई, खेतों में कृषि रसायनों का अधिक से अधिक प्रयोग और टेलीफोन टावर से निकलने वाली तरंगे इनके जीवन के लिये प्रतिकूल है साथ ही साथ जहां पक्के मकान बन रहे हैं जिनकी दीवारों पर घोंसला संभव नही है। हमें गौरैया पक्षी के संरक्षण के लिये कृत्रिम घोंसला बनाना चाहिए। डॉ. आनन्द चौरसिया ने कहा कि एक समय था जब हमारे घरों में इस पक्षी के घोंसले नजर आते थे और इनकी मीठी आवाज से ही हमारी सुबह होती थी। आज विकास की अंधी दौड़ की वजह से इस पक्षी के अस्तित्त्व पर संकट है। अब यदा कदा गाँव में ही इसको हम देख पाते हैं।

हिंदी साहित्य के बहुत से कवियों ने इस पक्षी के महत्त्व को पहचान कर उसके अनेक पक्षों को अपनी कविता में भावानात्मक ढंग से पिरोया है। उन कवियों के सृजन से प्रेरित होकर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने काव्य पाठ किया– जिसमें आयुष विश्वकर्मा, अंजली पटेल, रजनीश रावत, अंजनी पटेल, हिमांशी तिवारी, संदीप कुमार, अनुष्का जैन, रीमा वर्मा, विनीता पटेल, उज्जवल तिवारी, प्रियंका यादव और प्रांसी व्यास ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल की महती भूमिका में श्री सचिन व्यास, (सहायक प्राध्यापक शिक्षा शास्त्र विभाग) श्री परशुराम अवस्थी सहायक प्राध्यापक संगीत विभाग) और श्रीमती वन्दना शुक्ला (सहायक प्राध्यापक हिन्दी विभाग) रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शहरीकरण के बाद बहुत से चीजें विलुप्त हो गईं जिनमें से एक है गौरेया। केवल प्रचारसार से गौरेया संरक्षण संभव नहीं बनाया जा सकता, संकल्प को हकीकत बनाने के लिए पर्यावरण के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है। गौरेया को बचाने के लिए नए–नए उपकरण बनाए उनके निवास, भोजन और पानी के लिए घरों में ही फीडर और पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए। जिससे कि घरों में पक्षी बसेरा बना सकें और मिट्टी और लकड़ी के घरौदे पेड़ पर लटकाए जाए ताकि अधिक से अधिक पक्षियों को बचाया जा सके। आज काव्यपाठ के माध्यम से प्रतिभागी छात्र–छात्राओं ने गौरेया पक्षी के प्रति संवेदनाओं को व्यक्त किया है एवं इस पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया है। मैं इन विधार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए साधूवाद देता हूँ। काव्य पाठ प्रतियोगिता का संचालन कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष कुमार तिवारी (विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग) ने एवं आभार श्रीमती सुमेधा राय (सहायक प्राध्यापक प्रबंधन विभाग) ने किया।





4.122 गौरैया संरक्षण विषय पर हुआ पोस्टर प्रदर्शन एवं वीडियों मेंकिंग का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में गोरैया संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता और वीडियो मेकिंग का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रदर्शन एवं वीडियो मेंकिंग में अपना प्रदर्शन किया। पोस्टर प्रदर्शन एवं वीडियो मेंकिंग में विद्यार्थियों ने दर्शाया कि कैसे समाज में गौरैया चिड़िया विलुप्त हो रही है उसको हमें कैसे अपने घरों में और दुनिया में बचाना है। पोस्टर्स में छात्राओं ने कई तरीके की पेंटिंग्स बनाकर गौरैया से अपनापन दर्शाया है। प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों में आकाश गौतम, अर्जुन यादव, पारस मिश्रा, अंजलि पटेल, रश्मि मिश्रा, ऋषि भार्गव, अंशुल शर्मा, प्रवीन गुप्ता, निकिता सचान, विनीता पटेल, अनुष्का जैन, दिनेश कुशवाहा, आयुष, संस्कृति गुप्ता, पूजा कुशवाहा, बलराम पटेल, दीपांश आदि शामिल रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. आनन्द चौरसिया, श्रीमती मेघना मिश्रा एवं श्रीमती भक्ति अग्रवाल उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ. निकेत मिश्रा एवं वीडियो मेंकिंग कार्यक्रम संयोजक प्रिंसी पाठक, प्रतीक्षा तिवारी ने गौरैया संरक्षण पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि हमारी आधुनिक जीवन शैली गौरैया को सामान्य रूप से रहने के लिये बाधा बन गयी है। पेडों की अन्धाधुंध कटाई, खेतों में कृषि रसायनों का अधिक से अधिक प्रयोग और टेलीफोन टावर से निकलने वाली तरंगे इनके जीवन के लिये प्रतिकूल है। एक समय था जब हमारे घरों में इस पक्षी के घोंसले नजर आते थे और इनकी मीठी आवाज से ही हमारी सुबह होती थी। अब यदा कदा गाँव में ही इसको हम देख पाते हैं। गौरैया को बचाने के लिए नए-नए उपकरण बनाए उनके निवास, भोजन और पानी के लिए घरों में ही पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे कि घरों में पक्षी बसेरा बना सकें। सभी ने शपथ लेकर गौरैया पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया है।





4.123 मानविकी सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के मानविकी सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा संकाय के विद्यार्थियो का शैक्षिक भ्रमण ऐतिहासिक स्थल धुबेला के लिए विश्वविद्यालय कुलसचिव विजय सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में संकाय के विद्यार्थियों सहित प्राध्यापकगणों में डॉ.आशीष कुमार तिवारी, डॉ.महेश कुमार, डॉ.विजय चतुर्वेदी, डॉ.नीना चौरसिया, डॉ.राममिलन द्विवेदी, डॉ.शिव विजय त्रिपाठी, रोहित बिदुआ, राजकुमार, श्रीमती सत्यवती चौरसिया, श्रीमती वन्दना शुक्ला, वर्षा बुन्देला, गुंजन निगम, रिचा पाठक, खुशबू सिंह चौहान एवं हिमांशु दीक्षित साथ रहे।

कुलसचिव महोदय ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। ये भ्रमण विद्यार्थियों को अपने और दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर देते हैं। जब विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाते हैं तो वे अपनी आँखों से प्रत्यक्ष रूप में देखकर किसी भी विषय वस्तु का वर्णन करने में सक्षम हो जाते हैं। संकायाध्यक्ष डॉ.बी.एस.राजपूत ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण शक्तिशाली, सकारात्मक शिक्षण उपकरण हैं जो सभी शिक्षार्थियों के सामाजिक, व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास को बढ़ाने में मदद करते हैं। डॉ.शिव विजय त्रिपाठी ने बताया कि विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक भ्रमण का मूल उद्देश्य छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़कर उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है। संकाय प्रभारी डॉ.आशीष कुमार तिवारी ने कहा इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियो में एक अनुभूति जागृत होती है। इससे वे इतिहास, विज्ञान, शिष्टाचार व प्रकृति को व्यक्तिगत रूप से जानते है। समूह में रहने की प्रवृति, नायक बनने की क्षमता, आत्मविश्वास व भाईचारे की भावना प्रबल होती है। भ्रमण सुनियोजित तरीके से किया जाए तो वह सीखने-सिखाने की प्रक्रिया के लिए बहुत महत्व रखता है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों की रुचि व आनंद को बनाए रखना होता है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.124 कृषि विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय के द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण हाईटेक नर्सरी (ए ग्रुप ऑफ खजुराहो एग्रो प्रा.लि.) खजुराहो जिला छतरपुर के लिए विश्वविद्यालय कुलसचिव विजय सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में संकाय के 100 छात्र-छात्राओं सहित संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह एवं प्राध्यापकगणों में अंशुल प्रताप सिंह, संतोष पटेल साथ रहे।

कुलपति डॉ. अनिल धगट ने कहा कि सीखने की लगन कल के उज्जवल भविष्य का निर्माण करती है। फील्ड में जाकर अनुभव लेना महत्वपूर्ण है। उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि कृषक प्रशिक्षण तथा भ्रमण कार्यक्रम द्वारा छात्र-छात्राओं को उद्यानिकी की उच्च तकनीकी, नवीनतम कृषि यंत्रों एवं उनके कार्यो से अवगत कराना है। कुलसचिव महोदय ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण कर कृषि में रोजगार की संभावनाएं एवं विभिन्न कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। यह छात्र-छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। ये भ्रमण छात्र-छात्राओं को अपने और दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर देते हैं। जिससे कृषि से संबंधित रोजगार प्राप्त करने में वह सफल हों।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान हाईटेक नर्सरी, खजुराहो के भूपत किशन चंद्र कुँवर गुलाब उद्यान, जो कि भारत का एकमात्र ऐतिहासिक/साइंटिफिक गुलाब उद्यान है में छात्र-छात्राओं को सर्वप्रथम 2000 गुलाब प्रजातियाँ जो कि विभिन्न देशों से एकत्रित की गई हैं उनके रोपण, संरक्षण एवं उनके प्रवर्धन सहित समस्त जानकारियाँ से रूबरू हुए। तत्पश्चात् लो टनल फॉर्मिंग सिस्टम में गुड़हल, गुलाब, गेंदा, जरबेरा, सूरजमुखी, जीनिया, सदाबहार, मॉर्निंग ग्लोरी, कॉसमॉस की नर्सरी को लगाने की जानकारी प्राप्त की। लो टनल फॉर्मिंग सिस्टम में गर्मियों के फूलों के उत्पादन के लिए एक अच्छा तरीका है। इस तरीके में पौधों को उचित तापमान मिलता है। जिससे उनकी नर्सरी में लगे पौधे स्वस्थ रहते हैं। और वह उचित समय में पौध रोपण के लिए तैयार हो जाते हैं। इसी क्रम में छात्र-छात्राओं को नेट हाउस, ग्रीन हाउस एवं पॉली हाउस में अलग-अलग मौसम में लगने वाली फूलों की खेती एवं प्रवर्धन (कटिंग, ग्राफटिंग, लेयरिंग, वडिंग इत्यादि) से हाइब्रिड पौधे कैसे तैयार किए जाते हैं। छात्र-छात्राओं ने फसल उत्पादन, बीज उपचार, रासायनिक खाद के उपयोग से होने वाले नुकसान के संबंध में भी सवाल जवाब किए। छात्र-छात्राओं ने जैविक खाद के उत्पादन के संबंध में अपनाई जा रही तकनीक, बूंद-बूंद सिचाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही फूल व फसलों की नर्सरी के बारे में छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं को शांत किया। आधुनिक खेती एवं कृषि

www.skuindia.ac.in

तकनीक जिसमें कम लागत में अधिक आमदनी वाली फसल प्राप्त करने के संबंध की जानकारियाँ छात्रों ने संचालक बलदाऊ प्रताप सिंह बुन्देला एवं उनके सहयोगी कमलेश कुशवाहा, अवध पटेल से प्राप्त कर शैक्षिक भ्रमण का उपयोग किया।

सलाहकार नागवेन्द्र सिंह परमार एवं इनके सहयोगी विनोद पटेल ने बताया कि यहाँ पर सन् 1997 से "मिर्ची लगाओ जू" अभियान चलाया जा रहा है इसमें लगभग 25000 लघु किसान लाभांवित होते हैं। इस अभियान के साथ-साथ ग्रीन हाउस में तापमान नियंत्रित करके विदेशी सब्जियों जैसे जुगनी कद्दू, पेरी टमाटर एवं हॉलेंड की हबनेरो डच लाल मिर्च का सफल उत्पादन कर एक रूपया प्रति पौधा की बिक्री करते हैं। जिससे बुन्देलखण्ड के लघु किसान सीधे लाभांवित होते हैं।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।





4.125 विश्व गौरैया दिवस पर रंगोली से बनाई गई विशालकाय गौरैया

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में विश्व गौरैया दिवस पर इको रूट्स फाउंडेशन के प्रमुख श्री राकेश खत्री नेस्ट मैन ऑफ इंडिया के आभासी माध्यम से बांस, धागा, कपड़ा, जूट, और चूड़ी से निर्मित घोंसला बनाने की विधि को सिखाया। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने मानव निर्मित घोंसला बनाने की विधि को बड़ी ही तल्लीनता के साथ उत्साहित होकर सीखा। श्री खत्री ने आभासी माध्यम से बताया कि गौरैया छोटे पेड़ों या झाड़ियों में भी घोंसला बनाती है। लेकिन मनुष्य उन्हें भी काटता जा रहा है। वह बबूल, कनेर, नींबू, अमरूद, अनार, मेहंदी, बांस, चांदनी आदि पेड़ों को पसंद करती है, इन्हीं पौधों का हमें अधिक से मात्रा में वृक्षारोपण करना चाहिए। किसी को आश्रय देना सबसे अधिक पुण्य का कार्य होता है। मानव निर्मित घोंसलों को पेड़ों की डालों पर एवं दीवारों पर रस्सी से बांध सकते हैं। जमीन से इनकी ऊँचाई 10 फुट से अधिक होनी चाहिए इस तरह हम उन्हें आश्रय दे सकते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा टोली बनाकर अंजली, रोहित, प्रशान्त, रवि, प्रमोद, राजेन्द्र, विनिता, रीना, रीमा, राहुल अवधेश इत्यादि ने मानव निर्मित घोंसलों का निर्माण किया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने गौरैया पक्षी के विलुप्त होने पर चिन्ता को अपनी संवेदनाओं से व्यक्त करते हुए कहा कि छोटे से आकार का यह पक्षी अपने रूप रंग से हमें आकर्षित करता रहा है। हमें अपने बचपन के दिन याद आते है जब हमारे उठने से पहले सूर्योदय होते ही हमारे घर के आंगन में चहचहाने लगती थी। वह पेड़ों की डाल को अपना आशियाना बनाती थी विद्यार्थियों द्वारा मानव निर्मित घोंसले बनाकर गौरैया पक्षी के संरक्षण के लिए उचित कदम उठाया गया। उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि मानव और गौरेया का अटूट सम्बन्ध रहा है जहाँ जहां मानव बसा यह चिड़ियाँ उनके साथी की तरह उनके साथ ही रही। शायद इसलिए वैज्ञानिक भाषा में इसे डोमेस्टिक कहा जाता है। आज चिन्ता का विषय यह है कि अब कहीं भी यह चिड़िया नहीं दिखाई देती है। इसका प्रमुख कारण हमारी नई जीवन शैली है। जिसने उनके आवास को छीन लिया हैं।

कुलसचिव विजय सिंह ने कहा आधुनिक ढंग से बने बंद घरों में इन चिड़ियाओं के प्रवेश को एक तरह से बंद ही कर दिया है। यही वजह हैं कि हम निरंतर उस पक्षी से दूर हो गये हैं। जिस तरह से दुनिया विकास की ओर बढ़ रही है उसी तरह से गौरैया पक्षी विलुप्त होने के कगार पर है। भारत देश से तकरीबन 60 फ़ीसदी गौरैया पक्षी लुप्त हो चुके हैं। हमें इसके संरक्षण की आवश्यकता है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत ने कहा कि शहरों और गांवों में अधिक मात्रा में लगे मोबाइल फोन के टावर भी गौरैया जैसे पक्षियों के लिये खतरा बने हुए हैं इनसे निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणे उनकी प्रजनन क्षमता पर बुरा प्रभाव डालती है। इसके अलावा उनके दाना-पानी की भी समस्या है। गौरैया मुख्यता काकून, बाजरा और पके चावल के दाने खाती है। आधुनिकता ने उनसे प्राकृतिक भोजन के स्त्रोत छीन लिये हैं। विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय की सहायक प्राध्यापक भक्ति अग्रवाल एवं सोनाली चंदेल के निर्देशन में विद्यार्थी भूपेन्द्र अहिरवार, प्रकाश अहिरवार, सोनम पटेल, उमा अहिरवार ने 1100 वर्ग फुट से अधिक बड़ी गौरैया चिड़िया की आकर्षक रंगोली निर्मित कर रिकॉर्ड बनाया। कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिवाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ. बी.एस. राजपूत, डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. निकेत मिश्रा, योगेश द्विवेदी, शिवेन्द्र सिंह, आदर्श सिंह ने मानव निर्मित घोसलों को विश्वविद्यालय परिसर में लगे हुए लगभग 6 दर्जन से अधिक पेड़ो पर इस उद्देश्य से स्थापित किये कि इन घोंसलों को देखकर शायद वह नन्हीं सी प्यारी सी चिड़िया फिर से अपना आशियाना बना ले उसकी चहचहाहट से वातावरण पुनः गुंजन मान हो जाए।

विश्व गौरैया दिवस पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कार्मचारीगण और विद्यार्थियों ने मानव निर्मित घोंसलों की सुरक्षा एवं गौरैया पक्षी के संरक्षण का संकल्प लिया।









4.126 यूथ महापंचायत में आभासी माध्यम से उपस्थित रहा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, भोपाल से माननीय मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में यूथ महापंचायत के सीधे प्रसारण को देखने के लिए विश्वविद्यालय के सभागार में प्रोजेक्टर के द्वारा सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों जैसे – फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि की व्यवस्था की गई। इस दौरान श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के 750 से अधिक विद्यार्थियों, समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगणों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राज्य युवा नीति के लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअल भागीदारी के साथ अपनी सहभागिता की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की युवा नीति, युवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नीति की विशेषताएं पूरे देश में पहुंचे और इस पहल की राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हो। युवाओं का उत्साहवर्धन आवश्यक है। युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी, मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी, मुख्यमंत्री एप्रेंटिसशिप योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी जाए। इन योजनाओं के कुछ हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप लाभान्वित भी किया जाये। संबंधित विभाग युवाओं की अधिकतम भागीदारी के लिए पूरा प्रयत्न करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यूथ महापंचायत के दौरान मध्य प्रदेश युवा नीति लॉंच कर प्रदेश के युवाओं से बड़ी संख्या में अपने अभिनव विचारों से आत्म–निर्भर और स्वर्णिम मध्य प्रदेश के निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'यूथ महापंचायत' का उद्देश्य युवाओं को शक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। आज के दिन को यूथ महापंचायत के लिए चुने जाने का मुख्य उद्देश्य शहीद दिवस पर युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरू की शहादत को नमन करना है।

'यूथ महापंचायत' का उद्देश्य भारतीय इतिहास व संस्कृति को विरासत को आगे बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश के उत्साही युवाओं को साथ लेकर एक मंच प्रदान करना है, जिससे वे राज्य, देश और दुनिया की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों की पहचान कर हरसंभव समाधान सुझाएं। इस महापंचायत में प्रदेश के सभी जिलों में होने वाली यूथ पंचायत से चयनित आदर्श युवा और उनके प्रेरक शामिल होंगे। इस आयोजन के मध्यम से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के विजन में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही उनमें नेतृत्व कौशल भी विकसित किया जाएगा। अपने उद्बोधन के पूर्व माननीय मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यावरण एवं स्वरोजगार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर राज्य का नाम रोशन करने वाले युवाओं को युवा राज्य पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग की मुख्य भूमिका रही। यूथ महापंचायत में मध्यप्रदेश माध्यम द्वारा शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन, युवाओं के लिए प्रचलित विभागीय योजनाओं पर केन्द्रित फिल्म और यूथ अचीवर्स के अनुभव भी प्रस्तुत किए गए। जो युवाओं के लिए आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होंगे।





4.127 "वित्तीय कल्याण निवेश" विषय पर हुआ व्याख्यान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में वित्तीय कल्याण निवेश पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का आरम्भ अतिथि द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्जवलन कर किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह ने मुख्य अतिथि सी.ए. विनी अग्रवाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

आज के व्याख्यान माला की मुख्य वक्ता सी.ए. विनी अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा वित्तीय सुरक्षा एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके पास आय का एक स्थिर स्त्रोत है और आप भविष्य के लिये कुछ पैसे बचाने में समक्ष होने के बावजूद अपनी मनचाही जीवन शैली को बनाये रख सकते हैं। क्योंकि फाइनैंशल बैलेंस वास्तव में व्यक्तिगत आत्म देखभाल और शारीरिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इसे बहुत से लोग अनदेखा करते है ये न केवल आपके भविष्य के वित्त को निर्धारित करता है बल्कि आपके जीवन में सुधार लाता है। फाइनैंशल बैलेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके फाइनेंस के ऊपर आपका पूरा नियंत्रण होता और एक वित्तीय योजना होती है जो आपको निकट भविष्य में वित्तीय सुरक्षा का आश्वासन देती है निवेश एक वस्तु, संपत्ति, उत्पाद या कोई अन्य संपत्ति है जिसे भविष्य में आय उत्पन्न करने के लिए खरीदा या उपयोग किया जाता है। एक निवेश किसी भी प्रकार की खरीद हो सकता है जैसे स्टॉक, संपत्ति, व्यवसाय इत्यादि। शेयर बाजार की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये उन्होनें कहा शेयर बाज़ार एक ऐसा बाज़ार है जहाँ कंपनियो के शेयर खरीदे–बेचे जा सकते हैं।

कार्यक्रम के समन्यवयक सुदर्शन बबैले के अतिरिक्त विभागों के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनुप्रिया नामदेव एवं आभार डॉ. आशीष तिवारी ने व्यक्त किया।





4.128 फार्मेसी संकाय के छात्र-छात्राओं का औद्योगिक शैक्षणिक भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के छात्र–छात्राओं का औद्योगिक शैक्षिक भ्रमण इन्दौर की नन्दनी फार्मास्यूटिकल एवं मॉडर्न लेबोरेटरी के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राचार्य डॉ. आनंद चौरसिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। शैक्षिक भ्रमण में फार्मेसी संकाय के छात्र–छात्राओं सहित प्राध्यापकगणों में अभिषेक पाठक, महेश पटेल, हिमांशी सोनी एवं अनुप्रिया नामदेव साथ रहे।

कुलसचिव श्री सिंह ने बताया कि दवा उद्योग फार्मेसी कोर्स का एक महत्वपूर्ण भाग है। औद्योगिक भ्रमण छात्र–छात्राओं को अपने अनुभव के साथ दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर प्रदान करता है। छात्र–छात्राओं को उद्योग भ्रमण के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से फार्मेसी विषय के प्रायोगिक पहलूओं को समझने का अवसर प्रदान हो जाता है। फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ. आनंद चौरसिया ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण के बाद छात्र–छात्राओं को एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करना होती है। प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर ही छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक परीक्षा के अंक प्रदाय किए जाते हैं।

औद्योगिक भ्रमण के दौरान छात्र–छात्राओं ने दवा बनाने की विधियाँ, उपयोग होने वाली मशीनरी आदि की जानकारी प्राप्त की। वहीं दवा उद्योग के कर्मचारियों द्वारा छात्र–छात्राओं को क्वालिटी कंट्रोल, प्रोडक्श्ान, रॉ मटेरियल, फिनिश प्रोडक्ट स्टोर आदि की कार्य प्रणाली को बारीकी से समझाया गया। साथ ही बताया गया कि इस तरह के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के सामाजिक, व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता एवं सीखने की लगनशीलता की सराहना करते हुए मॉडर्न लेब एवं नंदनी फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार खरया द्वारा छात्र–छात्राओं को औद्योगिक भ्रमण पत्र प्रदान किए इस समय डॉ. नेहा शर्मा एडमीशन एंड मार्केटिंग हेड, मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन इंदौर एवं डॉ. कीर्ति मालवीय इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग कार्डिनेटर, मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन इंदौर उपस्थित रहे।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह एवं प्राध्यापकों ने छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।



4.129 वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण ऐतिहासिक–धार्मिक एवं ताराग्राम उद्योग स्थल ओरछा के लिए विश्वविद्यालय कुलसचिव विजय सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में संकाय के विद्यार्थियों सहित प्राध्यापकगणों में अनुप्रिया नामदेव, प्रियंका अहिरवार, कमलेश कुमार, पंकज गुप्ता, सचिन चौरसिया, धीरेन्द्र भारती एवं विशाल सिंह साथ रहे। भ्रमण की शुरूआत रामराजा मंदिर से शुरू हुई तत्पश्चात ओरछा किले का भ्रमण किया। ताराग्राम पेपर उद्योग में सूती कपड़े से कागज बनाने की विधि को छात्रों द्वारा बारीकी से सीखा और समझा गया। ताराग्राम में कंक्रीट ब्रिक्स बनाने में भी छात्रों को अवगत कराया गया। ताराग्राम में बुन्देली रेडियो का संचालन किया जाता है जिसमें बुन्देलखण्ड की महत्वपूर्ण जानकारी प्रसारित की जाती है जिसमें छात्रों को रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की।

कुलसचिव महोदय ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। ये भ्रमण विद्यार्थियों को अपने और दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर देते हैं। जब विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाते हैं तो वे अपनी आँखों से प्रत्यक्ष रूप में देखकर किसी भी विषय–वस्तु का वर्णन करने में सक्षम हो जाते हैं। संकाय प्रभारी डॉ.राजेन्द्र चौधरी ने कहा इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियो में एक अनुभूति जागृत होती है। इससे वे प्रबंधन की बारीकियां उद्योग प्रबंधन एवं विपणन के बारे में व्यक्तिगत रूप से जान पाएंगे। समूह में रहने की प्रवृति, नायक बनने की क्षमता, आत्मविश्वास व भाईचारे की भावना प्रबल होती है। भ्रमण सुनियोजित तरीके से किया जाए तो वह सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के लिए बहुत महत्व रखता है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यवहारिक ज्ञान के साथ–साथ विद्यार्थियों की रुचि व आनंद को बनाए रखना होता है।





4.130 'शिक्षा की भारतीय संकल्पना' विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एवम् भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम की अध्यक्षता में 'शिक्षा की भारतीय संकल्पना' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता माननीय बी. आर. शंकरानंद, अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री और विशिष्ट अतिथि में सुश्री अरुंधती कावडकर (पालक अधिकारी मध्य क्षेत्र), डॉ. मनीष वर्मा (संयुक्त संचालक, लोक शिक्ष्ण सागर संभाग), श्री संजय पाठक (प्रांत सह मंत्री) और भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रान्त के उपाध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम रहे।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवम् दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का प्रारम्भ किया गया। स्वागत भाषण में संजय पाठक ने भारतीय शिक्षण मंडल की उपादेयता को बताते हुए कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल शिक्षा में पुनः भारतीयता प्रतिष्ठित करने में कार्यरत् एक अखिल भारतीय संगठन है। शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम एवं पद्धत्ति तीनों भारतीय मूल्यों पर आधारित है। इस दृष्टि से संगठन वैचारिक, शैक्षिक और व्यावहारिक गतिविधियों का नियमित आयोजन करता है। लगभग 650 जिलों में शिक्षाप्रद संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है।

मुख्य वक्ता माननीय बी.आर. शंकरानंद ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही समाज निर्माणकारी शिक्षा की संकल्पना थी। शिक्षक बनाने के लिए रुचि, दक्षता और क्षमता के लिए प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। भारत का, हिंदुत्व का मूल आधार अध्यात्म है। वही शिक्षा का भी प्रमुख कर्तव्य है। शिक्षा की संकल्पना मानव बनाने एवं शिक्षा के विकास की पूर्णता की अभिव्यक्ति है। शिक्षा के द्वारा ही इच्छा शक्ति की धारा पर सार्थक नियन्त्रण स्थापित हो सकता है। शिक्षा को शब्द संग्रह अथवा शब्द समूह के रूप में न देखकर विभिन्न शक्तियों के विकास के रूप में देखा जाना चाहिये। शिक्षा से ही व्यक्ति सही रूप में चिन्तन करना सीखता है। अच्छी शिक्षा जीवन में बहुत से उद्देश्यों को प्रदान करती है जैसे व्यक्तिगत उन्नति को बढ़ावा, सामाजिक स्तर में बढ़ावा, सामाजिक स्वास्थ्य में सुधार, आर्थिक प्रगति, राष्ट्र की सफलता, जीवन में लक्ष्यों को निर्धारित करना, हमें सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूक करना, पर्यावरण समस्याओं को सुलझाने के लिए हल प्रदान करना और अन्य सामाजिक मुद्दे आदि। लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि किताबी शिक्षा के साथ–साथ समाजिक शिक्षा भी अत्यंत जरूरी है। एक राष्ट्र के नागरिक के रूप में शिक्षा अत्यन्त जरूरी है, ताकि राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर हो सके। मानव जीवन के लिए शिक्षा ही सर्वश्रेष्ठ धन है जिसे ना तो कोई चुरा सकता है और ना ही कोई छीन सकता। यह एक मात्र ऐसा धन है जो बाँटने पर कम नहीं होता अपितु बढ़ता ही है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने आस–पास रहने वाले समाज के लोगों को भी सदाचार एवं सद–व्यवहार की शिक्षा देता है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने साथ–साथ समाज को भी विकास की ओर ले जाता है।

www.skuindia.ac.in

विशिष्ट वक्ता सुश्री अरुंधती कावड़कर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा किसी समाज में सदैव चलने वाली वह सोद्देश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान, एवं कला–कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है और इस प्रकार उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है। इसके द्वारा व्यक्ति एवं समाज दोनों निरन्तर विकास करते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आज की आवश्यकता है क्योंकि यह बौद्धिक कौशल और ज्ञान का विकास है जो शिक्षार्थियों को पेशेवरों, निर्णय निर्माताओं और प्रशिक्षकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करेगा। डॉ. मनीष वर्मा ने कहा कि शिक्षा देश के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है। शिक्षा लोगों को स्वतंत्र बनाती है, आत्मविश्वास और आत्म–सम्मान का निर्माण करती है, जो देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा से न केवल किसी व्यक्ति विशेष का अपितु पूरे समाज का विकास होता है। अत: ये कहना गलत नहीं होगा की शिक्षा व्यक्ति और समाज का विकास है। शिक्षा व्यवहार का संशोधन करती है। हम शिक्षा के द्वारा किसी व्यक्ति विशेष के व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं। शिक्षा एक ऐसा मंच है जिस पर हम व्यक्ति के व्यवहार में समाज तथा सामाजिक गुणों के आधार पर संशोधन कर सकते हैं। शिक्षा अंधकार में प्रकाश की किरण है। यह निश्चित रूप से एक अच्छे जीवन की आशा है। शिक्षा प्रत्येक मनुष्य का मौलिक अधिकार है और इस अधिकार को नकारना सही नहीं है। हमारे शिक्षण मण्डल का प्रमुख उद्देश्य है। क्योंकि किसी भी राष्ट्र का विकास तभी संभव हो सकता है जब राष्ट्र शिक्षित हो हर शिक्षित युवा आत्मनिर्भर हो।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मनुष्य के जीवन में जितना महत्व भोजन, कपड़े, हवा और पानी का है, उससे कहीं अधिक महत्त्व शिक्षा का है इसीलिए हमेशा यही कहा जाता है कि शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार होता है। इंसान की बुद्धि का विकास शिक्षा अर्जित करने से ही होता है। देखा जाए तो शिक्षा एक प्रशिक्षण है। किसी भी कार्य को करने के लिए हमें प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। मनुष्य की इन्द्रियों, मस्तिष्क एवं आदतों का निर्माण समाज के अनुसार किया जाता है तथा इस प्रकार के परिवर्तन या निर्माण व्यक्ति को प्रशिक्षण देकर लाये जाते हैं।शिक्षा एक स्थैतिक नहीं बल्कि एक गतिशील प्रक्रिया है।

इस संगोष्ठी में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के अतिरिक्त छतरपुर शहर के अन्य शिक्षण संस्थानों से आए हुए शिक्षकगण और विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।





4.131 विश्वविद्यालय बना आईआईटी दिल्ली वर्चुअल लैब का नोडल केन्द्र

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय को आईआईटी दिल्ली का वर्चुअल लैब नोडल सेंटर बनाया जाना बुन्देलखण्ड के लिए गर्व की बात है। वर्चुअल लैब नोडल सेंटर स्थापना के दौरान आईआईटी दिल्ली के सीनियर फील्ड इंजीनियर प्रदीप शर्मा के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्चुअल लैब एवं उससे संबंधित पहलूओं की जानकारी से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रदीप शर्मा, विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, उप कुलसचिव मेघना मिश्रा द्वारा जगत जननी माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण उपरान्त दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए अतिथि का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त विश्वविद्यालय उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने उपस्थित मुख्य अतिथि का परिचय एवं कार्यक्रम संबंधित जानकारी से अवगत कराया।

वर्चुअल लैब पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रतीक शर्मा ने बताया कि वर्चुअल लैब एक अनोखी पहल है । जिसे कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रयोग में लाया जाता है। इसके द्वारा उपकरणों सहित ऑडियो–वीडियो सामग्रियों से परिपूर्ण लैब को एकीकृत प्रणाली के तहत जोड़ा जाएगा। छात्र इस प्रयोगशाला में प्रयोग कर सकते हैं तथा पाठ्य सामग्री को निर्देशानुसार पढ़ सकते हैं। वर्चुअल लैब के जरिए छात्र विज्ञान संबंधी प्रयोग एवं नवोन्मेष भी कर सकते है। वर्चुअल लैब के माध्यम से भौतिक रूप से किए जाने वाले प्रयोग अब कम्प्यूटर के माध्यम से किए जा सकेंगे इस प्रक्रिया में समय, स्थान, धन एवं भौतिक संसाधनों की बचत होगी। इस दौरान उन्होने वर्चुअल लैब का प्रदर्शन किया। साथ ही विद्यार्थियों को वर्चुअल लैब उपयोग करने के तरीकों से अवगत कराकर प्रशिक्षण दिया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्चुअल लैब डिजिटल शिक्षा को आगे बढ़ाने की एक अनोखी और महत्वपूर्ण पहल है। इन लैब्स का लाभ स्नातक स्तर के विद्यार्थियों से लेकर शोधार्थी तक ले सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए आगे कहा कि किसी भी परिस्थिति में पढ़ाई को रोका नहीं जा सकता। कोरोना महामारी के समय में भी विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किये गए। उन्होंने कहा कि वर्चुअल लैब की मदद से छात्र अब ऐसे प्रयोग कर सकते हैं, जो घर पर लैब सुविधाएं न मिल पाने के कारण नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा कि रिमोट एक्सपेरिमेंट के माध्यम से उन्हें बुनियादी और उन्नत अवधारणाओं को जानने और सीखने में मदद मिलेगी। ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों ने जिस तरह सैद्धांतिक अवधारणाओं के व्यावहारिक कार्यान्वयन पर बल दिया उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।

उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य के माध्यम से अवगत कराया कि इस तरह की वर्चुअल लैब का श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में नोडल सेंटर स्थापित होने से इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर, बेसिक साईंस, फार्मेसी तथा नर्सिंग के विद्यार्थी विशेष रूप से लाभांवित होंगे। अब विश्वविद्यालय में वर्चुअल लैब से पढ़ाई की सुविधा होगी। विज्ञान, कम्प्यूटर और प्रौद्योगिकी विभाग के विद्यार्थी आभासी वातावरण में गणित और विज्ञान को आसानी से समझ सकेंगे। उनमें तर्कसंगत सोच की क्षमता विकसित करने एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए एवम् कौशल विकास में प्रशिक्षण देने हेतु वर्चुअल लैब स्थापित की गई है।

वहीं कुलसचिव विजय सिह के अनुसार आभासी प्रयोगशालाएं वैज्ञानिक अनुसंधान दरों में वृद्धि करेंगी क्योंकि यह समय और प्रयास को बचाता है और शोधकर्ताओं को अपने समय का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम बनाता है। वर्चुअल लैब छात्रों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में सक्षम बनाएगी और उन्हें सूचना क्रांति की प्रगति का अनुसरण करने में भी सक्षम और सबल बनाएगी।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह सहित प्राध्यापकों ने वर्चुअल लेब के प्रारम्भ होने से प्रायोगिक कार्य के लिए विद्यार्थियों के हितार्थ बताया। इस दौरान प्राध्यापकों सहित विभिन्न संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।





www.skuindia.ac.in

4.132 विश्वविद्यालय का प्रथम सहायता केन्द्र लुगासी में स्थापित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने रामनवमीं के पावन पर्व पर अपने प्रथम सहायता केंद्र की स्थापना ग्राम लुगासी से प्रारम्भ की। जिसका उद्देश्य बारहवीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश हेतु मार्गदर्शित करना एवं सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से भी अवगत कराना है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ नागरिक पुष्पेंद्र सिंह बुंदेला ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों को उनके जीवन के लक्ष्यों के अनुरूप शैक्षिक योजनाएँ विकसित करने में सहायता करने के उद्देश्य से शैक्षणिक सहायता केंद्र की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से जिले के ग्रामीण अंचल में उन्हें उच्च शिक्षा की शैक्षणिक प्रगति के बारे में सटीक जानकारी प्रदान की जायेगी। सहायता केन्द्र के कर्मचरियों द्वारा ग्राम के घर–घर जाकर सर्वे का कार्य किया जायेगा। इसके साथ–साथ उच्च शिक्षा के लिए सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि करना भी एक प्रमुख लक्ष्य है। वर्तमान समय में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है जिसके लिये उन्हें रोजगार लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मार्गदर्शित करना एवं स्वरोजगार स्थापित करने के कौशल संवर्धन की जानकारी से अवगत कराना है, जिससे वह अच्छे उघमी बन सकेंगे। शैक्षणिक नीतियों और प्रक्रियाओं को समझकर विद्यार्थी अपनी उच्च शिक्षा के लिये पाठ्यक्रम का निर्धारण आसानी से कर सकेंगे। इस प्रकार के सहायता केन्द्र छतरपुर जिले के अन्य ग्रामों में शीघ्र प्रारम्भ किये जायेंगे। जिससे केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं तथा उनके प्रमाणिकरण की जानकारी से सभी ग्रामवासी लाभांवित होंगे। शासन की योजनाओं से संबंधित पूर्ण कार्य सहायता केन्द्र से ऑनलाइन माध्यम द्वारा नि:शुल्क किया जायेगा।

विश्वविद्यालय के उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि शैक्षणिक जन सहायता केंद्र के माध्यम से बारहवीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त होगी। जो अभ्यर्थी बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने के लिये सही विषय का चयन नही कर पाते थे उन्हे इस केन्द्र से उचित मार्गदर्शन प्राप्त होगा साथ ही साथ कौशल सर्वधन से संबधित विषय की जानकारी प्राप्त कर वह स्वरोजगार के लिये भी तैयार हो सकते है।

मंगल सिंह यादव पूर्व सरपंच लुगासी ने शैक्षणिक जन सहायता केंद्र का स्वागत करते हुये कहा कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की यह अनूठी पहल है, इसका लाभ युवाओं के साथ–साथ समस्त ग्रामवासियों को होगा।

शिक्षक दीपक वर्मा ने कहा कि इस केन्द्र के माध्यम से ग्रामवासी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर पायेंगे एवं उससे लाभांवित होंगे। कार्यक्रम का संचालन शिवेन्द्र सिंह परमार और आभार सतेंद्र सिंह परमार ने व्यक्त किया।

इसके साथ ही श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैंन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं समाजसेवी कुँवर मानवेन्द्र सिंह ने छतरपुर एवम् नौगांव शहर में निकाली गई राम बारात शोभायात्रा में सम्मिलित राष्ट्रीय सेवक संघ के पथ संचलन पर पुष्पों की वर्षा करके स्वागत किया एवं साथ ही सभी को रामनवमी की शुभकामनायें देते हुए आपसी भाई चारा और सद्भावना का संदेश दिया।

जनसहायता केन्द्र के शुभारम्भ एवं रामनवमी शोभायात्रा में उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी सहित जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. आशीष तिवारी, शिशुपाल सिंह, आदर्श सिंह, शिवम् दुबे, गौरव शर्मा, राकेश विश्वकर्मा डॉ. आकाश सिंह, सचिन व्यास, शिवराज सिंह, शिवेन्द्र सिंह, सुखदेव सिंह राजपूत, कुबेर सिंह, मंगल सिंह यादव पूर्व सरपंच, वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि प्रेम नारायण नरवरिया, जनपद सदस्य प्रतिनिधि धनेश तिवारी, डॉ नसीम अली, तौहीद खान, धर्म राज यदुवंशी, रामनारायण तिवारी, दीपक वर्मा शिक्षक, देव पाल बुंदेला स्कूल संचालक भदेसर, सुरेंद्र तिवारी, वीरेन्द्र तिवारी, रामस्वरूप पटेल, अरविन्द सुल्लेरे, अवधेश सक्सेना, शैलेन्द्र सिंह बुंदेला, हरगोविंद सिंह बुंदेला, पूर्व सरपंच राहुल चतुर्वेदी, रानू सुल्लेरे पूर्व उपसरपंच, सुरेश चतुर्वेदी उपस्थित रहे।





4.133 मद्रास विश्वविद्यालय के रक्षा और रणनीतिक संकाय के विद्यार्थियों का भ्रमण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में मद्रास विश्वविद्यालय से आए प्राध्यापक डॉ. उत्तम जमदागिनी विभागाध्यक्ष डिफेंश एण्ड स्ट्रेटजिक स्टेडीज मद्रास यूनिवर्सिटी, डॉ. एम. वेनकटारमन प्राध्यापक डिफेंश एण्ड स्ट्रेटजिक स्टेडीज मद्रास यूनिवर्सिटी, डॉ. ई प्रभाकरण प्राध्यापक डिफेंश एण्ड स्ट्रेटजिक स्टेडीज मद्रास यूनिवर्सिटी, सूबेदार मेजर कुलवन्त सिंह, कर्नल बी. के. एस. चौहान 25वीं बटालियन एनसीसी एवं विद्यार्थियों का आगमन हुआ इनके भ्रमण का उद्देश्य मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र की संस्कृति, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का अवलोकन करना एवं यहां की संस्कृति से परिचित होने के साथ–साथ विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों से अवगत होना है।

इस अवसर पर मद्रास विश्वविद्यालय और श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने संयुक्त अनुसंधान और शिक्षण के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति व्यक्त की। इस समझौते के अनुसार, मद्रास विश्वविद्यालय और श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छात्र विनिमय कार्यक्रम से प्रस्तावित व्यावसायिक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम का राष्ट्रीयकरण करने में सहयोग करेंगे।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट का स्वागत किया और अपने उदवोधन में कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि होता है भाषा इसमें कोई अवरोधक का कार्य नहीं करती भाव की अभिव्यक्ति ही शब्द होते हैं। मैं यह संदेश देना चाहूंगा कि रक्षा और रणनीति अध्ययन हमारे देश के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए और इसकी शिक्षा को देश में विस्तार से फैलाने की जरूरत है। हमारे देश की सुरक्षा हम सबकी ज़िम्मेदारी है। रक्षा और रणनीति अध्ययन एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं जो हमें अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनाते हैं। इसलिए, हम सभी को रक्षा और रणनीति अध्ययन के महत्व को समझना चाहिए और इसका सहयोग करना चाहिए ताकि हम सभी मिलकर देश की सुरक्षा में सक्षम हो सकें। मद्रास से आए हुए सभी अतिथियों का हम स्वागत करते हैं अपने भ्रमण की कार्यावधि में विश्वविद्यालय द्वारा ठहरने की पूर्ण व्यवस्था की गई है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय से प्रभावित हुए डॉ. उत्तम जमदागिनी ने कहा कि रक्षा और रणनीति अध्ययन एक ऐसा विषय है जिसे लोग अक्सर अनदेखा कर देते हैं। हालांकि, इस विषय का महत्व अधिक होता जा रहा है। इस विषय से संबंधित ज्ञान और विशेषज्ञता एक देश के सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक होता है। रक्षा और रणनीति अध्ययन का महत्व वहाँ से शुरू होता है जहाँ दो या अधिक देशों के बीच संघर्ष होता है। एक देश की सुरक्षा अन्य देशों से होने वाले संघर्षों की तरफ से भी प्रभावित होती है। इसलिए, देशों के बीच रणनीति बनाने और संघर्षों से निपटने के लिए सही रणनीतिक तकनीक बनाना महत्वपूर्ण होता है। साथ ही कहा कि जिस तरह विश्वविद्यालय की इमारत सुदंर और आकर्षित है वैसे ही यहां के कुलाधिपाति महोदय का व्यवहार सौम्य है ऐसा अन्यत्र कहीं देखने को नही मिला। इस क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने का जो पुण्य कार्य किया वह प्रशंसनीय है।

डॉ. ई प्रभाकरण ने अपने वकतव्य में कहा कि दुनिया में विभिन्न तकनीकी उन्नति के साथ, सामाजिक व राजनीतिक तबके में भी बदलाव होते रहते हैं। इसलिए देशों कोअपनी सुरक्षा के लिए नई रणनीतियों का उपयोग करना चाहिए। इसमें रक्षा और रणनीति अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि हम रक्षा और रणनीति अध्ययन को गंभीरता से लें, तो हम देश के भविष्य के लिए निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं। इस अध्ययन से हमें सभी आवश्यक जानकारी मिलती है जो एक सुरक्षित राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करती है। अंत में यह कहना चाहूँगा कि इस विश्वविद्यालय में आकर अपनेपन का ही बोध हो रहा है विश्वविद्यालय परिवार का मिलनसार व्यवहार यह बताता है कि वास्तव में भारत देश में अतिथि सत्कार जीवन्त है।

www.skuindia.ac.in

कर्नल बी. के. एस. ने कहा कि बुन्देलखण्ड के मध्यप्रदेश में कई ऐतिहासिक और प्राकृतिक खूबसूरती से भरे हुए पर्यटक स्थल है यहां बहुत सारे आध्यत्मिक मंदिर और आश्रम मनमोहक खूबसूरती वाले जलप्रपात एवं मनभावन बगीचे हैं इन स्थलों पर समय बिताने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है जिसमें छतरपुर के पास खजुराहो, जटाशंकर, भीमकुण्ड, धुबेला, ओरछा आदि हैं। इसके साथ ही रक्षा और रणनीति पर चर्चा करते हुये बताया कि दुनिया में कई देश हैं जो अपनी सुरक्षा के लिए अपनी रणनीति बनाते हैं और इसमें रक्षा और रणनीति अध्ययन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे अपनी रणनीतिक योजनाओं में संगठन, सुरक्षा और रक्षा के लिए उद्योग विकास, सामाजिक विकास, शिक्षा और विश्वसनीयता जैसे महत्वपूर्ण मान देखे जाते हैं। वे अपनी संवैधानिक मूल्यों, संस्कृति और इतिहास के आधार पर अपनी रणनीतिक योजनाएं बनाते हैं और उन्हें अपने स्वतंत्र राष्ट्र की सुरक्षा और संरक्षण के लिए उपयोग करते हैं। इसलिए, देश को भी रक्षा और रणनीति अध्ययन को गंभीरता से लेना चाहिए। हमारे देश में भी एक सुरक्षित देश बनाने के लिए नई रणनीतियों को बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए, हमें रक्षा और रणनीति अध्ययन के अधिकारियों को तैयार करने की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलसचिव विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ.बी.एस.राजपूत, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. आशीष तिवारी सहित प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक अनुप्रिया नामदेव ने एवं आभार उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने व्यक्त किया।





4.134 विश्वविद्यालय में हुआ कैम्पस प्लेसमेन्ट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में टाटा मोटर्स के सहयोग से कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया है। जिसमें टाटा मोटर्स के नवीन विश्वकर्मा एचआर, विपिन सिंह एजीएम, अंकित अग्रवाल एचआर एग्जीक्यूटिव एवं उमेश गुप्ता एचआर असिस्टेंट उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वप्रथम अभ्यार्थियों की लिखित परीक्षा कराने के बाद ग्रुप डिस्कशन किया गया। लिखित परीक्षा एवं ग्रुप डिस्कशन में उत्तीर्ण अभ्यार्थियों का पर्सनल इंटरव्यू हुआ। तदुपरान्त पंजीकृत 147 अभ्यार्थियों में से 39 का चयन किया गया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का प्लेसमेन्ट सेल अपनी गतिमान स्थिति में हैं। इस सेल का उद्देश्य विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को लाभांवित करना है। प्लेसमेंट एक चालू रोजगार संबंध स्थापित करने के लिए चयनित व्यक्ति और नियोक्ता को जोड़ने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। इस चरण में कर्मचारी को वे गतिविधियाँ दी जाती हैं जिन्हें उसे करने की आवश्यकता होती है और उसे उसके कर्तव्यों के बारे में बताया जाता है। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल छात्रों को उद्योग मानकों के बारे में पढ़ाते हैं और उन्हें अधिक रोजगार योग्य बनाते हैं। अभी तक विश्वविद्यालय में हुए प्लेसमेंट से लगभग 2200 से अधिक छात्र लाभान्वित होकर विभिन्न कम्पनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके है। प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल छात्रों के भविष्य के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

चयनित विद्यार्थियो को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. आलोक अग्रवाल ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम समन्वयक कु. प्रिंसी पाठक, कु. प्रतीक्षा तिवारी एवं सुदर्शन बबेले रहे।





4.135 राष्ट्रीय प्रतिभा खोज में चयनित अभ्यार्थियों का सम्मान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में चयनित अभ्यार्थियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि गर्रौली स्टेट के माननीय राजा रविन्द्र सिंह जू देव जी, कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी एवं कुलसचिव विजय सिंह द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण कर दीप प्रज्जवलित उपरान्त सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथि देवो भव: की परंपरा का अनुसरण करते हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कुलसचिव विजय सिंह ने विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए अपने स्वागत भाषण में कहा कि विश्विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक एवम् नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों के संचालन किया जा रहा है। आज विश्विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों, सेमिनारों, वैविनारों, विचार गोष्ठियों, आर्ट गैलरी के साथ साथ एन.सी.सी, एन.एस.एस,स्पोटर्स सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेंट द्वारा मेधावी छात्र–छात्राओं को उपाधि प्राप्ति के साथ ही रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि इस तथ्य पर संदेह नहीं किया जा सकता कि एक युवा है जो देश के भविष्य को आकार देता है। यदि यह युवा मेहनती और परिश्रमी है तो वह राष्ट्र की प्रगति के लिए उत्प्रेरक का कार्य करता है। युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा को जगाने के लिए यथा समय उनका प्रोत्साहन कर उनकी प्रतिभा का स्वागत करना चाहिए जिससे उनकी कौशलता विकसित हो सके।

मुख्य अतिथि ने अपने आशीर्वचन स्वरूप अपने उद्बोधन में छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरकर सामने आ ही जाती है आज के समय में स्वयं को सिद्ध करना एक चुनौती है आप सभी की प्रतिभा का सम्मान करते हुए में अपने आपको गौरवान्वित समझ रहा हूँ कि तमान बाधाओं के बावजूद आपने अपनी मेहनत से कामयाबी की नई कहानी लिखी है इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं लेकिन आपको यही नहीं रूकना है यह महज एक पड़ाव है आपको और आगे जाना है और अपनी खुद की पहचान स्थापित करनी है बेहतर कल को आकार देने के लिये अच्छे भविष्य का निर्माण करने के लिये आप में अपार क्षमता है हर दिन नया सीखने आगे बढ़ने और समाज के हालात बदलने की ललक है।

कुलाधिपति महोदय डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि सूदूर अंचल से आए हुए सभी विद्यार्थियों, गुरूजनों और अभिभावकों का हम अभिनंदन करते हैं। विद्यार्थियों के लिये अंक ही मूल्यांकन का मापदंड नही है। हमें ऐसा विश्वास है कि नित प्रति वे अपनी लगन एवं मेहनत से नए आयाम स्थापित करते हुए निश्चित अभिभूत सफलता प्राप्त करेंगे। जिस तरह ज्ञान का फलक विस्तृत होता है वैसे ही विद्यार्थियों की इच्छा शक्ति होती है। ज्ञान विज्ञान का सम्मिश्रण ही हमें सफलता प्रदान करता है। आज के मुख्य अतिथि जो प्रकृति प्रेमी है उन्होनें पर्यावरण संरक्षण पर अद्भुत कार्य किये हैं विश्वविद्यालय को

उन्होनें 1000 पौधे प्रति वर्ष प्रदान करने का आश्वासन दिया है। किसी भी समाज के विकास के लिए युवा रीढ़ की हड्डी होते है। युवा उत्साह, ऊर्जा और गतिशीलता का झरना होते है। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमारा भारत देश युवाओं का देश है। युवा ही देश की विरासत को आगे बढ़ाने में और राष्ट्र को नित नवीन उपलब्धियों की नई ऊंचाइयों को हासिल करने में सहयोग देते है। इसलिए विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये राष्ट्रीय प्रतिभा खोज का आयोजन करता है जिसके माध्यम से छतरपुर जिले से संबंधित सभी ब्लॉकों के मेधावी छात्र–छात्रायें निखर कर सामने आते हैं। हमारे लिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम युवाओ की प्रतिभा को सम्मानित कर उन्हें यथोचित मार्गदर्शित कर उनके उज्जवल भविष्य के लिये तैयार करें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों का धन्यवाद देता हूँ।

छतरपुर जिले के ब्लॉकों में स्थान पाए हुये अभ्यार्थियों में छतरपुर ब्लॉक से प्रथम हेमन्त पटेल, द्वितीय खुशी गुप्ता एवं तृतीय आस्था पटेल, दिवास तिवारी एवं राहुल कान्त अहिरवार, बिजावर ब्लॉक से प्रथम ओमप्रकाश अहिरवार, द्वितीय अंकुर गुप्ता एवं तृतीय प्रदीप अहिरवार एवं शिवम रजक, राजनगर ब्लॉक से प्रथम रामकुमार साहू, द्वितीय कपिल कुशवाहा एवं तृतीय अनिल अहिरवार, बड़ामल्हरा ब्लॉक से प्रथम शिंकल अहिरवार, द्वितीय प्रीति यादव एवं तृतीय नैन्सी राजा, दिव्यांश विश्वकर्मा एवं सोनू राजपूत, लवकुशनगर ब्लॉक के प्रथम नंदनी पटेल, द्वितीय अंशुल गुप्ता एवं तृतीय रोहित पटेल, नीरज पटेल, अनुराग सोनी, रामनरेश अनुरागी एवं राजकुमार विश्वकर्मा, नौगांव ब्लॉक के प्रथम अरूण पाण्डेय, द्वितीय संजू लोधी एवं तृतीय असलम खान रहे। प्रथम स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को नगद पुरस्कार 5100 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को नगद पुरस्कार 2100 रूपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को 1100 रूपये के साथ स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, अभिभावक, छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक शिवेंद्र सिंह परमार रहे एवं संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने किया।







4.136 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवियों की अनूठी पहल

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार एवम् कु. वर्षा यादव के कुशल निर्देशन तथा स्वयं सेवक आकाश गौतम के नेतृत्व में पक्षियों के लिए वृक्षों पर मिट्टी के से बने जल पात्र बांधने का अभियान चलाया गया । हम देख रहे है कि विगत कुछ दिनो से गर्मी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवी साथियों के साथ विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियो ने भी उत्साहित होकर विश्वविद्यालय में लगे हुए वृक्षों पर पक्षियों के लिए जल पात्र रखने में अपना योगदान दिया। उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा ने कहा कि गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है, तो वह किसी से भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पक्षियों को प्यास से तड़पना पड़ता है, उनकी अंतर्मन की कौन सुन सकता है। इस गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए हम सभी को इसी तरह के पात्रों को घरों पर व घर की छत पर भी रखना चाहिए जिससे वहां आने वाले पक्षियों की प्यास बुझ सके। विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कुलसचिव विजय सिंह ने कहा कि गर्मी के दिनों में पानी की कमी से कई परिंदों की होने वाली मौत को इस प्रकार के प्रयास से रोका जा सकता है। अधिक गर्मी में मनुष्य के साथ–साथ सभी प्राणियों को पानी की आवश्यकता होती है। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे ऐसा नहीं कर पाते उनके लिए हम और आप को ही सोचना होगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश ने कहा कि हम लोगों को इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेना चाहिए । पशु–पक्षियों की सेवा करने से कोई बड़ा पुण्य कार्य नहीं हैं। पक्षियों को दाना खिलाने से सन्तोष प्राप्त होता है। साथ ही घर की छतों पर पक्षियों के लिए दाना पानी रखने से घर में समृद्धि आती है। कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव ने कहा कि हमारा संकल्प है लोगो में जागरूकता लाना और सन्देश हैं जीवो की जिंदगी बचाने का है आइये हम और आप भी इस पहल का हिस्सा बने और जीवों की जान बचाये। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल कुमार धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने विद्यार्थियों का जीवों के प्रति दया भाव देखकर उनकी इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।





4.137 स्वयं सेवी छात्रों द्वारा चलाया जा रहा है दाना-पानी अभियान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवी छात्रों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को पक्षियों के प्रति जागरूक किया। इस समय गर्मी का मौसम चल रहा है गर्मी में मानव हो या फिर पशु–पक्षी सभी को पीने के लिए पानी की तलाश करते है। लोगों के लिए तो जगह–जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय के स्वंयसेवी छात्रों ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार के निर्दशन में गोद ग्राम छिरावल में ग्राम पंचायत आगनवाड़ी केन्द्र माध्यमिक शाला छिरावल ग्राम की चौपालों में पक्षियों के लिए 15 सकोरे एवं गोद ग्राम चौका के मंदिर परिसर में तथा स्वास्थ्य केन्द्रों में 10 सकोरे लगाये। वरिष्ठ स्वंयसेवी आकाश गौतम ने ग्रामीण जनों को जागरूक करते हुए कहा कि हम लोगों का नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम पक्षियों के लिए दाना –पानी की उचित

www.skuindia.ac.in

व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पक्षियों को राहत मिल सके। इसलिए जो सकोरे लगाये गये हैं उसमें प्रतिदिन जल डालकर हम प्यास बुझा सकते हैं। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी तथा कुलसचिव विजय सिंह ने विद्यार्थियों का जीवों के प्रति दया भाव देखकर उनके इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।





4.138 'मन की बात' के 100वें ऐतिहासिक एपिसोड के सीधे प्रसारण से जुड़ा विश्वविद्यालय

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में भारत के यशश्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को माननीय कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी तथा कुलसचिव विजय सिंह के साथ सभी विश्वविद्यालय परिवार ने उपस्थित होकर सुना। 30 अप्रैल 2014 को नौ साल पहले शुरू हुए इस विशेष रेडियो कार्यक्रम के आज 100 एपिसोड पूरे हो गये हैं। इन नौ सालों में 'मन की बात' में प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने कई अनछुए पहलुओं को सामने रखा तथा साथ ही देश की जनता से सीधा संवाद किया है। मन की बात के 100वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मन की बात जिस विषय से जुड़ा वो जन–आंदोलन बन गया और उसे जन– आंदोलन आप लोगों ने बनाया। जब मैंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ साझा 'मन की बात' की थी, तो उसकी चर्चा पूरे विश्व में हुई थी। 'मन की बात' मेरे लिए दूसरों के गुणों की पूजा करने के जैसा ही रहा है। इस कार्यक्रम ने मुझे लोगों से जुड़ने का जरिया मुहैया कराया। यह मेरे लिए महज एक कार्यक्रम नही, बल्कि एक आध्यात्मिक यात्रा है।





4.139 विश्वविद्यालय में वित्तीय साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया छतरपुर एवं बारीगढ़ शाखा के कियोस्क संचालक शैलेन्द्र सिंह द्वारा सघन जागरूकता अभियान के अन्तर्गत वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक खातों के महत्व, सुचारू संचालन, के.वाई.सी.,आधार कार्ड व पेन कार्ड अपडेट करने, नामांकन एवं डिजीटल ट्रान्सफर के बारे में विस्तार से बताते हुए आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए रोजगार स्थापित करने हेतु सम्बन्धित प्रशिक्षण प्राप्त करने एवं शासन व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न बीमा योजनाओं के बारे में बताया। शैलेंद्र सिंह ने बताया कि एसबीआई सरल जीवन बीमा एक बुनियादी सुरक्षा योजना है जो बीमित व्यक्ति के परिवार को न्यूनतम प्रीमियम पर कीमत पर सुरक्षा प्रदान करती है। कोई भी व्यक्ति एसबीआई सरल जीवन योजना खरीद सकता है। एक बार नियमित रूप से या सीमित (5/10 वर्ष) अवधि के लिए प्रीमियम का भुगतान करने की सुविधा प्रदान करती है। एसबीआई सरल जीवन बीमा सरल नियमों और शर्तों के साथ एक आसान प्लान है जो प्रतिफलन स्वरूप हर व्यक्ति के लिए सुलभ है। क्योंकि यह प्लान बुनियादी कवरेज प्रदान करता है और परिवार के भविष्य को सुरक्षित करता है। टैक्स बेनिफिट्स एसबीआई सरल जीवन बीमा आयकर अधिनियम, 1961 के तहत प्रचलित मानदंडों के अनुसार कर लाभ प्रदान करता है। इसके साथ ही साथ उन्होंने वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के बारे में भी विस्तार से बताते हुए सचेत किया। इस शिविर कार्यक्रम में उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह, उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा तथा विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।





4.140 प्रवेश शुल्क विनायक समिति म.प्र. के चेयरमैन का विश्वविद्यालय आगमन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में मध्य प्रदेश शासन प्रवेश शुल्क विनायक समिति के चेयरमैन डॉ. रविन्द्र कनहरे एवम् अटल बिहारी बाजपेई हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. खेम सिंह डहेरिया जी के आगमन पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। डॉ.कनहरे जी ने विश्वविद्यालय परिसर की स्वच्छता, सुंदरता एवम् सभी सुनियोजित विभागों को देखकर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि बुंदेलखंड में गुणवत्ता पूर्ण तथा रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का प्रयास सराहनीय है। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत संबंधित पाठयक्रमो का संचालन किया जा रहा है। प्रो. खेम सिंह डहेरिया जी विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापको से मिले अपने विचारों का सांझा करते हुए उनके भी विचारों को सुना और कहा कियहां शैक्षिक वातावरण देखते हुए हमें यकीन है कि एक दिन शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।





4.141 विश्वविद्यालय में रोजगार मेला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा रोजगार मेला का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के अतिरिक्त जिले अन्य संस्थाओं के 235 प्रतिभागियों ने पंजीयन किया था। आईटीआई व पॉली डिप्लोमा के 191 प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय आकर रोजगार मेला में प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय में बाहर से आई प्रमुख कपंनियों में वाइस्स पावर,जैट टाउन, नोएडा (उ.प्र.) टी.डी.के प्राइवेट लिमिटेड हरियाणा धूत प्राइवेट लिमिटेड, मिन्डा प्रीथमपुर, इंन्दौर डीजिटल ऐजुकेशन लिमिटेड इसमें विश्वविद्यालय के बाहर के बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। डिजिटल ऐजूकेशन लिमिटिड के मानव संसाधन प्रमुख समीर खांन एवं सहयोगी श्री नीरज ठाकुर ने प्रतिभागियों से उनकी संबंधित ट्रेड से विभिन्न प्रश्नों को पूछा जिनका संतोषजनक उत्तर उपस्थित प्रतिभागियों ने दिया। साक्षात्कार समिति के सदस्यों के द्वारा चयनित प्रतिभागियों का परिणाम एक सप्ताह के अंदर घोषित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि समय-समय पर रोजगार से संबंधित लगभग सभी संकायों के विद्यार्थियों को लाभांवित किया जाता है। ऐसे स्वर्णिम अवसर विश्वविद्यालय द्वारा आगे भी प्रदान किये जायेगें, जिनका लाभ विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य संथाओं के विद्यार्थी ले सकेगें। विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री विजय सिंह ने साक्षात्कार समिति के सदस्यों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया और प्लेसमेंट सेल के सदस्य प्रिंसी पाठक, प्रतीक्षा तिवारी, सुदर्शन बवेले की इस रोजगार मेला के सफल आयोजन के लिए हृदय से प्रशंसा की। इस रोजगार मेले की संयोजक उपकुसचिव श्री मती मेघना मिश्रा रहीं।





4.142 स्वयं सेवी छात्रों द्वारा चलाया जा रहा है दाना-पानी अभियान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवी छात्रों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को पक्षियों के प्रति जागरूक किया। इस समय गर्मी का मौसम चल रहा है गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को पीने के लिए पानी की तलाश करते है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इस उद्देश्य से विश्वविद्यालय के स्वंयसेवी छात्रों ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार, कुमारी वर्षा यादव के निर्दशन में छतरपुर के कलेक्ट्रेट ऑफिस में 10 सकोरे और जिला न्यायालय में 5 सकोरे थाना अजाक में 3, कार्यालय नगर पुलिस अधीक्षक में 3 सकोरे, केन्द्रीय रिजर्व बैंक छतरपुर में 4 सकोरे लगाये वरिष्ठ स्वंयसेवी आकाश गौतम ने आदरणीय सर डिप्टी कलेक्टर, थाना प्रभारी, और बैंक मैनेजर से निवेदन करते हुए कहा जो सकोरे हम बच्चों द्वारा लगाये गये हैं उनमें प्रतिदिन जल डालकर अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाये। बच्चों के इस कार्य की आदरणीय द्वारा सराहनीय प्रशंसा की गई इस अभियान 50 स्वंयसेवकों ने भाग लिये जिनमें से जयंत, गौरव, शिवम, कमलेश, मोनू, पंकज, अजुद्दी, रोहित, भागचन्द्र, शंकर, रजनीश, वषंत, सत्यम, आदि शामिल रहे। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल कुमार धगट, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह, ने विद्यार्थियों का जीवों के प्रति दया भाव देखकर उनके इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।





4.143 लीगल एड क्लीनिक को मिली जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर की मान्यता

जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के संयुक्त तत्वावधान मे आज विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्जवलन उपरान्त मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छतरपुर के सचिव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल पाठक, विशिष्ट अतिथि के रूप मे जिला विधिक सहायता अधिकारी हेमंत कुशवाहा, डॉ. बी.एस. राजपूत, डॉ. एल.पी.सिंह, डॉ. दिगंत द्विवेदी उपस्थित रहे।

कार्यशाला मे विधि विभाग के डीन डॉ. एल.पी.सिंह ने विभाग की ओर से सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात् डॉ. बी.एस. राजपूत ने तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य मे अपने विचार व्यक्त किए। विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक द्वारा विधि विभाग की विधिक सहायता क्लीनिक द्वारा संचालित कार्यक्रमों, क्लीनिक के पैनल लॉयर, छात्र समन्वयक एवं सहायक समन्वयकों के संबंध मे जानकारी प्रस्तुत की गई। कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सहायता अधिकारी हेमंत कुशवाहा द्वारा तम्बाकू निषेध के संबंध मे जानकारी देते हुए लीगल एड क्लीनिक की योजनाओं के बारे मे विचार साझा किए। कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार

www.skuindia.ac.in

पाठक द्वारा श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लीगल एड क्लीनिक के कार्यो से प्रभावित होकर जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के केन्द्र के रूप में क्लीनिक संचालित करने के लिए मान्यता प्रदान की। साथ ही तम्बाकू तथा अन्य नशीले पदार्थो का सेवन न करने हेतु अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में तम्बाकू निषेध करने हेतु विधि विभाग के विभागाध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह द्वारा शपथ कराई गई।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के केन्द्र के रूप में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय को चुने जाने पर विश्वविद्यालय के विधि विभाग की सराहना करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापिका मेघांजली तिवारी एवं आभार सहायक प्राध्यापक शैलेंद्र सिंह द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम मे सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय चतुर्वेदी, डॉ. आलोक अग्रवाल, चंद्रदीप सिंह, दीप्ति सेठ, वर्षा बुंदेला, मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के छात्र-छात्राएं मुख्य रूप से उपस्थित रहे



4.144 बौद्धिक संपदा विषय पर आभाषी माध्यम से कार्यशाला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में फार्मेसी विभाग के द्वारा बौद्धिक सम्पदा पर 03 जून 2023 एक बेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता मिनिष्ट्री ऑफ कॉर्मस एंड इडस्ट्री भारत सरकार के अन्तर्गत पैटर्न एंड डिजाइन विभाग नई दिल्ली के सहायक नियंत्रक श्री आलोक मिश्रा ने विश्वविद्यालय के प्राध्यापको, शोधार्थियों एंव पंजीकृत सभी प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा के विषय के विस्तार से समझाते हुए बताया कि किसी व्यक्ति, समूह या संस्था द्वारा बनाई गई कोई कृति जो समाज के लिये उपयोगी हो तथा सृजनकर्ता के लिये भी आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण हो बौद्धिक संपदा कहलाती है यह किसी भी क्षेत्र जैसे संगीत, साहित्य, कला, विज्ञान से संबधित हो सकती है, किसी भी सृजनकर्ता को इस सम्पदा की सुरक्षा के लिए दिये जाने वाले अधिकार बौद्धिक सम्पदा कहलाते हैं, ये अधिकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा निश्चित समयावधि एवं शर्तो के साथ प्रदान किये जाते हैं।

फार्मेसी विभाग के संकाध्यक्ष एंव कार्यशाला के संयोजक डा. आनंद कुमार चौरसिया ने अपने वक्तव में कहा कि बौद्धिक संपदा हमारा मौलिक अधिकार है, सृजनकर्ता चाहे तो अपने पेंटेट का पूर्ण एवं आंशिक भाग को बचाकर आर्थिक लाभ भी कमा सकते हैं, विद्यार्थियों को अपने-अपने विषय में शोधकार्य द्वारा प्रदेश और देश के आविष्कारों पर जोर देना चाहिये।

विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने विद्यार्थियों को संम्बोधित करते हुए कहा कि आप नवाचार एंव शोधकार्य में आगे बढ़े। इसमें हमारा पूर्ण सहयोग रहेगा, बौद्धिक संम्पदा के बारे बताते हुए उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा यह पता लगाने का अवसर है कि कैसे बौद्धिक संपदा अधिकार उनके लक्ष्यों को हासिल करने में सहायता करते हैं।

विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि आधुनिक युग में बौद्धिक संपदा सबसे मूल्यवान सम्पति है, क्योंकि यह मानवीय विकास को गति देने वाली तकनीकी नवाचार को पुरस्कृत करती है

विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री विजय सिंह ने कहा कि किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा सृजित संगीत, साहित्यिक कृति, कला, चित्र व डिजाइन और कॉपीराइट को बौद्धिक संपदा कहते हैं। मूलरूप से ट्रेडमार्क का उपयोग आप अपने उत्पादको को अपने प्रतिद्वंद्वी से अलग पहचान करने के लिए करते हैं। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय, डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि बौद्धिक संपदा का विषय सभी के लिए एंव विशेषकर वैज्ञानिकों, शिक्षकों, और शोधार्थियों के लिए अत्यधिक उपयोगी है नई शिक्षा नीति में हर स्तर पर शोध को विशेष महत्व दिया गया है नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए किया गया व्यवस्थित प्रयास ही अनुसंधान है। इस कार्यशाला के समन्वयक गिरीश त्रिपाठी, आयोजन सचिव कुलसचिव विजय सिंह, एंव संयोजक फार्मेसी के शंका अध्यक्ष डॉ. आनंद कुमार चौरसिया रहे।इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के समस्त विभाग के प्रध्यापकगण एंव विद्यार्थी सहित 360 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया कार्यशाला का संचालन संयोजक डॉ. आंनद कुमार चौरसिया ने किया एंव फार्मेसी विभाग के सहायक प्राध्यापक अभिषेक पाठक ने मुख्य वक्ता, विश्वविद्यालय परिवार एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।





4.145 पर्यावरण जागरुकता के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस के पूर्व 03 जून को प्लास्टिक प्रयोग के दुष्परिणाम शीर्षक पर एक निबंध,रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के 118 प्रतिभागियो ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समन्वयक क्रमश: हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.आशीष कुमार तिवारी व संयोजक श्रीमती खुशबू चौहान, सहा.प्राध्यापक,डॉ.नीना चौरसिया सहा.प्राध्यापक समाज शास्त्र विभाग,संयोजक श्रीमती सोनाली चंदेल, सहा.प्राध्यापक फाइन आर्ट समन्वयक डॉ.निहारिका तिवारी, विभागाध्यक्ष गणित विभाग और संयोजक श्रीमती भक्ति अग्रवाल, सहा.प्राध्यापक,ललित कला विभाग रही। निबंध, रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्यों में उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा,डॉ.नीरज सिंह सह.प्राध्यापक इतिहास विभाग, श्री सचिन व्यास सहा. प्राध्यापक शिक्षा शास्त्र और श्रीमती रजनी गुप्ता सहा. प्राध्यापक समाजशास्त्र, डॉ.सविता सिंह सह. प्राध्यापक पुस्तकालय और श्रीमती सुमेधा राय सहा. प्राध्यापक प्रबन्धन विभाग,श्री माधव शरण पाठक सहा.प्राध्यापक विधि विभाग,श्री शिवेन्द्र परमार सहा.प्राध्यापक, रसायन विभाग ने महती भूमिका निभाई। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने सभी प्रतियोगिताओं की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस तरह की सृजनात्मक गतिविधियों से विद्यार्थियों के हुनर का पता तो चलता ही है साथ-साथ समूह में कार्य करने से एकता का भाव भी उत्पन्न होता है। 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर एक राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन अपराह्न 2 बजे विश्वविद्यालय सभागार में किया जाएगा, जिसके मुख्य अतिथि वक्ता तपस्या परिहार सी.ई.ओ जिला पंचायत और वेणी प्रसाद दौतानिया डी.एफ.ओ जी होंगे। उसी कार्यक्रम में प्रतियिगिता में सम्मिलित सभी विजेताओं के नाम की घोषणा की जाएगी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियो को पुरस्कार,

प्रशस्ति पत्र मुख्य अतिथियों द्वारा प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.निकेत मिश्रा है, जिनके निर्देशन में 5 जून को प्रात:8 बजे पर्यावरण जागरुकता अभियान रैली छतरपुर शहर में निकाली जाएगी जिसका उद्देश्य प्रदूषण रहित समाज बनाना होगा।





4.146 साइकिल रैली एवं वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश कुमार के निर्देशन मे 5 जून को साइकिल रैली का आयोजन बाबूराम स्टेडियम छतरपुर मे किया गया है।इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह जी भी उपस्थित रहे उन्होने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अतिथिगण एवं प्रतिभागियों का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा गोद ग्राम छिरावल में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवी छात्र छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया साथ ही साथ जागरूकता रैली निकालकर ग्राम जनों को स्वच्छ वातावरण, शुद्ध पर्यावरण के बारे में जानकारी देते हुए जल संरक्षण के लिए कई अहम उपाय भी बताए जिससे हम जल का संरक्षण कर सकते है और जल की कमी से निजात पा सकते है एवं पक्षियों को पीने के लिए पानी की भी व्यवस्था भी छात्र–छात्राओं द्वारा की गई।

इस जागरूकता रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश कुमार सह–प्राध्यापक, श्री शिवराज सिंह, श्रीमती रेनू झा, श्रीमती वन्दना शुक्ला आदि प्राध्यापकगण सहित छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।





4.147 एकात्म अभियान प्रशिक्षण का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय मध्य प्रदेश हार्टफुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय एकात्म अभियान प्रशिक्षण का आयोजन 6, 7 एवं 8 जून को विश्वविद्यालय सभागार में किया जा रहा है। कल 6 जून को इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री उमाशंकर बाजपेई (आई.पी.एस., आई.जी.पुलिस–से.नि.) श्री रमाकांत त्रिवेदी (माननीय न्यायधीश उच्च न्यायालय इलाहाबाद से.नि.),जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार (म.प्र जन अभियान परिषद) विश्व विद्यालय के चेयरमेन डॉ.पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलसचिव विजय सिंह शोध सलाहकार डॉ. बी.एस राजपूत द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम सह संयोजक डॉ बी.एस. राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एकात्म अभियान प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से अवगत कराया एंव तीन दिवसीय शिविर में सभी से जुड़कर लाभ प्राप्त करने के अपील की । श्री निवास नायक ने एकात्म अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि पूरे म.प्र. में एक करोड़ लोगों को ध्यान शिविर के माध्यम से तनाव रहित जीवन शैली के लिए विभिन्न राज्यों व अन्य देशों से आ रहे प्रशिक्षिकों के माध्यम से लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। आपने एकात्म का अर्थ स्वार्थपरता मतभेद एंव रंग जाति, धर्म के बंधन से मुक्त कर एक होने की प्रेरणा देने का कार्य है। हार्टफुलनेस संस्था के वैश्विक सचिव श्री उमाशंकर वाचपेई जी ने हार्टफुलनेस ध्यान की संस्था को पूर्णत: नि:शुल्क बताया यह संस्था 1945 से भारत के उत्तरप्रदेश में आरम्भ हुई थी जो आज 170 देशों में अपनी नि:शुल्क सेवाएं प्रदान कर रही है जिसमें 16000 प्रमाणित ट्रेनर भारत में और लाखों लोग रजिस्टर्ड हैं संस्था तीन दिन में चार सत्र रिलैक्सेशन और मेडिटेशन, निर्मलीकरण (मानसिक सफाई) एंव प्रार्थना और ध्यान कराती है। श्री आर.आर. के. त्रिवेदी जी ने सभी से हर दिन ध्यान करने की अपील करते हुए सरल स्वस्थ, और खुशहाल जीवन जीने की प्रेरणा दी। एकात्म योग वह शिक्षा हैं जो योग की विभिन्न शाखाओं को एक व्यापक जीवन शैली प्रणाली में संश्लेषित करती हैं। इसका उद्देश्य व्यक्ति के हर पहलू के सामंजस्यपूर्ण विकास को बढ़ावा देना है। उमाशंकर बाजपेई जी ने बताया कि इंटीग्रल योग की छह शाखाएं स्वस्थता और आत्म–निपुणता को प्रोत्साहित करने के लिए शक्तिशाली उपकरण हैं। इसके परिणाम सूक्ष्म, गहन और मापने योग्य हैं। रमाकांत तिवारी ने बताया कि एकात्म योग में, हम अपने गुरु, हमारे वंश और शास्त्रीय योग शिक्षण का सम्मान करते हैं, इस प्रकार के सिद्धांत से जुड़ते हैं गुरु–तत्व: और योग की प्राचीन परंपरा का सम्मान करना। यह सिद्धांत इस गुरु, वंश और परंपरा के माध्यम से आने वाली शिक्षाओं और प्रथाओं के प्रसारण की ओर इशारा करता है। चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने बताया कि जीवन में आप कितना भी धन, वैभव, पद, प्रतिष्ठा प्राप्त कर लें लेकिन यदि जीवन में शरीर स्वस्थ नहीं हैं तो ये सभी चीजें नश्वर हैं इसलिए हम सभी को उस आसमान के पक्षी के भांति होना चाहिए जो अपने दोनों पंखों के माध्यम से उड़ान भरता है और स्थिरता को प्राप्त कर लेता है ऐसे ही हम सभी को आध्यमिकता और भौतिकता दोनों का सांमजस्य करके जीवन जीने की आदत बना लेनी चाहिए। जो कुलसचिव विजय सिंह ने व्यक्ति 'योगमय' जीवन जीता है वह अष्टांग मार्ग पर चलने लगता है। योग तो मनुष्य के लिए बाहरी और भीतरी विकास का सशक्त माध्यम है। योग का साधक 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को अपने अंदर आत्मसात करता है। इससे उसको शारीरिक,मानसिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक लाभ होता है।योग: शारीरिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक उन्नति में सहायक होता है कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विजय चतुर्वेदी ने बताया कि योग साधना में मन को ईश्वरोन्मुख बना कर तत्वज्ञान की प्राप्ति की जा सकती है। योग के द्वारा अनेको जन्मों के संस्कारो द्वारा मलिन यर्थाथ स्वरूप का ज्ञान कराया जाता है। योग युक्त होते ही हमारी इन्द्रियां जो कि स्वभाव से ही चंचल है, वह अंतर्मुखी होने लगती है। इस प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।





4.148 एकात्म अभियान ध्यान शिविर के दौरान हुआ सहमति करार (MOU)

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय, जनभागीदारी मध्यप्रदेश, हार्टफुलनेस संस्थान, जन अभियान परिषद् एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय एकात्म अभियान के अंतर्गत ध्यान शिविर का आयोजन 06 से 08 जून 2023 को किया गया। कार्यक्रम का समापन ध्यान प्रार्थना के साथ 08 जून 2023 को हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि श्री उमाशंकर बाजपेई (I.P.S.,I.G. पुलिस) से. नि. एवं वर्तमान में हार्टफुलनेस संस्था जो गैर लाभकारी संगठन है यह संगठन 170 देशों में अपनी सेवाएं दे रहा है उसके वर्तमान सचिव एवं माननीय न्यायधीश आर.आर.के. त्रिवेदी उच्च न्यायालय प्रयागराज (से.नि.) जो इस संस्था के preceptor Trainer हैं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के तीसरे सत्र में श्री उमाशंकर बाजपेई ने हार्टफुलनेस ध्यान की तीनों विधाओं रिलैक्शेसन, ध्यान आंतरिक निर्मलीकरण सफाई एंव प्रार्थना की जानकारी से अवगत कराकर प्रायोगिक अभ्यास कराया। आपने बताया कि कोई भी व्यक्ति कितना भी थकान में हो, तनाव में हो उसे रिलैक्शेसन करा दीजिए वह तुंरत सामान्य हो जायेगा। रिलैक्शन के जरिए आपकी नी्रद की गुणवत्ता और नियमन बेहतर हो जाएगा। जिससे आपका मन और अधिक केन्द्रित व नियमित होता जाएगा। जिससे हम तनाव को दूर करना तथा व्यर्थ के विचारों को नजर अंदाज करना सीख जाते हैं। सफाई के द्वारा आपके दिन भर की छापों को जो हमारे मानस, हृदय में इकट्ठा हो जाती है, इसे सिर्फ 20 से 25 मिनट में सफाई की प्रक्रिया के द्वारा हटा सकते हैं। जब मानस हृदय में छापें नहीं होगी तो मन शांत रहेगा और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एंव बीमारियां भी नहीं होंगी। प्रार्थना हमें उस परम के साथ जोड़ने का काम करती है और ध्यान में अधिक गहराई की अवस्था में ले जाने में मदद करती है। इसे रात को सोते समय एंव सुबह ध्यान के समय करना चाहिए। हार्टफुलनेस ध्यान पूर्णत: नि:शुल्क है इसे किसी भी प्रशिक्षक से सीखा जा सकता है जिसमें पहले दिन रिलैक्शेसन और ध्यान दूसरे दिन मानसिक सफाई (Cleaning) और तीसरे दिन प्रार्थना का सत्र होता है।

एकात्म अभियान के दौरान हार्टफुलनेस संस्थान हैदराबाद एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के मध्य करार (Memorandum of Understanding – MOU) किया गया। करार होने से विश्वविद्यालय परिवार विद्यार्थियों सहित इस प्रकार के कार्यक्रमों में परस्पर अपनी सहभागिता होगी जिससे दोनो पक्षो के बीच सकारात्मक सोच विकसित होगी।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने उद्बोधन में आभार व्यक्त करते हुए उपस्थित दोनों अतिथियों की उम्र के बारे में बताते हुए कहा कि यह सब ध्यान का प्रभाव है। जिसकी बजह से श्री बाजपेई जी 87 वर्ष एंव श्री त्रिवेदी जी 84 वर्ष के हैं। उनकी लम्बी उम्र की कामना की और कहा कि यह देश ऋषि मुनियों, योगियों का है जो साधक अपनी साधना से अदृश्य को भी दृष्टिगत कर लेता है। यह गूढ़ विषय दो या तीन दिन में नहीं सीखा जा सकता है लेकिन निरंतर अभ्यास से स्वामी विवेकानंद जैसे भी बन सकते हैं। आपका आना हमारे लिए परम सौभाग्य है आप विश्वविद्यालय में पुन: पधारे जिससे विश्वविद्यालय परिवार लाभांवित होगा और अपनी सेवाएं अन्य लोगों को देगा। इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार होते रहने से सभी लाभांवित होंगे। ध्यान शिविर के समापन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. गौतम ने अतिथियों का शाल श्रीफल एंव स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

एकात्म अभियान ध्यान शिविर में विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह, सलाहकार डॉ. बी.एस.राजपूत, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण व विद्यार्थी सहित कार्यक्रम संयोजक डॉ. विजय चतुर्वेदी एवं सह-संयोजक डॉ.आलोक अग्रवाल उपस्थित रहे।





4.149 विश्व ऐल्बिनिज़म दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 13 जून को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में विश्व ऐल्बिनिज़म दिवस पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत, फार्मेसी प्राचार्य डॉ. आनंद चौरसिया की अध्यक्षता में ऐल्बिनिज़म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फार्मेसी के विभागाध्यक्ष श्री दीपेन्द्र सिंह बुंदेला ने सभी का स्वागत करते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि यदि आपके बच्चे को ऐल्बिनिज़म है, तो अपने बच्चे को कक्षा में सीखने के अनुकूल बनाने में मदद करने के तरीके खोजने के लिए शिक्षकों से सहायता लेते हुए यह आपके बच्चे को कैसे प्रभावित करता है। इसका अध्ययन करना चाहिए। डॉ. आनंद चौरसिया ने अपने वक्तव्य में कहा ऐल्बिनिज़म यानी रंग हीनता यह रोग त्वचा, वालों और आंखों से संबंधित होता है, इसमें त्वचा, बालों को और आंखों को रंग प्रदान करने वाले पिगमेंट मेलानिन की कमी हो जाती है जिससे इनके रंग हल्के या सफेद हो जाते हैं ऐल्बिनिज़म से पीड़ित व्यक्ति सूर्य और तेज प्रकाश सहन नहीं कर पाता इनको त्वचा कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है एवं देखने में परेशानी होने लगती है । इस रोग के साथ समस्या यह है कि इसके मरीजों को सामाजिक तौर से अलगाव एवं भेदभाव का सामना करना पड़ता है जिसका मुख्य कारण समाज के लोगो में ऐल्बिनिज़म के बारे में जानकारी का अभाव है। संगोष्ठी का संचालन श्री अभिषेक पाठक ने और आभार श्री राममिलन विश्वकर्मा ने व्यक्त किया। इस संगोष्ठी में फार्मेसी एवं नर्सिंग विभाग के प्राध्यापकगण हिमांशी सोनी, दीपा सिंह, साहिबा फरहा, निशि चौरसिया, मेघा शुक्ला, सौरभ खरे, राहुल अहिरवार, महेश पटेल, दीपांशु शुक्ला, चतुर कुशवाहा, रमेश अहिरवार उपस्थित रहे।



4.150 विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2023 दिन बुधवार को सुबह 6बजे से "वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग" थीम पर किया गया। योग दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम के संरक्षण एवम् चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम के मार्गदर्शन, कुलपति डॉ. अनिल धगट के सहयोग एवं उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी के उत्साहवर्धन से संपन्न हुआ। योग दिवस में आयोजित एक दिवसीय योग शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे आचार्य रोहित ओउम् (सहायक वैज्ञानिक, पतंजलि अनुसंधान संस्थान व शोधार्थी, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार) एवं प्रभुनारायण कुशवाहा (सह-संस्थापक, योग गंगा वैलनेस सेंटर, हरिद्वार) ने बुधवार को प्रात: अधिकारियों, प्राध्यापको, कर्मचारियों, आगंतुकों एवम विद्यार्थियों को आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकोल का प्रशिक्षण देने के उपरांत योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज द्वारा निर्देशित यौगिक जोगिंग, सूर्य-नमस्कार, सूक्ष्म व्यायाम, आसन एवं आठ प्राणायामों का भी व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया। आचार्य जी ने महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग से परिचय करवाया एवं वर्तमान समय में योग की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। योग शिविर में आचार्य रोहित ओउम् ने बताया कि जिस प्रकार जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति का एहसास कराया था, उसी प्रकार योगाभ्यास से मनुष्य की शारिरीक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक सुप्त शक्तियों का जागरण होता है। मनुष्य अनंत संभावनाओं का पुंज है, उसमें अनंत ज्ञान, अनंत शक्ति, अनंत

सामर्थ्य है। योग मनुष्य में सन्निहित विराटता के द्वार की चाबी है। आचार्य श्री ने संबोधित करते हुए कहा कि सब प्राणियों में मनुष्य श्रेष्ठ माना गया है और मनुष्य में भी उसकी युवावस्था को सबसे स्वर्णिम काल माना गया है। इस समय व्यक्ति में स्वाभाविक रूप से ऊर्जा की पराकाष्ठा होती है। यदि इसी अवस्था में योगाभ्यास को जीवन चर्या में शामिल कर लिया जाए तो जीवन के उन अपरिचित पहलुओं का सहज रूप से बोध हो सकता है, जिनके लिए बाद में कठिन साधना की अपेक्षा होती है।

योग शिविर में कुलसचिव विजय सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक एवम् सलाहकार डॉ. बी. एस.राजपूत, कार्यक्रम संयोजक डॉ.विजय चतुर्वेदी, सह संयोजक डॉ.आलोक अग्रवाल सहित प्राध्यापक, कर्मचारी, आगंतुक एवम् विद्यार्थी उपस्थित रहे। योग शिविर के पश्चात् स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोग शमन में योग व आहार की उपयोगिताइ विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के दौरान पतंजलि योगपीठ से पधारे आचार्य रोहित ओउम् ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य को विकृत करने वाले अनेक साधन उपलब्ध हैं किंतु स्वास्थ्य संरक्षण व योग निवारण का प्रयोजन योग आधारित दिनचर्या से ही पूर्ण होगा। उन्होने आहार के महत्व को समझाते हुए कहा कि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के छठे अध्याय में कहा है कि – "युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु। युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥"

अर्थात् दुःखों का नाश करने वाला योग तो यथायोग्य आहार–विहार करने वाले का, कर्मों में यथायोग्य चेष्टा करने वाले का और यथायोग्य सोने तथा जागने वाले का ही सिद्ध होता है। आचार्य जी ने आगे बताया कि श्रीमद्भगवद् गीता के सत्रहवें अध्याय में भोजन के तीन प्रकारों सात्विक, राजसिक एवं तामसिक का उल्लेख मिलता है। सात्विक आहार शरीर के लिए लाभकारी होते हैं और आयु, गुण, बल, आरोग्य तथा सुख की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार के आहार में गौ घृत, गौ दुग्ध, मक्खन, बादाम, काजू, किशमिश आदि मुख्य हैं। राजसिक भोजन कड़वे, खट्टे, नमकीन, गर्म, तीखे व रुखे होते हैं। इसके सेवन से शरीर में दुख, शोक, रोग आदि उत्पन्न होने लगते हैं। इमली, अमचूर, नींबू, छाछ, लाल मिर्च, राई जैसे आहार राजसिक प्रकृति के माने गए हैं। तामसिक भोजन किसी भी दृष्टि से शरीर के लिए लाभकारी नहीं होते। बासी, सड़े–गले, दुर्गंध युक्त, जूठे, अपवित्र और त्याज्य आहार तामस भोजन के अंतर्गत माने जाते हैं। मांस, अंडा, मछली, मदिरा, प्याज, लहसुन आदि आहार तामसिक होते हैं। इनके सेवन से मनुष्य की बुद्धि पर नकारात्मक असर पड़ता है। अतः सभी को सात्विक आहार का सेवन करना चाहिए।

आचार्य जी ने कहा कि जीवन में जब कभी भी देखी हुई, सुनी हुई या अनुभव की हुई बातों में टकराव या असमंजस की स्थिति बने तो अनुभव अनुसार चलना चाहिए। उन्होंने दुनियां के सबसे अधिक आयु जीने वाली महिला न्यूनेन थी थ्रू के जीवन की अपनाने योग्य 5 मुख्य बातें भी बताई जिसमें फल व कच्ची सबजियों का अधिक सेवन, कोई भी रिफांइड पदार्थ नहीं खाना व चीनी कभी नहीं खाना, बीमार होने पर अस्पताल नहीं जाना (इससे इनका अभिप्राय है कि छोटी–मोटी बीमारियों जिनको आयुर्वेद में मित्र रोग कहा गया है उनके लिए अस्पताल में जाना उन रोगों को बड़ा बनाने का कारण है), जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण एवं बड़ों का सम्मान व दूसरों की सेवा करना शामिल है।

आचार्य जी ने संबोधन के अंत में पतंजलि संस्थान में चल रहे योग, यज्ञ, नैचुरोपैथी, पंचकर्म एवं आहार चिकित्सा आदि से जुड़े विभिन्न जनहितकारी प्रकल्पों से परिचय कराया और सबसे आह्वान किया कि योग अपनाएं और परिवार, समाज और राष्ट्र को स्वस्थ बनाएं। जब प्रत्येक व्यक्ति योग अपनाएगा तभी उसमें सहस्तित्व एवं विश्वबन्धुत्व की भावना का जागरण होगा और तब जाकर "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना साकार होगी। साथ ही आचार्य जी ने व्याख्यान के उपरांत उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं और उनके द्वारा किए गए प्रश्नों का समाधान किया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री सिंह द्वारा अतिथियों का शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।



4.151 विधि विभाग में प्रवेश हेतु किया गया प्रवेश परीक्षा का आयोजन

शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने वाले विश्वविद्यालयों में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर की विशेष पहचान है। बारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए वह जिस विभाग में प्रवेश ले रहे हैं क्या उनका अपने भविष्य निर्धारण का चयन सही है उस पाठयक्रम में वह कितना ज्ञान रखते हैं इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग के द्वारा सत्र 2023–24 में बी.ए.एल.एल.बी पाठ्यक्रम प्रवेश हेतु 20 जून 2003 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 412 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश परीक्षा में पंजीयन कराया था उसमें से 352 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा विदित शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता बनाये रखने के उद्देश्य से प्रवेश परीक्षा (SKULET– 2023–24) का आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। प्रथम चरण में 20 जून को अयोजित प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। शेष पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए द्वितीय चरण की परीक्षा 30 जून 2023 को आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी बी.ए.एल.एल.बी पाठयक्रम में प्रवेश ले सकेंगे। कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने प्रवेश परीक्षा की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। वर्तमान शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति करने हेतु छात्रों की रूचि एवं क्षमताओं के विकास के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन अति आवश्यक है। विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। द्वितीय चरण की प्रवेश परीक्षा में सम्मिल्लित होने के लिए निःशुल्क पंजीयन कराने की अन्तिम तिथि 28 जून निर्धारित की गई है। ऑनलाइन पंजीयन के अलावा आप मोबाइल नं. 62626 –18023पर संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं।





4.152 विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट कैंपस का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के द्वारा विश्वविद्यालय में ट्रेड इण्डिया कम्पनी के द्वारा कैंपस का आयोजन हुआ जिसमें विभिन्न विभाग के छात्र–छात्राओं का प्लेसमेंट कराया गया जिसमें विश्वविद्यालय में संचालित समस्त विभाग के 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन भौतिक/ऑनलाइन माध्यम से किया गया। सर्वप्रथम प्रथम चरण में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियो के लिए लिखित परीक्षा का प्रावधान रखा गया। द्वितीय चरण में ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से अभ्यर्थियों के ज्ञान का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा। उसके बाद चयन हेतु अन्तिम चरण में साक्षात्कार लिया जाएगा। इस कैम्पस प्लेसमेंट में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को विश्विद्यालय के कुलाधिपति डॉ.बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ.पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ.अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव श्रीमती मेघना मिश्रा ने शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह ऑनलाइन प्लेसमेंट विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रमुख सदस्यों श्री सुदर्शन बबेले, प्रिंसी पाठक और प्रतीक्षा तिवारी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

www.skuindia.ac.in





4.153 कुलाधिपति ने 1300 मेधावी छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

नगर के मानस भवन में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति द्वारा विकास खंड अंतर्गत के 10वी और 12वी कक्षा में 60 प्रतिशत अंक लाने बाले होनहार मेधावी छात्र छात्राओं के सम्मान का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं को शील्ड प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । जानकारी के अनुसार श्रीकृष्णा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ ब्रजेन्द्र सिंह गौतम ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल पंजीयन अनुपात को बढाने के उददेश्य के तहत शनिवार को नगर के मानस भवन में 10वी और 12वी कक्षा में 60 प्रतिशत अंक लाने बाले छात्र छात्राओं का मनोबल बढाने के लिये कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में विकासखंड अंतर्गत नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों के बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं के अलावा उनके माता पिता को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर उनका हौसला अफजाई करते हुए स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया तद्पश्चात माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए छात्र छात्राओं को सम्मानित करते हुए ब्रजेन्द्र सिंह गौतम ने कहा कि शिक्षा सर्वोपरि है । सभी बच्चे मेहनत कर पढ़ाई पर ध्यान दे क्योंकि आप सभी हमारे देश का भविष्य है ।

छात्र छात्राओं के प्रोत्साहन एव उनका मनोबल बढ़ाने के लिए श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति ब्रजेन्द्र सिंह गौतम के द्वारा रखे गए कार्यक्रम में नगर सहित ग्रामीण अंचलों से पहुँचे हजारों की संख्या में छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया तथा नयागांव निवासी रामस्वरूप अनुरागी की पुत्री अंजना अनुरागी जो जन्म से दिव्यांग है । ओर 12 वी क्लास में 60 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए जिसे कार्यक्रम में शामिल होने पिता रामस्वरूप अपनी गोद मे उठाकर लाया । जिसे ब्रजेन्द्र सिंह गौतम देखा और पूछा बेटा पढ़ाई करने के बाद क्या बनना चाहती हो तो दिव्यांग अंजना ने कहा सर में आई एस बनना चाहती हूँ । दिव्यांग बेटी के मनोबल को देख मंच पर अंजना का सम्मान करते हुए कहा कि बेटा आज से आपकी पढ़ाई का खर्च पूरा खर्च में उठाऊँगा जिस पर तालियां की गड़गड़ाहट गूंज उठी और सभी ने ब्रजेन्द्र सिंह गौतम की सराहना की । डॉ गौतम में कार्यक्रम के दौरान छात्रो से सीधा संवाद किया तथा छात्र छात्राओं के द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रश्नो के उत्तर देकर उनका मार्गदर्शन किया ।

श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.ब्रजेन्द्र सिंह गौतम द्वारा छात्र छात्राओं के हितों एवं उनके प्रोत्साहित करने के लिए की गई सराहनीय पहल से जहा छात्र छात्राओं का मनोबल बढ़ा है तो वही अपने बच्चों को सम्मान पाकर देख माता पिता ने खुशी जाहिर की है । शनिवार की सुवह से मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में छात्र छात्राएं पहुचे जहा श्रीकृष्णा यूनिवर्सिटी की टीम द्वारा 10वी एवं 12वी के छात्र छात्राओं की अंक सूची व आधार कार्ड के माध्यम से हाल ही में रजिस्ट्रेशन किए गए तद्पश्चात छात्र छात्राओं को बारी बारी से बुलाकर शील्ड प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया । सम्मान पाते ही छात्र छात्राओं के चेहरों पर खुशी की मुस्कान झलकती रही ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप विश्व विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशेष अतिथि के रूप में डॉ अनिल धगट कुलपति सहित कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ पुष्पेन्द्र सिंह गौतम उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन पर छतरपुर जिले के विविध विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, नौगांव के गणमान्य नागरिक, पत्रकार बन्धु और छात्र छात्राएं उपास्थित रहे।

अपने स्वागत भाषण में कुलाधिपति ने छात्रों को उच्च शिक्षा, पाठ्यक्रम के उचित चयन और ईमानदारी से अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को प्रेरित करने हेतु जिन्होंने 60 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त कर जो सफलता हासिल की उन्हें सम्मानित करने पर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश शासन 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले को मेधावी विद्यार्थियों की श्रेणी में मानकर 25000 हजार रूपये की राशि लेपटॉप खरीदने हेतु सीधे छात्र छात्राओं के खाते मे दिया है। इसी सम्मान को आगे बढाते हुए तथा मध्यप्रदेश मे उच्च शिक्षा के क्षेत्र मे सकल पंजीयन अनुपात को बढाने के उददेश्य से श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने अनूठी पहल की है जिसमे 60 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेधावी विद्यार्थियों में सम्मिलित कर प्रमाणपत्र प्रदान किये हैं विद्यार्थियों को विश्व विद्यालय के द्वारा प्रद्दत प्रमाणपत्र दिखाने पर परफेक्ट इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने पर 20,000 की छूट दी जाएगी। परफेक्ट इलेक्ट्रिक स्कूटी छतरपुर शोरूम के संचालक उपस्थित है जिनका हम आभार व्यक्त करते है कि उन्होंने इस कार्य में हमारा साथ देने का आश्वाशन दिया।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविधालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि शिक्षित होने के साथ साथ स्वयं के व्यक्तिव को निखारना चाहिए नौकरी प्राप्त हो ये अच्छी बात है लेकिन उससे अच्छा है कि हम ऐसी शिक्षा ग्रहण करें कि नौकरी प्रदाता बन सकें। हमे हर पल स्वयं का चिन्तन अवश्य करना चाहिए क्योंकि आपको आप से बेहतर कोई नहीं जानता जिस दिन आप स्वयं का सही मूल्यांकन कर लेंगे तब आप ही खुद के रॉल मॉडल बन जाएंगे। यही आपकी उपलब्धि होगी सभी विद्यार्थीयों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं। कार्यक्रम में नौगांव विकासखण्ड के 70 स्कूलों के लगभग 1500 छात्र छात्राऐं व 300 से अधिक शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया तथा अंत में विश्वविधालय के कुलाधिपति ने सफल आयोजन हेतु विश्वविधालय के समस्त स्टाफ को सम्मानित किया।





4.154 विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ.पुष्पेन्द्र गौतम लोकतंत्र प्रहरी के रूप में सम्मलित हुए

लोकतंत्र सेनानी संघ मध्यप्रदेश आपातकाल स्मृति दिवस 26 जून को लोकतंत्र सेनानी संघ प्रादेशिक सम्मेलन का आयोजन मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित किया गया । इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि –माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री, म.प्र शासन, माननीय श्री कैलाश सोनी (सांसद) राष्ट्रीय अध्यक्ष, लोकतंत्र सेनानी संघ विशिष्ट अतिथि – माननीय श्री सत्यनारायण जटिया पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय संरक्षक, लोकतंत्र सेनानी माननीय श्री इन्दरसिंह परमार , राज्यमंत्री, सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. शासन तपन भौमिक (प्रदेश अध्यक्ष) लोकतंत्र सेनानी संघ के साथ श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम को भी लोकतंत्र प्रहरी के रूप में आमंत्रित किया गया कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लोकतंत्र सेनानियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया आपातकाल में भी लोकतंत्र सेनानियों ने भारत माता का जयघोष किया। सत्ताधीशों ने अपने आप को सत्ता में बनाए रखने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा गया, परन्तु लोकतंत्र सेनानियों ने बिना परिणामों की परवाह किए यातनाएं और कष्ट सहे। उन्होंने देश की आजादी की तीसरी लड़ाई लड़ी। इस संघर्ष का सम्मान हमारा कर्तव्य और धर्म है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रमुख घोषणाएं करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि रूपये 25 हजार से बढ़ाकर रूपये 30 हजार प्रतिमाह

होगी। दिवंगत सेनानियों के परिवार की निधि रूपये 5 हजार से बढ़ाकर रूपये 8 हजार होगी। एक माह से कम अवधि के लिए बंदी रहने वाले लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि रूपये 8 हजार से रूपये 10 हजार की जाएगी लोकतंत्र सेनानियों को 15 अगस्त को ताम्रपत्र से सम्मानित किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों को नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में रुकने की व्यवस्था की जाएगी प्रत्येक जिले में विश्राम गृह में दो दिन तक 50 प्रतिशत शुल्क के साथ रुकने की व्यवस्था होगी। मध्यप्रदेश सरकार लोकतंत्र सेनानियों का संपूर्ण इलाज नि:शुल्क कराएगी।





5. करार (एम ओ यू)

1. The art of living (TAOL), Bengaluru, Karnataka and Shri Krishna University, chhatarpur in connection with Imparting the youth empowerment & skills program for students and the Faculty Development Program (FDP) for teaching and non teaching staff at Shri Krishna University, chhatarpur.

2. Sumeru digital solutions private limited, Bengaluru Karnataka & Shri Krishna University, chhatarpur.

3. Heartfulness Education Trust (HET), Vijayawada, Andhra Pradesh & Shri Krishna University, chhatarpur (SKU).

6. विश्वविद्यालय को विभिन्न संस्थानों से प्राप्त सम्मान

7. विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियाँ

8. संकाय

- विज्ञान
- शिक्षा
- वाणिज्य
- इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी
- कम्प्यूटर सांइस एवं एप्लीकेशन
- ह्यूमेनिटीज एवं सोशल साइंस
- लॉ
- मेडीकल साइंस
- वोकेशनल स्टडीज
- जर्नलिज्म एवं मास कम्यूनिकेशन
- डिजास्टर मेनेजमेन्ट
- प्रबंधन
- कृषि संकाय

www.skuindia.ac.in